विद्याविनियोगाद्विकासः

IIM AHMEDABAD

59 वाँ

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2020-21

संस्थापक प्रणेता

डॉ. जीवराज एन. मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

डॉ.विजयपत सिंघानिया

श्री ए. एम. नायक

श्री पंकज पटेल

वर्तमान अध्यक्ष

श्री कुमार मंगलम बिड़ला

वर्तमान निदेशक

एर्रोल डिसूज़ा

पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

प्रोफेसर आशीष नन्दा

59 वाँ

वार्षिक प्रतिवेदन
2020-21

विद्याविनियोगाद्विकासः

AHMEDABAD

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

Indian Institute of Management Ahmedabad

अनुक्रमणिका

1. वर्ष का सिंहावलोकन 5

2. कार्यक्रम 9

2.1 स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी) 9

2.2 खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम) 12

2.3 कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) 14

2.4 प्रबंधन में ई-स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी) 16

2.5 उन्नत व्यापार विश्लेषण में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए) 17

2.6 प्रबंधन में पीएच.डी. कार्यक्रम 18

2.7 स्थानन 18

2.8 दीक्षांत समारोह 21

2.9 सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम 23

2.10 प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम 23

2.11 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम 24

3. अनुसंधान एवं प्रकाशन 26

3.1 *विकल्प* : निर्णय निर्माताओं का जर्नल 26

4. केस केंद्र 28

5. विक्रम साराभाई पुस्तकालय 29

6. अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह 30

6.1 नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) 30

6.2 लैंगिक मुद्दा प्रबंधन समिति (सीएमजीआई) 33

6.3 लैंगिक केंद्र 34

6.4 भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) 34

6.5 कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) 35

6.6 स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस) 36

6.7 सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी) 37

6.8 रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केंद्र (आरजेएमसीईआई) 38

6.9 जेएसडबल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल (जेएसडबल्यू एसपीपी) 39

6.10 डिजिटल रूपांतरण केंद्र (सीडीटी) 40

6.11 परिवहन और रसद केंद्र (सीटीएल) 40

6.12 अशांक देसाई नेतृत्व और संगठनात्मक विकास केंद्र (एडीसीएलओडी) 41

6.13 एनएसई व्यवहार विज्ञान केंद्र 41

6.14 मिश्रा वित्तीय बाजार और अर्थव्यवस्था केंद्र 42

7. अनुशासनिक विषय-क्षेत्र 43

7.1 संचार 43

7.2 अर्थशास्त्र 43

7.3 वित्त एवं लेखा 44

7.4 मानव संसाधन प्रबंधन 45

7.5 सूचना प्रणालियाँ 46

7.6 विपणन 46

7.7 संगठनात्मक व्यवहार 47

7.8 उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके 48

7.9 रणनीति 49

8. मान्यता और रैंकिंग.....51

9. पूर्वछात्र गतिविधियाँ.....54

10. अभिलेखागार 58

11. संचार गतिविधियाँ 59

12. कंप्यूटर केंद्र.....60

13. अनुदान सहायता.....63

14. अवसंरचना विकास.....64

15. कोविड-19 महामारी का प्रबंधन 67

16. राजभाषा कार्यान्वयन.....72

17. कार्मिक.....73

18. खेल एवं मनोरंजन गतिविधियाँ समिति (सारा) 75

19. छात्र गतिविधियाँ 76

20. निरंतरता और हरित पहल 81

21. कल्याण गतिविधियाँ 83

परिशिष्ट 87

दृष्टि एवं सामरिक प्राथमिकताएँ

आईआईएमए का लक्ष्य समाज में प्रगतिशील तथा स्थायी प्रभाव का निर्माण करते हुए एक प्रमुख वैश्विक प्रबंधन स्कूल के रूप में प्रबंध शिक्षा एवं शिक्षण के क्षेत्र में अपनी पहचान को जारी रखना है। संस्थान निम्नलिखित पहलुओं पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता है:

उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, विशिष्ट एवं प्रभावशाली शिक्षण तथा विभिन्न विषयों के लिए ज्ञान-निर्माण में सार्थक योगदान को प्रोत्साहित करके छात्रवृत्ति में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।

संस्थानों एवं उद्यमी संगठनों के अग्रणियों को शिक्षित तथा पोषित करना एवं उच्च-गुणवत्ता की प्रतिभा और मूल्य निर्माण में उनके प्रयासों का समर्थन करना।

सरकार, व्यवसायिकों एवं गैर-सरकारी उद्यमों सहित स्पेक्ट्रम में पूर्व छात्रों तथा प्रमुख हितधारकों, निर्णय निर्माताओं और अग्रणियों के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से नीति एवं शिक्षण की दुनिया को प्रभावित करना।

आईआईएमए एक उच्च प्रदर्शन वाले काम के माहौल पर जोर देकर अपनी दृष्टि का समर्थन करता है, जो अपने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के बीच स्वायत्तता, रचनात्मकता और सहयोग की संस्कृति द्वारा समर्थित है। जैसा कि संस्थान अपने उद्देश्यों में संलग्न है, यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियाँ विभिन्न क्षेत्रों को संबोधित करती रहें जो समाज के विभिन्न वर्गों के लिए चिंता का विषय हैं।

1.

वर्ष का सिंहावलोकन

ऐरोल डिसूज़ा
निदेशक, आईआईएमए

इस वर्ष के दौरान, जिसे कोविड-19 महामारी द्वारा परिभाषित किया गया है, सात नए संकाय संस्थान में शामिल हुए। संकायों ने शिक्षण, केस लेखन, परामर्श और नीति सलाहकार में अपनी गहरी भागीदारी बनाए रखी। उन्होंने 25 राष्ट्रीय सम्मेलनों और 56 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। संकायों ने विभिन्न लंबी अवधि के कार्यक्रमों में वर्ष के दौरान कई नए ऐच्छिक डिजाइन किए और प्रस्तुत किए जैसे कि, महामारी; सामरिक कहानी कथन; लिंग और कार्य; स्वास्थ्य अर्थशास्त्र; नीलामी; डिजिटल रूपांतरण का नेतृत्व; कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विपणन; कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानव संसाधन प्रबंधन; विपणन सेवाएं; गोपनीयता विरोधाभास : कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल प्लेटफॉर्म; रसद; एमबीए के अवशेष; भारतीय राज्य, लोकतंत्र और जवाबदेह संस्थान : सुशासन पर पुनर्विचार; शासन और प्रशासन में ईमानदारी; शिक्षा और प्रशिक्षण में आत्म-सीमित विश्वासों का प्रबंधन करना; व्यवसाय और संवैधानिक अधिकार; सर्वेक्षणों को डिजाइन और कार्यान्वित करना; बैंकिंग और वित्तीय मध्यस्थता; बिक्री के लिए नहीं : प्रचार का मनोविज्ञान; नवप्रवर्तन, सामाजिक संस्थान और जमीनी स्तर पर ज्ञान; डिजिटल क्रय-विक्रय; खेलकरण, प्रौद्योगिकी और सीखने की प्रेरणा; सेवा प्रणालियों के परिचालन प्रदर्शन का प्रबंधन; डिजिटल नवप्रवर्तनों का सामरिक प्रबंधन; प्रौद्योगिकी और नवाचार का सामरिक प्रबंधन; व्यापार, सीएसआर और मानवाधिकार; भीड़ का समन्वय; व्यापार और नीति निर्णय के लिए प्रयोग; उच्च प्रदर्शन टीमें : एक यात्रा; विपणन विलासिता; तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार; एल्गोरिदम और विपणन; विकास अर्थशास्त्र : सूक्ष्म नींव; संगठनात्मक अर्थशास्त्र; और व्युत्पन्न बाज़ारों पर एक संगोष्ठी पाठ्यक्रम आदि।

शीर्ष प्रबंधन पत्रिकाओं में संकायों ने प्रकाशन करना जारी रखा। उनके शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए जैसे कि ऑपरेशंस रिसर्च (देबजीत रॉय द्वारा लिखित " कंटेनर टर्मिनल संचालन की मॉडलिंग और डिजाइन"), एमआईएस क्वार्टरली (पंकज सेतिया द्वारा लिखित "मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर की उड़ान : सामुदायिक गतिविधियों पर आधारित एक सिग्नलिंग परिप्रेक्ष्य") रिसर्च पॉलिसी (चिरंतन चटर्जी द्वारा लिखित "प्रतिकूल नियामक घटनाओं के प्रभावों को खोलना : फार्मास्युटिकल रीलेबेलिंग से साक्ष्य"), इंटरनेशनल बिजनेस स्टडीज जर्नल (सौरव बोरा द्वारा लिखित "मुख्य विपणन अधिकारियों का विवेक और फर्मों का अंतर्राष्ट्रीयकरण : एक अनुभवजन्य जांच"), बिजनेस एथिक्स जर्नल (प्रीमिला डी'क्रूज़ और अर्नेस्टो नोरोन्हा द्वारा लिखित "स्थान से फर्क पड़ता है : (गैर)अंतर्स्थापित और बाल श्रमिकों के भारतीय बीटी कॉटनसीड वैश्विक उत्पादन नेटवर्क में प्रतिरूपित बदमाशी के अनुभव" और रजनीश राय द्वारा लिखित " संगठनात्मक रणनीतियाँ के रूप में भय और हिंसा : तिरिक्त-न्यायिक पुलिस हिंसा का विश्लेषण करने के लिए डेरिडियन अवलोकन की संभावना"), एकेडमी ऑफ मार्केटिंग साइंस जर्नल (ह्योकजिन क्वाक द्वारा लिखित "प्रदर्शन पर उत्पादों के बीच की जगह : उत्पाद के आकार के उपभोक्ता अनुमान पर

अंतराल का प्रभाव" और सौरव बोरा द्वारा लिखित "डिजिटल भुगतान तकनीकों को अपनाने से असंगठित खुदरा विक्रेताओं के प्रदर्शन पर क्या प्रभाव पड़ता है? एक उभरते बाजार में एक जांच"), और मार्केटिंग जर्नल (अरुण श्रीकुमार द्वारा लिखित "बाज़ार साक्षरता एक बेहतर विश्व के मार्ग के रूप में: निम्न-पहुँच वाले निर्वाह बाज़ारों में क्षेत्रीय प्रयोगों से साक्ष्य") जैसी पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

विभिन्न विषयों पर अन्य महत्वपूर्ण प्रकाशनों में निम्नलिखित शामिल हैं -- "इंटरनेट विज्ञापनों के लिए किशोरों की प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन : विज्ञापन संदेह, इंटरनेट साक्षरता, और माता-पिता की मध्यस्थता की भूमिका" (अक्षया विजयलक्ष्मी), "सर्वर अनिश्चितता के साथ क्षमतायुक्त बहु-अवधि अधिकतम कवरिंग स्थान समस्या "(सचिन जायसवाल), "प्रतिस्पर्धी हब स्थान समस्याओं के लिए वैकल्पिक समाधान दृष्टिकोण" (सचिन जायसवाल और अंकुर सिन्हा), "इंट्रा-लॉजिस्टिक्स सिस्टम में समानांतर प्रक्रिया प्रवाह की स्टोकेस्टिक मॉडलिंग : कंटेनर टर्मिनलों और कॉम्पैक्ट स्टोरेज सिस्टम में अनुप्रयोग" (देबजीत रॉय), "मल्टी-स्टेज सेमी-ओपन क्यूइंग नेटवर्क के लिए एक नया समाधान दृष्टिकोण : शटल-आधारित कॉम्पैक्ट स्टोरेज सिस्टम में एक एप्लिकेशन" (देबजीत रॉय), "डेस्टिनेशन मार्केटिंग में सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट : तीन-देशीय जाँच-पड़ताल" (सुभदीप रॉय), "कंस्ट्रक्शन, सर्वस्ट्रेस का सत्यापन और सामान्यीकरण : सेवा प्रेरित ग्राहक तनाव के लिए एक उपाय" (सुभदीप रॉय), "क्या वित्तीय रिपोर्टिंग गुणवत्ता कंपनी के जीवन चक्र में भिन्न-भिन्न होती है?" (नीरव नागर), "बिखर चुके फिर भी मुस्कुराहट बनाए हुए : कोविड-19 के दौरान मानव संसाधन प्रबंधन और होटल कर्मचारियों के हालचाल" (प्रोमिला अग्रवाल), "प्रौद्योगिकी खुदरा को कैसे बदल रही है" (पंकज सेतिया), " ट्विटर पर सामग्री सृजन तथा उपयोगकर्ता के जुड़ाव पर राष्ट्रीय संस्कृति की भूमिका का विश्लेषण : भारतीय प्रीमियर लीग क्रिकेट फ्रेंचाइजी का मामला" (अद्रिजा मजूमदार), "अंतर्राष्ट्रीयकरण के पूर्ववृत्त की सैद्धांतिक नींव और बहुराष्ट्रीयता-प्रदर्शन संबंध में मध्यस्थ : किस चीज की कमी है?" (सुनील शर्मा और अमित कर्ण), "ईएटी लैंसेट अनुशंसित आहार प्राप्त करने की लागत की जमीनी सच्चाई : ग्रामीण भारत से साक्ष्य" (विद्या वेमिरेड्डी), "महिलाओं की अक्षमता और त्वचा को गोरी बनाने वाले उत्पादों के लिए प्राथमिकताएँ जो रंगवाद को मजबूत करती हैं : भारत से प्रयोगात्मक साक्ष्य" (चिरंतन चटर्जी), "क्या बिग 4 ऑडिटर वर्गीकरण स्थानांतरण को सीमित करते हैं? भारत से साक्ष्य" (नीरव नागर, नमन देसाई, और जोशी जैकब), "प्रतिस्पर्धी हब स्थान समस्या : मॉडल और समाधान दृष्टिकोण" (सचिन जायसवाल और अंकुर सिन्हा), "जोखिम संवेदनशील बेसल विनियम और फर्मों की क्रेडिट तक पहुँच : प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव" (जोशी जैकब और संकेत महापात्र), "क्रिगिंग अनुमानों का उपयोग कर बाइलेवल ऑप्टिमाइज़ेशन समस्याएं हल करना" (अंकुर सिन्हा), "कृषि में महिलाओं के लिए मौसमी समय में समझौताकारी समन्वय और पोषण परिणाम : ग्रामीण भारत से साक्ष्य" (विद्या वेमिरेड्डी), "श्रम-बचत प्रौद्योगिकियों की व्यवस्थित समीक्षा : कृषि में महिलाओं के लिए निहितार्थ" (विद्या वेमिरेड्डी), "कुशल ई-कॉमर्स ऑर्डर डिलीवरी के लिए एक निर्देशात्मक विश्लेषण ढांचा" (श्रीकुमार कृष्णमूर्ति और देबजीत रॉय), "ईएचआर एप्लिकेशन पोर्टफोलियो और अस्पताल प्रदर्शन : अलग-अलग प्रशासनिक पैमाने और नैदानिक जटिलता वाले अस्पतालों में प्रभाव" (पंकज सेतिया), और "जब अज्ञात गंतव्य जीवंत रूप से दिखता है : पर्यटन में गंतव्य मानवरूपता के हानिकारक प्रभाव" (ह्योकजिन क्वाक)।

महामारी से कार्यकारी शिक्षा प्रभावित हुई थी। निम्नलिखित विषयों पर ऑनलाइन नए कार्यक्रम पेश किए गए -- व्यवसाय के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग; व्यापार का वित्तीय विश्लेषण; व्यावसायिक निर्णयों के लिए प्रयोग; और कोविड-पश्चात भारत में स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन। कार्यकारी शिक्षा क्षेत्र में पहले की पेशकशों को ऑनलाइन करने के लिए फिर से डिजाइन किया गया था। इनमें कई विषय शामिल हैं जैसे कि, नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन; विकास के लिए रणनीतियाँ; परियोजना प्रबंधन; विनिर्माण रणनीति; व्यवसायी महिलाओं में नेतृत्व क्षमता और संभावना बढ़ाना; लाभ के लिए मूल्य निर्धारण; मानव संसाधन विश्लेषिकी; रेस्तरां डिजाइन और प्रबंधन; कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का संचार; तार्किक प्रबंधन; फिनटेक : बिजनेस मॉडल, विपणन, रणनीति और व्यूहकौशल; अनुभवी चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए प्रबंधन और वित्त; विपणन विलासिता: व्यापार की एक नई दुनिया की जटिलताओं को समझना; रणनीति के कार्यान्वयन; सामरिक व्यावसायिक निर्णयों के लिए वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल विकसित करना; पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण; विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन; अनुबंध प्रबंधन; आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन; अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कारोबार का प्रबंधन; बुद्धिमान परिवहन प्रणाली; डेटा-संचालित संगठन के लिए प्रभावी डेटा प्रत्यक्षीकरण; बदलते परिवेश में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व; सामरिक लागत प्रबंधन; और 21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व। अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा स्थान में 24 विशिष्ट कंपनियों के लिए 53 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 170 विदेशी प्रतिभागी आकर्षित हुए।

वर्ष के दौरान 62 केस लिखे जाने के साथ संस्थान में केस लेखन में तेजी आई। इनमें सामग्री की विविधता फैली हुई है जैसा कि कुछ केस शीर्षकों से देखा जा सकता है – दोहराना : कॉल स्प्रेड ओवरले के साथ परिवर्तनीय बाँड; अर्बनक्लैप : मांग पर सेवाओं के लिए बाज़ार; समरधा इन्फोटेक : एक विशेष रूप से सक्षम संगठन; एचएसबीसी: ब्लॉकचैन का उपयोग करके व्यापार वित्त की सुविधा; एनएसई में प्राइम ब्रोकिंग डिफॉल्ट; नेस्ले (गैर) उलझा हुआ! भारत में मैगी नूडल संकट का मुकाबला करना; बिग बास्केट; इंडिग्रिड : भारत के पहले स्वतंत्र विद्युत पारेषण में परिवर्तन इन्वआईटी; विकास और बचाव : वाणिज्य के साथ कारण का मेल; जोमैटो गोल्ड: द लॉगआउट कैंपेन; भारत में नियामक स्वतंत्रता : परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड का एक मामला; अनुबंध और हस्ताक्षर की अंतिमता : केंसिंग्टन कोय का मामला; भारत में इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड; धारणा बदलना और परिणाम बदलना : माइंडट्री का एलएंडटी अधिग्रहण; भारत की क्रिकेट अकादमी लिमिटेड : वित्तीय विवरणों का निर्माण; वेदांता समूह में आंतरिक विकास का प्रबंधन; अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट वेबसाइट; तेगा में ग्रोथ स्टॉल; एक सम्मोहक डेटा स्टोरी बनाना - एक खोज इंजन विज्ञापन बिक्री रणनीति का अँदरूनी पहलू; सूक्ष्म आवास वित्त निगम; स्टर्लाइट टेकनोलोजिज लिमिटेड : केबल्स से लेकर सॉल्यूशन सेलिंग तक; एनर्जी एफिशिएंट सर्विसेज लिमिटेड : उद्योग को आकार देना; नॉर्दर्न टेक्सटाइल्स लिमिटेड; तनिष्क : मूल्य निर्धारण, खुदरा बिक्री और आभूषणों की सूची प्रबंधन; द ताशकंद फाइल्स : फिल्म व्यापार को धता बताते हुए एक भारतीय फिल्म द्वारा व्यवधान; एक ट्रक कुकी नहीं होती : महिंद्रा ट्रक और बस डिवीजन में मांग के साथ आपूर्ति का मिलान; एनरिच डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड; थर्मेक्स; तेग इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड : एक भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी की यात्रा; हाइपर-लोकल ई-ग्रोसरी स्पेस में प्रतिस्पर्धा : टोकरीडॉटकॉम; रेगिस्तान में पानी? असम में ऑयल इंडिया का सीएसआर प्रभाव; दैट्स पर्सनल : प्राइवेसी डिलीवर्ड; ऑयल इंडिया लिमिटेड की नहरकटिया-बरौनी पाइपलाइन में पंप स्टेशन परियोजना चरण 1 का उन्नयन; माइक्रोसाइन में मानव इंजीनियरिंग; अच्छा खाना चुपचाप परोसा जाता है : माइम रेस्तरां; महिंद्रा में मानव संसाधन का व्यावसायीकरण: परिवर्तन के लिए ट्रिगर; डेकाथलॉन इंडिया 2009-2019; बिहार के नालंदा गांव निर्मलपुरा में ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना; शेयरधारक सक्रियता की लागत : एलवीबी शेयरधारक प्रबंधन को वोट देते हैं; जूम का लाइटनिंग बोल्ट क्लाउड्स से बना है; और वोडाफोन गुजरात मामला : उद्यमिता और सुदृढ़ीकरण दक्षताओं के माध्यम से बढ़ना।

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में संस्थान लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स (एफ़टी) प्रबंधन में मास्टर्स रैंकिंग में, संस्थान का स्थान दो-वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए (पीजीपी) के लिए 20वें स्थान पर पहुंचा। खाद्य और कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को एडुनिवर्सल बेस्ट मास्टर्स रैंकिंग द्वारा विश्व स्तर पर पहले स्थान पर रखा गया। दी इकोनॉमिस्ट व्हीच एमबीए रैंकिंग 2021 में संस्थान 51वें स्थान पर रहा। जबकि रैंकिंग के कुछ उपश्रेणियों जैसे कि नए करियर के अवसरों को खोलने के लिए हमने पहला स्थान प्राप्त किया। एक वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए (पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम फॉर एग्जीक्यूटिव्स, पीजीपीएक्स) को भारत में पहले स्थान पर और ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2021 में 50वाँ स्थान दिया गया। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में, संस्थान को प्रथम स्थान पर रैंककृत किया गया।

एक नए 16-महीने के डिप्लोमा कार्यक्रम, उन्नत व्यापार विश्लेषिकी में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए) का उद्घाटन किया गया। सही प्रकार के डेटा के विश्लेषण द्वारा संबोधित करने, और निर्णय लेने के लिए विश्लेषण से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए इस कार्यक्रम को कार्यरत व्यवसायियों द्वारा प्रश्नों को तैयार करने के लिए कौशल हासिल करने में मदद पहुँचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। परिवहन और रसद केंद्र का उद्घाटन यात्री और माल परिवहन, टिकाऊ शहरी गतिशीलता और रसद के विषयों पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। संस्थान ने एक डैशबोर्ड लॉन्च किया है जो आईआईएमए समुदाय के परीक्षण के लिए चल रहे कोविड-19 परिणामों को दिखाता है जिसे नियमित रूप से अपडेट किया जाता है। संस्थान ने छात्रों और समुदाय के सदस्यों के लिए भावनात्मक कल्याण परामर्श सेवाएं शुरू कीं ताकि तेजी से बदलाव के मौजूदा माहौल में कई लोगों को प्रभावित करने वाले तनाव से निपटने में मदद मिल सके। संस्थान के विभिन्न केंद्रों द्वारा दुनिया भर के विद्वानों की विभिन्न विषयों पर कई आभासी शोध संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। इन्हें हमारी वेबसाइट पर देखा जा सकता है। संस्थान अपने उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की उत्कृष्ट प्रतिबद्धता के लिए धन्यता का अनुभव कर रहा है, जिन्होंने एक बहुत ही कठिन अवधि के दौरान अपने दायरे से हटकर कार्यरत रहे और परिसर के सुरक्षित और निरंतर कामकाज और विभिन्न कार्यक्रमों के वितरण को सुनिश्चित करने के लिए अपने कार्यों को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया। जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल को भारत की माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा ऑफ़लाइन आईआईएमए व्याख्यान आयोजित करने का गौरव प्राप्त था। निर्मला सीतारमण ने, कैंपस में, 2021 में तथा उसके बाद भारतीय अर्थव्यवस्था विषय पर चर्चा की। अर्थशास्त्र

कार्यशाला में व्यवहार अनुसंधान और भारत स्वर्ण नीति वार्षिक सम्मेलन जैसे कई शोध सेमिनार ऑनलाइन आयोजित किए गए थे। संस्थान आईआईएमए के चार्टर को आगे बढ़ाने और संस्थान को शिक्षा, उद्यमशीलता नेतृत्व, प्रबंधन अभ्यास और सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में एक बड़ा प्रभाव बनाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से एक बंदोबस्ती (एंडोमेंट) निधि शुरू करने वाला देश का पहला प्रबंधन स्कूल बना है।

वित्तीय वर्ष के दौरान सर्वाधिक पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले संस्थान के पाँच कर्मचारी थे: प्रोफेसर सुनील माहेश्वरी, प्रोफेसर अरविंद सहाय, प्रोफेसर अमित गर्ग, प्रोफेसर संजय वर्मा, और प्रोफेसर शैलेश गांधी। संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में उनके योगदान को वार्षिक रिपोर्ट के हिस्से के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

संस्थान शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से छात्रवृत्ति में उत्कृष्टता में योगदान करने, उद्यमों के नेताओं को शिक्षित और पोषित करने और समाज पर एक प्रगतिशील और स्थायी प्रभाव पैदा करते हुए नीति और व्यवहार की दुनिया को प्रभावित करने की अपनी रणनीतिक प्राथमिकता पर केंद्रित है। संस्थान एक समान अवसर नियोक्ता है और महत्वपूर्ण सोच में क्षमता; अपने स्वयं के विश्वासों, पूर्वाग्रहों और विशेषाधिकारों के बारे में आत्म-जागरूक होने के साथ-साथ दूसरों के विश्वासों और विचारों का सम्मान; रचनात्मकता; और चरित्र की खेती के लिए अपने प्रयासों के माध्यम से उद्योग के प्रतिभागियों और अपने विभिन्न कार्यक्रमों में छात्रों के लिए कौशल और लक्षण प्रदान करना चाहता है। अपने उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए हम भविष्य के लिए कौशल में निवेश करने और समाज को वापस देने के साथ-साथ मानवता को लाभ पहुंचाने वाले परिणाम प्रदान करने का प्रयास करते हैं।

2.
कार्यक्रम

संस्थान चार दीर्घावधि की उपाधि देनेवाले कार्यक्रम (पीजीपी, पीजीपी-एफएबीम, पीजीपीएक्स, ई-पीजीपी), एक दीर्घावधि वाला डिप्लोमा कार्यक्रम (ईपीजीडी-एबीए), और एक डॉक्टरेट (पीएच.डी.) कार्यक्रम प्रस्तुत करता है।

2.1 स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी)

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ीपीजीप) का 57वें बैच का पंजीकरण 29 जुलाई, 2020 और 31 जुलाई, 2020 के बीच आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कुल 392 छात्र शामिल हुए।

कार्यक्रम का दूसरा वर्ष 389 छात्रों के साथ 4 जुलाई, 2020 को शुरू हुआ। दूसरे वर्ष के अंत में, (डबल डिग्री कार्यक्रम के प्रतिभागियों सहित) 405 छात्र अकादमिक आवश्यकताओं को संतोषजनक रूप से पूरा करते हुए स्नातक हुए।

इसके विवरण **परिशिष्ट क1** में दिए गए हैं।

श्रेणी के अनुसार छात्रों के विवरण इस प्रकार हैं -

छात्र	सामान्य	एनसी–ओबीसी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	आर्थिक पिछड़ा वर्ग ईडब्ल्यूएस	कुल
प्रथम वर्ष	185	105	55	29	09	09	392 [एन1]
द्वितीय वर्ष	185	99	57	31	15	-	387 [एन2]

[एन1]: छह छात्रों ने बीच में अभ्यास छोड़ दिया और एक छात्र को एक साल के लिए छुट्टी दे दी गई। इसके अतिरिक्त, पिछले बैच के दो छात्र कार्यक्रम के पहले वर्ष में फिर से शामिल हुए। प्रथम वर्ष के छात्रों की अंतिम गणना 387 है।

[एन2]: इसके अतिरिक्त, पिछले बैच के दो छात्र कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में फिर से शामिल हुए। एनसी–ओबीसी: नोन क्रीमी स्तर अन्य पिछडी जातियाँ;

पीजीपी तथा पीजीपी-एफ़एबीएम 2020-22 बैच का ऑनलाइन उद्घाटन और अभिविन्यास

पूर्व-तैयारी (प्रीपरेटरी) कार्यक्रम

पूर्व तैयारी कार्यक्रम उन छात्रों के लिए है, जिन्हें कार्यक्रम में प्रवेश लेने से पहले उनके संचार एवं गाणितीय कौशलों को मजबूत करने की आवश्यकता होती है, जिसका आयोजन ऑनलाइन किया गया था। ऑनलाइन पूर्व-तैयारी कार्यक्रम से एक सौ छियालीस छात्र लाभान्वित हुए।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए अभिविन्यास / प्रेरण कार्यक्रम 2 से 5 अगस्त, 2020 के दौरान आयोजित किया गया था। इसमें निदेशक, डीन (कार्यक्रम) और पीजीपी अध्यक्ष के संबोधन के उपरांत पीजीपी कार्यकारी समिति के साथ संवाद किया गया और संस्थान के प्रशासन, कंप्यूटर सेवाओं तथा पुस्तकालय की सुविधाएं व इसके उपयोग संबंधित संक्षिप्त जानकारियाँ अभिविन्यास कार्यक्रम के दौरान दी गई। केस तैयारी तथा केस पद्धति से परिचित कराने के लिए विस्तृत सत्र का भी आयोजन भी किया गया था क्योंकि यह संस्थान का प्रमुख उपकरण है। दूसरे शिक्षा सत्र की शुरुआत में एक अनुवर्ती सत्र का भी आयोजन किया गया था।

ट्यूटोरियल

प्रथम वर्ष के कुछ पाठ्यक्रमों में ट्यूटोरियल की पेशकश की गई थी जिससे छात्रों को इस कार्यक्रम की आवश्यकताओं में मदद मिल सके।

पाठ्यक्रम

पीजीपी समीक्षा समिति द्वारा नवीनतम अनुसंधान के साथ तालमेल रखने के लिए समय-समय पर पाठ्यक्रम को संशोधित किया जाता है।

इस वर्ष, प्रथम वर्ष के छात्रों ने तीन सत्रों में विस्तारित 34 अनिवार्य पाठ्यक्रम (208.3 क्रेडिट) लिए, जिसमें 1.50 क्रेडिट के दो फ्लेकसी कोर पाठ्यक्रम शामिल थे। दूसरे वर्ष में, छात्रों को एक क्रेडिट के अनिवार्य पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वैकल्पिक पाठ्यक्रम के न्यूनतम 18 क्रेडिट और अधिकतम 21 क्रेडिट पूरे करने थे।

दूसरे वर्ष के दौरान, 130 पाठ्यक्रमों को वैकल्पिक के रूप में पेश किया गया था, जिनमें से 25 पाठ्यक्रमों को पहली बार पेश किया गया था। तेईस पाठ्यक्रमों को, प्रत्येक को दो अनुभागों में पेश किया गया था, और चार पाठ्यक्रमों को तीन या अधिक अनुभागों में प्रस्तुत किया गया था। दो सौ नवासी परियोजना पाठ्यक्रम भी पेश किए गए। वर्ष के दौरान अनुसूचन के लिए 168 पाठ्यक्रम कक्षा स्थानों के प्रबंधन की आवश्यकता थी, भले ही कक्षाएं मुख्य रूप से ऑनलाइन आयोजित की गई हों।

नए पाठ्यक्रम

दूसरे वर्ष में निम्नलिखित नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए गए थे :

1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानव संसाधन प्रबंधन
2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मार्केटिंग
3. नीलामी
4. बैंकिंग और वित्तीय मध्यस्थता
5. व्यवसाय और संवैधानिक अधिकार
6. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अनुबंध की शर्तें
7. सर्वेक्षणों को डिजाइन और कार्यान्वित करना
8. लिंग और विकास संबंधित नीति व कार्यक्रम
9. लिंग और कार्य
10. स्वास्थ्य अर्थशास्त्र
11. औद्योगीकीकरण : विश्व के इतिहास के परिप्रेक्ष्य में
12. जमीनी स्तर पर नवाचार, सामाजिक संस्थान और ज्ञान
13. डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करना
14. रसद
15. शिक्षा और प्रशिक्षण में आत्म तमीसि-मान्यताओं का प्रबंधन
16. मार्केटिंग/ विपणन सेवाएं
17. बिक्री के लिए नहीं : प्रचार का मनोविज्ञान
18. महामारी

ऑनलाइन कक्षा

19. गोपनीयता विरोधाभास : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म
20. निजी इक्विटी, हेज फंड और कॉर्पोरेट वित्त
21. शासन और प्रशासन में ईमानदारी
22. भारत में सामाजिक नीति
23. रणनीतिक कहानी सुनाना
24. भारतीय राज्य, लोकतंत्र और जवाबदेही, संस्थान सुशासन पर पुनर्विचार
25. एमबीए के अवशेष

छात्र विनिमय कार्यक्रम

कोविड-19 महामारी को देखते हुए 2019-2021 के बैच के छात्रों को विनिमय कार्यक्रम का लाभ नहीं मिल सका। आईई बिजनेस स्कूल (इन्स्तित्यूतो दे एमप्रेसा) के एकमात्र प्रतिभागी ने एकसत्रीय विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया था।

अकादमिक प्रदर्शन और छात्रवृत्तियाँ

शैक्षिक प्रदर्शन के लिए संस्थान के स्वर्ण पदक से सम्मानित बैच 2019-21 के छात्रों को सेक्शन 2.8 (दीक्षांत समारोह) में सूचीबद्ध किया गया है।

छात्रवृत्तियों और पुरस्कारों का अधिक विवरण **परिशिष्ट क2** में शामिल किया गया है।

आईआईएमए विशेष आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ (एसएनबीएस)

संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष के दौरान एसएनबीएस के तहत 2,37,50,000 रुपए की छात्रवृत्तियाँ प्रदान की। छात्रवृत्ति राशि 75,000 से लेकर 2,45,000 रुपए तक की थी। एसएनबीएस छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण पाठ्यक्रम के अनुसार निम्न प्रकार से है :

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या	राशि रुपए में
पीजीपी-प्रथम	64	1,00,95,000
पीजीपी-द्वितीय	70	96,00,000
पीजीपी–एफ़एबीएम-प्रथम	11	17,40,000
पीजीपी-एफ़एबीएम–द्वितीय	14	23,15,000
कुल	**159**	**2,37,50,000**

उपर्युक्त में से, 15,15000 रुपए पूर्वछात्र छात्रवृत्ति के माध्यम से दिए गए और 10,000 रुपए तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन द्वारा दिए गए।

भारत सरकार - शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना

अनुसूचित जाति - छात्रों से प्राप्त नौ नए आवेदन पत्रों और नवीनीकरण हेतु आए छह अनुरोध सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को भेजा गया। प्राप्त अनुदान को संबंधित छात्रों को वितरित कर दिया गया।

अनुसूचित जनजाति – छात्रों से प्राप्त छह आवेदन पत्रों और सात नवीकरण आवेदन को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल एनएसपी के माध्यम से जनजातीय मामलों के मंत्रालय को भेजा गया। प्राप्त अनुदान को संबंधित छात्रों को वितरित कर दिया गया।

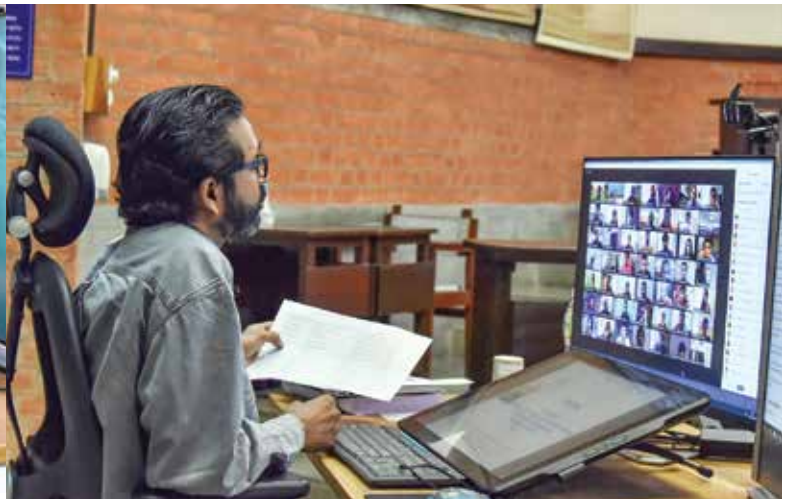

ऑनलाइन कक्षाएँ

दिव्यांग छात्रों (पीडब्ल्यूडी) के चार नए आवेदन पत्रों को राष्ट्रीय पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग को भेजा गया। इन छात्रवृत्तियों के अनुदान सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजे जाते हैं।

अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय (एमओएमए) – छात्रों से प्राप्त सात आवेदन पत्रों और चार नवीकरण आवेदन को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को भेजा गया। ये छात्रवृत्तियाँ इस मंत्रालय द्वारा सीधे ही लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजी जाती हैं।

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए व्यवसायिक पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्राप्त करने हेतु स्नाकोत्तर छात्रवृत्ति योजना: तीन नए आवेदन पत्रों और एक नवीकरण आवेदन एनएसपी के माध्यम से भेजे गए।

प्रवेश

29 नवंबर, 2020 को कंप्यूटर आधारित सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट) का आयोजन किया गया था। कोविड महामारी के कारण कैट की परीक्षा को पारंपारिक दो पारियों के बजाय तीन पारियों में आयोजित किया गया था। परीक्षा के संचालन में सभी सरकारी दिशानिर्देशों का पालन किया गया। सामाजिक दूरी और अन्य मापदंडों के पालन के लिए प्रत्येक उम्मीदवार के बीच 6 फूट की दूरी सुनिश्चित करते हुए 6 एसडी-50 आइसोलेशन मोडेल को अपनाकर परीक्षा खंड की बैठक क्षमता को 50% तक कम कर दिया गया था। महामारी सूचक उम्मीदवारों के लिए एक अलग कमरा आवंटित किया गया था। एक दिन में परीक्षा समाप्त करने के लिए परीक्षा की अवधि 3 घंटे से घटाकर 2 घंटे कर दी गई थी।

जून 2021 से शुरू होने वाले स्नातकोत्तर कार्यक्रम हेतु 1,76,182 नदवेआ पत्र प्राप्त हुए, जिनमें समुद्रपार/विदेशी उम्मीदवारों के आवेदन पत्र शामिल थे। इस वर्ष और पिछले वर्ष के तुलनात्मक आँकड़े **परिशिष्ट क3** में दिए गए हैं।

साक्षात्कार चरण तक की प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी **परिशिष्ट क4** में दी गई है।

2.2 खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम)

खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन (पीजीपी-एफ़एबीएम) में स्नाकोत्तर कार्यक्रम युवाओं और महिलाओं को खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों में संगठनों की चुनौतियों से निपटने के लिए गतिशील व्यवसायिक प्रबंधकों, अग्रणीयों तथा उद्यमियों के रुप में तैयार करने के लिए बनाया गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पुरुषों और महिलाओं को खाद्य और कृषि-व्यवसाय, ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों के लिए सक्षम व्यावसायिक प्रबंधकों के रूप में विकसित करना है। बढ़ती पर्यावरणीय चिंताओं और अत्यधिक बाजार-उन्मुख वातावरण में काम करने की चुनौतियों के लिए कृषि-खाद्य उद्योग को न केवल नीतियों में बदलाव के लिए बल्कि उन परिवर्तनों के प्रबंधन में भी गतिशील रूप से प्रतिक्रिया करने की आवश्यकता है। यह कार्यक्रम छात्रों को उन परिवर्तनों की प्रक्रिया को बदलने और प्रबंधन करने के कठिन कार्य के लिए तैयार करता है।

खाद्य और कृषि व्यवसाय प्रबंधन (पीजीपी-एफ़एबीएम) में स्नाकोत्तर कार्यक्रम के 21वें बैच (2020-22) का पंजीकरण 29 जुलाई, 2020 और 31 जुलाई, 2020 के दौरान ऑनलाइन आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कुल 47 छात्र शामिल हुए।

पीजीपी-एफ़एबीएम का दूसरा वर्ष 04 जुलाई, 2020 को

ऑनलाइन कक्षाएँ

46 छात्रों के साथ शुरू हुआ। द्वितीय वर्ष के अंत में 45 छात्र अकादमिक आवश्यकताओं को संतोषजनक रूप से पूरा करते हुए स्नातक हुए।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख1** में दिए गए हैं।

छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण इस प्रकार है:

छात्र	सामान्य	एनसी-ओबीसी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	आर्थिक पिछड़ा वर्ग	कुल
प्रथम वर्ष	25	12	7	1	1	1	47
द्वितीय वर्ष	24	15	4	3	-	-	46

पूर्वतैयारी कार्यक्रम

पूर्व-तैयारी कार्यक्रम उन छात्रों के लिए है, जिन्हें कार्यक्रम में प्रवेश लेने से पहले उनके संचार एवं गणितीय कौशलों को मजबूत करने की आवश्यकता होती है, जिसका आयोजन ऑनलाइन किया गया था। ऑनलाइन पूर्व-तैयारी कार्यक्रम से सैंतालीस छात्र लाभान्वित हुए।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए 2-5 अगस्त, 2020 के दौरान एक अभिविन्यास/ प्रेरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। निदेशक, डीन (कार्यक्रम), एफ़एबीएम अध्यक्ष के द्वारा संबोधन के अलावा पीजीपी एफ़एबीएम कार्यकारी समिति के साथ एक संवाद और संस्थान के प्रशासन, कंप्यूटर सेवाओं और पुस्तकालय सुविधाओं और उसके उपयोग संबंधित जानकारियाँ अभिविन्यास कार्यक्रम के दौरान दीं गईं। केस तैयारी और केस पद्धति पर विस्तृत सत्र नए छात्रों को शिक्षण की केस पद्धति से परीचित कराने के लिए आयोजित किए गए थे क्योंकि यह संस्थान का प्रमुख उपकरण है। दूसरे शिक्षा सत्र की शुरुआत में एक अनुवर्ती सत्र का भी आयोजन किया गया था।

ट्यूटोरियल

प्रथम वर्ष के कुछ पाठ्यक्रमों में ट्यूटोरियल की पेशकश की गई थी जिससे छात्रों को इस कार्यक्रम की आवश्यकताओं में मदद मिल सके।

पाठ्यक्रम

कार्यक्रम का प्रथम वर्ष पीजीपी के साथ साझा किया गया। छात्रों ने 34 अनिवार्य पाठ्यक्रम (24.05 क्रेडिट्स) लिए, जो तीन सत्रों में विस्तारित थे। द्वितीय वर्ष में कृषि व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को समाहित करते हुए सात क्षेत्र – विशेष अनिवार्य पाठ्यक्रम और 24 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। दूसरे वर्ष के छात्रों को न्यूनतम 17 क्रेडिट और अधिकतम 20 क्रेडिट के लिए पंजीकरण करना जरूरी था। उन्हें अन्य कार्यक्रमों के किसी भी सत्र में 3.5 क्रेडिट अंकों के लिए पंजीकरण करने की अनुमति दीं गईं।

पाठ्यक्रम "रणनीति कैपस्टोन" को पहलीबार वैकल्पिक के रूप में पीजीपी-एफ़एबीएम-2 के छात्रों के लिए पेश किया गया। इस पाठ्यक्रम ने प्रबंधन के कई कार्यात्मक क्षेत्रों का एक एकीकृत दृष्टिकोण विकसित करने और छात्रों में सामान्य प्रबंधन और नेतृत्व अभिविन्यास को बढ़ावा देने में मदद की।

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल (आरआईएम) का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीणों के जीवन से संपर्क साधने, ग्रामीणों से बातचीत करके

सीखने और ग्रामीण परिवेश, समाज, संस्थानों, एवं अर्थव्यवस्था से परिचित होने का एक मौका प्रदान कराना था। महामारी के कारण चालू वर्ष के लिए आरआईएम को रद्द कर दिया गया और तदनुसार, छात्र सभी कार्यक्रमों में एक क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण कर सकते थे।

छात्र विनिमय कार्यक्रम

महामारी को देखते हुए 2019-21 बैच के छात्रों को छात्र विनिमय कार्यक्रम का लाभ नहीं मिल सका।

पुरस्कार और आई-छात्रवृत्ति

विभिन्न पुरस्कारों और छात्रवृत्तियों का विवरण **परिशिष्ट ख2** में दिया गया है।

प्रवेश

जून, 2021 में शुरू होनेवाले खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम हेतु 1,36,481 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इस वर्ष और पिछले वर्ष के तुलनात्मक आँकड़े **परिशिष्ट ख3** में दिए गए हैं।

साक्षात्कार चरण तक की प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी **परिशिष्ट ख4** में दी गई है।

2.3 कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)

पीजीपीएक्स 2020-21

कार्यक्रम की शुरुआत 22 अप्रैल, 2020 को 39 छात्राओं सहित 140 प्रतिभागियों के साथ हुई। प्रतिभागियों का औसत जीमैट स्कोर 690 और जीआरआई स्कोर 317, औसत आयु 31 वर्ष 7 महीने, और कार्यानुभव 8 वर्ष 6 महीने थे जिनमें लगभग 1 वर्ष 3 महीने का अंतर्राष्ट्रीय कार्य अनुभव शामिल था। पीजीपीएक्स 2020-21 बैच की प्रोफाइल जानकारी **परिशिष्ट ग1** में दी गई है।

कार्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम

पीजीपीएक्स कार्यक्रम की संरचना लगभग छह खंडों प्रेरण : घटकों का निर्माण, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन, ऐच्छिक और कैपस्टोन में की गई है। नए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का विवरण **परिशिष्ट ग2** में दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम

महामारी के कारण नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम (आईआईपी) ऑनलाइन आयोजित किया

पीजीपीएक्स के 15वें बैच का उद्घाटन

गया। छात्रों के लिए तीनों बिजनेस स्कूलों के सत्रों में भाग लेना अनिवार्य था।

क्रमांक	दिनांक	भागीदार स्कूल	थीम
1	13-14 फरवरी, 2021	एसेड बिजनेस स्कूल, स्पेन	यूरोपीय देशों में बिजनेस
2	6-7 मार्च,2021	यूबीसी सोदर बिजनेस स्कूल, कनाडा	उत्तर अमेरिकी क्षेत्रों में बिजनेस
3	3-4 अप्रैल, 2021	ग्वांगहुआ प्रबंधन स्कूल, पेकिंग यूनिवर्सिटी, चीन	चीन में बिजनेस

अकादमिक प्रदर्शन और छात्रवृत्तियाँ

सभी 140 पीजीपीएक्स छात्र सफलतापूर्वक स्नातक हुए। निम्नलिखित छात्रों को प्रशस्तिपत्र दिए गए:

- पीजीपीएक्स टॉपर को स्वर्ण पदक : दीप कुमार बोथरा
- शीर्ष सात छात्रों के लिए प्रत्येक को 30,000/- रुपए का नकद शैक्षिक मेरिट पुरस्कार

  (1) दीप के आर बोथरा (2) धवल गोयल (3) विकास मिलुका (4) सन्नी तलवार (5) कृपेश वेद (6) सागर छिटकरा (7) आशय गुप्ता

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता

- फाइनेशियल टाइम्स ग्लोबल रैंकिंग, 2021 पीजीपीएक्स को 48वें स्थान पर रखता है।
- क्यूएस ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2021, अनुसार आईआईएमए अहमदाबाद को 31वें स्थान पर रखा गया है।

पीजीपीएक्स छात्र गतिविधियाँ

छात्रों द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों का विवरण **परिशिष्ट ग3** में सूचीबद्ध है।

पूर्व-उन्मुखीकरण कार्यक्रम / ज्ञान हस्तांतरण

पीजीपीएक्स कार्यालय ने 12 से 14 मार्च, 2021 तक पीजीपीएक्स 2021-22 बैच के लिए वर्चुअली तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

पीजीपीएक्स 2021-22 बैच के 120 से अधिक छात्रों ने ऑनलाइन पूर्व उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में पीजीपीएक्स 2021-22 बैच का स्वागत करते हुए पीजीपीएक्स 2020-21 के साथ ज्ञान हस्तांतरण, विभिन्न समितियों की भूमिका के बारे में चर्चा और संकाय और पीजीपीएक्स छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक संस्कृतिक कार्यक्रम शामिल है। कार्यक्रम का समापन अध्यक्ष – पीजीपीएक्स के साथ बातचीत के साथ हुआ।

वर्ष 2021-22 के लिए प्रवेश

पीजीपीएक्स 2021-22 के लिए कुल 1255 आवेदन (पहले राउंड में 484, दूसरे राउंड में 291 और तीसरे राउंड में 480) प्राप्त हुए। साक्षात्कार के लिए कुल 562 आवेदनों को लघुसूचीबद्ध किया गया था। (पहले राउंड में 293, दूसरे राउंड में 241 और तीसरे राउंड में 258)। साक्षात्कार ओनलाइन आयोजित किए गए थे। 158 उम्मीदवारों को अंतिम प्रस्ताव दिया गया था; और 50 प्रतीक्षा–सूचीबद्ध 140 ,में तअं ।थे उम्मीदवारों का चयन हुआ (पिछले वर्ष के आस्थगित में से 5 सहित), जिनमें 34 छात्राएँ हैं। आठ उम्मीदवारों ने अप्रैल 2022 से शुरू होनेवाले अगले बैच के लिए अपने प्रवेश को स्थगित रखा है।

उद्योग मिश्रण में शैक्षणिक और शिक्षा, विज्ञापन /संचार /मीडिया / मनोरंजन/ एयरोस्पेस और विमानन, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा, परामर्श, रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा और उपयोगिताएँ, एफएमसीजी, सरकारी उदयम और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, अवसंरचना और निर्माण, आईटी और आईटीईएस, आईटी उत्पाद, विनिर्माण / इंजीनियरींग, एनजीओ और सामाजिक सेवाएँ / एनजीओ/ अन्य, फार्मा/ बायो-टेक / स्वास्थ्य सेवा/ अस्पताल, खुदरा / ई-कॉमर्स, शिपिंग / परिवहन / रसद, दूरसंचार, यात्रा और आतिथ्य शामिल हैं।

पीजीपीएक्स 2021-22 की शुरुआत

कार्यक्रम की शुरुआत 22 अप्रैल, 2021 को 34 छात्राओं सहित 140 प्रतिभागियों के साथ हुई। प्रतिभागियों का औसत जीमैट स्कोर 701 और जीआरआई स्कोर 323, औसत आयु 31 वर्ष और कार्यानुभव 8 वर्ष 3 महीने था जिनमें लगभग 1 वर्ष 1 महीने का अंतर्राष्ट्रीय कार्य अनुभव शामिल था।

ईपीजीपी 2020-22 का उद्घाटन

2.4 प्रबंधन में इस्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी)

ईपीजीपी, प्रबंधन अध्ययनों में मास्टर्स (एमएमएस) की पदवी देनेवाले दो वर्ष का दीर्घकालिक कार्यक्रम है, जिसे तीन वर्षों में पाठ्यक्रम पूरा करने के अतिरिक्त लचीलेपन के साथ बनाया गया है। इस कार्यक्रम के साथ आईआईएमए ने पूरे भारत में अपनी पहुँच का विस्तार किया है, जिससे प्रतिभागी अपनी पसंद के स्थान पर कार्यक्रम को आगे बढ़ा सकते हैं। ईपीजीपी 2017-19 और 2018-20 बैचों के लिए संस्थान ने ह्यूजेस ग्लोबल एजुकेशन इंडिया लिमिटेड (https://hugheseducation.com/) के साथ भागीदारी की। ईपीजीपी 2019-21 और 2020-22 बैच के लिए, वीसीनाउ (https://vcnow.in) को प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में नियुक्त किया गया है।

कार्यक्रम के लाभ

- गहन मिश्रित शिक्षण प्रबंधन कार्यक्रम
- आईआईएमए शैक्षणिक नीतियों, पाठ्यक्रम डिजाइन, वितरण, प्रवेश और ईपीजीपी के छात्र मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार है। प्रोद्योगिकी सेवा साझेदार प्रोद्योगिकी मंच, बुनियादी ढांचे और कार्यक्रम प्रबंधन समथन के लिए जिम्मेदार है।
- प्रतिभागियों का चयन एक गहन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है जिसमें एक निर्धारित कैट, जीआरई /जीमैट / आईएटी (आईआईएमए प्रवेश परीक्षा) स्कोर और एक व्यकिगत साक्षात्कार शामिल है।
- अनुभवी व्यवसायिकों और सहकर्मी समूह के साथ सीखने की गुणवत्तायुक्त अंतर्क्रियाएँ।
- परिसर में एक-एक सप्ताह के पाँच कैंपस मॉड्यूल संचालित किए जाते हैं।

शिक्षा शास्त्र

वितरण चैनलों की तकनीकी क्षमताओं का उपयोग करते हुए शिक्षण दृष्टिकोण अत्यधिक अंतर्क्रियात्मक है। शिक्षाशस्त्र व्याख्यानों, केस अध्ययनों, ऑनलाइन व्याख्यानों, परियोजनाओं, सहकर्मियों के सीखना, स्व शिक्षण और अनुकार का मिश्रण है। संस्थान के संकायों द्वारा परामर्श और संस्थान के शिक्षण संसाधनों तक कुछ पहुँच भी उपलब्ध कराई जाती है। प्रौद्योगिकी सेवा भागीदार ऑनलाइन कक्षाएँ, उपस्थिति, प्रश्नोत्तरियों, आदि के संचालन में निर्बाध तकनीकी समर्थन सुनिश्चित करता है।

स्नातक उपाधि

18 दिसंबर, 2020 को 2017-19 बैच के 49 छात्र और 2018-20 के बैच के 58 छात्र स्नातक हुए। उन्हें स्नातकोत्तर प्रबंधन अध्ययन (एमएमएस) डिग्री प्रदान की गई।

पुरस्कार

उच्चतम सीजीपीए के लिए स्वर्ण पदक 2017-2019 बैच के विडोलकर सागर सुनील को और 2018-20 बैच की सौम्या अग्रवाल को प्रदान किया गया। 2017-2019 बैच के विडोलकर सागर सुनील और

सौरभ चन्द्र को और 2018-20 बैच के सौम्या अग्रवाल, प्रणब कुमार दास और अनूप श्रीकुमार को मेरिट पुरस्कार दिए गए।

बैच की स्थिति

बैच 2019-21

ई-पीजीपी तीसरे बैच (2019-21) ने 62 छात्रों के साथ सत्र 2 और 3 पूरा कर लिया है। बैच वर्तमान में सेमेस्टर 4 का अध्ययन कर रहा है।

बैच 2020-22

प्रवेश प्रक्रिया के दो राउंड के बाद 71 छात्रों का नामांकन हुआ। 21 सितम्बर, 2020 पाठ्यचर्या की शुरुआत की गई और इसके बाद सत्र-1 शुरू किया गया। वीसी नाउ के माध्यम से कक्षाएँ संचालित की जाती है।

इसका विवरण **परिशिष्ट घ** में दिया गया है।

2.5 उन्नत व्यापार विश्लेषण में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए)

ईपीजीडी-एबीए 2020-21

ईपीजीडी-एबीए का सर्वप्रथम बैच, 16 महीने का डिप्लोमा कार्यक्रम 25 अप्रैल, 2020 डाइरेक्ट टू डिवाइस (डी2डी) मोड के माध्यम से शुरू हुआ। बैच में आठ महिलाओं सहित 36 छात्र शामिल है। बैच की औसत आयु 29 वर्ष 9 महीने है और औसत कार्य अनुभव 7 वर्ष 2 महीने है।

ईपीजीडी-एबीए 2020-21 बैच के प्रोफाइल की जानकारी **परिशिष्ट ङ1** में दी गई है।

कार्यक्रम पाठ्यक्रम और संरचना

ई-पीजीपी कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को मोटे तौर पर छह मॉड्यूल में वर्गीकृत किया गया है :

(1) प्री टर्म (फाउंडेशन कोर्स) (2) एक्स्प्लोरेटरी डेटा एनालिसिस (3) डेटा विश्लेषण के तरीके और मॉडल विकास (4) मॉडल संचार और डेटा चिंताएँ (5) डोमेन – विशिष्ट विश्लेषिकी और (6) कैपस्टोन प्रोजेक्ट

ईपीजीडी-एबीए पाठ्यक्रम छात्रों को अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक उपकरणों और तकनीकों के बारे में गहराई से जानकारी देने और डेटा का उपयोग करके उद्योग के कार्यक्षेत्र और कार्यात्मक क्षेत्र में व्यावसायिक समस्याओं को हल करने के लिए तैयार किया गया है। यह एक मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम है जो कैम्पस में कक्षा सत्रों, ऑनलाइन सत्रों और परियोजना कार्य के एक विचारशील मिश्रण का उपयोग करके दिया जाता है।

कैंपस मॉड्यूल

महामारी के कारण, पहला कैंपस मॉड्यूल, जो मूल रूप से कार्यक्रम की शुरुआत में निर्धारित किया गया था वह 23-27 दिसंबर, 2020 के दौरान आयोजित किया गया।

दूसरा कैंपस मॉड्यूल 24-28 फरवरी, 2021 के दौरान आयोजित किया गया। तीसरा कैंपस मॉड्यूल 28 अप्रैल से लेकर 2 मई, 2021 तक निर्धारित किया गया था। हालांकि देशभर में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के साथ, तीसरे मॉड्यूल को स्थगित करके बाद में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

वक्ता सत्र और कार्यशालाएँ

कार्यक्रम पाठ्यक्रम के भागरूप 14 उद्योग व्यवसायियों को वक्तव्य देने और बाजार की अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया। स्पीकर सत्रों के साथ, छात्रों ने विश्लेषिकी से संबंधित विषयों पर दो कार्यशालाओं और आठ शोध वेबिनार में भी भाग लिया। अतिथि वक्ताओं और कार्यशालाओं की सूची **परिशिष्ट ङ2** में दी गई है।

ईपीजीडी-एबीए 2021-22

प्रवेश – बैच 2021-22

फरवरी, 2021 के दूसरे सप्ताह में ईपीजीडी-एबीए कार्यक्रम के दूसरे बैच हेतु प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई। 2021-22 बैच के लिए कुल 183 आवेदन प्राप्त हुए थे। ऑनलाइन साक्षात्कार के लिए कुल 131 आवेदकों को लघुसूचीबध्ध किया गया। 69 उम्मीदवारों को अंतिम प्रवेश प्रस्ताव दिए गए। अंत में आठ महिलाओं सहित 44 उम्मीदवारों ने प्रतिब्ध्धता शुल्क का भुगतान करके अपने प्रवेश की पुष्टि की है। 2021-22 बैच की औसत आयु लगभग 33 वर्ष सात महीने और औसत कार्य अनुभव लगभग नौ वर्ष का है। कार्यक्रम 18 अप्रैल, 2021 को शुरू होना निर्धारित था।

उन्नत व्यापार विश्लेषण में ई-स्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए) का वर्गखंड सत्र

2.6 प्रबंधन में पीएच.डी. कार्यक्रम

मई, 2021 के वार्षिक दीक्षांत समारोह में स्नातक होनेवाले 15 छात्रों सहित कुल 408 डोकटरेट छात्र आईआईएमए से स्नातक हुए हैं। 2020-21 स्नातक छात्रों के नाम **परिशिष्ट च1** में दिए गए हैं। वर्तमान में 75 छात्र अपने शोध-प्रबंध चरण में हैं और 42 छात्र अपने पाठ्यक्रम-कार्य चरण में हैं। 9 मई, 2021 तक पीएच.डी. छात्रों की कुल संख्या 117 है।

पीएच.डी. प्रवेश और अभिविन्यास

संस्थान को 2020 बैच में प्रवेश के लिए 906 आवेदन प्राप्त हुए। 5-8 मई 2020 के दौरान साक्षात्कार आयोजित किए गए थे। एक गहन चयन प्रक्रिया के बाद, जिसमें लिखित परीक्षा, विषय-क्षेत्रों और पीएच.डी. कार्यकारी समिति द्वारा साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 24 छात्र शामिल हुए। नए बैच के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम 30 जून, 2020 को आयोजित किया गया था।

पाठ्यचर्या

पीएच.डी. कार्यक्रम के तीन चरण है : पाठ्यक्रम कार्य, व्यापक परीक्षा और शोध-प्रबंध। पाठ्यक्रम के पहले दो वर्ष के दौरान, प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए कुल 56 अनिवार्य और 40 वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं। छात्रों को दो साल के कोर्स वर्क के दौरान 30.5 क्रेडिट पूरा करना आवश्यक है।

पुरस्कार

प्रोफेसर तीरथ गुप्ता मेमोरियल श्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार, शोध-प्रबंध प्रस्ताव के लिए भारतीय औद्योगिक वित्त पोषण निगम (आईएफसीआई - इंडस्ट्रीयल फाइनेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) पुरस्कार, और प्रथम वर्ष में चौधरी पद्मनाभन पंत श्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन पुरस्कार विजेताओं के नाम **परिशिष्ट च2** में दिए गए हैं।

सम्मेलन / पीएच.डी. वार्तालाप / शोधपत्र प्रकाशन

पीएच.डी. छात्रों द्वारा सम्मेलनों / पीएच.डी. वार्तालापों / कोन्सोर्टीयम में की गई प्रतिभागिता और प्रकाशन से संबंधित विवरण **परिशिष्ट च3** में दिए गए हैं।

पिछले 10 वर्षों की पीजीपी, पीजीपी–एफ़एबीएम और पीएच.डी. कार्यक्रमों के छात्रों की संख्या के लिए कृपया **परिशिष्ट छ** देखें।

2.7 स्थानन

पीजीपी अंतिम स्थानन

आईआईएम अहमदाबाद में 2021 के पीजीपी बैच के लिए अंतिम स्थानन प्रक्रिया पूरी हुई, जिसमें सभी छात्रों का 20 से अधिक कॉहोर्ट्स में स्थानन किया गया। अंतिम स्थानन में कई डोमेन की फर्मों ने तीन क्लस्टरों में भाग लिया।

स्थानन प्रक्रिया

अंतिम स्थानन प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की गई थी। पहला चरण पार्श्व प्रक्रिया का था, जिसमें कंपनियों ने पूर्व कार्यानुभव वाले छात्रों का साक्षात्कार किया और उन्हें मध्यम

आईआईएमए के पीएच.डी. कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन

स्तर के प्रबंधकीय पदों की पेशकश की। प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, परामर्श, सामान्य प्रबंधन और विश्लेषिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों सत्ताईस कंपनियों ने छात्रों को नियुक्त किया है। दूसरे चरण में प्रस्तुत किए गए प्रोफाइल के आधार पर कंपनियों ने कोहोर्टस में समूहबद्ध किया और कोहर्ट्स के समूहों को परिसर में आमंत्रित किया गया। पिछले वर्षों की तरह, छात्रों को हाथ में एक प्रस्ताव देने के साथ बाद के क्लस्टर में अपनी पसंद की कंपनियों में 'स्वप्रवत' आवेदन देने का लचीलापनयुक्त विकल्प प्रदान किया गया। इस वर्ष 86 'स्वप्रवत' आवेदन प्राप्त हुए। इससे छात्रों को अपने ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र, (सीआईई) को मेंटरशिप के तहत अपना उद्यम शुरू करने का अवसर मिला।

क्षेत्रीय अवलोकन

विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों की फ़र्मों ने आईआईएम अहमदाबाद में इस प्रक्रिया में भाग लिया। प्रबंधन परामर्श क्षेत्र के एक्सचेंजर स्ट्रेटजी, बैन एंड कंपनी, बोस्टन कंसल्टींग ग्रुप, किआर्नी, केपीएमजी, मैकिन्से एंड कंपनी, मॉनिटर डेलोइट, ओलिवर विमान और स्ट्रेटजी आदि शामिल थे। निवेश बैंकिंग और विपणन क्षेत्र में भर्ती करने वालों में सिटी, क्रेडिट सुइस, गोल्डमैन सैक्स, एचएसबीसी और जेपी मॉर्गन शामिल हैं। उपभोक्ता वस्तुएँ, उपभोक्ता सेवाएँ और कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कोहोर्ट्स ने एशियन पेंट्स, कैवीनकेयर, डाबर, हिंदुस्तान युनिलीवर, आईटीसी, लेनोवो, नेस्ले, प्रोक्टर एंड गैम्बल, सैमसंग, टाटा स्काई और विप्रो जैसे रिक्रूटर्स की भागीदारी देखी। सामान्य प्रबंधन कोहोर्ट्स ने सी. के. बिड़ला, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा एडमिनिस्ट्रेटीव सर्विसेस और अन्य कंपनियों की प्रतिभागिता देखी गई। रिटेल बीटूबी और बीटूसी कोहोर्ट में ई-शक्ति और फ्लीपकार्ट जैसी कंपनियाँ शामिल थीं। बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा कंपनी नियोक्ताओं में कैपिटल वन और नेवी जैसी कंपनियाँ शामिल थीं। पार्श्व प्रक्रिया में भाग लेनेवाली कंपनियों में अमेजोन, ब्राउज़रस्टैक, कैपजेमिनी डीलोइट, फिनआइक्यू माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, पेटीएम और स्प्रिंकलर शामिल थे। इस साल 41 नए भर्तीकर्ता थे, जिनमें फाइव होल्डिंग्स, पावर फाइनेंस, लाइफसाइट, इनटूरी कंसल्टींग, इंडएक्सएक्स कैपिटल और अनेकेडेमी शामिल हैं। सिंगापुर और मध्य-पूर्व सहित भौगोलिक क्षेत्रों में भूमिकाओं की पेशकश की गईं थी।

शीर्ष भर्तीकर्ता

वर्ष 2021 में स्थानन प्रक्रिया में 170 अलग-अलग भूमिकाओं के साथ एक सौ इकतीस कंपनियों ने भाग लिया। अंतिम स्थानन में, जिन कंपनियों ने कैंपस में सबसे ज्यादा प्रस्ताव दिए, उनमें मैकिनसे, बोस्टन कंसल्टींग ग्रुप और टाटा कंसल्टेन्सी शामिल है। बोस्टन कंसल्टींग ग्रुप ने 32 प्रस्ताव के साथ अंतिम स्थानन प्रक्रिया के अंत में सबसे अधिक प्रस्ताव (पूर्वस्थानन प्रस्ताव सहित) किए, उसके बाद मैकिन्से एंड कंपनी ने 30 प्रस्ताव दिए। आला परामर्श समूह में, जीईपी ने 11 प्रस्तावों का विस्तार किया। नोमुरा निवेश बैंकों में सबसे बड़ा रिक्रूटर था, जिसने सात प्रस्ताव दिए। इसके बाद एवेन्डस और गोल्डमैन सैक्स ने पाँच-पाँच प्रस्ताव दिए। इस वर्ष निजी इक्विटी, वैंचर कैपिटल और एसेट मैनेजमेंट समूह ने पिछले साल गाजा और बृक्फील्ड सहित 4 प्रतिशत की वृद्धि देखी। इस समूह में साल दर साल (पिछले साल 80% वृद्धि) भाग लेनेवाली फ़र्मों में लगातार वृद्धि हो रही है, जो हमारे पीजीपी कार्यक्रम की गुणवत्ता में विविध उद्योगों के भरोसे को पुष्ट करती है। हिंदुस्तान युनिलीवर और सैमसंग ने उपभोक्ता वस्तुओं और उपभोक्ता सेवाओं के क्षेत्र में सबसे ज्यादा पाँच –पाँच प्रस्ताव दिए। जनरल मैनेजमेंट कोहोर्ट में सबसे बड़ा भर्तीकर्ता था। आईटी कंसल्टींग समूह में टाटा कंसल्टींग सर्विसेज 14 प्रस्तावों के साथ सबसे भर्तीकर्ता थी। पार्श्व प्रक्रिया में, पेटीएम ने सबसे अधिक 14 प्रस्ताव दिए। अमेजेन (9 प्रस्ताव), फ़िनाइक्यू (6 प्रस्ताव) और माइक्रोसॉफ्ट (5 प्रस्ताव) के साथ पार्श्व प्रक्रिया मे अन्य शीर्ष भर्तीकर्ता थे।

नए संबंधों का निर्माण

उद्योग में पीजीपी की पहुँच को और मजबूत करने के उद्देश्य से, विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया।

पीजीपी 2019-21 बैच के लिए कुल स्थानन आँकड़े

वर्ष 2019-2021 पीजीपी बैच के 376 छात्रों को कुल 492 से अधिक नौकरी के प्रस्ताव दिए गए थे।

पूर्व स्थानन प्रस्ताव

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों को प्रदर्शन के आधार पर, और छात्रों द्वारा स्वप्रवत आवेदनों के निर्णय के बाद, 115 पीपीओ स्वीकार किए गए।

पार्श्व स्थानन

पार्श्व स्थानन के पात्र लगभग 45% बैच में से 27 कंपनियों ने प्रौद्योगिकी, परामर्श, फार्मास्यूटिकल और विश्लेषिकी जैसे विविध क्षेत्रों से नियुक्त किया गया है। बासठ छात्रों ने पार्श्व स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से प्रस्ताव स्वीकार किए।

उद्यमिता

इस वर्ष दो पीजीपी छात्रों ने सीआईआईई के समर्थन से अपने उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना। ऐसे उद्यमियों के उत्साह के जवाब में, स्थानन समिति उन्हें दो साल का स्थानन अवकाश देती है।

पीजीपी ग्रीष्मकालीन स्थानन (2021-22 बैच)

वर्ष 2020-2022 पीजीपी बैच के ग्रीष्मकालीन स्थानन में कुल 387 छात्रों ने भाग लिया।

पीजीपी–एफ़एबीएम अंतिम स्थानन

पीजीपी–एफ़एबीएम के लिए अंतिम स्थानन 1 से 5 मार्च, 2021 के दौरान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। 46 छात्रों के बैच को खादय, कृषि व्यवसाय और संबद्ध क्षेत्रों से 32 कंपनियों में नौकरियों के अवसरों के साथ प्रस्ताव दिए गए। प्रतिभा को अवसरों के साथ प्रभावी ढंग से मिलाने वाली मजबूत प्रक्रिया की नियोक्ताओं और प्रतिभागियों ने समान रूप से सराहना की।

उद्योग पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यक्रम द्वारा सुगम क्षेत्र – विशिष्ट ज्ञान और प्रबंधकीय क्षमता के आला संयोजन को अत्यधिक महत्व देता है। भर्तीकर्ताओं ने पेशकश की गई प्रतिभाओं के व्यापक पल का उपयोग करने के लिए नए पदों का निर्माण करके इसकी पुष्टि की। इस प्रक्रिया में कुल 32 कंपनियों ने हिस्सा लिया और एफएमसीजी, कृषि- आदान और सेवाओं, खादय प्रसंस्करण और आपूर्ति शृंखला, खादय और कृषि व्यवसाय पीई-वीसी, खाद्य और कृषि परामर्श, कृषि वस्तु व्यापार ई–कॉमर्स और खुदरा जैसे विभिन्न क्षेत्रों से भूमिकाओं की 82 पेशकश की गई। इंटेलो, लैब्स, इफको जैसी कंपनियों ने तीन–तीन प्रस्ताव दिए। इस प्रक्रिया ने महिंद्रा लोजीस्टिक्स,इफको ग्रुप, ग्रांट थोर्नटन, जियो प्लेट्फ़ोर्म्स लिमिटेड, बायर, एफएमसी और समुन्नति जैसे पहलीबार भर्ती करने वालों का स्वागत किया। रेकीट बेंकीजर, माहिकों, ओलम, एएमयूएल, इनोटेरा (पहले पायनियरिंग वेंचर्स नाम से प्रसिद्ध) स्ट्राइकर और आरबीएल बैंक सहित नियमित भर्तीकर्ताओं ने पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यक्रम के साथ अपने संबंधों को नवीनीकृत किया।

बैच ने नियोक्ताओं के के एक पूल को आकर्षित किया, जिनमें बहुदेशीय कंपण्यों से लेकर कृषि-व्यवसाय डोमेन की आगामी स्टार्टअप कंपनियाँ जैसे देहात और फ्रेश वीएनएफ व एमकयोर तथा स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र की हेस्टर बायोसाइन्स शामिल हैं। छात्रों ने वित्त, बिक्री और विपणन, आपूर्ति श्रृंखला, संचालन, कोमोडिटी ट्रेडिंग, परियोजना प्रबंधन और परामर्श में कई भूमिकाओं के अवसरों की खोज की।

स्थानन प्रक्रिया के बारे में अधिक विवरण भारतीय स्थानन रिपोर्टिंग मानकों (आईपीआरएस) के अनुसार मुआवजे के विवरणों सहित लेखा परीक्षित रिपोर्ट में जारी किए जाएँगे। आईपीआरएस देशभर में बीस्कूल – स्थानन रिपोर्टिंग में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए शुरू की गई एक पहल है। "अंतिम स्थानन 2021" के लिए आईपीआरएस रिपोर्ट को स्नातक समापन की तारीख से छह महीने के भीतर जारी किया जाएगा, और रिपोर्ट का लिंक सभी हितधारकों को साथ साझा किया जाएगा।

पूर्व-स्थानन प्रस्ताव

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर 11 पूर्व–स्थानन प्रस्ताव आगे लाए गए और सभी स्वीकार किए गए।

नए संबंधों का निर्माण

उद्योग में कार्यक्रम की पहुँच को मजबूत करने के लिए, विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया।

पीजीपी-एफ़एबीएम – ग्रीष्मकालीन स्थानन (2020-22 बैच)

आईआईएमए अहमदाबाद में पीजीपी–एफ़एबीएम के 2022 के बैच की ग्रीष्मकालीन स्थानन प्रक्रिया 4 दिसंबर, 2020 को पूरी हुई।

पीजीपीएक्स स्थानन

140 प्रतिभागियों के साथ कार्यकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) के पन्द्रहवाँ बैच 8 मई, 2021 को स्नातक हुआ।

पीजीपीएक्स स्थानन 8 दिसंबर, 2020 को रोलिंग के आधार पर शुरू हुआ और प्रतिभागियों को मध्य से वरिष्ठ स्तर के पदों के लिए ध्यान में लिया गया। इसमें प्रतिभागी और संभावित नौकरी / भूमिका के बीच एक अच्छी योग्यता सुनिश्चित करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया था।

कई क्षेत्रों में भर्तीकर्ताओं के एक विविध पूल ने स्थानन में भाग लिया। इस वर्ष के भर्तीकर्ताओं में प्रौद्योगिकी कंपनियाँ, कंपनी संगठन, कंसल्टिंग कंपनियाँ, हेल्थकेयर कंपनियाँ, बैंकिंग और वित्तीय संस्थान, इन्फ्रास्ट्रकचर कंपनियाँ, ऊर्जा कंपनियाँ, सरकारी सेवाएँ और स्टार्टअप्स और कई पहली बार के भर्तीकर्ता का विस्तार था।

पीजीपीएक्स के स्थानन के लिए आई कंपनियों में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मास्टरकार्ड, एक्सचेंजर, एसेपी इंडिया, पब्लिसिस सैपिएंट, सिटी, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, फ़िनआइक्यू, ओपन फाइनेंसियल टेक प्राइवेट लिमिटेड, रेबेल फ़ूड्स, आरेते एडवाइजर्स एलएलपी, इनवेस्ट पंजाब, एनआईएसजी, आरएमएसआई, दी एनर्जी ग्रुप, ज़ाईन्तेओ, एमआईटी ग्रुप, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स, जेनपैक्ट, आवालारा, अवतारडॉटमी, ब्रिजआई2आई, एनालिटिक्स, डेटावर्क्ज़, डेसिमल टेक्नोलोजिज, फालकोनरी, यूजेनीडॉटएआई, फ़ारआई, इंकचर टेकनोलोजिज, क्लाउडजी टेकनोलोजिज, एलएंडटी इनफ़ोटेक, मेरिलिटिक्स, एनईसी, सीअर्स, वर्नाक्यूलर एआई, वर्चुसा, ऑप्टम हेल्थकेयर, इंडीजेन, वनफ़िटप्लस, आरती इंडस्ट्रीज, अग्रवाल फ़ैबटेक्स, अग्रिकुल कॉसमॉस प्रा. लि., एकनीति इंडिया प्रा.लि., गुजरात गैस, ईपीएल ग्लोबल, मैटर मॉटर वर्क्स, प्रवैग डाइनेमिक्स प्रा.लि., इलास्टिकरन और केईसी शामिल थीं।

पीएच.डी. 2021 स्थानन

कॉर्पोरेट स्थानन

इस शैक्षणिक वर्ष में दो पीएच.डी. छात्रों को, एक को शिक्षा क्षेत्र में नवाचार प्रबंधन से और एक को सूचना प्रणाली क्षेत्र से कॉर्पोरेट क्षेत्र में नियुक्त किया गया।

ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशिप

इकोले पॉलीटेक्निक-आईआईएम अहमदाबाद-एचईसी पेरिस सहयोग से चार छात्रों को इंटर्नशिप प्रस्ताव मिला। इन छात्रों को दो महीने का फील्ड स्टडी रिसर्च प्रोजेक्ट दिया गया। आईआईएम अहमदाबाद में एक संकाय सदस्य के माध्यम से इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान की गई थी।

शैक्षणिक स्थानन

2020-21 के 15 स्नातक डोकटरेट छात्रों में से 10 आईआईएम पीच.डी. धारक विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में सहायक प्रोफेसर के तौर पर शामिल हुए। तीन छात्रों को कई प्रस्ताव मिले हैं, किन्तु उन पर निर्णय लेना बाकी है।

अन्य पहलें

- ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान डोमेन और भूमिकाओं के बारे में संक्षिप्त ब्यौरा देने के लिए संक्षिप्त विवरण सत्रों का आयोजन पीजीपी तथा पीजीपी-एफ़एबीएम के दूसरे वर्ष के छात्रों द्वारा किया गया।
- छात्र स्थानन समिति की उत्पादकता और पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम और पीजीपीएक्स छात्रों की स्थानन प्रक्रिया की दक्षता बढ़ाने के लिए क्लाउड–आधारित सॉफ्टवेर प्लेटफार्म की सदस्यता लेकर स्थानन प्रक्रिया का स्वचालन किया गया।
- पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए करियर योजना सत्रों का आयोजन छात्रों को उनके साक्षात्कार और भविष्य की संभावनाओं के लिए तैयार करने के लिए किया गया था।
- पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए संपर्क डेटाबेस सॉफ्टवेर :- स्थानन टीम ने संपर्क डेटाबेस सॉफ्टवेर को अपनाया जिसने वर्तमान भर्तीकर्ता डेटाबेस को समृद्ध और अद्यतन करने में मदद की।
- पीजीपीएक्स छात्रों के बेहतर करियर विकल्प निर्माण और उनकी प्रोफाइल, कौशल और आकांक्षाओं के लिए सही नौकरी का चयन करने के लिए करियर सलाहकार और परामर्श सेवाएँ प्रदान की गई।
- पीजीपीएक्स स्थानन समिति और वर्तमान और भविष्य के नियोक्ताओं के बीच बातचीत को सुव्यवस्थित करने और संबंधों को बनाए रखने के लिए एक सीआरएम उपकरण को एकीकृत किया गया था।

इसके विवरण **परिशिष्ट ज** में दिए गए हैं।

2.8 दीक्षांत समारोह

कोविड-19 महामारी को देखते हुए 56वाँ दीक्षांत समारोह वर्चुअली 8 मई, 2021 को आयोजित किया गया। श्री कुमार मंगल बिड़ला, अध्यक्ष, शासक मंडल ने समारोह की अध्यक्षता की और दीक्षांत भाषण भी दिया।

पीच.डी. कार्यक्रम के पंद्रह छात्रों को डॉक्टर ऑफ फोलोसोफी (पीच.डी.) की डिग्री से सम्मानित किया गया; 405 पीजीपी छात्रों को व्यवसाय प्रशासन में मास्टर डिग्री से सम्मानित किया गया; 45 पीजीपी–एफ़एबीएम छात्रों को व्यवसाय प्रशासन में मास्टर डिग्री (खाद्य एवं कृषि–व्यवसाय प्रबंधन) से सम्मानित किया गया; और 140 पीजीपीएक्स छात्रों को व्यवसाय प्रशासन में मास्टर डिग्री से सम्मानित किया गया।

श्री कुमार मंगलम बिड़ला, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईएमए, संस्थान के 56वें वार्षिक दीक्षांत समारोह 2021 में दीक्षांत भाषण देते हुए

निम्नलिखित छात्रों को शैक्षिक प्रदर्शन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद पदक प्राप्त हुआ :

पीजीपी

- अखिल मंगला
- अरुणाभ सक्सेना
- विकास कुमार

पीजीपीएक्स

- दीप कुमार बोथरा

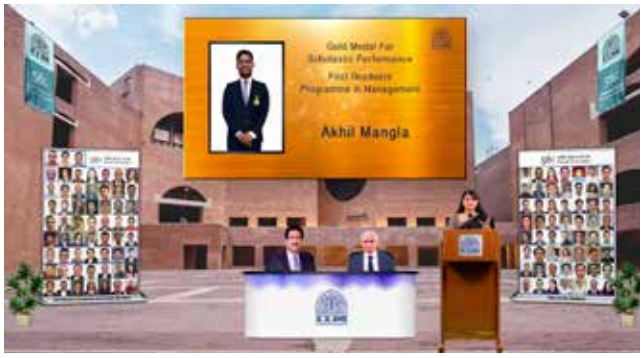

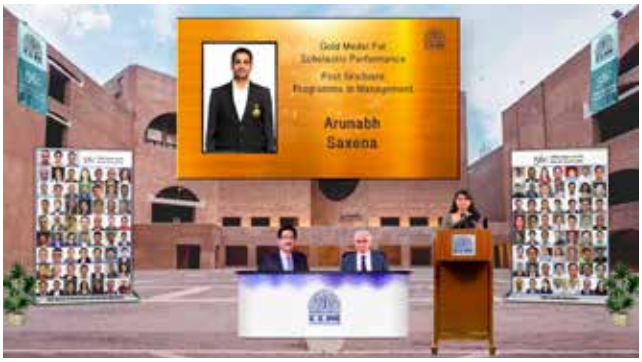

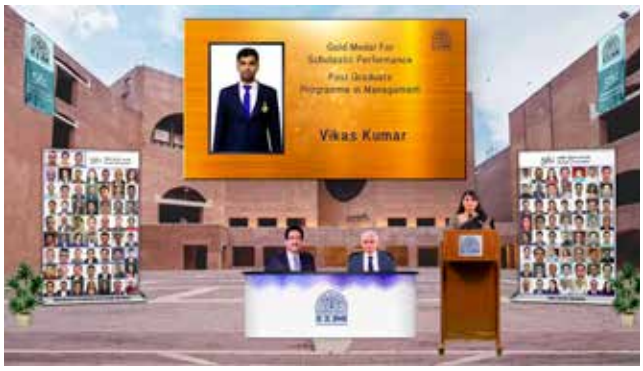

कक्षा 2021 के स्नातक

पीएच.डी. बैच

पीजीपी-एफ़एबीएम बैच 2019-21

पीजीपी बैच 2019-21

पीजीपीएक्स बैच 2020-21

2.9 सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम

महामारी के कारण वर्ष 2020-21 के लिए सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम रद्द किया गया।

2.10 प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी) 15 सप्ताह का आवासीय कार्यक्रम है, जिसे विशेष रूप से प्रबंधन शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए डिजाइन किया गया है। वर्ष 1979 में पहला एफ़डीपी प्रस्तुत किया गया था।

महामारी के आसपास के घटनाक्रमों ने चुनौतियों के साथ-साथ कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के अवसर भी प्रस्तुत किए। चुनौती यह थी कि वर्ष 2020 के नियमित ओनकैम्पस एफ़डीपी को रद्द करना पड़ा। हालांकि, इसी अवसर के कारण एक नया ऑनलाइन कार्यक्रम तैयार किया गया, जो महत्वपूर्ण मूल्य प्रदान कर सकता है और प्रबंधन शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को लाभ पहुँचा सकता है।

शिक्षाशास्त्र और अनुसंधान के तरीके पर ऑनलाइन एफ़डीपी का वर्चुअल उद्घाटन

शिक्षण और अनुसंधान विधियों में पहला ऑनलाइन एफ़डीपी 22 जून से 28 जुलाई, 2020 तक पेश किया गया। कार्यक्रम को जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली। चयन प्रक्रिया के बाद 87 उम्मीदवारों को कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया। प्रतिभागियों में भारत और नेपाल, बांग्लादेश, सऊदी अरब साम्राज्य, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और तंजानिया के विभिन्न हिस्सों के शिक्षाविदों का एक विविध समूह शामिल था। कार्यक्रम के प्रतिभागियों में 40 महिला संकाय सदस्य शामिल थीं।

पाठ्यक्रम सीमित सत्रों का एक सावधानीपूर्वक का मिश्रण था जिसमें शिक्षण की केस विधि, कक्षा प्रभावशीलता, मात्रात्मक और गुणात्मक शोध विधियां, क्राफ्टिंग और प्रकाशन अनुसंधान, सांख्यिकीय विधियों और मॉडलिंग तकनीकों की अनिवार्यताएँ जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। हर सप्ताह पाँच दिनों के लिए प्रति दिन दो सत्र शाम 6:00 बजे से शाम 7:15 बजे और शाम 7:30 से शाम 8:45 बजे तक चलाए गए। इन सत्रों के अलावा, दो अतिथि सत्र और आईआईएमए के संक्षिप्त इतिहास को आवरित करने वाला एक आभासी परिसर दौरा आयोजित किया गया। उम्मीदवारों द्वारा इसकी बहुत सराहना की गई।

हालांकि, ऑनलाइन एफ़डीपी इसके सत्रों की संख्या, पाठ्यक्रम सामग्री आदि के संदर्भ में नियमित ऑन कैंपस एफ़डीपी के समकक्ष नहीं था। फिर भी यह एक बहुत ही सफल प्रयोग था क्योंकि इसने प्रतिभागियों को आईआईएमए में सीखने के अनुभव का समृद्ध स्वाद प्रदान किया। इस प्रक्रिया से वे यह मूल्यांकन कर सके कि क्या वे भविष्य में नियमित ओनकैंपस एफ़डीपी में भाग लेना चाहते हैं?

2.11 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

महामारी प्रभावित वर्ष 2020-21 में कार्यकारी शिक्षण ने अपने मुक्त नामांकन कार्यक्रम, 53 अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा और 11 मिश्रित शिक्षा कार्यक्रम, के तहत सफलतापूर्वक 34 कार्यक्रमों की पेशकश की। अधिकांश कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किए गए। कार्यकारी शिक्षा ने सरकारी विभागों सहित निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के 3869 अधिकारियों को आकर्षित किया। कार्यकारी शिक्षा ने वर्ष के दौरान चार विशिष्ट क्षेत्रों में चार खुले नामांकन कार्यक्रमों की पेशकश की। क्लाइंट्स के लिए तैयार किए गए 53 अनुकूलित कार्यकारी कार्यक्रमों में छह लंबी अवधि के हस्तक्षेप शामिल थे और 2020-21 में कुल 1578 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। आईआईएमए रोस्टर में आठ नए क्लाइंट्स जोड़े गए। मिश्रित शिक्षा कार्यक्रम के तहत, मार्केटिंग और टेक्नोलोजी पार्टनर्स, जारो इन्स्तिट्यूट ऑफ टेकनोलोजी मैनेजमेंट रिसर्च लिमिटेड और यूनिफ़ाइड कोलाबोरेशन सर्विसीज एलएलपी के माध्यम से हाइब्रिड मोड के तहत ग्यारह कार्यक्रमों की पेशकश की गई। त्वरित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (एजीएमपी) कार्यक्रम के तहत तीन बैचों का आयोजन किया गया। एजीएमपी बैच-6 में 141 प्रतिभागियों का फरवरी, 2021 में समापन हुआ, एजीएमपी बैच–7, 125 प्रतिभागियों के साथ जून 2020 में शुरू हुआ और एजीएमपी बैच–8, 149 प्रतिभागियों के साथ फरवरी 2021 में शुरू हुआ। वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम (एसएमपी) के तहत, एसएमपी बैच-5 का 130 प्रतिभागियों के साथ मार्च 2021 में समापन हुआ, जून 2020 में 148 प्रतिभागियों के साथ एसएमपी बैच–6 और फरवरी 2021 में 149 प्रतिभागियों के साथ एसएमपी बैच-7 शुरू हुआ। साथ ही सामरिक प्रबंधन (एसएम) पूरी तरह से ऑनलाइन कार्यक्रम की दूसरी पेशकश

3-स्तरीय कार्यक्रम : वरिष्ठ अग्रणियों का कार्यक्रम, पीपी गुप्ता सभागार

अगस्त 2020 से नवंबर 2020 तक 64 प्रतिभागियों के साथ सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

इसके विवरण **परिशिष्ट झ** में दिए गए हैं।

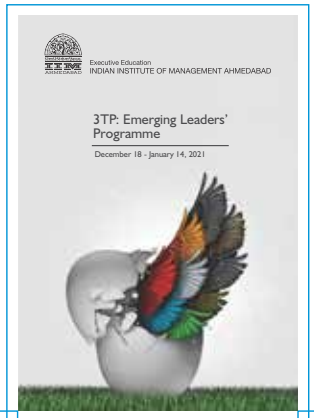

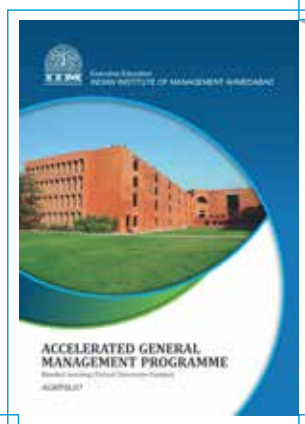

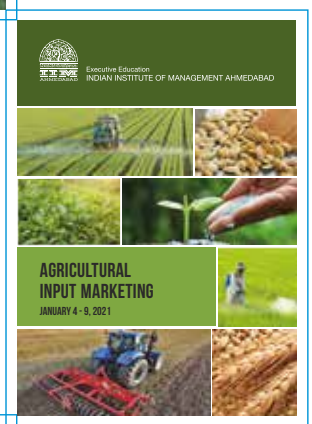

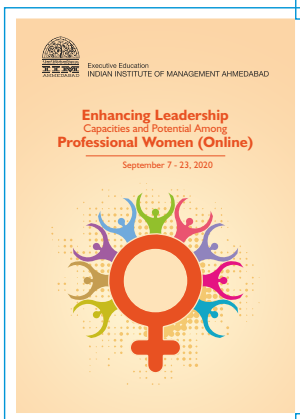

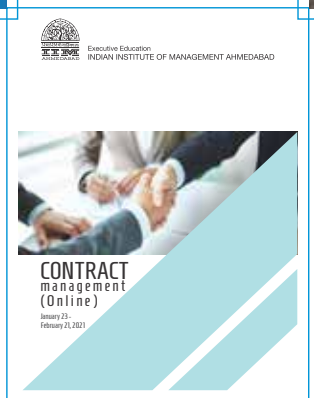

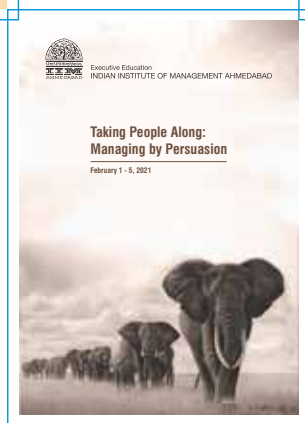

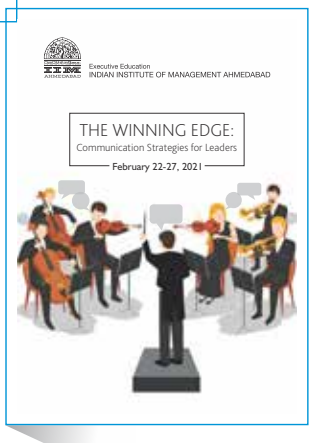

3.

अनुसंधान एवं प्रकाशन

संस्थान अल्पकालिक, दीर्घकालिक और सहयोगी अनुसंधान अनुदान के साथ संकाय का समर्थन करता है। नीचे दी गई तालिका शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान स्वीकृत अनुसंधान अनुदान और शोध परियोजनाओं का विवरण प्रदान करती है।

परियोजना का प्रकार	स्थिति		
	जारी परियोजनाएँ	प्रारंभ की गई परियोजनाएँ	पूर्ण हो चुकी परियोजनाएँ
विशाल अनुसंधान परियोजनाएँ	2	2	-
लघु अनुसंधान परियोजना	42	14	14
मूलधन परियोजना	42	22	14
पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएँ	35		

अनुसंधान विकास और प्रसार पहल

वर्ष के दौरान, संस्थान ने आवश्यकता आधारित आउटरीच पहल के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति की है। जबकि अनुसंधान वेबिनार नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाते हैं, अनुसंधान विधियों पर मासिक कार्यशाला के रूप में एक मूल्य वर्धित पेशकश शुरू की गई है। विभिन्न कार्यप्रणाली विषयों पर आईआईएमए संकाय के नेतृत्व वाली अनुसंधान कार्यशालाएँ जैसे कि, अर्थशास्त्र और विपणन में अर्ध-प्रयोगात्मक अनुसंधान विधियाँ, मिश्रित-विधि अनुसंधान, अनुप्रयुक्त खेल सिद्धांत और विपणन – जो एक दिलचस्प जांच और ऐतिहासिक अनुसंधान विधियों को बनाता है' की अनुसंधान क्षमता वृद्धि हेतु पेशकश की गई है। सैंकड़ों शोधकर्ताओं ने इस अवसर का लाभ उठाया है। प्रबंधन में अनुसंधान समुदाय इस पहल की अत्यधिक सराहना करता है जैसा कि प्राप्त प्रतिक्रिया में परिलक्षित होता है। प्रोफेसर ब्रैड ह्यूजेस (निदेशक एमेरिट्स, द राइटिंग सेंटर और राइटिंग अक्रोस द करीकुलम' ने यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन) ने डॉक्टरेट छात्रों और संकाय के लिए शोध पत्र लेखन और प्रकाशन पर दो कार्यशाला श्रृंखला आयोजित की। शोधकर्ताओं के लिए अपने शोध उत्पादन को तेज करने हेतु प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए अपने प्रारंभिक चरण के शोध कार्य को प्रस्तुत करने मासिक ब्राउन बैग सेमिनार शुरू किए गए। इन पहलों से संबंधित आँकडे नीचे दिए गए हैं।

विवरणी	संख्या
अनुसंधान कार्यशाला	09
अनुसंधान वेबिनार	35
ब्राउन बेग सेमिनार	05

अनुसंधान प्रकाशन

प्रयासों और पहलों का संचयी प्रभाव, नीचे दीं गईं उच्च प्रभाव वाली अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में अनुसंधान प्रकाशनों में वृद्धि में परिलक्षित होता है :

विवरणी	संख्या
पुस्तकें	12
पत्रिकाओं में लेख	122
पुस्तक अध्याय	12
सम्मेलनों में प्रस्तुत शोधपत्र	31
आधार पत्र	30

विभिन्न अनुसंधान पहलों का विवरण **परिशिष्ट ञ ट, और ठ** में दिया गया है।

3.1 *विकल्प* : निर्णय निर्माताओं का जर्नल

विकल्प : निर्णयकर्ताओं का जर्नल सहकर्मी-समीक्षित एक खुली पहुँच वाला तिमाही शैक्षणिक प्रकाशन है। वर्तमान में, इसके प्रकाशन के 46वें वर्ष में, विकल्प को सेज पब्लिशर्स की व्यवस्था द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

विकल्प संपादकीय सलाहकार बोर्ड में दुनियाभर के शीर्ष विश्वविद्यालयों के प्रमुख विद्वान शामिल हैं। सहयोगी संपादकों को एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के शीर्ष प्रबंधन स्कूलों से लिया जाता है।

विकल्प को कोविड-19 महामारी के दोरान समीक्षा प्रक्रिया के वर्कफ़्लो में किसी महत्वपूर्ण विलंब का सामना नहीं करना पड़ा। हालांकि, प्रकाशन में देरी के साथ, आगामी मुद्दों की समयसीमा को बनाए रखने में चुनौतियाँ थीं।

विकल्प ने वित्तीय संकट, दिवालियायापन और कॉर्पोरेट वित्त पर एक विशेष अंक (वॉल्यूम 45.2) प्रकाशित किया, जो अगस्त, 2019 में आयोजित आईआईएमए – विश्व बैंक वित्तीय संकट,

दिवालियायापन और कॉर्पोरेट वित्त सम्मेलन की अगली कड़ी है। हस्तलिखित रचनाओं के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए जुलाई, 2020 में, एक हस्तलिखित रचना विकास कार्यशाला वर्चुअली आयोजित की गई थी। जम्मू विश्व विद्यालय के सहयोग से, 50 प्रतिभागियों के साथ दिसंबर, 2020 में 'स्ट्रक्चरल इकवेशन मॉडलिंग का परिचय' पर एक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी।

विकल्प को 537 हस्तलिखित रचनाएँ मिलीं। 40 से अधिक हस्तलिखित रचनाएँ समीक्षा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। तीन वर्षों में *विकल्प* की औसत स्वीकृति दर लगभग 8% है।

विकल्प स्किमागो की जर्नल रैंकिंग के तीसरे चतुर्थक में है। *विकल्प* का एच-इंडेक्स एसएनआईपी और साइटकोर क्रमश: 22, 0.71 और 1.2 है। *विकल्प* को स्कोपस, प्रोक्वेस्ट, भारतीय प्रशस्ति पत्र सूचकांक, जेगेट और ईबीएससीओ के साथ अनुक्रमित किया गया है।

4.

केस केंद्र

केस केंद्र, केस लेखन और शिक्षण को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल है। यह केंद्र विभिन्न प्रकार के पाठकों में केसों के वितरण के प्रबंधन के साथ-साथ, केस लेखकों को संपादकीय उपलब्ध कराने और वित्त पोषण में सहायता प्रदान करता है। 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 के दौरान केस केंद्र ने 129 विषयों का पंजीकरण किया। इनमें 61 केस, एक मामला (ग्राफिक्स), 58 शिक्षण नोट्स, दो अभ्यास और एक उपसंहार/पूरक शामिल थे। वर्ष 2016 से 2021 तक पंजीकृत केसों/केस (ग्राफिक) / तकनीकी नोट्स / अभ्यासों/ श्रव्य-दृश्य केसों/ अनुपूरकों / शिक्षण नोटों के विवरण इस प्रकार है :

प्रकार	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
केस	34	46	53	39	61
केस (कफग्रि)	0	0	0	0	1
श्राव्य-दृश्य केस	0	3	0	0	0
तकनीकी नोट	6	7	4	3	6
अभ्यास	1	0	1	0	2
उपसंहार/पूरक	0	0	1	1	1
खेल	0	0	0	0	0
शिक्षण नोट	36	48	52	36	58
कुल	77	104	111	79	129

वर्ष के दौरान पंजीकृत केसों के विवरण **परिशिष्ट ड1** में प्रस्तुत किए गए हैं।

केस केंद्र विभिन्न अन्य प्रबंधन संस्थानों, शिक्षकों, कॉर्पोरेट प्रशिक्षकों और व्यक्तियों को आईआईएमए के केसों का प्रसार करता है।

वर्ष 2020-21 के दौरान आईआईएमए, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य में उपयोग किए गए केसों का सारांश **परिशिष्ट ड2** में दिया गया है।

इसके अलावा, केस केंद्र ने वैश्विक दर्शकों तक केसों को प्रसारित करने के लिए विभिन्न वितरण भाड़ीदारों के साथ भागीदारी की है। **परिशिष्ट ड3** में वितरण भागीदारों की सूची दर्शाई गई है।

केस केंद्र ने 2019-20 से केस लेखकों के साथ एक उदार रॉयल्टी – साझाकरण नीति स्थापित की है। तदनुसार, वर्ष 2019-20 के लिए रॉयल्टी केस लेखकों को वितरित की गई। कुल मिलाकर वर्ष 2020-21 केंद्र के लिए नए लेख पंजीकरण और केसों की बिक्री से राजस्व के संबंध में एक रिकॉर्ड वर्ष रहा है। केंद्र ने पंजीकरण और राजस्व में क्रमश: 63.2% और 34.9% की वृद्धि हासिल की।

केस केंद्र वर्ष के सर्वश्रेष्ठ केस के लेखकों को "फिलिप थॉमस मेमोरियल केस एवोर्ड " प्रदान करके केस लेखकों के प्रयासों का सम्मान करता है। प्रोफेसर चित्रा सिंगला और डॉ. बुलबुल सिंह द्वारा लिखित "तेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड-एक भारतीय बहूराष्ट्रीय कंपनी का सफर (ए) और (बी)" एसटीआर0451 (ए) और (बी) शीर्षक वाले केस को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ केस घोषित किया गया था।

5.

विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय (वीएसएल) सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके द्वारा प्रस्तुत सेवाओं की श्रेणी में यह प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इसकी वेबसाइट http://www.iima.ac.in/library/ विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो इस संस्थान के और पुस्तकालय के भीतर नेटवर्क के किए हुए किसी भी कंप्यूटर से उपलब्ध है। वि.सा.पु. ने अपने संसाधनों तक पहुँचने के लिए एंड्रोइड एप भी लॉन्च किया है। यह पुस्तकालय, दोनों (मुद्रित व अमुद्रित) प्रकार की सामग्रियों के संग्रह एवं इलेक्ट्रोनिक संसाधनों के चयन, प्राप्ति, संगठन, संरक्षण, आरक्षित रखरखाव करने में तथा इन तक पहुँच को सुगम बनाने के अपने प्रयासों को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोडता है, जो इसके सदस्यों की रुचि और आवश्यकता है।

संसाधन

क्रमांक	विवरण	वर्ष 2020-2021 के दौरान जोड़ी गई मदों की संख्या	08.05.2021 को मदों की संख्या
1	पुस्तकें	1904	203727
2	पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग	164	47597
3	आधार–पत्र	91	2544
4	शोध-प्रबंध	15	392
5	परियोजना प्रतिवेदन	-	2168
6	सीडी / डीवीडी	05	2571
7	मँगाए जाने वाले जर्नल्स की वर्तमान सदस्यता	123	30195
8	समाचार पत्र	-	22

ई-संसाधन

पुस्तकालय उपभोक्ताओं को नवीनतम विद्वानों की जानकारी प्रदान करने के लिए कई कंपनी और उद्योग डेटाबेस, डेटाबेस और ई–जर्नल की सदस्यता लेता है। विवरण **परिशिष्ट ढ** में सूचीबद्ध है।

सेवाएँ

संचरण	पठन सुविधा
ईमेल चेतावनी सेवा	संदर्भ व सूचना
स्कैनिंग	डाटाबेस खोज सेवा
दस्तावेज वितरण	अंतरपुस्तकालयी ऋण
फोटो कॉपी	क्रमांकण एवं ग्रंथ सूची
सारांशकरण	उन्मुखीकरण कार्यक्रम
सूचना साक्षरता कार्यक्रम	ऑनलाइन सार्वजनिक सुविधा कैटेलॉग
वर्तमान जागरूकता सेवा	अनुसंधान सहायता
ई बुक रीडर लेंडिंग सेवा	बुक ड्रॉप बॉक्स सुविधा
3 डी प्रिन्टर सुविधा	विषय आधारित पुस्तक प्रदर्शनी
ऑनलाइन चैट सुविधा	नेत्रहीन सदस्यों के लिए जेएडब्ल्यूएस बातचीत सॉफ़्टवेयर तथा एसएआरएसीई पुस्तक स्कैनर
नेत्रहीन सदस्यों के लिए केयाईबीओ सॉफ्टवेर	लाइब्रेरी वीआर एप्लीकेशन
स्वयं पुस्तक जारी /वापसी / कियोस्क	

संस्थागत भंडार

आईआईएमए, अहमदाबाद के संस्थागत भंडार को संस्थान के विद्वानों के उत्पादों को इकट्ठा करने, संरक्षित करने और वितरित करने के लिए बनाया गया है। वर्तमान में इस भंडार में 21,000 से अधिक मदें हैं, जिनमें संकाय प्रकाशन, शोध-प्रबंध, छत्र परियोजनाएं, आधार पत्र, आईआईएम समाचार आदि शामिल हैं।

प्रकाशन

यह पुस्तकालय वर्ष 1998 से दो त्रैमासिक सूचना बुलेटिन प्रकाशित कर रहा है :

- प्रबंधन में वर्तमान विषयवस्तु विपणन
- प्रबंधन के वर्तमान सूचकांक विपणन।

इस पुस्तकालय ने शोधकर्ताओं को व्यवहार प्रबंधन सबंधित अनुसंधान की सहायता / सुविधा के लिए निकमैन (राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केंद्र) की सदस्यता शुरू की है।

6.

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

6.1 नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई)

वर्ष 2020-21 नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद (सीआईआईई.सीओ) के लिए संक्रामक का वर्ष था। महामारी के कारण, अधिकांश ऑपरेशन डिजिटल मोड में स्थानांतरित हो गए। संगठन ने सुचारु रूप से कार्य करने और बेहतर प्रक्रियाओं के निर्माण के लिए कई तकनीकी उपकरणों को अपनाया। स्टार्टअप समर्थन कार्यक्रम – और अन्य हस्तक्षेप भी वर्चुअल हो गए, जिसने सलाह और नेटवर्किंग के सॉफ़्टवेयर समर्थन में कुछ फायदे जोड़े।

कुल मिलाकर, संगठन ने संलग्नता कार्यक्रमों में बेहतर वितरण का अनुभव किया। ऐसा इसलिए है क्योंकि वर्चुअल मोड के माध्यम से मेंटर्स और अन्य विशेषज्ञों की भौतिक उपस्थिति बाधाओं को दूर किया गया था। कई पारिस्थितिक तंत्र निर्माण गतिविधियों के अलावा, सीआईआईईडॉटकॉ छात्रों का समर्थन करने के लिए आईआईएमए के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है और संकाय सदस्यों के सहयोग से विभिन्न शोध पहल करता है। इन गतिविधियों में से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं :

आईआईएमैवरिक्स अध्येतावृत्ति 2020-21

आईआईएमैवरिक्स, पीजीपी और पीजीपीएक्स के स्नातक छात्रों को अध्येतावृत्ति / फ़ेलोशिप के माध्यम से उद्यमिता चुनने का अवसर प्रदान करता है। अध्येतावृत्ति के तहत, छात्रों को स्थानन अवकाश के साथ दो साल के लिए स्टाइपेंड / वजीफा सहायता प्रदान की जाती है। सीआईआईईडॉटको निम्नलिखित आईआईएमैवरिक्स का समर्थन कर रहा है :

1. कॉल्लीडॉटएआई (www.kolie.ali) – तरुण कुमार, तन्मय भूनिया (पीजीपी 2018-20) – 2020 में चयनित
2. हेल्दीशियस फूड्स प्राइवेट लिमिटेड - केल्विन पिंटों (पीजीपीएक्स 2019-20)- 2020 में चयनित

नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र

3. ब्राउन सॉइल (http://brownsoil,in) विकास गुलिया (पीजीपीएक्स 2018-19) 2019 से जारी
4. स्पार्कलहूड (http://www.sparklehood.com) आंचल तात्या (पीजीपी 2017-19) 2019 से जारी

छात्र समारोह

बीएमसी और डिजाइन सोच पर कार्यशाला

आईआईएमए के छात्रों के लिए एंट्रेवीसी क्लब द्वारा आयोजित यंग सीईओ प्रतियोगिता के हिस्से के रूप में, सीआईआईईडॉटको ने बिजनेस मॉडल कैनवास (बीएमसी) और डिजाइन सोच पर एक कार्यशाला की सुविधा प्रदान की। यह वाधवानी फाउंडेशन में एक निवेशक, संरक्षक, लेखक और ईवीपी श्री अजय बत्रा द्वारा आयोजित किया गया था। इसमें 137 प्रतिभागी उपस्थित रहे थे।

प्रायोजकता समारोह

सीआईआईईडॉटको ने एसएपी के साथ साझेदारी के माध्यम से प्रदान किए गए लाख रुपये के प्रायोजन के साथ रेड ब्रिक समिट (टीआरबीएस) का समर्थन किया। प्रायोजन का उपयोग बी-प्लान प्रतियोगिता के दो विजेता छात्रों को पुरस्कार का समर्थन करने के लिए किया गया था।

उत्पाद प्रबंधन में इंटर्नशिप

सीआईआईईडॉटको ने बैच 1999 के आईआईएमए के एक पूर्वछात्र श्री पराग पाटनकर (http://www.linkedin.com/in/patankarparaag) के साथ साझेदारी में उत्पाद प्रबंधन पर एक प्रयोगशाला की सुविधा प्रदान की। पीजीपी-2 के तीन छात्रों का चयन किया गया और उन्हें उत्पाद चुनौतियाँ पर स्टार्टअप के साथ काम करने का अवसर दिया गया। छात्रों का मार्गदर्शन श्री पाटनकर ने किया।

लैब में भाग लेने वाले सीआईआईईडॉटको पोर्टफोलियो स्टार्टअप में शालिम हैं –

क. क्रेडोचेन

ख. अप्लिफ़्टम्युचुयल

ग. मैजेंटा बीआई

प्रतियोगिताओं और पाठ्यक्रमों के भाग रूप मूल्यांकन और निर्णायक मंच

सीआईआईईडॉटको टीम, स्टार्टअप और मेंटरों ने भी एंट्रेवीसी क्लब द्वारा आयोजित हल्ट प्राइज़ वेंचर मेनिया, टीआरबीएस बी-प्लान जैसी आदि कई प्रतियोगिताओं की जूरी पैनल में भाग लिया। सीआईआईईडॉटको टीम ने प्रोफेसर मुकेश सुद द्वारा पीजीपी-2 के लिए आयोजित उद्यमिता विचार और कार्य के हिस्से के रूप में छात्र स्टार्टअप विचारों का भी मूल्यांकन किया।

हिरोशीमा विश्वविद्यालय के साथ वर्चुअल विनिमय कार्यक्रम

हिरोशीमा विश्वविद्यालय और आईआईएमए के बीच चल रही साझेदारी के भागरूप, कोई एक विश्वविद्यालय हर साल एक विचार खनन संगोष्ठी आयोजित करता है। विदेशी विश्व विद्यालय के छात्र 7-10 दिनों के लिए मेजबान संस्थान का दौरा करते हैं। महामारी के कारण सीआईआईईडॉटको ने मार्च, 2021 में, वर्चुअली आइडिया माइनिंग सेमिनार की मेजबानी की। हिरोशीमा विश्वविद्यालय के चार छात्रों के साथ आईआईएमए के छह छात्रों ने भाग लिया।

सीआईआईई में अनुसंधान

सीखने के संसाधन

निम्नलिखित कुल 24 सीखने के संसाधन विकसित के गए :

- **केस**
  - कलाइडोफिन
  - ब्लू ओशन टेक में रोहन
  - ईको
  - एमएचएफसी
  - अगोइस
  - व्हर्ल
  - सर्किल्स भाग ए 'उद्यमी पहल का जन्म'
  - सर्किल्स भाग बी 'उद्यमी पहल का अंत'
  - चारा
  - एसीटी अनुदान
  - रिमटेरियल्स
  - मायटी
  - कलाइडोफिन मिनी संस्करण
  - संता एक्स्प्रेस
- **पाठ्यक्रम**
  - वित्तीय समावेशन लैब
  - आईआईएमए मैककॉम्ब्स परियोजना पाठ्यक्रम

- **पुस्तकें और टूलकीट**
  - द पॉवर ऑफ आइडियाज़ : भविष्य को खोलना
  - स्टार्टअप कम्पास
  - महिला उद्यमियों का टूलकीट
  - प्रतिभा योजना
- **कार्यशालाएँ और ट्यूटोरियल**
  - केस पहचान का उपयोग
  - खाता एग्रीगेटर
  - एमएसएमई पैकेज 2020
  - बीटा मिनी कार्यशालाएँ

शोध अध्ययन

निम्नानुसार कुल 13 शोध अध्ययन किए गए :

- **वित्तीय समावेशन**
  - 'डिजिटल वित्तीय सेवाओं में भरोसा बनाना' (बीआईआई)
  - 'ग्रामीण महिलाओं में मोबाइल फोन उपयोग में आनेवाली बाधाओं को समझना' (बीआईआई)
  - 'किसानों पर बाजार पहुँच के मॉडल का प्रभाव'
  - 'ग्रामीण परिवारों का वित्तीय समावेश' (बीआईआई)
- **ऊष्मायन और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र**
  - 'भारतीय व्यापार ऊष्मायन पारिस्थितिकी तंत्र : एक बहुस्तरीय विश्लेषण'
  - 'भारत में स्टार्ट-अप ऊष्मायन का अतीत, वर्तमान और भविष्य'
  - 'भारत में स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र - आसियान के लिए सबक' (आईआरईए)
- **महिला और उद्यमिता**
  - भारत में महिला उद्यमियों के लिए परोपकारी लिंगवाद के निहितार्थ खोलना
  - महिला संस्थापकों के लिए स्थान और जगह बनाने के निहितार्थ
  - महिला उद्यमियों के लिए बड़े पैमाने पर सफलता के द्वार खोलना
  - महिला उद्यमियों के तीन व्यक्तित्व
- **नवप्रवर्तन मूल्यांकन और निवेश का निर्णय लेना**
  - किससे नवप्रवर्तन सफल होते हैं?
- **उद्यमिता शिक्षा**
  - 'व्यवसाय मे जीवंत कार्रवाई का अनुभव करना – एक पाठ्यक्रम पर प्रतिक्रिया'

क्षेत्र और प्रौद्योगिकी इंटेलीजेंस

निम्नानुसार कुल आठ क्षेत्र अध्ययन किए गए :

- हेल्थटेक (टेलीमेडिसिन)
- भारत के लिए इंश्योरटेक और बीमा
- खाद्य तकनीक/फूडटेक (वैकल्पिक प्रोटीन)
- शिल्प
- वित्तीय समावेशन
- सिविक तकनीकी
- संपत्ति अधिकार तकनीकी
- कानूनी तकनीक

भारत समावेशी अनुसंधान अध्येतावृत्ति

कुल आठ अध्येतावृत्तियों को निम्नानुसार पूरा किया गया :

- भारत में बीमा : लोगों से प्रेरित जोखिम सुरक्षा को बढ़ावा देना
- प्रौद्योगिकी सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए बेहतर क्रेडिट पहुँच से कैसे सक्षम कर सकती है?
- 'भारत में कृषि क्षेत्र में स्कोपिंग मेसो लेवल इंश्योरेंस'
- 'गतिशीलता के लिए मोबाइल: ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को मजबूत करने में मोबाइल फोन की भूमिका'
- 'डेटा स्वामित्व और जिग अर्थव्यवस्था में जिग कर्मी'
- 'एमएसएमई के विकास को अलग करना: तामिलनाडु में औद्योगिक समूहों का एक अध्ययन
- किसान उत्पादक संगठनों में छोटे और सीमांत किसानों के वित्तीय जोखिमों को समझना और उनका निराकरण करना

सम्मेलन और संगोष्ठी

"महिला उद्यमी और लिंगवाद : लिंगवार प्रदर्शन कर दिखाना और सीमाओं को लांघना " शीर्षक से शोध पत्र (प्रोफेसर वैभवी कुलकर्णी के साथ) को ईयूआरएएम 2020 में प्रस्तुत करने के लिए स्वीकृत किया गया।

प्रकाशन श्रृंखला

श्रृंखला का नाम	विवरण	संख्या
भारत के लोग बीआईआई	सहानुभूति प्रेरित करने के लिए भारत में अयोग्य लोगों की वास्तविक कहानियाँ; बीआईआई ब्लॉग पर प्रकाशित	56 लेख प्रकाशित किए गए
भारत को समझना बीआईआई	अनुसंधान फैलोशिप से अंतर्दृष्टि; बीआईआई ब्लॉग पर प्रकाशित	66 ब्लॉग प्रकाशित किए गए
उद्यमियों और प्रयोगों में से	सीआईआईडॉटको के उद्यमियों की कहानियाँ (पुनरारंभ); सीआईआईडॉटको ब्लॉग पर प्रकाशित	सीआईआईडॉटको पोर्टफोलियो से 50 से अधिक उद्यमी कहानियाँ एवं 30 से अधिक पीओआई संस्थापक कहानियाँ प्रकाशित

समर्थित पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान

- प्रोफ़ेसर राकेश बसंत द्वारा 'नई प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग, डिजाइन और व्यवसाय मॉडल' के लिए सहायता और समर्थन (जून 2021)
- विमल बालसुब्रमण्यम, अदिति दिमित्री, रेणुका साने द्वारा बीआईआरएफ 2018 के अध्ययन "वित्तीय शिक्षा के माध्यम से उत्पाद विशिष्ट विशेषताओं को छिपाना" के प्रकाशन में सहायता और समर्थन
- मोनामी दासगुप्ता द्वारा बीआईआरएफ 2018 अध्ययन – "वित्तीय जीवन या शहरी गरीब परिवार" के प्रकाशन में सहायता और समर्थन

6.2 लैंगिक मुद्दा प्रबंधन समिति (सीएमजीआई)

उत्पीड़न के केसों को संभालने के लिए जारी कामों के अलावा, सीएमजीआई समिति, परिसर पर कई अन्य गतिविधियों में लैंगिक समस्याओं को संभालने में भी शामिल रही।

आयोजित किए गए सत्र -

- 10 जून, 2020 पीजीपीएक्स बैच की सभी महिला प्रतिभागियों के साथ अनौपचारिक बैठक
- 25 जून, 2020 को आनेवाले सभी पीजीपी बैचों के साथ अनौपचारिक बैठक
- 02 अगस्त, 2020 को पीजीपी 2020-22 बैच के लिए "जेंडर सेंसिटाइझेशन" पर सत्र आयोजित किया गया।
- पीजीपीएक्स 2020-21 बैच के लिए प्रेरण के दौरान "जेंडर सेंसिटाइझेशन" पर 04 सितंबर, 2020 को सत्र आयोजित किया गया।
- ईपीजीडी-एबीए 2020-22 बैच के लिए प्रेरण के दौरान "लिंग संवेदीकरण" पर 19 सितंबर, 2020 को सत्र आयोजित किया गया।

लैंगिक मुद्दा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष द्वारा नवांगतुक छात्रों का ऑनलाइन अभिविन्यास

- ई-पीजीपी 2020-22 बैच के लिए प्रेरण के दौरान "जेंडर सेंसिटाइझेशन" पर 20 सितंबर, 2020 को सत्र आयोजित किया गया।
- 27 अक्टूबर, 2020 को सीएमजीआई सदस्यों के लिए पीओएसएच प्रशिक्षण पर ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया।
- संस्थान में, 8 मार्च, 2021 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के दौरान "यौन उत्पीड़न" पर एक सत्र आयोजित किया गया।
- सीएमजीआई की बाहरी सदस्य प्रीता झा द्वारा 24 मार्च, 2021 को "सहमति और अस्वीकृति" पर एक सत्र आयोजित किया गया।

सूचना और जागरूकता का प्रसार

- समिति ने प्रसिद्ध कानूनी सहायोंगियों में से एक के साथ काम किया और सीएमजीआई नीति दिशानिर्देशों को संशोधित किया। संशोधित नीति दस्तावेज़ को 11 अगस्त, 2020 को आईआईएमए समुदाय के साथ साझा किया गया।
- समिति ने एक अनुसंधान सहयोगी नियुक्त किया है, जो सीएमजीआई न्यूजलेटर और अन्य लिंग संबंधी परियोजनाओं पर काम कर रहा है। सीएमजीआई ने मार्च, 2021 आईआईएमए समुदाय को न्यूजलेटर का प्रसार करना शुरू कर दिया है।

6.3 लैंगिक केंद्र

महिलाओं से संबंधित छात्रवृत्ति और लैंगिक समानता के मुद्दों को बनाने और बढ़ावा देने के लिए अक्टूबर, 2018 में आईआईएमए में जेंडर सेंटर-लैंगिक केंद्र की स्थापना की गई थी। केंद्र का लक्ष्य अपने शोध उत्पादन को बढ़ाने का है। वर्तमान में, सदस्य महिला श्रम बल, लैंगिक समानता, घरेलू हिंसा पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव, लैंगिक पूर्वाग्रह आदि से संबंधित मुद्दों पर काम कर रहे हैं।

6.4 भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी)

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) नवंबर 2014 में दो व्यापक लक्ष्यों के साथ शुरू हुआ। एक था भारत में स्वर्ण उपभोक्ता और उद्योग से संबंधित स्वतंत्र शोध आधारित अंतर्दृष्टि की उपलब्धता को बढ़ाना और दूसरा, नीति निर्माताओं और उद्योग प्रबंधकों को पूर्वाग्रहरहित जानकारी के आधार पर भारत में स्वर्ण बाजार के विकास में सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाना था। केंद्र सिद्धांत और व्यवहार को इस तरह मिश्रित करने के लिए उद्योग–व्यापी जुड़ाव के माध्यम से संचालित होता है। यह अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक दूसरे का पूरक है। इस जुड़ाव ने केंद्र को मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक स्तर पर शोध करके व्यापार और सरकार को सलाह देने में सक्षम होने के कारण काम के दायरे को व्यापक बनाने में मदद की है।

उद्योग और सरकार के साथ जुडने और भारतीय स्वर्ण उद्योग में बदलाव लाने के लिए उपभोक्ता- स्तरीय डेटाबेस बनाने के प्रयास के लगातार पाँच वर्षों के परिणाम दिखने लगे हैं।

सबसे पहले, बाजार के बुनियादी ढांचे के संस्थान बनाने, अनिवार्य होलमार्किंग और सीमा शुल्क को युक्तिसंगत बनाने के

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र द्वारा आयोजित स्वर्ण एवं स्वर्ण बाज़ार पर सम्मेलन

दौरान लेनदेन पर करों के अनुपालन से संबंधित घोषणाएँ कुछ महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, जो अपारदर्शी लेनदेन के लिए जाने वाले उद्योग को एक पारदर्शी व्यवसाय में स्थानांतरित कर देंगे। केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के लिए परामर्श असाइनमेंट के रूप में अंतर्राष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज के लिए रोडमैप बनाने में मदद की है। आईजीपीसी भारतीय रिफाइनरी को वैश्विक मानकों पर ले जाने वाले घरेलू गोल्ड एक्सचेंज और आर्थिक मामलों के विभाग के कार्य समूह के निर्माण अंतर्गत सेबी के कार्य समूह का भी सदस्य है।

दूसरा, 200,000 परिवारों की सूची के आधार पर सोने की खरीद और खपत व्यवहार का एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण किया गया है। इसे हर दूसरे वर्ष में दोहराया जाएगा। सर्वेक्षण के परिणाम इस साल के अंत में उपलब्ध होंगे। पहली बार, सभी हितधारकों के लिए उपलब्ध स्वर्ण उद्योग पर विशेष रुप से केन्द्रित स्वतंत्र डेटा होगा।

आईजीपीसी ने विशेष रूप से सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए भारतीय बैंक संघ के सहयोग से बुलियन बैंकिंग पर एक अर्धदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

पर्यावरण, सामाजिक और शासन प्रथाओं पर बढ़ते ज़ोर के साथ, ओईसीडी के साथ यह केंद्र भी भारत में स्वर्ण की जिम्मेदार सोर्सिंग की आवश्यकता को चलाने के धुरी में रहा है।

6.5 कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए)

कृषि प्रबंधन केंद्र (सीएमए) संस्थान में एक अंत:विषय अनुसंधान केंद्र है, जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण और संबंद्ध क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त, नीति और समस्या –समाधान अनुसंधान में लगा हुआ है। केंद्र इन सेक्टरों/क्षेत्रों में शिक्षण, प्रशिक्षण और परामर्श गतिविधियों में भी शामिल है।

अनुसंधान परियोजनाएं

सीएमए का कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (एमओएएफडब्ल्यू), भारत सरकार के साथ घनिष्ठ संबंध बनाये रखता है और कृषि और संबद्ध क्षेत्र के विकास और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर मंत्रालय के लिए लगातार शोध अध्ययन करता है और सरकार को नीति विश्लेषण और सलाह प्रदान करता है।

केंद्र ने वर्ष के दौरान छह अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की है। अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है :

पूर्ण हुई परियोजनाएँ

- निर्माता कंपनियों के प्रदर्शन और प्रभाव को समझना – भारत के राज्यों में और प्रमोटरों के केसों का अध्ययन
- भारत की कृषि में जल उपयोग क्षमता में सुधार – सूक्ष्म सिंचाई का प्रदर्शन और प्रभाव : प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) - प्रति बूंद अधिक फसल (पीड़ीएमसी) का अध्ययन

जारी परियोजनाएँ

- एपीएमसी बाज़ारों को जोड़ने वाली ई-एनएएम पहल के प्रभाव का आकलन : गाँवों से साक्ष्य
- भारत में कृषि श्रमिक प्रवासन : प्रवासन और उसके परिणामों को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण
- शून्य बजट प्राकृतिक खेती (झेडबीएनएफ) सहित परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाय) के भीतर किसान की भागीदारी के निर्धारक
- कृषि में महिलाओं के लिए मशीनीकरण और श्रम बचत प्रद्योगिकियाँ

शिक्षण

सीएमए फ़ैकल्टी संस्थान के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एमबीए), कृषिव्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एफ़एबीएम–एमबीए), पीएच.डी. कार्यक्रम, कार्यकारी अधिकारियों के प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स-एमबीए), प्रबंधन में ई-स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई-पीजीपी) पढ़ाते हैं। पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रमों के विवरण निम्नलिखित के अनुसार है -

एमबीए एफ़एबीएम, एमबीए, एमबीए-पीजीपीएक्स और ईपीजीपी

अनिवार्य

- कृषि व्यवसाय उद्यमिता
- कृषि व्यवसाय नेतृत्व
- कृषि और खाद्य नीति
- कृषि वित्त
- कृषि व्यवसाय परयोजनाओं का प्रबंधन
- कृषि आदनों का विपणन
- ग्रामीण, सामाजिक और संस्थागत माहौल
- रणनीतिक खाद्य विपणन

ऐच्छिक

- कृषि बाजार और मूल्य निर्धारण
- कृषि वादा, विकल्प और जोखिम प्रबंधन
- साइन रचनात्मकता : नवप्रवर्तन, ज्ञान,नेटवर्क और उद्यमिता की समझ
- भारतीय कृषि व्यवसाय के लिए खाद्य प्रणाली द्रष्टकोण
- ग्रामीण विपणन
- कृषि के लिए बिक्री और वितरण प्रबंधन
- मूल्य श्रृंखला प्रबंधन – कृषि व्यवसाय में अनुप्रयोग

पीएच.डी. कार्यक्रम (कृषि)

अनिवार्य

- कृषि विकास नीति
- कृषि प्रबंधन- I
- कृषि प्रबंधन- II
- कृषि मूल्य श्रृंखला प्रबंधन और विकास

एच्छिक

- खाद्य और कृषि के लिए अनुप्रयुक्त सूक्ष्म अर्थशास्त्र'
- नए संस्थागत अर्थशास्त्र की नींव

प्रकाशन

पुस्तकें (प्रेस में)

- भारत के वायदा बाज़ारों में किसानों की भागीदारी क्षमता : संभावना, अनुभव और बाधाएँ
- भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए दालें

कृषि-आर्थिक नीति के संक्षिप्त विवरण और कृषि-आर्थिक चेतावनी

केंद्र ने कृषि-आर्थिक नीति के संक्षिप्त विवरण और कृषि-आर्थिक चेतावनी में से प्रत्येक के द्विमासिक पाँच अंक प्रकाशित किए।

सम्मेलन / कार्यशालाएँ / संगोष्ठियाँ

केंद्र ने वर्ष 2020 में सीएमए अनुसंधान संगोष्ठी श्रृंखला की शुरुआत की।

शोध श्रृंखला का उद्देश्य न केवल शोध संस्कृति और एक अकादमिक माहोल खड़ा करना है, विशेष रुप से डोक्टरेट छात्रों को, बल्कि पीएच.डी. छात्रों, अकादमिक सहयोगियों, अनुसंधान सहयोगियों और संकायों को खाद्य, कृषि व्यवसाय, कृषि और अन्य संबंधित क्षेत्रों में अपने शोध को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा। संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए गए आउटपुट में शोध प्रस्ताव, प्रगति पर काम, आधार पत्र, अंतिम शोध आउटपुट और प्रकाशित जर्नल लेख शामिल हो सकते हैं, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं हो सकता है। संगोष्ठी श्रृंखला का उद्देश्य सीएमए में रुचि के क्षेत्रों में काम करने वाले बाहरी विद्वानों को अपने शोध प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करना है। आयोजित संगोष्ठियों का विवरण इस प्रकार है –

- नियोजित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए समूह कार्रवाई और नीतिगत हस्तक्षेप पर कार्यशाला अगस्त, 2020 में आयोजित की गई।
- अक्टूबर, 2020 में महिलाओं द्वारा कृषि मूल्य शृंखला में भागीदारी के निर्धारकों और प्रभावों को समझने के लिए परिवर्तन के सिद्धांत के उपयोग पर कार्यशाला आयोजित की गई।
- खाद्य उत्पादों में वैश्विक बनाम स्थानीय ब्रांड वरीयता गठन नवंबर, 2020 में आयोजित किया गया।
- क्या उत्पादक कंपनियाँ कृषि उत्पाद बाजार में संस्थागत रिक्तियों को दूर करने में मदद करती है? तेलांगाना, भारत से साक्ष्य जनवरी, 2021 में आयोजित किया गया।
- भारत में शहरी उपभोक्ताओं में बाजरे की ओर बदलाव का पूर्ववृत्त मार्च, 2021 में आयोजित किया गया।

वर्ष के दौरान केंद्र ने एक संकाय भर्ती संगोष्ठी और एक शोध भर्ती संगोष्ठी का भी आयोजन किया।

6.6 स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस)

स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस) संस्थान के सबसे पुराने केन्द्रों में से एक है। स्वास्थ्य क्षेत्र में बिते वर्षों में आईआईएमए के योगदान को मान्यता देने के लिए यह जून, 2004 में स्थापित किया गया था और देश के सामाजिक–आर्थिक विकास के संदर्भ में स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रबंधन को मजबूत करने की आवश्यकता महसूस की गई थी।

सीएमएचएस का समग्र उदेश्य स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में प्रबंधकीय चुनौतियों का समाधान करना है ताकि हमारी आबादी

की विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके, स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्टता के संस्थानों का निर्माण किया जा सके और स्वास्थ्य नीतियों और व्यापक पर्यावरण को प्रभावित किया जा सके।

सीएमएचएस सक्रिय रुप से महामारी के लिए अस्पताल की तैयारी, मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण, स्वास्थ्य असमानताओं आदि जैसे कोविड-19 संबंधित मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए सेमिनार और पॉडकास्ट का आयोजन कर रहा है। भारतीय स्वास्थ्य सेवा में परिवर्तनकारी परिवर्तन को संबोधित करने के लिए नवंबर, 2020 में एक कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न अनुशासनात्मक दक्षताओं में आईआईएमए संकाय से विशेषज्ञता को मिलाकर, इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन कोविड पश्चात पारिस्थितिकी तंत्र में उभरने वाले अंतराल को भरना है। संगोष्ठियाँ, पॉडकास्ट और कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम का विवरण **परिशिष्ट ण** में दिया गया है।

6.7 सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी)

सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी) सामरिक सार्वजनिक प्रबंधन, सार्वजनिक और सामाजिक नीति पर अत्याधुनिक अनुसंधान, प्रशिक्षण, और संगठानात्मक कार्य को संभालता है। इस समूह का उदेश्य ऐसे समूह को बढ़ावा देना है, जो सार्वजनिक प्रणालियों के प्रभावी प्रबंधन की अवधारणाएँ तथा सिद्धांत उत्पादित करेंगे और साथ–साथ नीति बनाने के आधार पर सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं को विद्वानों की तरह समझ एवं साफ अभिव्यक्ति प्रदान करेंगे। यह समूह प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में व्यापक अनुशासनात्मक पृष्ठभूमि और विषयों को एकीकृत करता है।

संकायों के वर्तमान अनुसंधान हितों में दीर्घकालिक उत्सर्जन परिदृश्य और मॉडलिंग सहित ऊर्जा एवं जलवायु में परस्पर परिवर्तन, पर्यावरण एवं स्थिरता, वैश्विक पर्यावरण वार्ता और जोखिम मूल्यांकन; प्राथमिक, द्वितीयक, व तृतीयक स्वास्थ्य क्षेत्रों को समाहित करते हुए अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रणालियाँ; शहरी प्रबंधन, परिवहन एवं विमानन प्रबंधन, बुनियादी ढाँचे का विकास एवं पुनर्वास; सार्वजनिक वित्त, शिक्षा नीति, व सामुदायिक विकास; सार्वजनिक प्रणालियों में संचालन अनुसंधान, प्रभाव आकलन तथा दूरसंचार शामिल हैं। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के तहत पीएसजी क्षेत्र द्वारा पेश किए जानेवाले पाठ्यक्रम इस प्रकार से है :

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यापार, माहौल और स्थिरता
- सरकारी प्रणालियाँ और नीति प्रक्रियाएँ
- व्यवसाय का सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल

ऐच्छिक

- कार्बन वित्त
- व्यापार और नीति निर्णय निर्माण के लिए प्रयोग
- लिंग और विकास नीति व कार्यक्रमों
- सुशासन और गरीबी में रहने वाले लोग
- औद्योगिकरण : विसवा इतिहास के परिप्रेक्ष्य
- नवप्रवर्तन, सामाजिक संस्थान और जमीनी स्तर पर ज्ञान
- शहरी परिवहन प्रबंधन में नवप्रवर्तन
- बुद्धिमत्तापूर्ण परिवहन प्रणालियाँ
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन
- जोड़तोड़, कल्पित कथा और विपणन
- विकास के लिए सहभागी रंगमंच
- संगठनों में सत्ता और राजनीति
- शासन और प्रशासन में ईमानदारी
- सार्वजनिक नीति
- नेटवर्क सोसाइटी में व्यवसाय और मानव विकास को समझने के लिए गुणात्मक अनुसंधान के तरीके
- रेल परिवहन योजना और प्रबंधन
- सामाजिक उद्यमिता : नवप्रवर्तक सामाजिक परिवर्तन का
- भारतीय राज्य, लोकतंत्र और जवाबदेही संस्थान: सुशासन पर पुनर्विचार
- सार्वजनिक नीति के दार्शनिक आधार: नैतिकता मूल्य और आचारसंहिता
- परिवर्तनकारी सामाजिक आंदोलन
- शहरी अर्थशास्त्र और व्यापार माहौल

पीएच.डी कार्यक्रम

अनिवार्य

- नीति विश्लेषण और अनुसंधान के लिए तरीके
- सार्वजनिक वित्त
- जन प्रबंधन
- सार्वजनिक नीति

ऐच्छिक

- व्याख्यात्मक अनुसंधान के तरीके
- सामाजिक नीति अनुसंधान में कारण अनुमान के लिए मात्रात्मक तरीके

ईपीजीपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट स्थायित्व

ऐच्छिक

- व्यापार नीति निर्णय निर्माण के लिए प्रयोग
- परिवहन अवसंरचना नीति अभ्यास

पीजीपीएक्स

- व्यापार, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवाधिकार
- व्यापार नीति निर्णयनिर्माण के लिए प्रयोग
- अवसंरचना विकास और सार्वजनिक निजी भागीदारी
- सत्ता और राजनीति और सार्वजनिक नीति

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- व्यावसायिक निर्णयों के लिए प्रयोग
- शिपिंग के लिए सामान्य प्रबंधन
- बुद्धिमान परिवहन प्रणाली

6.8 रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केंद्र (आरजेएमसीईआई)

कोविड-19 संबंधित व्यवधानों को 2020-21 के रूप में चिह्नित किया गया। पाठशाला माहौल संबंधित परियोजनाओं और स्कूल के छात्रों को लिंग और किशोर–संबंधी मुद्दों से निपटने में विलंब हुआ। क्लेंस इंपोस्टर फेनोमेनन स्केल (बंगाली) विषयक परियोजना को बंद कर दिया गया था। हालांकि, ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच (पिछले साल की रिपोर्ट में उल्लेखित) का उपयोग गुजरात के सार्वजनिक स्कूल के शिक्षकों को मई 2020 तक गहन शैक्षिक जानकारी प्रदान करने के लिए किया गया था। (https://covid.19iima.ac.in/school-teachers.php), और शेष 2020-21 के लिए एक सहकर्मी चर्चा मंच बनाए रखा था। इस मंच पर हुई चर्चाओं का विश्लेषण किया जा रहा है। भारत में अर्थशास्त्र शिक्षा में महिलाओं की कम उपस्थिति, स्कूली शिक्षा पर कोविड-19 के प्रभाव और स्नातक छात्रों में "अनुत्तीर्ण" होने के बारे में अकादमिक निर्णय लेने पर तीन नई परियोजनाएं शुरू की गई।

आरजेएमसीईआई ने निम्नलिखित डोक्टरेट पाठ्यक्रमों की पेशकश की : शिक्षा सिद्धांत, नीति तथा अभ्यास; शिक्षा में परिवर्तन और नवप्रवर्तन, शैक्षिक नीति का विश्लेषण और मूल्यांकन, शिक्षा का अर्थशास्त्र, शैक्षिक अनुसंधान के लिए अनुप्रयुक्त मात्रात्मक तकनीक, शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान के तरीके, शिक्षा में मिश्रित तरीकों वाला अनुसंधान; छात्रों को पढ़ाई के लिए कैसे प्रेरित करें; भारत में उच्च शिक्षा और शैक्षिक सर्वेक्षण विकास और कार्यान्वयन।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में शामिल हैं : भारतीय शिक्षा में दूसरी पीढ़ी की चुनौतियाँ; शिक्षा में उद्यम और नवप्रवर्तन; खेलकरण, प्रौद्योगिकी और सीखने की प्रेरणा, और दो नए पाठ्यक्रम, शिक्षा और प्रशिक्षण में आत्मसीमित विश्वासों का प्रबंधन और सर्वेक्षणों को डिजाइन और कार्यान्वित करना।

स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए कार्यक्रम का 21वाँ संस्करण, बदलते माहौल में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व, फरवरी–मार्च, 2021 के दौरान पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में पेश किया गया था। 75 मिनिट के बीस सत्र पाँच सप्ताहांत में फैले हुए थे। आरजेएमसीईआई के सदस्य दिल्ली सरकार के स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रमों में भी शामिल थे। डोकटरेट कार्यक्रम ने 2020 में दो छात्रों को प्रवेश दिया और दो को अप्रैल 2021 में प्रवेश दिया। दो डोकटरेट छात्रों ने मई 2021 में स्नातक किया। मई 2021 तक कार्यक्रम में 11 छात्र थे। वर्ष के दौरान, केंद्र के चार प्राथमिक सदस्यों ने 12 सहकर्मी-समीक्षित लेख तैयार किए।

6.9 जेएसडबल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल (जेएसडबल्यू एसपीपी)

जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल निर्माण का उत्कृष्टता केंद्र है। जेएसडब्ल्यू समूह के समर्थन से स्थापित, यह अग्रणी अनुसंधान में संलग्न होकर और नीति व्यावसायियों की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षण देकर सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में एक विशिष्ट योगदान देना चाहता है। वर्ष 2020-21 के दौरान की गईं गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है।

अनुसंधान गतिविधियाँ

कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए जेएसडबल्यू –एसपीपी, "कोविड-19 के लिए पॉलिसी ब्रीफ टास्क फोर्स" की शुरुआत की। टास्क फोर्स का उद्देश्य कार्यक्रमों में आईआईएम-ए के पीजीपी (वर्ष-2), पीजीपीएक्स (वर्ष-1), और पीएच.डी. छात्रों को भारत में अर्थव्यवस्था, व्यवसायों और समाज पर महामारी के प्रभाव को समझने के लिए शामिल करना था। कुल 26 छात्र टीमों (पीजीपी से 16, पीजीपीएक्स से 5 और पीएच.डी. से 5) ने टास्क फोर्स में भाग लिया। अर्थव्यवस्था के सभी प्रमुख क्षेत्रों को आवरित करने वाले विषयों पर नीतिगत संक्षिप्त विवरण तैयार किया। केंद्र और राज्य सरकारों में महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली भूमिका निभाने वाले नीति निर्माताओं के साथ ये नीतिगत संक्षिप्त विवरण साझा किए जाएँगे।

सार्वजनिक चर्चा और सेमिनार

जेएसडबल्यू–एसपीपी ने भारत की माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन की 25 फरवरी, 2021 को मेजबानी की। दो छात्र प्रतिनिधियों के नेतृत्व में चर्चा, 'आर्थिक पलटाव और वर्ष 2021 व उसके बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था' की गई। इसके अतिरिक्त, स्कूल ने 'आर्थिक, सामाजिक और कॉर्पोरेट शासन पर आईआईएमए छात्र-नेतृत्व वाले वित्त और सार्वजनिक नीति क्लबों के सहयोग से मॉर्गन स्टेनली कैपटल इन्टरनेशनल (एमएससीआई) के कार्यकारी निदेशक मनीष शकद्वीपी द्वारा एक वेबिनार की मेजबानी की।

कार्यकारी शिक्षा (ईई) और प्रशिक्षण

आईआईएम-ए, संकाय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप कार्यक्रम के शैक्षणिक घटकों को वितरित करेगा। इस कार्यक्रम के प्रमाण पत्र, प्रोफेसर अनीश सुगथन और राम मोहन तुरगा की सह-अध्यक्षता के साथ सह-ब्रांड किया जाएगा।

ईई कार्यक्रम विकसित करने के लिए नीति आयोग के विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) के साथ चर्चा प्रारम्भिक चरण में है।

29 जनवरी, 2021 को सीटीएल वर्चुअल उद्घाटन

6.10 डिजिटल रूपांतरण केंद्र (सीडीटी)

डिजिटल रूपांतरण केंद्र वर्ष 0202 में स्थापित किया गया। केंद्र डिजिटल नवप्रवर्तनों के विकास, रणनीति और नेतृत्व संबंधित संगठनात्मक गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान करता है। रणनीति, अर्थशास्त्र, सूचना प्रणाली और आँय व्यवसायिक विषयों में सिद्धांतों और विकास को एकीकृत करने वाले विभिन्न वैचारिक ढांचे का उपयोग करते हुए, केंद्र डिजिटल रूपांतरण की जांच पर ध्यान केन्द्रित करता है :

- ऑनलाइन मार्केटप्लेस और आईटी सक्षम मध्यस्थता का निर्माण
- व्यापार विश्लेषिकी
- डिजिटल वास्तुकला और शासन मॉडल
- डिजिटल व्यापार रणनीति
- खुदरा के लिए डिजिटल चैनल
- डिजिटल प्रक्रियाएँ, उत्पाद, प्लेटफार्म और सेवाएँ
- डिजिटल मूल्य श्रृंखला नवाचार
- सह- निर्माण और सह- नवप्रवर्तन के लिए डिजिटल रूप से सक्षम ग्राहका भागीदारी
- डिजिटल रूप से उत्पन्न नेटवर्क प्रभाव
- कार्य का डिजिटलीकरण और रूपांतरण
- नौकरियों,आय और मजदूरी पर डिजिटलीकरण के प्रभाव
- डिजिटल दुनिया में मानवीय भावनाएँ और संवेदनाएं
- डिजिटल सामाजिक नेटवर्क में नेतृत्व
- प्रौद्योगिकी के साथ ग्राहक अंतर्क्रियाओं / हस्तक्षेपों का अंतर्निहित तंत्रिका वैज्ञानिक गतिकी
- संगठनात्मक और सामाजिक परिवर्तन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों की भूमिका

केंद्र विभिन्न गतिविधियों में शामिल होने की योजना बना रहा है, जो डिजिटल युग में विचार और कार्रवाई का मार्गदर्शन कराते हैं, जिसमें अनुसंधान, संगठनात्मक जुड़ाव और कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों आदि जैसी आउटरीच गतिविधियाँ शामिल हैं।

केंद्र के लिए वेबसाइट बनाई गई है और विभिन्न संकाय सदस्य केंद्र में शामिल हो गए हैं।

6.11 परिवहन और रसद केंद्र (सीटीएल)

परिवहन और रसद के क्षेत्र में आईआईएम, अहमदाबाद की एक समृद्ध विरासत है। इसने क्षेत्र में अकादमिक अनुसंधान और अभ्यास दोनों में बहुत योगदान दिया है। परिवहन और रसद में आईआईएमए की उपस्थिति और प्रभाव को मजबूत करने और बढ़ाने के लिए, सितंबर 2020 में एक नया परिवहन और रसद केंद्र (सीटीएल) स्थापित किया गया। केंद्र का दृष्टिकोण परिवहन, रसद और संबद्ध क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान की सुविधा प्रदान करना है और इस तरह भारत और विदेशो में छात्रवृत्ति, अभ्यास और नीति निर्माण में योगदान करता है।

समग्र संस्थान के संकाय इस केंद्र में सदस्यों के रूप में शामिल हुए हैं। केंद्र की योजना भारत में महत्वपूर्ण यात्री और माल परिवहन और रसद चुनौतियों को अनुसंधान, स्नातकोत्तर और कार्यकारी

शिक्षा, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और नीति सलाह के एकीकृत, बहुविषयक कार्यक्रम के माध्यम से संबोधित करने की है। उत्तर अमेरिकी, यूरोपीय और एशियाई विश्वविध्यालयों में उत्कृष्ट शोध उपलब्धियों वाले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित प्रोफेसरों का एक समूह केंद्र के विकास का मार्गदर्शन करने के लिए केंद्र की शोध सलाहकार समिति में शामिल हो गया है।

समारोह

वर्चुअल उद्घाटन एवं पेनल चर्चा

केंद्र ने 29 जनवरी, 2021 को एक वर्चुअल उद्घाटन का आयोजन किया। "परिवहन और रसद में रुझान और नवाचार" पर एक पैनल चर्चा 29 जनवरी, 2021 को आयोजित की गई। शिक्षा, उद्योग और सरकार में फैले प्रतिष्ठित पैनलिस्टों ने परिवहन और रसद क्षेत्रों में वर्तमान रुझानों और भविष्य के नवाचार पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। पैनलिस्टों ने उपयोगी सुझाव दिए कि कैसे केंद्र भारत-विशिष्ट समस्याओं का समाधान कर सकता है, और इस तरह भारत में परिवहन और रसद पारिस्थितिक तंत्र का समर्थन कर सकता है।

आईआईएमए–सीटीएल अनुसंधान वेबिनार

निम्नलिखित वेबिनार आयोजित किए गए :

प्रोफेसर रोब जुईडविज्क, रोटरडैम मैनेजमेंट स्कूल, इरास्म्स यूनिवर्सिटी द्वारा 19 मार्च, 2021 को "कंटेनर ट्रांसपोर्टेशन में डेटा की भूमिका" पर वेबिनार

प्रोफेसर हाई वांग, कम्प्यूटिंग और इन्फोर्मेशन सिस्टम्स स्कूल, सिंगापुर मैनेजमेंट युनिवर्सिटी द्वारा 23 अप्रैल, 2021 को "प्राइसिंग एंड मैचिंग फॉर शेयर्ड मोबिलिटी" पर वेबिनार

6.12 अशांक देसाई नेतृत्व और संगठनात्मक विकास केंद्र (एडीसीएलओडी)

नेतृत्व और संगठनात्मक विकास के क्षेत्र में अनुसंधान करने और अभ्यास को सूचित करने के लिए अशांक देसाई नेतृत्व और संगठनात्मक विकास केंद्र (एडीसीएलओडी) की स्थापना की गई। केंद्र का स्वप्न उकृष्टता केंद्र के रूप में पहचाना जाना है, जो भारत और दुनिया भर में संगठनों के नेतृत्व और प्रबंधन पर दीर्घकालिक प्रभाव पैदा करने के लिए स्वदेशी अनुसंधान और ज्ञान का निर्माण कर सके। केंद्र में संचार, शिक्षा, अर्थशास्त्र, मानव संसाधन प्रबंधन कानून, संगठनात्मक व्यवहार और रणनीति जैसे विभिन्न विषयों के 12 संकाय सदस्य हैं जो संस्थान में नेतृत्व और संगठनात्मक विकास के मुद्दों में रुचि रखते है या काम करते हैं।

अनुसंधान की विषयवस्तुएँ :

अनुसंधान विषयवस्तुएँ निम्नलिखित से बनी हैं:

- ज्ञान संगठनों के लिए नेतृत्व
- सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों के लिए नेतृत्व
- गैरलाभकारी और सामाजिक उद्यमों के लिए नेतृत्व
- संवैधानिक, कानूनी और नियामक संगठनों में नेतृत्व
- सीईओ व्यक्तित्व और सामरिक नेतृत्व विकास

एडीसीएलओडी ने 18 जून, 2021 को उदघाटन समारोह आयोजित करने की योजना बनाई है।

6.13 एनएसई व्यवहार विज्ञान केंद्र

मार्च 2020 को आईआईएमए में वित्त, अर्थशास्त्र और विपणन पर एनएसई व्यवहार विज्ञान केंद्र का गठन किया गया था। केंद्र ने भारतीय राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के अनुदान के साथ शुरुआत की। केंद्र तीन विस्तृत लक्ष्यों पर काम कर रहा है :

- मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान और अर्थशास्त्र व्यवहार विज्ञान में नई अंतर्दृष्टि और ज्ञान विकसित करना, जो विशेष रूप से भारतीय बाज़ारों के लिए और सामान्य रूप से वैश्विक स्तर पर कठोर और प्रासंगिक दोनों है।
- जीएसआर, ईईजी, आई ट्रेकर और एफआई जैसे अत्याधुनिक अनुसंधान उपकरणों का उपयोग करके अर्थशास्त्र, वित्त और विपणन के व्यवहार विज्ञान में अनुसंधान के एक प्रमुख केंद्र बनना।
- भारत के विभिन्न हितधारकों और नागरिकों में व्यवहार विज्ञान से संबंधित विचारों का प्रसार करना।

केंद्र ने स्क्रीन–आधारित और पहनने योग्य आई–ट्रेकिंग सिस्टम और इमेजिंग पद्धति जैसे कि ईईजी मशीन प्राप्त करके एक अत्यानुधिक प्रयोगशाला की सफलतापूर्वक स्थापना की है। प्रयोगशाला, प्रबंधन के अनुप्रयुक्त विषयों में अंत:विषय में अत्याधुनिक अनुसंधान में योगदान देने की परिकल्पना करता है।

वर्तमान में, केंद्र कई अनुसंधान परियोजनाओं प्रस्तावों में कार्यरत है, जैसा कि नीचे बताया गया है। यह औद्योगिक और साथ ही अकादमिक क्षेत्र दोनों से जुड़ता है, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं :

- हितधारक–विशिष्ट व्यवहार परिवर्तन हस्तक्षेप कार्यक्रम के लिए एक उद्योग प्रस्ताव
- तंत्रिका व्यवहार मूल्य निर्धारण मॉडल पर एक अनुभवजन्य अध्ययन
- कोविड-19 वैक्सीन को बढ़ावा देने के लिए ध्यानाकर्षक हस्तक्षेप अध्ययन
- रणनीतिक खेलो में प्रतिकूल व्यवहार (व्यवहार अर्थशास्त्र)
- व्यवहार तंत्रिका विज्ञान अध्ययन के माध्यम से मूल्यवर्धन का मूल्यांकन करने वाले ई-कॉमर्स उत्पाद पर प्रायोगिक अध्ययन

केंद्र थोड़े समय में, संस्थागत और खुदरा दोनों स्तरों पर विभिन्न सर्वेक्षणों में संलग्न होकर अपने काम के दायरे का विस्तार करना चाहता है।

6.14 मिश्रा वित्तीय बाजार और अर्थव्यवस्था केंद्र

मिश्रा वित्तीय बाजार और अर्थव्यवस्था केंद्र (एमसीएफ़एमई) भारत में वित्तीय बाज़ारों और अर्थव्यवस्था पर अनुसंधान करने वाला उत्कृष्टता केंद्र है।

वर्ष 2019 में केंद्र की स्थापना चार उद्देश्यों के साथ की गई थी। पहला उदेश्य है – अनुप्रयुक्त अनुसंधान। केंद्र का इरादा वैश्विक बाजारों को संदर्भ/बेंचमार्क के रूप में भारतीय संदर्भ में वित्तीय बाज़ारों और अर्थव्यवस्था पर व्यावहारिक और निष्पादन योग्य अनुसंधान करना है। यह केंद्र अनुसंधान नीति निर्माण, बाजार संरचना / विनियम, केंद्रीय बैंकों के जनादेश, मौद्रिक नीति, राजकोषीय विकास, वस्तुओं सहित सूक्ष्म संरचना, बैंकिंग, बाँड बाज़ार, अचल संपत्ति, एसएमई वित्तपोषण, वित्तीय समावेशन बीमा, आदि से संबंधित मुद्दों को संबोधित करेगा। केंद्र वित्त और अर्थशास्त्र के चौराहे पर काम करने वाले संकाय और डोक्टरेट छात्रों के लिए अनुसंधान के व्यापक दायरे को भी सुगम बनाता है। दूसरा उद्देश्य ज्ञान के बारे में है। केंद्र भारतीय वित्तीय बाजारों और अर्थव्यवस्था पर गुणवत्तापूर्ण डेटा विश्लेषण और व्यावहारिक ज्ञान का निर्माण करेगा। केंद्र का तीसरा उद्देश्य जुड़ाव का है। केंद्र सुसंगत हितधारकों से जुड़ेगा जो नीतियों को प्रभावित करते हैं और जो नीतियों से काफी प्रभावित हुए हैं। केंद्र का चौथा और अंतिम उद्देश्य है – प्रशिक्षण। वर्तमान और भावी उद्योग नेताओं (छात्रों) के लिए केंद्र व्यावसायिक केसों के केस अध्ययनों का निर्माण करेगा।

केंद्र ने 12 आधार पत्र तैयार किए हैं, जिनमें से कुछ अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। केन्द्र ने समाचार पत्रों में सात समकालीन प्रासंगिकता के लेख भी प्रकाशित किए हैं। केंद्र ने कुछ डेटा संबंधित परियोजनाएं शुरू की है। यह वित्त मंत्रालय और अन्य संगठनों के साथ भी सहयोग कर रहा है। केंद्र के वेब पेज में अनुसंधान और अन्य संबंधित गतिविधियों पर जानकारी दी गई है।

7.

अनुशासनिक विषय-क्षेत्र

संस्थान में नौ अनुशासनिक विषय-क्षेत्र हैं : संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, मानव संसाधन प्रबंधन, सूचना प्रणाली, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार, उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके तथा रणनीति, जो कार्यक्रमों में विभिन्न अनिवार्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

7.1 संचार

पाठ्यक्रम

पीजीपी / पीजीपी-एफ़एबीएम

अनिवार्य

- प्रबंधकीय विश्लेषण और संचार
- साक्षात्कार और प्रस्तुतियों पर कार्यशाला
- लिखित विश्लेषण और संचार

ऐच्छिक

- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का संचार
- अंतर-राचसं तस्किृसं
- प्रबंधकीय संचार
- मीडिया और समाज : अर्थशास्त्र, राजनीति, नीतिशास्त्र, और समूह संचार की तकनीकें
- डिजिटल युग में सामरिक संचार
- मुश्किल संचार
- रणनीतिक मोलभाव और कौशल
- रणनीतिक वार्ताकथन

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- प्रबंधन संचार

ऐच्छिक

- प्रेरक प्रबंधक

ईपीजीपी

अनिवार्य

- प्रबंधकीय संचार1
- प्रबंधकीय संचार 2

ऐच्छिक

- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का संचार
- अंतर-संस्कृति संचार

एफ़डीपी / पीएच.डी. कार्यक्रम

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का संचार
- जीतने की कगार : अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ

7.2 अर्थशास्त्र

पीजीपी

अनिवार्य

- बृहत अर्थशास्त्र एवं नीति
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- नीलामी
- व्यावहारिक एवं प्रायोगिक अर्थशास्त्र
- व्यावहारिक एवं प्रायोगिक अर्थशास्त्र
- आर्थिक विकास नीति और वृद्धि
- संगठन का अर्थशास्त्र
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- खेल सिद्धांत और अनुप्रयोग
- खेल सिद्धांत और अनुप्रयोग
- लिंग और कार्य
- वैश्विक वित्त और व्यापार
- स्वास्थ्य अर्थशास्त्र
- पाँच शतकों में व्यवसाय एवं अर्थव्यवस्थाओं पर हिचहाइकर का मार्गदर्शन – ए
- पाँच शतकों में व्यवसाय एवं अर्थव्यवस्थाओं पर हिचहाइकर का मार्गदर्शन – बी
- भारतीय अर्थव्यवस्था और आज का समाज
- प्रबंधकीय अर्थमिति
- मौद्रिक सिद्धांत और नीति
- महामारी! – ए
- महामारी! – बी
- अचल संपत्ति प्रबंधन
- कोविड-19 के दौरान वैश्विक स्वास्थ्य और औषधि अर्थशास्त्र पर दोबारा गौर करना
- भारत में सामाजिक नीति
- शहरी अर्थव्यवस्था और कारोबारी माहौल
- विश्व अर्थव्यवस्था : व्यापार, सरकार और नीति

पीएच.डी.

अनिवार्य

- अर्थमिति 1
- बृहत अर्थशास्त्र 1
- बृहत अर्थशास्त्र 2
- अर्थशास्त्रियों के लिए गणित
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र 1
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र 2

ऐच्छिक

- डेटा आच्छादन विश्लेषण
- विकास अर्थशास्त्र : सूक्ष्म नींव
- रणनीति का अर्थशास्त्र (व्यवसाय नीति-अर्थशास्त्र का संयुक्त विषय-क्षेत्र पाठ्यक्रम)
- नए संस्थागत अर्थशास्त्र की नींव (अर्थशास्त्र-एफ़एबी का संयुक्त विषय-क्षेत्र पाठ्यक्रम)
- वैश्विक व्यापार एवं आर्थिक इतिहास
- संगठनात्मक अर्थशास्त्र
- सार्वजनिक वित्त (अर्थशास्त्र-सार्वजनिक प्रणाली समूह का संयुक्त विषय-क्षेत्र पाठ्यक्रम)
- समय श्रृंखला विश्लेषण

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- कंपनी और बाजार
- खुली अर्थव्यवस्था का बृहत अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- खेल सिद्धांत और अनुप्रयोग
- तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था
- अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और राजनीतिक वातावरण

एफ़डीपी

- कोई पाठ्यक्रम पेश नहीं किया गया

एएफपी

अनिवार्य

- कोई पाठ्यक्रम पेश नहीं किया गया

ऐच्छिक

- कोई पाठ्यक्रम पेश नहीं किया गया

ईपीजीपी

अनिवार्य

- बृहत अर्थशास्त्र
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- बिग डेटा : संभावनाएँ और चिंताएँ
- व्यापार, सरकार और बृहन्नीति
- कार्य का भविष्य और उसके बाजार
- खेल सिद्धांत
- तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त और व्यापार

7.3 वित्त एवं लेखा

पाठ्यक्रम

पीजीपी

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय बाज़ार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण

ऐच्छिक

- वैकल्पिक निवेश
- प्रयुक्त मूल्य निवेश
- बैंकिंग और वित्तीय मध्यस्थता (नया पाठ्यक्रम)
- व्यवहार वित्त
- बिटकॉइन और ब्लॉक चेन
- ब्लैक स्वान और ग्रे राइनो : वित्तीय संकट के तहत प्रबंधन
- निगम से संबंधित शासन प्रणाली
- वित्तीय वक्तव्य विश्लेषण
- कंपनियों का वित्तपोषण
- निश्चित आय प्रतिभूतियाँ
- वायदा, विकल्प और जोखिम प्रबंधन
- विलय, अधिग्रहण और कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- सूक्ष्म वित्त प्रबंधन
- आधुनिक निवेश और पोर्टफोलियो प्रबंधन
- निजी इक्विटी, हेज फंड और कॉर्पोरेट वित्त
- बैंकिंग में सामरिक दृष्टिकोण
- असूचीबद्ध इक्विटी और धैर्यवान पूंजी
- कंपनियों का मूल्यांकन

पीजीपीएक्स

- कॉर्पोरेट वित्त (अनिवार्य)
- वित्तीय बाजार (अनिवार्य)
- वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण (अनिवार्य)
- वित्तीय विवरण विश्लेषण (वैकल्पिक)
- संगठनात्मक प्रदर्शन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मेट्रिक्स (अनिवार्य)
- निजी इक्विटी वित्त (वैकल्पिक)
- सामरिक लागत प्रबंधन (अनिवार्य)

ईपीजीपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय बाजार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण

ईपीजीडी-एबीए

- वित्तीय विश्लेषण

पीएच.डी.

- परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य-एफ़)
- व्युत्पन्न मूल्य निर्धारण (ऐच्छिक)
- अनुभवजन्य परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य-एफ़)
- लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट प्रशासन में अनुभवजन्य अनुसंधान (मुख्य–ए)
- वित्त की नींव (मुख्य)
- गणितीय वित्त (वैकल्पिक)
- लेखाकरण और बाजार में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)
- लेखा और संगठन में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)
- कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम (मुख्य-एफ़)
- अनुभवजन्य कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- सामरिक व्यापार निर्णय के लिए वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल विकसित करना
- व्यवसाय का वित्तीय विश्लेषण
- निवेश निर्णय और व्यवहारिक वित्त
- अनुभवी लेखापालों के लिए प्रबंधन और वित्त मॉड्यूल I और II
- विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन
- सामरिक लागत प्रबंधन

7.4 मानव संसाधन प्रबंधन

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- मानव संसाधन प्रबंधन1
- मानव संसाधन प्रबंधन2
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)
- प्रतिभा और योग्यता प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)

ऐच्छिक

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानव संसाधन प्रबंधन
- जनता के खेल : मानव संसाधन प्रबंधन का मनोविज्ञान
- सेवा क्षेत्र में मानव संसाधन प्रबंधन
- अग्रणी डिजिटल परिवर्तन
- सीईओ का निर्माण
- परियोजनाओं में मानव पूँजी का प्रबंधन

ईपीजीपी

अनिवार्य

- मानव संसाधन प्रबंधन1
- मानव संसाधन प्रबंधन2

ऐच्छिक

- सेवा क्षेत्र में कंपनियों काप प्रबंधन
- परियोजनाओं में मानव पूंजियों का प्रबंधन
- भगवद गीता को समझना : प्रबंधकों की दुविधाएँ

पीजीपी-एफ़एबीएम

- विश्लेषण एवं क्षमता निर्माण

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

ऐच्छिक

- व्यापार की कायापलट और संगठनात्मक परिवर्तन
- उच्च प्रदर्शन संगठन बनाना
- जनता के खेल : मानव संसाधन प्रबंधन का मनोविज्ञान
- मोल भाव की प्रयोगशाला
- भगवद गीता को समझना : प्रबंधकों की दुविधाएँ

पीएच.डी.

अनिवार्य

- मानव संसाधन प्रबंधन में मूल पाठ्यक्रम
- रोजगार संबंध प्रबंधन में अनुसंधान की नींव 1
- मानव संसाधन प्रबंधन में अनुसंधान की नींव 1

ऐच्छिक

- रोजगार संबंध प्रबंधन में अनुसंधान की नींव-II
- मानव संसाधन प्रबंधन में अनुसंधान की नींव-II
- अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन
- ज्ञान, संगठनात्मक शिक्षा और नवाचार
- मानव संसाधन प्रबंधन में गुणात्मक तरीके
- मानव संसाधन प्रबंधन में मात्रात्मक तकनीक
- मानव संसाधन प्रबंधन में सैद्धांतिक आधार

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- बिक्री बल के प्रदर्शन में वृद्धि
- मानव संसाधन विश्लेषिकी
- मानव संसाधन लेखा परीक्षा-सामरिक मा.सं.प्रबंधन के लिए आधार तैयार करना

7.5 सूचना प्रणालियाँ

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- इंटरनेट सक्षम व्यवसाय
- प्रबंधकीय कंप्यूटिंग
- सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यापार को बदलना

ऐच्छिक

- बिग डेटा विश्लेषिकी
- डेटा खनन एवं व्यापारिक सूचना
- निर्णय निर्धारण के लिए डेटा दृश्यावलोकन
- विकास के लिए डिजिटल समावेशन
- सॉफ्टवेयर परियोजनाओं एवं उद्यमों का प्रबंधन
- डिजिटल नवाचारों का रणनीतिक प्रबंधन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

पीजीपीएक्स

- निर्णय लेने के लिए डेटा प्रत्यक्षीकरण
- सूचना प्रणालियों का सामरिक प्रबंधन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

ईपीजीपी

- प्रबंधकीय कंप्यूटिंग
- नेटवर्ककृत अर्थव्यवस्था संरचनात्मक सिद्धांत और अनुप्रयोग
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ
- सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यवसाय परिवर्तन

ईपीजीडी–एबीए

- बिग डेटा विश्लेषिकी : टेक्स्ट और सोशल मीडिया डेटा का विश्लेषण
- बिग डेटा प्रबंधन
- विश्लेषण और संचार के लिए डेटा दृश्यावलोकन
- बिग डेटा के साथ मशीन लर्निंग

पीएच.डी. कार्यक्रम

- डेटा खनन एल्गोरिदम एवं अनुप्रयोग
- डेटा संरचनाएँ और प्रोग्रामिंग
- डेटाबेस प्रबंधन प्रणालियाँ
- एक्सेल कार्यशाला
- व्याख्यात्मक डेटा प्रत्यक्षीकरण
- सूचना प्रणाली के लिए रूपरेखा
- नेटवर्क और वितरण प्रणालियाँ
- सूचना प्रौद्योगिकी के संगठनात्मक प्रभाव
- ऑनलाइन पाठ और विश्लेषण में संगोष्ठी
- प्रणाली विश्लेषण और डिजाइन

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- डेटा संचालित संगठन के लिए प्रभावी डेटा प्रत्यक्षीकरण

7.6 विपणन

पाठयक्रम

पीजीपी – 1

अनिवार्य

- विपणन I, विपणन II, विपणन III और व्यापार अनुसंधान के तरीके

पीजीपी – 2

ऐच्छिक

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विपणन
- ब्रांड प्रबंधन
- डिजिटल विपणन
- उत्कृष्ट ग्राहक अंतर्दृष्टि और संवेदीकरण के माध्यम से बेहतर व्यावसायिक निर्णयों का वहन

- नवप्रवर्तन, जीवंत
- ग्राहक मूल्य वितरण का प्रबंधन
- खुदरा व्यापार का प्रबंधन
- बाजार अनुसंधान और सूचना प्रणाली
- विपणन विलासिता
- उच्च तकनीक और नवाचार की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- विपणन सेवाएँ
- मोबाइल विपणन अनिवार्यताएँ
- नए उत्पाद निर्माण और विकास
- बिक्री के लिए नहीं : प्रचार का मनोविज्ञान
- मूल्य निर्धारण
- गोपनीयता विरोधाभास : कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल मंच
- सांकेतिकता : मीडिया और ब्रांड संचार के लिए रणनीतियाँ
- रणनीतिक विपणन
- रणनीतिक विपणन-ए
- रणनीतिक विपणन-बी
- विपणन में रणनीतिक मॉडल

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- ग्राहक मूल्य आकलन और सृजन
- ग्राहक मूल्य वितरण और प्रबंधन

ऐच्छिक

- डिजिटल विपणन
- स्वास्थ्य तकनीक उत्पाद और वितरण प्रणाली
- नवप्रवर्तन, जीवंत
- संगठनात्मक प्रदर्शन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मेट्रिक्स
- ग्राहक मूल्य वितरण का प्रबंधन
- विपणन विलासिता
- विपणन सेवाएँ
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार
- मूल्य निर्धारण
- विपणन डेटा विश्लेषिकी के तरीकों पर संगोष्ठी
- सामरिक विपणन

पीएच.डी.

अनिवार्य

- विपणन में व्यवहारिक विज्ञान के अनुप्रयोग
- विपणन रणनीति
- विपणन सिद्धांत और समकालीन मुद्दे
- विपणन प्रबंधन में पठन संगोष्ठी
- विपणन में मात्रात्मक मॉडलों पर संगोष्ठी

ऐच्छिक

- एल्गोरिदम और विपणन
- प्रयोग करते हुए पढ़ाई
- गुणात्मक विधियाँ

ईपीजीपी

अनिवार्य

- विपणन प्रबंधन 1
- विपणन प्रबंधन 2

ऐच्छिक

- ब्रांड प्रबंधन
- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- डिजिटल विपणन
- खुदरा व्यापार प्रबंधन
- बिक्री के लिए नहीं : प्रचार का मनोविज्ञान
- मूल्य निर्धारण
- मार्केटिंग डेटा विश्लेषिकी पर संगोष्ठी

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- बी2बी विपणन
- बिक्री बल प्रदर्शन में वृद्धि
- फ़िनटेक : बिजनेस मॉडल, विपणन, रणनीति और प्रयुक्तियाँ
- अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में व्यवसाय प्रबंधन
- विलासिता विपणन : व्यापार के नए जगत की जटिलताओं को समझना
- लाभ के लिए मूल्य निर्धारण

7.7 संगठनात्मक व्यवहार

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यक्तिगत गतिशीलता
- प्रेरण
- पारस्परिक और समूह प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक गतिशीलता

ऐच्छिक

- भूमिका और पहचान में अन्वेषण

- उच्च प्रदर्शक टीमें : एक यात्रा
- आंतरिक रंगमंच : स्वयं से भीड़ंत
- मोल भाव की रणनीतियाँ

पीएच.डी. कार्यक्रम

- सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उन्नत विषय
- अनुसंधान का प्रारूपण और प्रकाशन
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके : डेटा एकत्रीकरण और विश्लेषण करना
- माइक्रो ओबी 1 और 2
- संगठनों में बहुस्तरीय मॉडलिंग
- संगठनात्मक संरचना और प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक सिद्धांत और इसके सामाजिक संदर्भ
- मनोविज्ञान 1 तथा2
- संगठनात्मक व्यवहार में अनुसंधान दृष्टिकोण
- संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग

पीजीपीएक्स

- आंतरिक रंगमंच : स्वयं से भीड़ंत
- कार्मिक महारत के माध्यम से प्रेरित नेतृत्व
- नेतृत्व कौशल
- प्रबंधकों के लिए मोल भाव की रणनीतियाँ
- संगठनात्मक व्यवहार मॉड्यूल 1 और 2
- अभिविन्यास
- प्रदर्शन के लिए संभावना : स्व-जागरूकता की यात्रा

ईपीजीपी

- कैंपस मॉड्यूल
- संगठनात्मक व्यवहार 1 सूक्ष्म
- संगठनात्मक व्यवहार 2 बृहत

एफ़डीपी

- साइकोमेट्रिक्स तथा एसईएम
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- व्यवसायी महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमताओं और संभावनाओं का विकास (ईएलसीपी)
- पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण (आईईटीबी)
- नेतृत्व परिवर्तन प्रबंधन (एलसीएम)

इस अवधि के दौरान कई क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने विभिन्न संगठनों को कई अनुकूलित कंपनी में ही कार्यक्रमों और अन्य व्यवसायी परामर्श सेवाओं की पेशकश की।

7.8 उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- फ्लेक्सीकोर- विनिर्माण संचालन प्रबंधन
- फ्लेक्सीकोर- सेवा संचालन प्रबंधन
- संचालन प्रबंधन 1 और 2
- मात्रात्मक तरीके – 2
- मात्रात्मक तरीके – 1ए
- मात्रात्मक तरीके – 1बी

ऐच्छिक

- डेटा विश्लेषण के उन्नत तरीके
- प्रबंधकीय निर्णयों के लिए उन्नत गणितीय मॉडलिंग
- भीड़ समन्वय
- हाथी और चिता (मंद और तेज़) : प्रणालियाँ, रणनीति, और बाधाएँ
- संचालन रणनीति
- डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय तरीके
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- परियोजनाएँ क्यों असफल होती हैं? अनिश्चितता, जटिलता और परियोजनाओं में जोखिम
- नेटवर्कों के साथ कार्य करना

पीजीपी-एफ़एबीएम

- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- डेटा विश्लेषण
- मांग को पूरा करने के लिए संचालन डिजाइनिंग
- निर्णयों के लिए मॉडलिंग
- सेवा स्तरों का स्थापन और वितरण

ऐच्छिक

- भीड़ का समन्वयन
- व्यापार के लिए डेटा विज्ञान
- हाथी और चिता (मंद और तेज़) : प्रणालियाँ, रणनीति, और बाधाएँ
- रसद प्रबंधन
- सेवा प्रणालियों के परिचालन प्रदर्शन का प्रबंधन
- सेवा प्रबंधन

- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- जोखिम को समझना और आकलन करना

पीएच.डी.

अनिवार्य

- प्रबंधन में उन्नत संभावना
- रेखीय बीजगणित
- गणित (पीएच.डी. – 1 अनिवार्य पाठ्यक्रम जो उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके विषय-क्षेत्र के तहत है)
- संचालन प्रबंधन
- संचालन अनुसंधान

ऐच्छिक

- अनुप्रयुक्त प्रतिगमन विश्लेषण
- नीलामी, गठबंधन और प्रतियोगिता – एक कंप्युटेशनल परिप्रेक्ष्य
- व्यापार अनुसंधान के लिए बायेसियन कार्यप्रणाली (विश्लेषण)
- संचालन प्रबंधन के लिए खेल सिद्धांत
- बड़े पैमाने पर अनुकूलन
- गैर-रेखीय अनुकूलन
- वास्तविक विश्लेषण
- सांख्यिकी-2 (पीएच.डी. – 1 अनिवार्य पाठ्यक्रम जो उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके विषय-क्षेत्र के तहत है)

एफ़डीपी

- सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण

ईपीजीपी

अनिवार्य

- संचालन प्रबंधन1
- संचालन प्रबंधन2
- संभाव्यता सांख्यिकी 1
- संभाव्यता सांख्यिकी 2
- मात्रात्मक तकनीक (निर्णय लेना)

ऐच्छिक

- प्रबंधकीय निर्णयों के लिए उन्नत गणितीय मॉडलिंग
- व्यवसाय विश्लेषिकी
- हाथी और चिता (मंद और तेज़) : प्रणालियाँ, रणनीति, और बाधाएँ
- सेवा प्रणालियों के परिचालन प्रदर्शन का प्रबंधन
- गुणवत्ता और जोखिम प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

ईपीजीडी–एबीए

वीडियो व्याख्यान

- मूल रैखिक बीजगणित
- बुनियादी सांख्यिकी और संभावना
- पायथन का परिचय
- आर का परिचय

मॉड्यूल पाठ्यक्रम

- बायेसियन विश्लेषण
- व्यापार सिमुलेशन
- श्रेणीबद्ध डेटा विश्लेषण
- आदर्श सोच
- व्यवसाय में अनुकूलन समस्याएँ

आर तथा पायथन का उपयोग करने की संभावना और सांख्यिकी

- प्रतिगमन विश्लेषण (रेखीय और रसद)

ऐच्छिक पाठ्यक्रम

- संचालन विश्लेषिकी

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- व्यवसाय के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग (ऑनलाइन)
- व्यवसाय के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग (ऑनलाइन) (दूसरी पेशकश)
- रसद प्रबंधन
- विनिर्माण रणनीति
- ऑनलाइन ईईपी : उन्नत व्यापार विश्लेषिकी
- परियोजना प्रबंधन
- रेस्तरां डिजाइन और प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- गोदाम डिजाइन और प्रबंधन

7.9 रणनीति

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यवसाय के कानूनी पहलू
- रणनीतिक प्रबंधन
- रणनीति कैपस्टोन

ऐच्छिक

- व्यापार और व्यावसायिक लापरवाही
- व्यापार कराधान

- व्यवसाय और संवैधानिक अधिकार
- क्षमता, सामर्थ्य और प्रतिस्पर्धी रणनीति
- परामर्श और व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अनुबंध की शर्तें
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- उद्यमी विचार और कार्रवाई
- व्यापार कानून की सीमाएँ
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विवाद समाधान
- नेतृत्व, विज़न, अर्थ और वास्तविकता
- प्रबंधन में रहस्य
- टेलीकॉम और अगली पीढ़ी के व्यवसाय की पुनर्कल्पना
- उभरते बाजारों में रणनीति

पीजीपी-एफ़एबीएम

ऐच्छिक

- रणनीति केपस्टोन

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- व्यवसाय अनुकार खेल – कैपस्टोन
- कॉर्पोरेट शासन प्रणाली
- नेतृत्व मूल्य और नैतिकता
- व्यापार के कानूनी पहलू
- विलय और अधिग्रहण
- रणनीतिक प्रबंधन

ऐच्छिक

- उद्यमिता और डिजाइन सोच
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
- प्रौद्योगिकी और नवाचार का सामरिक प्रबंधन
- उभरते बाजारों में रणनीति
- परिवर्तनकारी नेतृत्व और संगठनात्मक प्रभाव

पीएच.डी.

अनिवार्य

- कार्रवाई अनुसंधान प्रणालीविज्ञान में उन्नत संगोष्ठी
- अंतर्राष्ट्रीय सामरिक प्रबंधन के प्रतिष्ठान
- सामरिक प्रबंधन1
- सामरिक प्रबंधन 2
- रणनीति और नवाचार

ऐच्छिक

- उन्नत रणनीति एवं नवप्रवर्तन
- कॉर्पोरेट शासन प्रणाली
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- विलय और अधिग्रहण
- उद्यमिता पर संगोष्ठी

ईपीजीपी

अनिवार्य

- केपस्टोन अभ्यास
- व्यापार के कानूनी पहलू
- सामरिक प्रबंधन

ऐच्छिक

- व्यापार में लापरवाही, दायित्व और कानून
- उद्यमिता एवं सृजनात्मकता
- नेतृत्व, विजन, अर्थ और वास्तविकता
- प्रबंधन में रहस्य
- प्रौद्योगिकी और नवाचार का सामरिक प्रबंधन

ईपीजीडी-एबीए

अनिवार्य

- व्यवसाय के लिए अनुप्रयुक्त कार्यकारण और प्रयोग
- नैतिकता, गोपनीयता और डेटा सुरक्षा

ऐच्छिक

- रणनीति विश्लेषिकी

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- अनुबंध प्रबंधन
- अंतरराष्ट्रीय बाजारों में व्यवसाय प्रबंधन
- 21वीँ सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व
- सामरिक प्रबंधन पर कार्यक्रम (मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम)
- विकास की रणनीतियाँ
- रणनीति कार्यान्वयन
- युवा उद्यमी कार्यक्रम (मॉड्यूल 1 और 2)

8.

मान्यता और रैंकिंग

रैंकिंग और सर्वेक्षण

संस्थान ने वर्ष के दौरान रैंकिंग के लिए 16 राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय बी-स्कूल सर्वेक्षणों में भाग लिया। संस्थान ने सभी अग्रणी और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में शीर्ष स्थान बनाए रखा। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में आईआईएमए की स्थिति दर्शाती है कि संस्थान के कार्यक्रम और छात्र उच्च गुणवत्ता वाले हैं और विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हैं।

एफ़टी कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2020 (मुक्त कार्यक्रम)

मई 2020 में घोषित फाइनेंसियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग में (मुक्त कार्यक्रम) संस्थान को 58वां स्थान प्राप्त हुआ।

प्रबंधन में एफ़टी मास्टर्स रैंकिंग 2002

प्रबंधन में एफ़टी (फाइनेंसियल टाइम्स) मास्टर रैंकिंग 2020 में वैश्विक रूप से 90 पूर्वानुभवी एमबीए स्तर के कार्यक्रमों में 20वां स्थान प्राप्त हुआ, रैंकिंग के लिए समीक्षा कि गई। आईआईएमए के दो वर्षीय स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम को चार मानदंडो, आज का वेतन (यूएस डॉलर), भारित वेतन (यूएस डॉलर), तीन महीने में रोजगार के अवसर और डोक्टरेट संकाय के लिए पहला स्थान मिला और एक मानदंड करियर सेवा रैंक पर चौथे स्थान पर रहा।

चयनित विषयों के लिए शीर्ष 10 स्कूलों की श्रेणी में, आईआईएमए को 'सामान्य प्रबंधन के लिए शीर्ष' और 'विपणन के लिए शीर्ष' के तहत 5वें स्थान पर रखा गया था।

दी इकोनोमिस्ट व्हीच एमबीए रैंकिंग, 2021*

आईआईएमए को दी इकोनोमिस्ट व्हीच एमबीए रैंकिंग, 2021 में 51वाँ स्थान प्राप्त हुआ। इसकी पिछले वर्ष की रैंक तुलना में 24 क्रम से वृद्धि हुई है।

यह अर्थशास्री की एशिया और आस्ट्रेलिया 2021 क्षेत्रीय रैंकिंग में 8वें स्थान पर रहा। संस्थान के प्रमुख कार्यक्रम को अन्य 90 बी–स्कूलों के साथ सूचीबद्ध किया गया था, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका के 35 बी-स्कूल और यूनाइटेड किंगडम के 12 बी-स्कूल शामिल थे।

स्थान ने अपने छात्रों के 'मुक्त नए करियर अवसर और स्नातक होने के बाद तीन महीनो में यहाँ से नौकरी के प्रस्ताव से नौकरी चाहने वाले स्नातकों के प्रतिशत और पूर्वछात्र वेतनवृद्धि प्रतिशत में प्रथम स्थान प्राप्त किया और करियर सेवा के पूर्वछात्र मूल्यांकन में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

*नोट : आमतौर पर दी इकोनोमिस्ट रैंकिंग अक्टूबर-नवंबर में प्रकाशित होती है। हालांकि, महामारी के कारण, इसे 2020 में विलम्बित किया गया और 2021 में प्रकाशित किया गया।

क्यूएस वैश्विक एमबीए रैंकिंग, 2021

आईआईएमए के पीजीपीएक्स कार्यक्रम ने भारत में प्रथम स्थान और एशिया में 8वाँ स्थान तथा 257 एमबीए कार्यक्रमों में से क्यूएस (क्वाकेरल्ली साइमंड्स) वैश्विक एमबीए रैंकिंग में 50वाँ स्थान प्राप्त किया।

संस्थान ने एशिया रैंकिंग में मजबूत प्रदर्शन दिखाया जिसमें क्षेत्रीय रैंक के साथ 'रोजगार क्षमता' में तीसरे स्थान पर तथा 'उद्यमिता एवं पूर्वछात्र नतीजे' में चौथे स्थान पर रहा।

प्रबंधन में क्यूएस मास्टर्स रैंकिंग 1202

आईआईएमए का पीजीपी कार्यक्रम प्रबंधन में क्यूएस मास्टर्स रैंकिंग 1202 के में 148 प्रबंधन में मास्टर्स कार्यक्रमों के बीच 31वेँ स्थान पर रहा। संस्थान ने प्रबंधन के लिए 'पूर्वछात्रों के परिणाम सूचक' में 11वाँ स्थान और 'रोजगारक्षमता' में 21वाँ स्थान प्राप्त किया।

आईआईएमए के पीजीपीएक्स को फाइनेंशियल टाइम्स (एफ़टी) वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2021 में शीर्षस्थ 100 बी–स्कूलों की सूची में 48वाँ स्थान मिला। संस्थान के "डोक्टरेट संकायों के मानदंडों" में प्रथम स्थान पर रहा और आज के वेतन (यूएस डॉलर), भारित वेतन (यूएस डॉलर), "करियर प्रगति रैंक" में दूसरे स्थान पर रहा जबकि "पूर्वछात्र सिफ़ारिश रैंक" में छठवेँ स्थान पर रहा।

कृषि व्यवसाय /खादय उद्योग प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर एड्युनिवर्सल रैंकिंग 2021

खाद्य और कृषि व्यवसाय प्रबंधन में आईआएंए के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम) को बी- स्कूलों की शीर्ष 50 सूची में कृषि व्यवसाय / खाद्य उद्योग प्रबंधन 2021 में एड्युनिवर्सल बेस्ट – बी मास्टर्स रेंकिंग में पहला स्थान मिला। इसके विवरण **परिशिष्ट त** में दिए गए हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़) के पाँचवें संस्करण में संस्थान को प्रबंधन की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय सर्वेक्षण (एमएचआरडी)

संस्थान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय सर्वेक्षण (एमएचआरडी) भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के 10वें संस्कारण में भाग लिया। संस्थान ने उच्चतर शिक्षा की स्थिति पर बने रहने के लिए एक विश्वसनीय प्रणाली विकसित करने में मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन करना जारी रखा है।

अंतरर्राष्ट्रीय मान्यता

अंतरर्राष्ट्रीय मान्यता को संस्थान की अंतर्राष्ट्रीय रणनीति के हिस्से के रूप में और वैश्विक स्तर पर अपने ब्रांड और दृश्यता को मजबूत करने के उद्देश्य से अपनाया जाता है।

ईक्विस पुन: मान्यता

आईआईएमए ने वर्ष के दौरान ईक्विस प्रत्यायन स्थिति को बनाए रखना जारी रखा है। संस्थान को यूरोपीय प्रबंधन विकास फाउंडेशन द्वारा अगले पाँच वर्षों के लिए पुन: मान्यता प्राप्त करने के लिए अधिकतम विस्तार मिला है, जिसके लिए ईक्विस किसी संस्थान को मान्यता देता है।

25 नवंबर, 2020 को ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त माननीय बैरी ओ'फेरेल

अगले पाँच वर्षों के लिए यूरोपीय प्रबंधन विकास फाउंडेशन को तीन विकास उद्देश्य प्रस्तुत किए गए:

1. संस्थान के लिए 2020-25 तक एक एकीकृत रणनीति विकसित करना
2. नियामक बाधाओं के भीतर अंतर्राष्ट्रीयकरण के दायरे का विस्तार करना
3. कार्यक्रम पोर्टफोलियो की समीक्षा करना और उसे संरेखित करना

प्रोटोकॉल कार्यालय

वर्ष के दौरान संस्थान विदेशी संस्थानों / अंतर्राष्ट्रीय एजंसियों के कई उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडलों और प्रमुख सरकारी अधिकारियों के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं में संलग्न रहा।

संस्थान का दौरा करने वाले कुछ विशिष्ट व्यक्तियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- 25 नवंबर, 2020 को माननीय बैरी ओ'फेरेल, ओस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त
- 18 फरवरी, 2021 को डॉ. निकोलस जेरार्दी, शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के उपपरामर्शदाता और भारत में फ़्रांसीसी संस्थान के स्व-देश उपनिदेशक ने डॉ. ओलीवीअर फुदिम और भारत में फ्रांस दूतावास / फ्रांसीसी संस्थान में पश्चिम भारत के लिए वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग के साथ पधारे।
- 20 फरवरी, 2021 को फ्रांस के राजदूत महामहिम इमेनुएल लेनिन।
- 25 फरवरी, 2021 को भारत की माननीय वित्त मंत्री श्रीमती, निर्मला सीतारमन।

डॉ. निकोलास जेरार्डी, शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के उपपरामर्शदाता और भारत में फ्रेंच संस्थान के देश उपनिदेशक, साथ में डॉ. ऑलिवियेर फुदीम, भारत में फ्रांस/फ्रांसीसी संस्थान के दूतावास में पश्चिम भारत के लिए वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग के लिए अटैची, साथ में प्रोफेसर एर्रोल डि'सूजा, निदेशक, आईआईएमए और प्रोफेसर सरल मुखर्जी, प्रोफेसर, उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके विषय-क्षेत्र, आईआईएमए

फ्रांस के राजदूत महामहिम इमेनुएल लेनिन संस्थान के एक दौरे पर, प्रोफेसर एर्रोल डि'सूजा, निदेशक, आईआईएमए के साथ

फ्रांस के राजदूत महामहिम इमेनुएल लेनिन प्रोफेसर एर्रोल डि'सूजा, निदेशक, आईआईएमए के साथ

भारत की माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, प्रोफेसर एर्रोल डि'सूजा, निदेशक, आईआईएमए के साथ

9.

पूर्वछात्र गतिविधियाँ

पूर्वछात्र कार्यालय विभिन्न मंचों के माध्यम से पूर्वछात्रों के साथ गहरे संबंध प्रस्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है।

विमवियन पत्रिका

संस्थान ने *आईआईएमए पूर्वछात्र पत्रिका* को 'विमवियन' के रूप में पुन: उद्घाटित किया। प्रिंट और ऑनलाइन दोनों संस्करणों को सामग्री के संदर्भ में नया रूप दिया गया है।

विमवियन पत्रिका वर्ष में तीन बार प्रकाशित की जाती है। अध्याय/ बैच गतिविधियां, वीडियो, पॉडकास्ट, यूट्यूब, लिंक आदि को शामिल करने के लिए पत्रिका के ई-संस्करण को नियमित तौर से अपडेट किया जाता है।

महामारी और लॉकडाउन की कई कहानियों को एक साथ लाकर जून 2020 का अंक जारी किया गया। प्रकाशन में फ्रंटलाइन पर आईआईएमए नायकों पर अनुभवात्मक कहानियाँ और अपडेट शामिल थे और विशेष रुचि समूहों (एसआईजी) और परिसर में महत्वपूर्ण गतविधियों के अपडेट शामिल थे।

अक्टूबर 2020 के अंक की आवरण कहानी में पूर्वछात्रों के विशेष रुचि समूहों पर प्रकाश डाला गया है। इस अंक में अपडेट और लेख शामिल हैं, जिसमें कैंपस पल्स के तहत विभिन्न अपडेट, पीजीपी 1970 और 1971 से बैच गतिविधियाँ, 'टिकाऊ कैंपस की ओर' और 'सिद्धियाँ एवं सम्मान' पर एक नोट शामिल है। इस अंक मे पाठकों के लिए 'आर्काइव्स से' नामक एक नया खंड पेश किया गया।

फरवरी 2021 का अंक युवा पूर्वछात्र सफलता पुरस्कार की आवरण कहानी के साथ जारी किया गया, जिसमें साक्षात्कार के माध्यम से इनकी यात्रा का विवरण दिया गया था।

आईआईएमए पूर्वछात्र पोर्टल अपडेट

पूर्वछात्रों के लगभग 520 अभिलेखों को अद्यतन क्या गया और 1465 नए अभिलेख तैयार किए गए।

युवा पूर्वछात्र सफलता पुरस्कार

पूर्वछात्र सफलता पुरस्कार उन युवा अग्रणियों को पहचान दिलाने के लिए की गई एक पहल है जिन्होंने दूसरों को प्रभावित और प्रेरित क्या है। संस्थान में सभी प्रमुख आयोजनों पर महामारी का असर होने के कारण, युवा नेताओं की उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए परिसर में कोई औपचारिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सका। पुरस्कार समारोह 11 दिसंबर, 2020 को वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया था। समारोह को यू-ट्यूब पर लाइव स्ट्रीम किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं और पूर्वछात्रों ने भाग लिया। वर्ष 2020 के पुरस्कार के प्राप्तकर्ता निम्नलिखित थे।

नाम	श्रेणी	कंपनी	पदनाम
श्री सूरज मोरजे	कॉर्पोरेट नेतृत्व	क्वेस कॉर्पोरेशन	ग्रुप सीईओ
श्री जी. वी. रविशंकर	कॉर्पोरेट नेतृत्व	सिकोइया कैपिटल	प्रबंध निदेशक
सुश्री सोनाली धवन	कॉर्पोरेट नेतृत्व	प्रॉक्टर एंड गैंबल	उपाध्यक्ष
श्री सिद्धार्थ शाह	उद्यमिता	एसेंट हेल्थ व फार्म ईज़ी	सहसंस्थापक एवं सीईओ
श्री सुमीत मेहता	उद्यमिता	लीड स्कूल	सहसंस्थापक एवं सीईओ
श्री अभिराज सिंह भाल	उद्यमिता	अर्बन कंपनी	सहसंस्थापक एवं सीईओ
श्री मोहित गर्ग	लोकसेवा	आईपीएस	जिला पुलिस प्रमुख

पूर्वछात्र विशेष रुचि समूह (एएसआईजी)

आईआईएमए में पूर्वछात्र विशेष रुचि समूह, उन्नत ज्ञान और शिक्षण में साझा रुचि वाला समुदाय है। ये ऐसे मंच हैं, जो पूर्वछात्रों, शिक्षकों और छात्रों को एकसाथ लाते हैं और चुनौतीपूर्ण मसलों का समाधान करने के लिए स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, विश्लेषण, सार्वजनिक नीति, उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र आदि जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में लगे सामूहिक बौद्धिक संसाधनों का लाभ उठाते हैं। एएसआईजी ने लगभग 48 कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जिसमें वेबिनार, पैनल चर्चा, पॉडकास्ट श्रृंखला, और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान जीवंत वार्ता प्रसारण शामिल हैं। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एएसआईजी गतिविधियों के विवरण **परिशिष्ट थ1** में दिए गए हैं।

सिंक्रोनी

महामारी के कारण, पहली बार आठ अध्यायों की भागीदारी के साथ सिंक्रोनी 2020 को एक ऑनलाइन प्रारूप में आयोजित

किया गया था। हर चैप्टर के जानेमाने पूर्वछात्र कार्यक्रमों में शामिल हुए और आनेवाले बैच के साथ अपनी सीख और अनुभव साझा किए। 350 पीजीपी-1 छात्रों ने कार्यक्रमों में भाग लिया, हालांकि मंच की कमी के कारण पीजीपी-2 छात्रों की संख्या सीमित करनी पड़ी। प्रत्येक अध्याय में पूर्वछात्रों और नए छात्रों के बीच दिलचस्प चर्चा हुई, जिसमें उन्हें आईआईएमए की संस्कृति और गतिविधियों से वाकिफ कराना शामिल था।

चेप्टर गतिविधियाँ

अध्याय गतिविधियों को वर्चुअली आयोजित किया गया। महामारी द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद, अध्यायों ने औपचारिक कार्यक्रम, स्पीकर सत्र, टॉक शो आदि का आयोजन किया। अहमदाबाद, हैदराबाद, दिल्ली, नागपुर, लंदन, सिंगापुर, यूएस, चेन्नई चैप्टर ने कई संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित किए।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान चैप्टर गतिविधियों के विवरण **परिशिष्ट थ2** में दिए गए हैं।

स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन

पीजीपी 1970 बैच ने ई-पुनर्मिलन आयोजित करने वाला पहला स्वर्ण जयंती बैच बनकर इतिहास रच दिया। यह ई-पुनर्मिलन 31 जुलाई, 2020 और 01 अगस्त, 2020 को आयोजित किया गया था। पद्म विभूषण डॉ. सी. रंगराजन ने 'भारत के लिए कोविड पश्चात बृहत अर्थशास्त्र की चुनौतियाँ' पर अपने पीजीपी70 स्वर्ण जयंती भाषण के साथ आभासी कक्षा का अनुभव प्रदान किया। इस बैच ने पुराने परिसर के जीर्णोद्धार के लिए 2 करोड़ रुपए दान दिए। पीजीपी 1974 बैच पूर्वछात्रा पद्म भूषण सुश्री मल्लिका साराभाई का पहला आभासी प्रदर्शन भी ई-पुनर्मिलन का एक हिस्सा था। इस पुनर्मिलन में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पुनर्मिलन

पीजीपी'90 बैच ने 12 और 13 दिसंबर, 2020 को अपने 30वें पुनर्मिलन की योजना बनाई थी। हालांकि, महामारी के कारण, यह कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया था। इस पुनर्मिलन में 142 बैच के साथियों ने भाग लिया, जो बैच के 80% थे, जो बैच पुनर्मिलन में अब तक की सबसे अधिक उपस्थिति थी। उद्घाटन सत्र में निदेशक और डीन के साथ बैच का संवाद था। इस संवाद में चर्चा संस्थान की भविष्य की योजनाओं के इर्द-गिर्द और पूर्वछात्र संस्थान को कैसे वापस दे सकते हैं उस पर होती रही। 1990 बैच ने आईआईएमए एंडोमेंट फंड में योगदान करने वाला पहला बैच बनने की पहल की।

विमवियन कप

छात्रों की पूर्वछात्र और बाहरी संबंध समिति ने, आईआईएमए में एसएमए के सहयोग से, 11 दिसंबर 2020 को पहली बार पूर्वछात्रों के अंतर-बैच कार्यक्रम, विमवियन कप की शुरुआत की, जो विमवियन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। विमवियन कप से कल्पना पूर्वछात्रों के लिए मौज युक्त प्रतियोगिताओं और चर्चाओं की एक श्रृंखला की मेजबानी करने की थी ताकि उन्हें संस्थान और साथी पूर्वछात्रों के साथ फिर से जुड़ने में मदद मिल सके क्योंकि महामारी के कारण सभी प्रमुख पूर्वछात्र संघ गतिविधियों को निलंबित कर दिया गया था।

छात्रवृत्ति और पुरस्कार

छात्रों और संकायों के योगदान को मान्यता देने के लिए पूर्वछात्रों द्वारा स्थापित विभिन्न पुरस्कारों और छात्रवृत्तियों का विवरण **परिशिष्ट थ3** में दिया गया है।

बाहरी संबंध और साझेदारी

स्माइल (निपुण बनने तक पढ़ाई के लिए छात्र-मध्यस्थता पहल) स्कूल

स्माइल स्कूल आईआईएमए, अहमदाबाद नगर निगम और वाघ बकरी समूह की एक सहयोगी सामुदायिक सहभागिता पहल है, जो संस्थान के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले वंचित बच्चों को पूरक शिक्षा प्रदान करता है।

महामारी ने छात्रों और उनके परिवारों को प्रभावित किया। उपलब्ध संसाधनों और क्षमताओं को समझने के लिए शिक्षकों और कर्मचारियों ने छात्रों और उनके परिवारों के साथ काम किया। आसमान फाउंडेशन की मदद से, स्माइल ने महामारी के कारण प्रभावित छात्रों को किराने की किट वितरित की। महत्वपूर्ण बाधाओं वाले छात्रों के लिए मोबाइल फोन और डेटा पैक की व्यवस्था की गई। नतीजतन, केंद्र मई 2020 से पूरी

स्माइल (निपुण बनने तक पढ़ाई के लिए छात्र-मध्यस्थता पहल)

तरह से कार्य कर रहा था। हालांकि, 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए ऑनलाइन सत्र 25 अप्रैल, 2020 को शुरू किए गए थे। उपचारात्मक शिक्षा, सलाह, बुनियादी मूल्यांकन परीक्षण, पाठ्येतर गतिविधियों जैसे खेलकरण, प्रौद्योगिकी और सीखने की प्रेरणा शुरू किए गए। भोजन किट वितरण, बच्चों के माता-पिता के साथ बातचीत करने के लिए छात्रों के आवासों का दौरा जैसी सामुदायिक सहभागिता गतिविधियाँ भी शुरू की गईं। स्माइल शिक्षकों ने पहली से पाँचवीं कक्षा के छात्रों के लिए वृंदावन आवास का दो सामुदायिक दौरा किया।

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) के वैज्ञानिकों ने वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने और विज्ञान के प्रयोगों को प्रदर्शित करने के लिए छात्रों के साथ संवादात्मक सत्रों में भाग लिया।

विक्रम साराभाई विज्ञान केंद्र ने छात्रों को विज्ञान प्रयोग/मॉडल किट प्रदान किए। स्माइल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया था और इसलिए वे छठी, सातवीं, आठवीं और नौवीं के छात्रों को मैजिक-बॉक्स, पारिस्थितिक पिरामिड, 3-डी चश्मा आदि जैसे मॉडल बनाने में मदद कर सके।

स्माइल पहल के लिए गर्व की बात यह है कि छात्रों में से एक, हर्ष पंचाल ने अपनी बोर्ड परीक्षा में 98.01 पर्सेंटाइल और 81 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। स्माइल की शुरुआत के बाद से कक्षा 12 में किसी भी छात्र द्वारा हासिल किया गया यह उच्चतम प्रतिशत है।

ए-लीग गतिविधियाँ

ए-लीग अहमदाबाद स्थित 14 संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने की एक पहल है। गतिविधियों का विवरण नीचे सूचीबद्ध है।

द रेड ब्रिक समिट (टीआरबीएस): आईआईएमए के छात्रों ने ए-लीग संस्थानों को अपने प्रमुख व्यवसाय शिखर सम्मेलन, टीआरबीएस में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया और अन्य ए-लीग संस्थानों के छात्रों से कई प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं में पर्याप्त भागीदारी देखी।

गेम ग्रम्प्स : हाल के वर्षों में भर्ती के एक हिस्से के रूप में गैमिफिकेशन ने जोर पकड़ा है और कई फर्म अपनी समग्र भर्ती में सुधार के लिए कई प्लेटफार्मों पर नवीन गैमिफिकेशन रणनीतियों के साथ प्रस्तुत हुई हैं।

संगठनात्मक सफलता के लिए मौलिक व्यापार परिवर्तन पर धान पद्मनाभन के साथ बातचीत : वेबिनार में परिवर्तन की अभूतपूर्व गति पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जो कि वर्तमान समय में व्यवसायों के दौर से गुजर रहा है और यह भी चर्चा की गई है कि उभरते व्यापारिक नेता कैसे सही कौशल विकसित कर सकते हैं। अधिकांश अवसर हाथ में हैं और रूपांतरण और परिवर्तन के ज्वार में व्यवसायी रूप से विकसित होते हैं।

बिग डेटा लैब (उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग लैब)

बिग डेटा लैब (उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग लैब) के लिए डेटा प्राप्त करने के लिए संगठनों के साथ जुड़ने के हिस्से के रूप में, संस्थान दिए गए ऑर्डर के बारे में डेटा प्राप्त करने के लिए बिग बास्केट के साथ जुड़ा है।

चार्टर्ड वित्तीय विश्लेषक (सीएफ़ए) संस्थान विश्वविद्यालय संबद्धता कार्यक्रम

आईआईएमए चार्टर्ड वित्तीय विश्लेषक संस्थान (सीएफ़एआई) विश्वविद्यालय संबद्धता कार्यक्रम से संबद्ध है। संबद्धता संभावित छात्रों, नियोक्ताओं और हितधारकों को संकेत देती है कि पीजीपी पाठ्यक्रम विश्व स्तर पर पेशेवर अभ्यास के अनुरूप है। प्रत्येक वित्तीय वर्ष में, पीजीपी छात्रों की एक निश्चित संख्या इस साझेदारी से लाभान्वित होगी, क्योंकि उन्हें सीएफए कार्यक्रम में नामांकन के लिए छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी।

छात्र विनिमय

प्रबंधन में भागीदारी (पीआईएम)

आईआईएमए दुनिया भर के प्रबंधन/बिजनेस स्कूलों के प्रबंधन में भागीदारी (पीआईएम) नेटवर्क का एक हिस्सा है, जिनमें से कई के साथ हमारी विनिमय व्यवस्था है। पूरे लॉकडाउन के दौरान, संस्थान ने दुनिया भर के पीआईएम संस्थानों के साथ अपना जुड़ाव बनाए रखा है ताकि महामारी के कारण सामना की जाने वाली प्रथाओं और चुनौतियों पर साथियों की शिक्षा सुनिश्चित हो सके।

प्रबंधन विकास के लिए यूरोपीय फाउंडेशन (ईएफ़एमडी)

आईआईएमए ईएफ़एमडी नेटवर्क का एक हिस्सा है। ईएफ़एमडी और ईएफ़एमडी ग्लोबल नेटवर्क वार्षिक सामान्य सभा 2020 लगभग जून के अंत और जुलाई की शुरुआत में आयोजित की गई थी।

टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन और आईआईएमए के बीच सहयोगात्मक परियोजना पाठ्यक्रम:

- दो छात्र दल, जिनमें दो आईआईएमए के छात्र और तीन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, ऑस्टिन के छात्र शामिल हैं, का गठन किया गया है। हर टीम दो प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। परियोजनाओं में शामिल हैं: टीडब्ल्यूओ12 के लिए जीटीएम रणनीति भारत में शुरुआती चरण के स्टार्ट-अप को लक्षित करना, जो पूंजी तक पहुंच की तलाश में हैं
- पैडकेयर लैब्स के लिए पर्यावरण के अनुकूल, स्वच्छ, और लागत प्रभावी सैनिटरी नैपकिन निपटान समाधान के माध्यम से मासिक धर्म अपशिष्ट प्रबंधन।
- एमआईएमओ टेक्नोलॉजीज के एजेंटों के लिए मांग-आपूर्ति मानचित्रण और इष्टतम टिपिंग आय का आकलन करने के लिए एक रणनीति तैयार करना।
- उपभोक्ता-केंद्रित मनोरंजन उत्पाद से व्यवसाय-से-व्यवसाय डेटा प्लेटफ़ॉर्म तक धुरी का समर्थन करने के लिए फ्रीकशो के लिए रणनीतिक बाजार विश्लेषण उत्पन्न करना।

विकास कार्यालय

विकास कार्यालय ने पूर्वछात्रों के साथ-साथ कॉरपोरेट्स के माध्यम से संस्थान में कई धन उगाहने की पहल की। विकास कार्यालय संस्थान के फोकस क्षेत्रों की पहचान करने के लिए डीन, निदेशक और सीएओ के साथ मिलकर काम करता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान विभिन्न विकासात्मक पहलों को समर्थन देने के लिए 25.17 करोड़ रुपये का योगदान/दान प्राप्त हुआ। इसमें पिछली प्रतिबद्धताओं के हिस्से के रूप में प्राप्त 9.23 लाख रुपये शामिल हैं।

श्री अशंक देसाई, आईआईएमए बोर्ड के सदस्य और पीजीपी 1979 बैच के पूर्वछात्रों का योगदान, शेयरों के रूप में दान करने और संस्थान के प्राथमिकता वाले क्षेत्र को संबोधित करने का अनूठा तरीका था। बंदोबस्ती को अशंक देसाई नेतृत्व और संगठनात्मक विकास केंद्र के लिए निर्धारित किया गया है।

पूर्वछात्रों और कॉरपोरेट्स से प्राप्त धन परिसर में कई नई पहलों का समर्थन करता है। इनमें पीजीपी 1985 बैच के पूर्वछात्रों के वित्त पोषण समर्थन के साथ बृज दिसा डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र; पीजीपी 1970 बैच के वित्तीय सहयोग से पीजीपी1 के लिए संगोष्ठी कक्ष 1 और आईस्कॉल्स शामिल हैं।

पूर्वछात्रों, कॉर्पोरेट/संगठनों और पूर्वछात्रों के बैचों द्वारा श्रेणी-वार प्रमुख योगदान **परिशिष्ट थ4** में दिया गया है।

अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक (रु. 5 लाख और अधिक) के पूर्वछात्रों का योगदान **परिशिष्ट थ5** में दिया गया है।

10.

अभिलेखागार

आईआईएमए अभिलेखागार का उद्देश्य संस्थागत स्मृति का संरक्षण और संस्थान के बारे में ऐतिहासिक जानकारी का आईआईएमए समुदाय और आम जनता के लिए आवधिक प्रसार करना है। वर्ष के दौरान, इसने अन्य विभागों से संस्थान के विकास से संबंधित कई मदों को प्राप्त किया। आईआईएमए मौखिक इतिहास परियोजना आईआईएम-ए से जुड़े लोगों के शुरुआती वर्षों के अनुभवों को कैप्चर करने वाली एक प्रमुख पहल बनी हुई है। 30 अप्रैल, 2021 तक आईआईएमए अभिलेखागार के संग्रह की स्थिति नीचे दी गई है।

भौतिक रूप में आइटम (कलाकृतियां: 23 और पुस्तकें: 187)	210
भौतिक और डिजिटल दोनों रूपों में आइटम (स्कैन किए गए संस्करण)	14024
केवल डिजिटल रूप में आइटम	5852
कुल मद	20086
तस्वीरें: केवल प्रिंट करता है	2338
तस्वीरें: डिजिटल फोटोग्राफ	194205
तस्वीरें: प्रिंट और डिजिटल प्रारूप	125000*
कुल तस्वीरें	321543
वीडियो	16448

*आंकड़ा पूर्णांकित किया गया है, क्योंकि कुछ डेटा जांच अभी पूरी होनी बाकी हैं।

(नोट: 'मद' में वस्तुएं और मुद्रित सामग्री जैसे दस्तावेज, पत्र, पत्रिकाएं, केस, ब्रोशर, मोनोग्राफ आदि शामिल हैं।)

रिपोजिटरी बनाई गई है। वर्तमान में, संग्रह का केवल एक छोटा सा हिस्सा वेबसाइट (https://archives.iima.ac.in/) के माध्यम से उपलब्ध है, लेकिन 2021-22 में पहुंच में काफी वृद्धि होगी। अभिलेखागार डॉर्म -15 के भूतल पर स्थित है, जो लुई कान द्वारा डिजाइन किए गए छात्रावासों में से एक है। यह स्थान एक स्थायी प्रदर्शनी का आयोजन करेगा जिसे राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा डिजाइन किया गया है। कोविड19-से संबंधित व्यवधानों ने प्रदर्शनी के शुभारंभ में देरी की है।

सामान्य रूप से संस्थान के इतिहास या व्यावसायिक इतिहास में रुचि रखने वाले शोधकर्ताओं द्वारा अभिलेखागार का नियमित रूप से उपयोग किया जाता है। यह स्कैनिंग और फोटोकॉपी सेवाएं प्रदान करता है और विभिन्न प्रकाशनों में आईआईएमए अभिलेखीय सामग्री के पुनरुत्पादन की सुविधा भी प्रदान करता है। अभिलेखागार अपनी 'मासिक स्निपेट' श्रृंखला जारी करना जारी रखता है जिसमें आईआईएमए इतिहास का एक अंश और रुचि का एक दस्तावेज समुदाय के साथ साझा किया जाता है।

11.

संचार गतिविधियाँ

2020-21 में संचार विभाग ने विभिन्न विभागों को उनके कार्यक्रमों, प्रेस विज्ञप्तियों, फोटोग्राफी, संपार्श्विक डिजाइनिंग और सोशल मीडिया के साथ सहायता प्रदान की।

मीडिया प्रवर्धन

संस्थान ने क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण चैनलों को विभिन्न घटनाओं और संस्थागत उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी और प्रसारित की। विभिन्न मीडिया चैनलों में 57 प्रेस विज्ञप्तियाँ और 24 संकाय लेख प्रदर्शित किए गए।

डिजिटल प्लेटफार्म

संस्थान के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने सीएमएचएस, अनुसंधान और प्रकाशन, कार्यकारी शिक्षा, आईजीपीसी, एनएसई सेंटर फॉर बिहेवियरल साइंस, पीजीपीएक्स, पीएचडी जैसे केंद्रों और कार्यालयों द्वारा आयोजित सम्मेलनों और सेमिनारों पर ध्यान केंद्रित किया। आदि। मार्च 2021 तक आईआईएमए के फेसबुक पेज पर 575950 फॉलोअर्स हैं और ट्विटर पेज पर 206859 फॉलोअर्स हैं। संस्थान के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट में 53061 फॉलोअर्स हैं और लिंक्डइन पेज के 206153 फॉलोअर्स हैं। दीक्षांत समारोह 2021 को संस्थान के फेसबुक और यूट्यूब चैनलों पर वर्चुअली होस्ट किया गया और इसका सीधा प्रसारण किया गया। आईआईएमए यूट्यूब चैनल के 25000 ग्राहक हैं और इसे 968,358 से अधिक बार देखा जा चुका है। इसके अलावा, यूट्यूब पर फैकल्टी के दृष्टिकोण, पूर्वछात्रों की बातचीत, अतिथि बातचीत, शोध सेमिनार आदि के 138 वीडियो अपलोड किए गए हैं।

आईआईएमए के पॉडकास्ट चैनल, "आईआईएमए से पॉडकास्ट", जो वर्तमान में साउंडक्लाउड, ऐप्पल, आईट्यून्स और स्पॉटिफ़ पर मौजूद है, में विभिन्न केंद्रों और कार्यक्रम कार्यालयों द्वारा पूर्वछात्रों और वेबिनार के साक्षात्कार सहित 34 पॉडकास्ट शामिल हैं। चैनल को आईट्यून्स पर 5 में से 4.4 स्टार दिया गया है। साउंडक्लाउड पर चैनल के 30,498 ग्राहक हैं।

12.
कंप्यूटर केंद्र

आईआईएमए में आईटी परियोजनाओं और सहायता सेवाओं का प्रबंधन इसके कंप्यूटर केंद्र (सीसी) के माध्यम से किया जाता है। कंप्यूटर सेवा समिति द्वारा शासित केंद्र समय-समय पर आईटी नीतियां तैयार करता है। केंद्र का प्रबंधन 30 योग्य आईटी व्यवसायियों, सक्षम प्रबंधकों और तकनीकी कर्मचारियों की एक टीम द्वारा किया जाता है।

केंद्र उच्च उपलब्धता, मापनीयता, गतिशीलता, सुरक्षा, प्रदर्शन, स्वचालन, कम टीसीओ (स्वामित्व की कुल लागत) और प्रबंधन में आसानी पर ध्यान केंद्रित करते हुए आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करना जारी रखता है। लक्ष्य एक डिजिटल रूप से स्मार्ट परिसर को बनाए रखना है जहां स्वीकार्य गति से कहीं से भी और किसी भी उपकरण से 24x7 सुरक्षित रूप से अनुप्रयोगों / सूचनाओं को चलाया / एक्सेस किया जा सकता है और जहां नवीनतम उपकरणों और प्रौद्योगिकियों के उपयोग के साथ सभी परिसर संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। आईआईएमए में एपीसी श्नाइडर की एक अत्याधुनिक टियर-2 डाटा सेंटर सुविधा है जहां कंप्यूटिंग, नेटवर्किंग और दूरसंचार बुनियादी ढांचे को ईआरपी (एसएपी) से लेकर एलएमएस (मूडल) तक के संबद्ध प्रशासनिक और शैक्षणिक अनुप्रयोगों के साथ होस्ट किया जाता है।

संस्थान ने डेटा सेंटर की जटिलता को कम करने और मापनीयता बढ़ाने के लिए हाइपर कन्वर्ज्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकल्प चुना है। यह एक बैकअप प्लेटफॉर्म के रूप में वीम सॉफ्टवेयर के साथ एचपी सर्वर पर वीएमवेयर की वीएसएएन तकनीक का उपयोग करके बनाया गया है। आईआईएमए में छात्रावास, संकाय ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक, कंप्यूटर केंद्र और पुस्तकालय सहित सभी भवन एक गीगाबिट ईथरनेट-स्विच्ड नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं। सीसी ने हाल ही में सिंगल मोड फाइबर बिछाकर अपने नेटवर्क बैकबोन को 10जीबीपीएस/40जीबीपीएस तक अपग्रेड किया है। लोकल एरिया नेटवर्क (लैन) को 3-लेयर आर्किटेक्चर - एक्सेस लेयर, डिस्ट्रीब्यूशन लेयर और कोर लेयर का उपयोग करके बनाया गया है। वर्चुअल लैन पद्धति का उपयोग करके लैन सुरक्षा को बढ़ाया गया है। उच्च थ्रूपुट और अधिकतम कवरेज सुनिश्चित करने के लिए सिस्को से 115+ एसडीएन तैयार सिस्को नेटवर्क स्विच और 1150+ 802.11एसी वाई-फाई एक्सेस पॉइंट तैनात करके परिसर में वायर्ड और वाई-फाई दोनों बुनियादी ढांचे को हाल ही में उन्नत किया गया है। सभी महत्वपूर्ण नेटवर्क (वायर्ड और वाई-फाई) घटक उच्च उपलब्धता (एचए) सेटअप में हैं। वायर्ड और वाई-फाई डिवाइस प्रमाणीकरण (एएए), अतिथि पोर्टल और एंड-यूज़र डिवाइस सुरक्षा अनुपालन को सिस्को आईएसई का उपयोग करके प्रबंधित किया जाता है। नेटवर्क प्रबंधन सॉफ्टवेयर - सिस्को प्राइम का उपयोग करके पूरे नेटवर्क की निगरानी और प्रबंधन एक ही खिड़की के माध्यम से किया जाता है। परिधि स्तर की सुरक्षा फोर्टिनेट से अगली पीढ़ी के फ़ायरवॉल के माध्यम से प्रबंधित की जाती है। एक परिभाषित स्वचालित प्रक्रिया के अनुसार एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर / अपडेट, विंडोज अपडेट और सुरक्षा पैच को तैनात करके एंडपॉइंट और सर्वर को और सुरक्षित किया जाता है। प्रबंधन में आसानी के लिए सीसी ने पूरे परिसर में एक मानक वातावरण सुनिश्चित किया है (उदाहरण के लिए, सभी अंतिम उपयोगकर्ता उपकरणों पर ओएस के रूप में विन 10)। केंद्र आईटी सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए समुदाय के साथ क्या करें और क्या न करें के बारे में भी साझा करता है।

आईआईएमए में दो अलग-अलग आईएसपी के माध्यम से कुल 500 एमबीपीएस की इंटरनेट बैंडविड्थ है। इसके अलावा, इसमें एनकेएन (नेशनल नॉलेज नेटवर्क) से 1 जीबीपीएस लिंक भी है। केंद्र ने महामारी के दौरान यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि संस्थान की गतिविधियां महत्वपूर्ण व्यवधानों के बिना जारी रहें।

आईआईएमए के आभासी कामकाज के लिए सेवाएँ

ऑनलाइन/वर्चुअल मोड और 'वर्क फ्रॉम होम' मोड के लिए आईआईएमए समुदाय का समर्थन करने के लिए एक मीडिया सेवा दल का गठन किया गया है। इस टीम ने सॉफ्टवेयर आधारित वीसी टूल (ज़ूम) और डिजिटल शिक्षण उपकरण के उपयोग से आयोजित शैक्षणिक और छात्रों की गतिविधियों को संभाला। कुछ प्रमुख घटनाओं और गतिविधियों में शामिल हैं:

- छात्र प्रवेश साक्षात्कार प्रक्रिया
- शैक्षणिक कार्यक्रमों का उद्घाटन
- संकाय और कर्मचारियों की भर्ती
- ऑनलाइन कक्षाएं
- एआई-समर्थित प्रॉक्टरिंग के साथ ऑनलाइन परीक्षा,

- कैंपस प्लेसमेंट साक्षात्कार और
- आभासी दीक्षांत समारोह।

स्थानन कार्यालयों में वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है ताकि कंपनियाँ दूरस्थ रूप से छात्रों की स्क्रीनिंग कर सकें।

आईआईएमए दूरस्थ शिक्षा और ई-लर्निंग मोड के माध्यम से भी शिक्षा प्रदान करता है। इसने व्याख्यान रिकॉर्डिंग, संग्रह और वेब स्ट्रीमिंग के लिए भागीदारों के माध्यम से उच्च परिभाषा वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम स्थापित किए हैं।

डिजिटल कक्षाएँ

सभी कक्षाएँ नेटवर्क से युक्त हैं और एक प्रोजेक्टर, एक पीसी और एक डीवीडी प्लेयर से सुसज्जित हैं। कुछ कक्षाओं में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा भी है। कंप्यूटर सेंटर में एक पूरी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर क्लासरूम भी उपलब्ध है जहां ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षण दिया जा सकता है। सभी क्लासरूम और सेमिनार हॉल भौतिक, ऑनलाइन और हाइब्रिड मोड में कक्षाएं और सत्र आयोजित करने के लिए नए जमाने की प्रौद्योगिकी-आधारित एवी सुविधाओं से लैस हैं। परिसर के सभी क्षेत्रों - कक्षाओं, छात्र छात्रावासों, नेटवर्क को कवर करने वाले संगोष्ठी कक्ष, एवी और आभासी सत्रों में भाग लेने के लिए डिजिटल उपकरण के लिए 24/7 पर बिजली का अपटाइम सुनिश्चित करने के लिए निर्बाध बिजली प्रणालियां भी स्थापित की गई हैं।

शिक्षा प्रबंधन प्रणालियाँ

मूडल एक लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) के रूप में उपलब्ध है। यह इलेक्ट्रॉनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी (जिसे ई-लर्निंग भी कहा जाता है) पाठ्यक्रम या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रशासन, प्रलेखन, ट्रैकिंग, रिपोर्टिंग और वितरण के लिए एक सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग है। मूडल का उपयोग अध्ययन सामग्री साझा करने, असाइनमेंट ऑनलाइन जमा करने, ऑनलाइन क्विज़ / परीक्षा, चर्चा मंच (पाठ्यक्रम विशिष्ट) और एंटी-प्लेजरिज्म सॉफ्टवेयर के साथ एकीकृत मूल्यांकन के लिए किया जाता है। मूडल एलएमएस को ऑनलाइन कक्षाओं के लिए जूम वीसी के साथ एकीकृत करने के लिए अनुकूलित किया गया है, ताकि सीखने की प्रक्रिया और कक्षा व्याख्यान में भाग लेना और संसाधनों तक पहुंच आसान हो सके। मीडिया पोर्टल सिस्टम को छात्रों द्वारा उचित सुरक्षा उपायों और समय-आधारित अभिगम नियंत्रण के साथ कक्षा व्याख्यान वीडियो (ऑनलाइन आयोजित) देखने के लिए विकसित किया गया है।

शैक्षणिक सॉफ्टवेयर सहायता सेवाएं

कंप्यूटर केंद्र ने ज्यादातर एलएएमपी प्लेटफॉर्म पर कई अकादमिक और प्रशासनिक अनुप्रयोगों को आंतरिक रूप से विकसित किया है। आईआईएमए संकाय सदस्यों को उनके शैक्षणिक और शोध कार्य के लिए सॉफ्टवेयर प्रदान करता है। कई विभाग, जो प्रचार और विपणन गतिविधियाँ करते हैं, कंप्यूटर केंद्र द्वारा तैनात बल्क मेल सॉल्यूशंस का उपयोग करते हैं। इन सेवाओं में नई सॉफ्टवेयर सुविधाएं (एरिना, थिंकसेल, ओपन-सोर्स टूल्स आदि) जोड़ी गई हैं और संकाय सदस्यों और छात्रों को उपलब्ध कराई गई हैं।

नेटवर्क का बुनियादी ढाँचा

परिसर में या तो कार्यक्रम कार्यालयों या आवासीय क्षेत्र में वर्चुअल वर्किंग मोड को ध्यान में रखते हुए, कई इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के साथ आईएलएल क्षमता को दोगुना करके इंटरनेट रीढ़ को मजबूत किया गया था। इसने आईआईएमए समुदाय के सदस्यों को पर्याप्त बैंडविड्थ सेवाएं प्रदान करने के लिए इंटरनेट लीज्ड लाइन में अतिरेक सुनिश्चित किया है। मांग-आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए और आईएलएल 24/7 के अपटाइम को सुनिश्चित करने के लिए आईआईएमए में इंटरनेट क्षमता की ऑन-डिमांड वृद्धि की भी व्यवस्था की गई है। आईआईएमए के कंप्यूटिंग पर्यावरण के लिए आईटी सुरक्षा और बाहरी खतरों को सुनिश्चित करने के लिए, यूटीएम (यूनिफाइड थ्रेट मैनेजमेंट) को एआई आधारित निवारक सुरक्षा उपायों, लॉग विश्लेषण और बुद्धिमान रिपोर्टिंग टूल के साथ फ़ायरवॉल के नवीनतम संस्करण में अपग्रेड किया गया है।

मजबूत आईटी हेल्प डेस्क

कंप्यूटर केंद्र में एक केंद्रीकृत हेल्पडेस्क है जहां अंतिम उपयोगकर्ता आईटी से संबंधित घटनाओं/अनुरोधों को फोन पर या ईमेल या वेब इंटरफेस के माध्यम से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए लॉग इन कर सकते हैं। पूरी प्रक्रिया आईटीआईएल पद्धति पर आधारित है। इसमें एक हाइब्रिड आईटी सेवा मॉडल है। आईआईएमए ने अपनी आंतरिक टीम के माध्यम से सीधे महत्वपूर्ण समर्थन कार्यों का प्रबंधन करते हुए कुछ गैर-महत्वपूर्ण सेवाओं को आउटसोर्स किया है। हालांकि, कंप्यूटर केंद्र के पास सभी मामलों में संबंधित ओईएम और सेवा प्रदाताओं के साथ एसएलए संचालित समर्थन अनुबंध हैं। वर्चुअल वातावरण में आईआईएमए के मुख्य कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए लॉकडाउन अवधि के दौरान परिसर में सीसी सपोर्ट टीम भी उपलब्ध कराई गई थी।

आईटी सुरक्षा उपाय

आभासी कामकाज के लिए आईटी और सीसी पर बढ़ती निर्भरता के साथ, साइबर खतरों और आईटी जोखिमों के खिलाफ उपाय किए गए हैं। संस्थान में किसी भी कमी को दूर करने और आईटी सुरक्षा नियंत्रण प्रणाली को मजबूत करने के लिए एक व्यापक वीएपीटी और आईटी सुरक्षा ऑडिट शुरू किया गया है।

ईआरपी का कार्यान्वयन - एसएपी एस4 एचएएनए

संस्थान ने एसएपी एस/4 एचएएनए को अपने ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) एप्लिकेशन प्लेटफॉर्म के रूप में पहचाना है और ऑन-प्रिमाइसेस विकल्प के लिए जाने का फैसला किया है। इसने टीडीआई आधारित एसएपी बुनियादी ढांचा स्थापित किया है। समाधान घटक एचपी सर्वर, सैन स्विचेस, सैन स्टोरेज, बैकअप प्लेटफॉर्म के रूप में वीम, वर्चुअलाइजेशन प्लेटफॉर्म के रूप में वीएमवेयर और ऑपरेटिंग सिस्टम के रूप में एसयूएसई एंटरप्राइज लिनक्स हैं। कुल समाधान "उच्च उपलब्धता" (किसी भी हार्डवेयर विफलता के मामले में न्यूनतम डाउनटाइम) को ध्यान में रखते हुए कॉन्फ़िगर किया गया है।

एसएपी के पहले चरण का कार्यान्वयन जनवरी 2020 में पूरा हुआ। संस्थान के विभिन्न विभागों द्वारा फ़िको, एमएम, एचसीएम, पेरोल, प्रोजेक्ट सिस्टम, सीआरएम, बीपीसी, टीआरएम, आरईएफ़एक्स आदि जैसे मॉड्यूल उपयोग में हैं। छात्र जीवन चक्र प्रबंधन (एसएलसीएम), दूसरा चरण कार्यान्वयन के अधीन है। एसएपी कार्यान्वयन से आई आई एम-ए को अपनी प्रक्रियाओं को स्वचालित करने और संसाधन अनुकूलन और उत्पादकता सुधार के साथ डिजिटल कार्यालय की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी।

उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) लैब

एचपीसी प्रयोगशाला आईआईएमए में शैक्षणिक निकाय को निम्नानुसार सुविधा प्रदान कर रही है:

- **अनुसंधान:** विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में बड़े डेटा और मॉडलों को संभालने के लिए उच्च-स्तरीय कम्प्यूटेशनल संसाधनों की आवश्यकता होती है। आधुनिक आर्थिक पूर्वानुमान पद्धति अरबों ऑनलाइन प्रश्नों से निकाले गए आर्थिक और वित्तीय चर और भावना डेटा को जोड़ती है। डेटा की इतनी विस्तृत श्रृंखला से पैटर्न निकालने और उसका एक साथ विश्लेषण करने के लिए हाई-एंड कंप्यूटर की आवश्यकता होती है, जिसे एचपीसी लैब करती है।
- **शिक्षण और कार्यकारी शिक्षा** संस्थान ने बड़े डेटा और विश्लेषिकी पर नए पाठ्यक्रमों की पेशकश शुरू की है यानी उन्नत व्यापार विश्लेषिकी में ई-पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (ईपीजीडी-एबीए)। एचपीसी लैब से लंबी अवधि के कार्यक्रमों को काफी फायदा हुआ है। आईआईएमए का लक्ष्य भारत और विदेशों में डेटा एनालिटिक्स से संबंधित कंसल्टेंसी में अपनी पहचान बनाना है।
- **सार्वजनिक नीति** संस्थान का उद्देश्य सार्वजनिक एजेंसियों द्वारा एकत्र किए गए बड़े डेटा के आधार पर नई नीतियों का विश्लेषण और निर्माण करना है।

वर्तमान में एचपीसी लैब, आईआईएमए में मिश्रा वित्तीय बाज़ार एवं अर्थव्यवस्था केंद्र के संयोजन के साथ, कई परियोजनाओं में शामिल है जो भारत में आर्थिक और वित्तीय चर का सर्वेक्षण कर रही हैं।

टेलीफोनी इन्फ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन

कंप्यूटर केंद्र ने अवाया से एकीकृत संचार में अपने एनालॉग टेलीफोनी बुनियादी ढांचे को अत्याधुनिक डिजिटल आईपी (इंटरनेट प्रोटोकॉल) टेलीफोनी में अपग्रेड किया है। वोडाफोन सत्र दीक्षा प्रोटोकॉल (एसआईपी) ट्रंक सेवाएं प्रदान करेगा। नई तकनीक ने सभी संचार चैनलों जैसे चैट, वॉयस, वीडियो, वेब आदि को एक स्थान पर एकीकृत कर दिया है। इसका मतलब है कि विभिन्न उपकरणों को चुनने के बजाय, उपयोगकर्ता एक ही उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस के माध्यम से विभिन्न संचार आवश्यकताओं के लिए केवल एक माध्यम का उपयोग कर सकते हैं, जिससे काफी समय और संसाधनों की बचत होती है।

आईआईएमए क्लाउड सर्विसेज

आईआईएमए ने एक हाइब्रिड मॉडल चुना है जिसके तहत कुछ एप्लिकेशन क्लाउड पर होस्ट किए जाते हैं, जबकि अन्य आंतरिक डेटा सेंटर द्वारा ही होस्ट किए जाते हैं। कंप्यूटर केंद्र अपनी विभिन्न आवश्यकताओं जैसे एसएपी और गैर-एसएपी अनुप्रयोगों के लिए आपदा रिकवरी साइट, बीसी-डीसी पोर्टल और नई वेबसाइट साइट के लिए अपने क्लाउड सर्वर वातावरण को बढ़ाने की प्रक्रिया में है।

13.

अनुदान सहायता

2020-21 के दौरान, संस्थान को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से गैर-योजना (नियमित) और योजना (नियमित) के तहत कोई सहायता अनुदान प्राप्त नहीं हुआ।

14.

अवसंरचना विकास

संस्थान ने 2014 में एचसीपी-डीपीएम को मास्टर आर्किटेक्ट के रूप में नियुक्त किया था। मास्टर आर्किटेक्ट ने संस्थान के विकास का समर्थन करने के लिए परिसर के बुनियादी ढांचे का 25 साल का दूरदर्शी मास्टर प्लान बनाया। मास्टर प्लान में तीन चरणों में बुनियादी ढांचे के विकास की परिकल्पना की गई है।

विकास का पहला चरण 2016 में निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए आर्किटेक्ट्स की नियुक्ति के साथ शुरू हुआ:

क्रमांक	परियोजना	आर्किटेक्ट
1	अकादमिक ब्लॉक और फोरम टॉवर	एचसीपी – डीपीएम
2	खेल परिसर और स्विमिंग पूल	एचसीपी – डीपीएम
3	जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल	आरएमए
4	छात्रावास	एआरसीओपी
5	कंटिन्यूयम ब्लॉक (सीआईआईई विस्तार)	एआरसीओपी
6	संकाय और कर्मचारी आवास	एआरसीओपी

नोट: क्रमांक 1 से 5 नए परिसर में स्थित हैं और क्रमांक 6 मुख्य परिसर में स्थित हैं।

इन परियोजनाओं के लिए डिजाइन (क्रमांक 1 से 4, और 6) को 2018 में अंतिम रूप दिया गया था। इन भवनों के निर्माण का अनुबंध मार्च 2019 में पीएसपी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को दिया गया था। यह सोचा गया था कि पहला चरण 2021 में पूरा हो जाएगा। हालांकि, कोविड-19 महामारी और संकाय और कर्मचारियों के आवास के लिए निर्माण अनुमति प्राप्त करने में देरी के कारण, पहला चरण अब 2023 तक पूरा हो जाएगा।

कंटिन्यूयम ब्लॉक (क्रमांक - 5) के लिए डिजाइन को 2020 में अंतिम रूप दिया गया था। निर्माण का अनुबंध मार्च 2021 में गोयल एंड कंपनी को दिया गया था।

31 मार्च, 2021 तक परियोजनाओं की स्थिति इस प्रकार है:

भवन का नाम	सुविधाएँ	वर्ग फ़ीट में निर्मित क्षेत्र	आरंभ करने की तिथि	आंतरिक कार्यों सहित संशोधित समापन तारीख	31 मार्च, 2021 तक पूर्ण हुए सिविल कार्य का %
खेल संकुल	स्विमिंग पूल, जिम, योग कक्ष, बैडमिंटन कोर्ट, टेबल टेनिस कोर्ट, कैफेटेरिया आदि।	57,858	1 अप्रैल, 2019	31 दिसंबर, 2021	91%
बहुउद्देश्यीय खेल मैदान	फुटबॉल/क्रिकेट/टेनिस/जॉगिंग ट्रैक के लिए आउटडोर खेल मैदान (मुक्त/छतरहित मैदान)	107,600	-	31 मार्च, 2022	-
जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल	120 क्षमता का ऑडिटोरियम, दो क्लासरूम, एक सेमिनार रूम, 10 सिंडीकेट रूम, फैकल्टी और कार्यक्रम कार्यालय आदि।	56,420	1 अप्रैल, 2019	31 दिसंबर, 2021	75%
छात्रावास (36, 37, 38, 40, और 43)	संलग्न शौचालयों के साथ 384 एकल अधिभोग वातानुकूलित छात्र कमरे	3,47,359	1 अप्रैल, 2019	31 मार्च, 2022	52%
छात्रावास 39 और 42					45%
छात्रावास 41					18%
नया अकादमिक ब्लॉक	10 क्लासरूम, दो सेमिनार रूम, 24 सिंडिकेट रूम, 250 क्षमता का ऑडिटोरियम, फैकल्टी और प्रोग्राम ऑफिस आदि।	2,36,924	1 अप्रैल 2019	31 मार्च 2022	55%
संकाय आवास	दो टावर्स (जी26 ,(13+ यूनिट प्रत्येक। कुल 52 इकाइयां (3 बीएचके + अध्ययन)	2,21,494	मार्च 01, 2021	31 मई, 2023	-
कर्मचारी आवास 1	एक टावर (जी60 ,(10+ यूनिट (2 बीएचके)।	93,556	मार्च 01, 2021	28 फरवरी, 2023	2%
कर्मचारी आवास 2	एक टावर (जी40 ,(10+ यूनिट (2 बीएचके)।	65,262	मार्च 01, 2021	28 फरवरी, 2023	1.15%
कंटिन्यूयम ब्लॉक सीआईआईई	एक टावर (जी7+)	63,821	मार्च 04, 2021	सितम्बर 04, 2022	-
कुल		11,42,694			

संरक्षण, बहाली, और उन्नयन

मुख्य परिसर में बुनियादी ढांचा 1960 और 1970 के दशक में बनाया गया था। इसलिए, इमारतों में वास्तुशिल्प और संरचनात्मक कमजोरी दिखना शुरू हो गया। संरक्षण मास्टर प्लान की तैयारी के लिए और लुई कान भवनों के संरक्षण और बहाली के कार्य के लिए 2014-15 में संरक्षण आर्किटेक्ट सोमाया और कल्लापा को नियुक्त किया गया था।

क्रमांक	भवन	वर्ग फ़ीट में निर्मित क्षेत्र	31 मार्च, 2021 तक कार्यों की स्थिति
1	पुस्तकालय	48,000	नवंबर 2018 में पूर्ण हुआ
2	एम्बुलेटरी / फैकल्टी इंटरेक्शन सेंटर और हार्वर्ड सीढ़ी / प्रवेश क्षेत्र सहित फैकल्टी ब्लॉक	71,306	सिविल कार्य अक्टूबर 2020 में शुरू हुए। संकाय ब्लॉक के विभिन्न पहलुओं का गैर-तोड़फोड़ जाँच कार्य प्रगति पर है। महामारी के कारण कार्य प्रारंभ/प्रगति जोरों पर नहीं हो सके।
3	प्रवेश प्रांगण सहित कक्षा परिसर	80,000	अक्टूबर 2022 में शुरू होने की संभावना है।
4	छात्रों के लिए शयनगृह (468 कमरे)	2,11,850	नवंबर 2018 में डी15- का कार्य पूर्ण हुआ।

भविष्य की कार्रवाई के लिए अन्य छात्रावासों की स्थिति का आकलन किया जा रहा है।

अस्थायी संकाय कार्यालय

बहाली कार्य के लिए फैकल्टी ब्लॉक खाली करना पड़ा। इसलिए, मुख्य परिसर में 10,460 वर्ग फुट के एक निर्मित क्षेत्र के साथ एक अस्थायी संकाय ब्लॉक बनाया गया था। निर्माण मार्च 2020 में पूरा किया गया था। भूतल इमारत में 36 संकाय कार्यालय, समिति कक्ष, संकाय लाउंज और संबद्ध सुविधाएं हैं। फैकल्टी ब्लॉक की बहाली की शुरुआत की सुविधा के लिए जून 2020 में संकाय कार्यालयों को केएलएमडीसी और इस नए भवन में स्थानांतरित कर दिया गया था।

संकाय क्लब का नवीनीकरण

संकाय क्लब (1800 वर्ग फुट निर्मित क्षेत्र) के लिए नवीनीकरण और उन्नयन की योजना बनाई गई थी। कार्य के दायरे में फॉल्स सीलिंग, फर्नीचर का नवीनीकरण, सिविल और संबद्ध मरम्मत कार्य, एचवीएसी और विद्युतीकरण शामिल थे। महामारी के कारण निर्धारित समय पर काम शुरू नहीं हो सका। कार्य प्रगति पर है और जुलाई 2021 में पूरा होने की संभावना है।

फार्मेसी स्टोर का निर्माण

अंडरपास के पास छात्रों के लिए फार्मेसी और दैनिक जरूरतों के स्टोर के लिए एक समर्पित स्थान बनाने की आवश्यकता महसूस की गई। इस भवन का निर्माण क्षेत्र 1238 वर्ग फुट है। भूतल के भवन में एमएस प्री-कोटेड पीयूएफ रूफिंग शीट होगी। यह सुविधा अक्टूबर 2021 में तैयार होने की संभावना है।

आईआईएमए मुख्य परिसर पर यूटिलिटी लाइन्स रिप्लेसमेंट प्रोजेक्ट

मुख्य परिसर 1960 और 1970 के दशक में विकसित किया गया था। इसके बाद, और इमारतों को जोड़ा गया है। इन इमारतों में अधिकांश उपयोगिताओं को उम्र बढ़ने के कारण प्रतिस्थापन की आवश्यकता है। मेसर्स स्थापति डिजाइनर और कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को यूटिलिटी मास्टर प्लान तैयार करने के लिए अगस्त 2020 में इंफ्रास्ट्रक्चर (यूटिलिटी) कंसल्टेंट के रूप में नियुक्त किया गया था। उपयोगिता मास्टर प्लान विकसित किया गया है जिसमें शामिल हैं:

1. जल आपूर्ति प्रणाली
2. वर्षा जल निकासी व्यवस्था
3. एसटीपी के माध्यम से पानी के पुन: उपयोग सहित सीवरेज प्रणाली
4. पुनर्भरण गड्ढों सहित वर्षा जल संचयन
5. केबल लेआउट सहित विद्युत प्रणालियां
6. अग्निशमन प्रणाली
7. सड़क नेटवर्क
8. पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (एससीएडीए) प्रणाली।
9. मलजल उपचार संयंत्र
10. जल सॉफ़्नर संयंत्र

इस कार्य को चरण वार लागू किया जाएगा। चरणबद्ध योजना और निविदा विनिर्देश तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

15.

कोविड-19 महामारी का प्रबंधन

कोविड-19 महामारी से निपटना

संस्थान ने एक रणनीतिक योजना बनाई और प्रभावी कोविड-19 प्रबंधन के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की। यह पहल सीमित संसाधनों के साथ छोटे पैमाने पर शुरू हुई और धीरे-धीरे समुदाय के सदस्यों के लिए पूर्ण विकसित कोविड-19 देखभाल सुविधाओं तक विस्तारित हो गई।

कोविड-19 प्रबंधन के लिए उठाए गए कदम, जैसे, परीक्षण शिविर, कोविड-19 हेल्प डेस्क, सामुदायिक स्वयंसेवक, विशेष कोविड अलगाव सुविधा, टीकाकरण शिविर और अन्य प्रासंगिक पहल - ने समुदाय के सदस्यों को शहर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के बोझ के जिस संकट से गुजरना पड़ा, उस पर काबू पाने में काफी मदद की।

कोविड-19 महामारी को समझना और प्रारंभिक उपाय

ठीक उस समय जब कोविड-19 महामारी देश में दस्तक दे रही थी, फरवरी 2020 के अंतिम सप्ताह में आईआईएमए समुदाय के लिए एक परिचयात्मक व्याख्यान आयोजित किया गया था, जिसमें नोवेल कोरोनावायरस की उत्पत्ति, सावधानियों और रोकथाम के तरीकों का विवरण दिया गया था। यह व्याख्यान संजीवनी अस्पताल, वस्त्रापुर के जाने-माने विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दिया।

हाउसकीपिंग, एफ एंड बी, सुरक्षा, बागवानी और अन्य सहायक कर्मचारियों के लिए 17 मार्च, 2021 को एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था। प्रशिक्षण में संस्थान के डॉक्टरों द्वारा हाथ की स्वच्छता का महत्व, हैंड सैनिटाइज़र और मास्क का उपयोग, सामाजिक दूरी और अन्य महत्वपूर्ण कोविड-19 संबंधित उपायों को शामिल किया गया।

कोविड-19 से निपटने के लिए सामग्री की खरीद और उपयोग

इसके साथ ही, भंडार एवं क्रय विभाग ने हैंड सैनिटाइजर डिस्पेंसर, पीपीई किट, मास्क, दस्ताने, डिजिटल थर्मामीटर, जैव-चिकित्सा कचरे के संग्रह के लिए पीले डस्टबिन और कीटाणुनाशकों के छिड़काव के लिए फोगर मशीन जैसी सामग्री की खरीद के लिए युद्ध स्तर की व्यवस्था की। इन्हें परिसर में उचित रूप से वितरित/स्थापित किया गया था।

परिसर सुरक्षा के माध्यम से सुरक्षा उपाय

मार्च 2020 के अंत तक सभी सुरक्षा द्वारों की देखरेख करने वाले सुरक्षा कर्मचारियों को डिजिटल थर्मामीटर प्रदान किए गए। सभी प्रवेशकों के लिए थर्मल स्कैनिंग की गई। सामान्य से अधिक तापमान दिखाने वाले किसी भी आगंतुक / ऑफ-कैंपस कर्मचारी / संविदा कर्मचारी को परिसर में प्रवेश से वंचित कर दिया गया। सामान्य से अधिक शरीर के तापमान वाले परिसर के निवासियों को चिकित्सा सलाह के लिए औषधालय भेजा गया।

परिसर में आने वाले किसी भी नए आगंतुक / कार्यक्रम के प्रतिभागी को "स्व-घोषणा पत्र" भरना और सुरक्षा के लिए जमा करना आवश्यक था। परिसर में फेसमास्क पहनकर सुरक्षा व्यवस्था की गई और मास्क न लगाने वालों पर जुर्माना भी लगाया गया।

काम की निरंतरता बनाए रखने के लिए आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन

भारत सरकार द्वारा मार्च 2020 के अंत में लॉकडाउन की घोषणा के साथ, सभी संस्थागत गतिविधियों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से पुनर्गठित करना पड़ा। जैसे ही स्थिति बढ़ती गई, कंप्यूटर सेवा समिति (सीएससी) के मार्गदर्शन में विशिष्ट कार्यों के साथ एक विशेष आईटी टीम का गठन किया गया, ताकि घर से काम करने के निर्देश को सुचारू रूप से ऑनलाइन कामकाज को सक्षम और सुनिश्चित किया जा सके। टीम के सदस्यों का चयन मूडल एलएमएस, मीडिया सर्विसेज, ऑडियो-वीडियो, आईटी हेल्पडेस्क और नेटवर्क टीम से किया गया था। इस टीम के कुछ सदस्य ऑनलाइन काम करने के लिए लॉकडाउन महीनों (अप्रैल से जून 2020) के दौरान परिसर में रहे। इस दौरान की गई प्रमुख ऑनलाइन पहलों और गतिविधियों को **परिशिष्ट द** में दर्शाया गया है।

सूचनापट्ट

मई/जून 2020 में पूरे परिसर में सभी महत्त्वपूर्ण स्थानों पर कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार से संबंधित सूचनापट्ट लगाए गए थे। इसने परिसर समुदाय और आगंतुकों के बीच एमएचए दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए जागरूकता पैदा की। इन सूचनापट्टों की कुछ तस्वीरें नीचे प्रदर्शित की गई हैं:

आगे की पहल

अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) की मदद से जुलाई 2020 से समुदाय के सदस्यों में कोविड-19 संक्रमण का पता लगाने के लिए ऑन-कैंपस परीक्षण शुरू किया गया। रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) से शुरू होकर, एएमसी ने आरटी-पीसीआर परीक्षण भी किए। एएमसी के भारी समर्थन से इस महामारी के दौरान संस्थान को अत्यधिक लाभ हुआ।

आरएटी ने समुदाय के सदस्यों के बीच पॉज़िटिव केसों का पता लगाने में संस्थान की मदद की। सकारात्मक रिपोर्ट करने वालों को तुरंत संगरोध में रखा गया और आगे चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।

एक प्रभावी संपर्क-अनुरेखण व्यवस्था का भी पालन किया गया। वे सभी जो सकारात्मक परीक्षण करने वाले कर्मियों के निकट संपर्क में थे, जोखिम को खत्म करने के लिए उसी दिन या अगले

दिन तुरंत परीक्षण किया गया। उन्हें एक सप्ताह के लिए खुद को क्वारंटाइन करने और अपने स्वास्थ्य की निगरानी करने की भी सलाह दी गई।

संस्थान ने एक प्रभावी संगरोध व्यवस्था निम्नानुसार तैयार की:

- अलग कमरे और शौचालय की सुविधा वाले परिसर में समुदाय के सदस्यों के बीच पॉज़िटिव केसों को होम क्वारंटाइन की सलाह दी गई।
- कुल 60 कमरों वाले छात्रावास संख्या 30 और 31 को क्वारंटाइन डॉर्म के रूप में आवंटित किया गया था। इन दोनों डॉर्मों में अटैच्ड वाशरूम सुविधा और व्यक्तिगत एसी है।
- घर पर पृथक क्वारंटाइन सुविधा के बिना स्टाफ सदस्यों और क्वारंटाइन की आवश्यकता वाले सभी छात्रों को छात्रावास 30 और 31 में कमरे आवंटित किए गए थे।

छात्रावास 30 और 31 में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध/उपलब्ध थीं:

- अटैच्ड वॉशरूम और एसी के साथ व्यक्तिगत कमरा
- डिस्पेंसर के माध्यम से गर्म और ठंडा आरओ पानी
- दवाओं की आपूर्ति
- दरवाजे पर भोजन की आपूर्ति
- छात्रावास का स्वच्छता
- कचरा साफ करने के लिए हाउसकीपिंग स्टाफ
- घर पर आरटी पीसीआर परीक्षण
- आपात स्थिति में ऑक्सीजन सिलेंडर/ऑक्सीजन सांद्रक

संस्थान के डॉक्टरों और डिस्पेंसरी ने कोविड-19 रोगियों को समय पर और प्रभावी उपचार प्रदान किया। प्रोटोकॉल के अनुसार मरीजों ने इलाज और दवाओं के लिए डॉक्टरों/औषधालय से टेलीफोन पर सलाह ली। उन्हें उनके संबंधित संगरोध स्थानों पर दवाओं से युक्त उपयुक्त प्री-पैक मेडिकल किट प्रदान की गई। मरीजों को कुछ मापदंडों की स्व-निगरानी करनी थी और आगे की सलाह के लिए औषधालय/डॉक्टरों को रिपोर्ट करना था।

बागवानी, हाउसकीपिंग, कैफे, छात्र मेस, मरम्मत और रखरखाव के लिए काम करने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों, विविध परियोजनाओं पर काम करने वाले सुरक्षा कर्मियों और मजदूरों में काम करने वाले लगभग सभी कर्मचारियों को जोखिम को खत्म करने के लिए अक्सर परीक्षण किया गया था। जरूरत के अनुसार, आरएटी और आरटी-पीसीआर दोनों परीक्षण शिविर अक्सर आयोजित किए जाते थे।

चिकित्सा सहायता

आईआईएमए के परिसर में एक चिकित्सा औषधालय (स्वास्थ्य केंद्र) है। औषधालय के डॉक्टरों ने तत्काल और निरंतर परामर्श प्रदान किया, बुनियादी चिकित्सा सेवाएं, जैसे कि दवाएं, तापमान और ऑक्सीजन की निगरानी, संदिग्ध या पुष्टि किए गए रोगियों के आरटी-पीसीआर परीक्षणों की सिफारिश की, और गंभीर रोगियों को अस्पताल में प्रवेश की सिफारिश करना आदि। चिकित्सक भी चिकित्सा के लिए उपलब्ध थे। टेलीफोन पर 24x7 परामर्श।

इसके बाद, मार्च 2021 में मामलों के बढ़ने के दौरान, संस्थान के डॉक्टरों द्वारा चौबीसों घंटे आइसोलेशन डॉर्म में चिकित्सा देखभाल और सहायता की निगरानी और सुनिश्चित किया गया। उन्होंने उन रोगियों को आराम दिया जिन्हें प्रवेश की आवश्यकता थी और उन्हें सुविधा प्रदान की। वे दिन हो या रात किसी भी परामर्श और चिकित्सा सहायता के लिए उपलब्ध रहते थे और रोगियों के परिवार के सदस्यों को आराम से रखते थे। डॉक्टरों ने मरीजों के मापदंडों पर नज़र रखने और उन अस्पतालों में निगरानी रखने में भी मदद की जहाँ मरीज़ भर्ती हुए थे।

निदेशक द्वारा किए गए कुशल नेतृत्व में आईआईएमए में संपूर्ण प्रशासन के कोविड19- के प्रबंधन में महत्वपूर्ण और समय पर सहायता प्रदान की गई। जमीन पर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने ऑपरेशन का नेतृत्व किया और मेल के माध्यम से समुदाय को कोविड-19 स्थिति के बारे में जानकारी का निरंतर और पारदर्शी प्रवाह प्रदान किया। प्रशासन ने पूरे संकट के दौरान एक सकारात्मक और आश्वस्त करने वाला आचरण बनाए रखा और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए कर्मचारियों का मार्गदर्शन करने के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध था। इससे भारी तनाव को कम करने में मदद मिली और उभरती चुनौतियों से कुशलतापूर्वक निपटने में मदद मिली।

एसएओ, हाउसकीपिंग, एफएंडबी, मेंटेनेंस, एसएंडपी, ट्रांसपोर्ट, सिक्योरिटी, एस्टेट, आईटी, अकाउंट्स में अथक रूप से काम करने वाले और समय पर काम करने वाले प्रशासनिक विभाग थे।

महामारी से निपटने के लिए संस्थान ने अप्रैल 2020 से पूंजीगत व्यय में लगभग 3.75 करोड़ और राजस्व व्यय में लगभग 1.00 करोड़ खर्च किए।

आईआईएमए कोविड - 19 डैशबोर्ड

एक पारदर्शी संचार पद्धति अपनाई गई जिसमें एक सदस्य के

नाम और आवासीय स्थान का सकारात्मक परीक्षण करने के लिए ईमेल सामान्य नोटिस बोर्ड पर सूचित किया गया था। संस्थान की वेबसाइट पर एक डैशबोर्ड बनाया गया था। आईआईएमए समुदाय में प्रभावित और सक्रिय केसों का विवरण प्रदान करने के लिए इसे नियमित रूप से अपडेट किया जाता था।

डैशबोर्ड की परिकल्पना प्रोफेसर चिरंतन चटर्जी की मदद से की गई थी। इसने संकाय, कर्मचारियों, छात्रों, समुदाय के सदस्यों और संविदा कर्मचारियों के लिए 1 सितंबर 2020 से संस्थान द्वारा प्रशासित कोविड-19 परीक्षणों के परिणाम प्रदर्शित किए।

डैशबोर्ड सार्वजनिक रूप से निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकेगा: https://covid19.iima.ac.in/dashboard.php

25 मई, 2021 तक कोविड पॉजिटिव केसों का सारांश

	कुल	छात्र	संकाय	कर्मचारी		संविदा कर्मचारी (परिसर से बाहर)	समुदाय के सदस्य और अन्य
				परिसर में	परिसर से बाहर		
पॉज़िटिव (01 सितंबर 2020 से)	459	172	13	33	81	44	116
स्वास्थ्य सुधार (25 मई, 2021 तक)	449	171	12	32	81	42	111
सक्रिय केस / संगरोध (25 मई, 2021 तक)	10	1	1	1	0	2	5

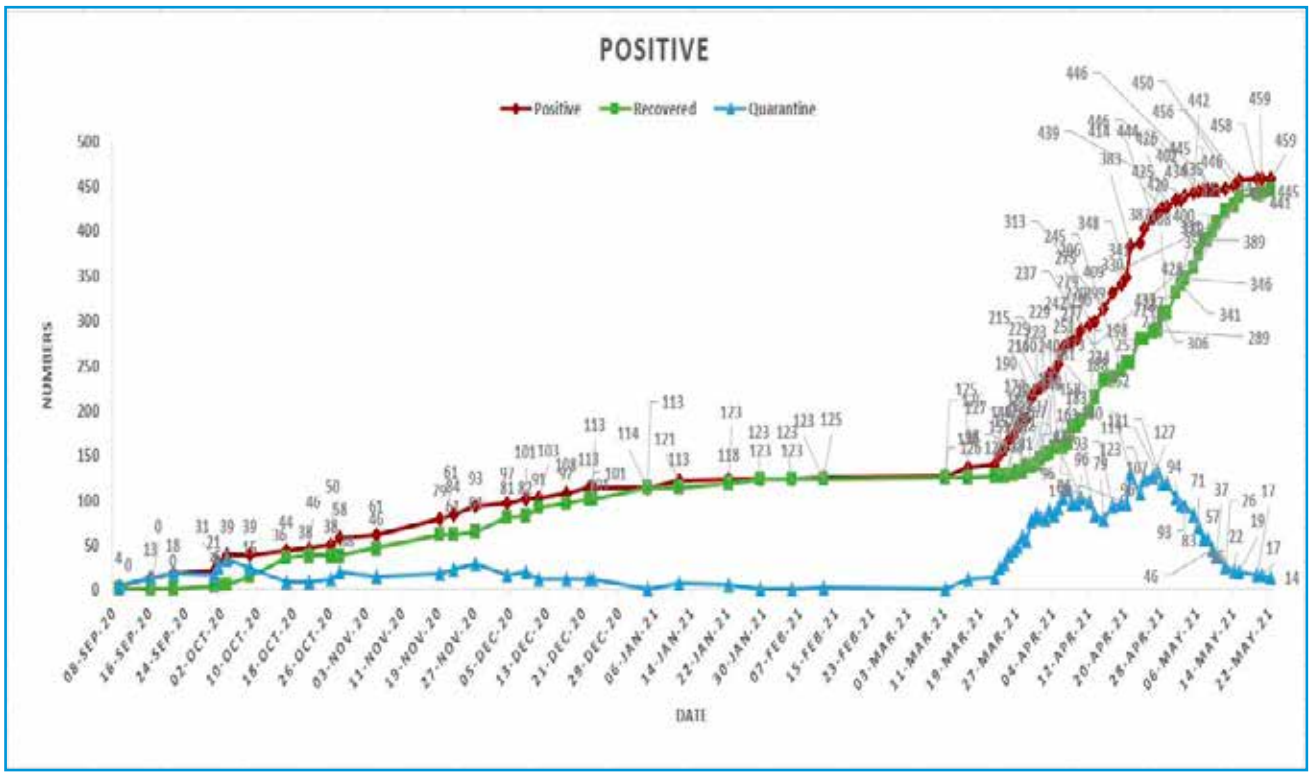

कुछ डेटा हाइलाइट

- 1 सितंबर, 2020 से 11 मार्च, 2021 तक, प्रत्येक परीक्षण शिविर में रिपोर्ट किए गए पॉज़िटिव केस ज्यादातर एकल अंकों में थे।
- 30 जनवरी, 2021 से 11 मार्च, 2021 के बीच सक्रिय पॉज़िटिव केसों को 'शून्य' के करीब लाया गया।
- 12 मार्च, 2021 के बाद से पॉज़िटिव केसों में अचानक तेजी आई है। (दूसरी लहर)।

- हालांकि, यह देखा गया है कि पूरी रिकॉर्ड अवधि में ठीक होने की दर स्थिर रही है। यह प्रभावी क्वारंटाइन प्रोटोकॉल को लागू करने के साथ-साथ समय पर चिकित्सा देखभाल के कारण संभव हुआ।

कोविड-19 हेल्पडेस्क का निर्माण

जनवरी 2021 से, न्यूबर्ग सुप्राटेक प्रयोगशाला के माध्यम से परिसर में साप्ताहिक आरटी-पीसीआर परीक्षण की व्यवस्था की गई थी। इसके बाद, इन परीक्षण शिविरों को अप्रैल से सप्ताह में दो बार बढ़ाया गया। (प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार)।

अप्रैल 2021 के अंतिम सप्ताह के दौरान कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के बाद, एक 'कोविड हेल्प डेस्क' की स्थापना की गई, जिसने कोविड-19 रोगियों की देखभाल के लिए आवश्यक सहायता के समन्वय में मदद की।

4-5 कर्मचारियों वाली एक कोर टीम ने पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया और 37 स्टाफ सदस्यों ने हेल्पडेस्क पर काम किया। उन्होंने संगरोध डॉर्म (डी -31, और डी -30) में संचालन और सुविधाओं की निगरानी की, वहां ड्यूटी पर नर्सिंग स्टाफ के साथ संपर्क किया, आरटी-पीसीटी परीक्षण का प्रबंधन किया, रोगियों के साथ संपर्क किया, और जब डॉक्टरों और अस्पतालों के साथ आवश्यकता हुई।

इस पहल के हिस्से के रूप में एक एजेंसी - एसिलिया हेल्थकेयर को डी -31 और डी -30 में स्थापित कोविड - 19 आइसोलेशन के लिए चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए लगाया गया था। इस एजेंसी ने एक नर्स और एक परिचारक को चौबीसों घंटे प्रदान किया ताकि आपातकालीन आवश्यकता और आइसोलेशन डॉर्म में रोगियों की नियमित दवा की देखभाल की जा सके।

इसके अतिरिक्त, ऑक्सीजन सांद्रता और ऑक्सीजन सिलेंडर साइट पर उपलब्ध कराए गए थे, जो विशेष रूप से तब फायदेमंद थे जब बिस्तर और ऑक्सीजन की भारी कमी थी।

प्रत्येक रोगी को एक ऑक्सीमीटर प्रदान किया गया था और डॉक्टरों ने ऑक्सीजन संतृप्ति के स्तर को लगातार ट्रैक किया था।

आइसोलेशन डॉर्म में अधिकतम पीक ऑक्यूपेंसी 57 थी, जबकि समुदाय के सदस्यों के 31 अस्पताल में भर्ती थे और छात्रों में से छह थे। दो सदस्य म्यूकर माइकोसिस पोस्ट कोविड - 19 से भी संक्रमित हुए।

समुदाय के तीन सदस्यों का कोविड-19 के कारण निधन हुआ।

परिसर में टीकाकरण अभियान

26 और 27 मार्च 2021 को एसवीपी अस्पताल और अहमदाबाद नगर निगम की मदद से परिसर में दो दिवसीय टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया था। इन दो दिनों के दौरान लगभग 550 समुदाय के सदस्यों को टीकाकरण की पहली खुराक दी गई थी। दूसरा शिविर 22 और 23 जून 2021 को आयोजित किया गया जिसमें 470 समुदाय के सदस्यों का टीकाकरण किया गया।

निष्कर्ष

किए गए प्रारंभिक कार्य और पहली लहर के दौरान स्थापित प्रक्रिया प्रवाह से संस्थान को अत्यधिक लाभ हुआ। इससे दूसरी लहर के दौरान आइसोलेशन सुविधा के सफल विस्तार और संचालन में मदद मिली।

प्रयास का प्रतिफल उस देखभाल में पाया जाना है जो संस्थान प्रदान करने में सक्षम था और सैकड़ों जीवन जिन्हें संस्थान ने महामारी को नेविगेट किया था।

परिसर पर कोविड-19 एंटिजन टेस्ट

परिसर पर टीकाकरण अभियान

16.

राजभाषा कार्यान्वयन

आई आई एम-ए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार दैनिक सरकारी कार्यों में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान की tराजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष निदेशक हैं। समिति शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार संस्थान में राजभाषा नीतियों के संवैधानिक प्रावधानों को लागू करने के लिए रणनीति तय करती है। भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के अनुसरण में संस्थान में हिन्दी विभाग है। वर्ष के दौरान, राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों, उसके तहत बनाए गए नियमों और राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी आदेशों/निर्देशों को लागू करने के लिए ठोस प्रयास किए गए।

हिंदी पखवाड़ा

संस्थान ने 14 से 28 सितंबर, 2020 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया। इसका उद्घाटन 14 सितंबर, 2020 को हिंदी दिवस के समारोह के साथ हुआ। इस अवधि के दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं (निबंध, कविता, शब्द ज्ञान, हिंदी सामान्य ज्ञान, हिंदी कहानी लेखन और सुलेख) का आयोजन किया गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार महामारी के कारण सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में 200 से अधिक हिंदी भाषी और गैर-हिंदी भाषी कर्मचारी सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। 28 सितंबर, 2020 को हिन्दी पखवाड़े का समापन वर्चुअली आयोजित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

हिंदी भाषा कार्यान्वयन

संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा और निगरानी के लिए तीन समिति की बैठकें आयोजित की गईं। वर्ष के दौरान तीन हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें 108 कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया।

हिंदी पत्रिका

हिंदी पत्रिका प्रतिबिंब का दसवाँ संस्करण फरवरी 2021 में प्रकाशित हुआ था। इसे आईआईएम, आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, संबंधित मंत्रालयों, शासी मंडल और शहर की आधिकारिक भाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के सभी 140 सदस्यों सहित कई हितधारकों के साथ साझा किया गया था।

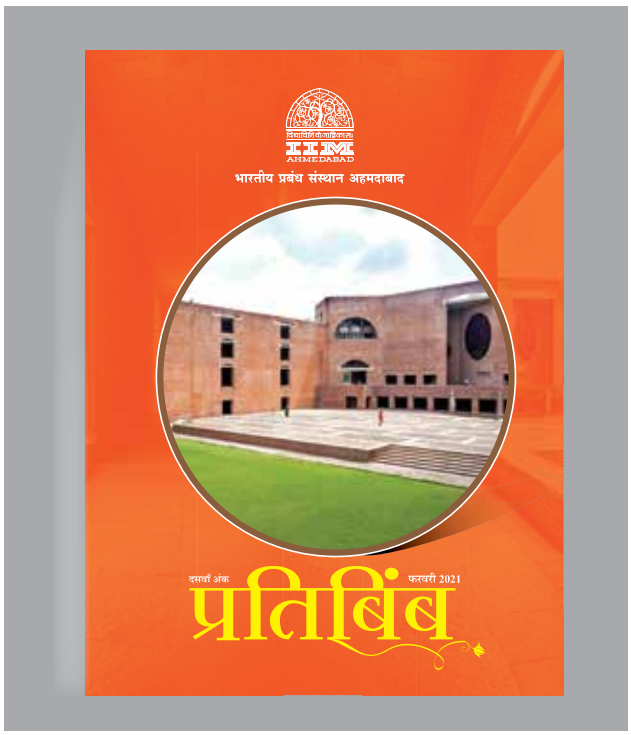

17.
कार्मिक

वर्ष 2020-21 के लिए संस्थान के कर्मचारियों की संख्या इस प्रकार से है :

	संकाय	कर्मचारी
नई भर्ती	8	17
सेवानिवृत्ति	3	13
त्यागपत्र / कार्यकाल पूर्ण / सेवा समाप्ति	3	20

परिशिष्ट ध8 में संस्थान के कार्यबल का विस्तृत आँकड़े दिए गए हैं।

अधिकारी और कर्मचारी विकास गतिविधि

अधिकारियों और कर्मचारी सदस्यों सहित 87 कर्मचारियों को आईआईएम अहमदाबाद, अहमदाबाद प्रबंधन संघ, राष्ट्रीय उपादकता परिषद, नई दिल्ली और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रायोजित किया गया।

संस्थान ने विभिन्न पूरक पाठ्यक्रमों के लिए कई स्टाफ सदस्यों को प्रायोजित करना जारी रखा।

कर्मचारी पुरस्कार / सम्मान

वर्ष के दौरान संकायों और कर्मचारियों को निम्नलिखित पुरस्कार दिए गए :

बीस वर्ष का सेवाकाल पूर्ण करने पर प्रशस्ति पत्र

- प्रोफेसर मंजरी सिंह
- प्रोफेसर बीजू वरकी
- सुश्री सुगण्या सुधाकर
- श्री ज्योर्ज पी. मेथ्यू
- सुश्री सुमिता एस. नायर

सेवानिवृत्ति पर दीर्घकालिक सेवा पुरस्कार

- श्री इसरदीन आर. पासी
- श्री सुनील गर्ग
- श्री के. वी. रामचंद्रन
- श्री रत्नाजी एम. परमार
- श्री हीरा बी. सोलंकी
- श्री कानजी एस. रबारी
- श्री मंगलदास आर. कोरी
- श्री अशोक एस. वाघेला
- श्री आर. भास्करन
- डॉ. श्रुति दवे
- श्री सोमनाथ भट्टाचार्य
- श्री उपेन्द्र बी. भावसार
- श्री राजेशकुमार सी. भावसार
- श्री रामशरण एल. सरोज

कर्मचारियों के विवरण **परिशिष्ट ध** में दिए गए हैं।

संस्थान में दो दशक की सेवा पूर्ण करने पर प्रशस्ति पुरस्कार

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत, वर्ष के दौरान 406 आरटीआई आवेदन और 44 प्रथम अपील प्राप्त हुई और इनके जवाब दिए गए। महीने के अनुसार इनका विवरण निम्न प्रकार से है :

महीना	आरटीआई आवेदन	प्रथम अपील
अप्रैल 2019	29	19
मई 2020	95	4
जून 2020	62	2
जुलाई 2020	41	3
अगस्त 2020	33	1
सितंबर 2020	15	4
अक्टूबर 2020	11	0
नवंबर 2020	14	0
दिसंबर 2020	26	4
जनवरी 2021	24	1
फरवरी 2021	18	2
मार्च 2021	38	4
कुल	**406**	**44**

मानव संसाधन नीति नियमावली

11 दिसंबर, 2020 को, संस्थान के स्थापना दिवस पर, निदेशक ने गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन नीति नियमावली का अनावरण किया। यह नियमावली संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

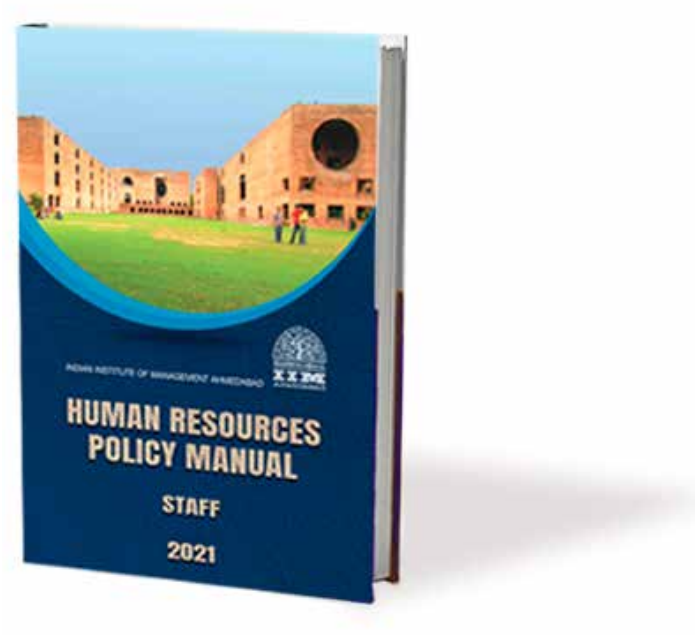

पदनाम में परिवर्तन

संस्थान ने अन्य कोरपोरेटों या संस्थानों में दिए गए पदनामों से मेल करने के लिए मानकीकरण बनाने के लिए गैरशिक्षण कर्मचारियों के पदनामों को संशोधित किया है। संशोधित पदनाम इस प्रकार से हैं –

क्रमांक	वर्तमान पदनाम	संशोधित पदनाम	वेतन स्तर	तकनीकी पदनाम के नमूने
1	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / मुख्य वित्तीय अधिकारी	सीएओ/सीएफ़ओ एवं उपाध्यक्ष	14	
2	प्रमुख	सह-उपाध्यक्ष	13	सह-उपाध्यक्ष, परियोजनाएँ
3	मुख्य प्रबंधक	महाप्रबंधक	12	महाप्रबंधक, इंजीनियरिंग सेवाएँ तथा संपदा
4	प्रबंधक	सहायक महाप्रबंधक	11	सहायक महाप्रबंधक, इलेक्ट्रिकल/यांत्रिक/सिविल
5	अधिकारी	प्रबंधक	10	प्रबंधक, इलेक्ट्रिकल/यांत्रिक/सिविल
6	प्रभारी / कार्यकारी सहायक / एरिया सचिव	सहायक प्रबंधक	6/7/8/9	सहायक प्रबंधक, इलेक्ट्रिकल/यांत्रिक/सिविल
7	कार्यालय सहायक	कार्यकारी	5	तकनीशियन
8	लिपिकीय सहायक	कार्यकारी	2/4	तकनीशियन / ड्राइवर

18.

खेल एवं मनोरंजन गतिविधियाँ समिति (सारा)

परिसर में खेल गतिविधियों का आयोजन सारा समिति द्वारा किया जाता है। एक नाम मात्र के सदस्यता शुल्क का भुगतान करके कोई भी कर्मचारी सारा का सदस्य बन सकता है।

संस्थान के परिसर में निम्नलिखित खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं -

आउटडोर	दो टेनिस कोर्ट
	एक बास्केट बॉल कोर्ट
	वोलीबोल कोर्ट
	फूटबॉल का मैदान
इन्डोर (खेल संकुल)	दो बेडमिंगटन कोर्ट
	दो टेबल टेनिस कोर्ट
	एक स्क्वैश रूम
	एक स्नूकर रूम

हालांकि, महामारी के कारण, गतिविधियों और सुविधाओं तक पहुंच सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित की गई थी।

सारा समिति समुदाय के सदस्यों और छात्रों को टेनिस कोचिंग भी प्रदान करती है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

सारा समिति ने 21 जून, 2020 को एक वर्चुअल रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

सारा समिति ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

19.

छात्र गतिविधियाँ

अबेकस

अबेकस, आईआईएमए का एनालिटिक्स और क्वांट क्लब है। क्लब ने टीआरबीएस में नॉटिलस और ब्लिट्ज़क्रेग जैसे विभिन्न प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस साल माइंडबेंड (साप्ताहिक क्विज), क्वांट फ्रॉम होम, नटक्रैकर और अबेकस नाइट जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्लब ने क्वांट, एक्सेल और अन्य क्वांट पाठ्यक्रमों के लिए उपचारात्मक कार्यक्रम भी आयोजित किए। आईआईएमए समुदाय के लिए ऑनलाइन स्पीकर सत्रों के साथ-साथ छात्रों के लिए विभिन्न प्रमाणन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। प्लेसमेंट प्रक्रिया में अतिरिक्त सहायता के लिए एनालिटिक्स प्राइमर और पज़ल-ऑफ-द-डे जारी किए गए थे।

बीटा: वित्त और निवेश क्लब

बीटा वित्त में करियर के बारे में छात्र समुदाय में जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करता है, प्लेसमेंट प्रक्रिया में सहायता करता है और कई पहलों के माध्यम से वित्तीय सेवा उद्योग के भीतर व्यापक रूप से नेटवर्किंग करता है। छात्रों को व्यावहारिक दृष्टिकोण से वित्त का स्वाद देने के लिए बीटा ने वित्त मंत्री सहित उद्योग विशेषज्ञों से प्रतियोगिताओं और स्पीकर सत्रों का आयोजन किया।

कल्टकॉम

सांस्कृतिक समिति आईआईएम-ए में लोगों के बीच की संस्कृति और बंधनों को अक्षुण्ण और फलने-फूलने के लिए समर्पित है। हालांकि, महामारी ने समिति की गतिविधियों को प्रभावित किया। आने वाले नए बैच को आरंभ करने के लिए इंडक्शन वीक का आयोजन किया गया था। सभी त्योहार हाइब्रिड मोड में मनाए गए। दशहरा के लिए एक जातीय दिवस और फुटलूज के साथ एक नवरात्रि नृत्य वीडियो का आयोजन किया गया। दिवाली को लेकर सोशल मीडिया कॉन्टेस्ट का आयोजन किया गया। क्रिसमस और नए साल के मौके पर कैंपस को सजाया गया था। समिति ने क्रिसमस के लिए एक गुप्त सांता गतिविधि का आयोजन किया। इसने मकर संक्रांति के लिए पतंगबाजी कार्यक्रम के साथ वर्ष का पहला ऑफ़लाइन कार्यक्रम आयोजित किया और उसके बाद वेलेंटाइन डे के लिए प्रोम रात का कार्यक्रम आयोजित किया।

परामर्श क्लब

क्लब का उद्देश्य परामर्श में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देना है। क्लब ने सलाहकारों के साथ वक्ता सत्र आयोजित किए जिन्होंने छात्रों को एक उद्योग के रूप में परामर्श का स्वाद और एक सलाहकार के रूप में जीवन दिया। एक सहयोग में, क्लब ने विक्टर चेंग, ग्लोबल केस इंटरव्यू प्रिपरेशन एक्सपर्ट की भी मेजबानी की, ताकि छात्रों को केस इंटरव्यू को क्रैक करने में मदद मिल सके। केस सॉल्विंग वर्कशॉप और आमने-सामने केस सॉल्विंग सत्र आयोजित किए गए और एक नई केसबुक, उद्योग रिपोर्ट, एक प्राइमर और न्यूज़लेटर की एक श्रृंखला प्रकाशित की गई। आर्मगेडन, स्ट्रैटेगोस और प्लेंडेमिक जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

डेसिबल, आईआईएम-ए का संगीत क्लब

ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में संगीत के माध्यम से सकारात्मकता फैलाना डेसिबल का फोकस था। नए बैच में शामिल होने के साथ शुरुआत करते हुए, डेसीबेल ने आईआईएम-ए में सभी कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के साथ अंताक्षरी की अपनी वार्षिक प्रस्तुति का आयोजन किया। क्लब ने पूर्वछात्र प्रकोष्ठ के सहयोग से आईआईएम-ए के सभी पूर्वछात्रों के लिए एक ऑनलाइन संगीत प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। डेसीबल के सदस्यों ने प्रोम नाइट में उपस्थित लोगों के लिए भी प्रदर्शन किया।

इलॉकन्स: सॉफ्ट स्किल्स क्लब

महामारी और सार्वजनिक बोलने की गतिविधियों में गिरावट के बावजूद, क्लब ने पूरे वर्ष कई पहल की, विशेष रूप से पहले टोस्टमास्टर्स डेमो सत्र, प्रशिक्षण सत्र छात्रों को इंटर्नशिप साक्षात्कार और रैंट ऑफ द रेडिकल्स और ऑनलाइन सगाई की घटनाओं पर कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए। माइम प्रतियोगिता। पर्सपिक्विटी नामक क्लब के न्यूज़लेटर को छात्रों के लिए उपयोगी संचार कौशल और सामान्य मामलों पर कमेंट्री पर विशिष्ट विषयों को कवर करने के लिए लॉन्च किया गया था। इलॉकन्स ने मॉक जीडी और सक्रिय रूप से समन्वित क्लस्टरएक्स साक्षात्कार आयोजित करने के लिए कैरियर क्लबों के साथ सहयोग करके ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्रक्रिया में एक अभिन्न भूमिका निभाई।

समान अवसर छात्र समिति

समान अवसर छात्र समिति छात्रों की एक समिति है जो एक सुलभ और सहानुभूतिपूर्ण परिसर बनाने में मदद करके आईआईएमए के अलग-अलग समुदाय का समर्थन करना चाहती है। एक

परामर्श कार्यक्रम के माध्यम से, ईओएससी अलग-अलग सक्षम छात्रों के लिए संस्थान में और भविष्य में अपने पूरे समय में मदद के लिए अतिरिक्त टचप्वाइंट प्रदान करता है। ईओएससी अन्य छात्र क्लबों और छात्र प्रबंधित संघों के साथ काम करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी छात्र परिसर में होने वाली सामान्य गतिविधियों में पीछे न रहे।

इक्विपोइज़

इक्विपोइज़ अर्थशास्त्र क्लब है जो अर्थशास्त्र के क्षेत्र में छात्रों की रुचि विकसित करना चाहता है। इसने विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया - जिसमें प्रमुख कार्यक्रम ट्रेडक्राफ्ट, टीआरबीएस के हिस्से के रूप में एक कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग प्रतियोगिता शामिल है। इक्विज़िटिव - पीजीपी 1 छात्रों के लिए अर्थशास्त्र प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया था। क्लब ने छात्रों को उनके सूक्ष्मअर्थशास्त्र और मैक्रोइकॉनॉमिक्स पाठ्यक्रमों में मदद करने के लिए उपचारात्मक सत्र आयोजित किए। महामारी के को ध्यान में लेते हुए, क्लब ने अपने सोशल मीडिया हैंडल भी लॉन्च किए, जिन पर सामान्य अर्थव्यवस्था और चयनित क्षेत्रों पर समय-समय पर अपडेट पोस्ट किए जाते थे।

खाद्य और कृषि व्यवसाय (एफएबी) क्लब

एफएबी क्लब ने 12 जीडी, 86 पीआई और 14 ज्ञान-साझाकरण सत्रों के साथ गर्मियों और फाइनल के लिए प्लेसमेंट की तैयारी की सुविधा प्रदान की। आने वाले बैचों को प्रभावी ज्ञान हस्तांतरण की सुविधा के लिए जीडीपीआई, इंटर्नशिप अनुभव और 20 से अधिक केवाईसी का दस्तावेजीकरण किया गया था। क्लब ने उद्योग जगत के नेताओं के साथ आठ प्रमुख कार्यशालाओं और वक्ता सत्रों की मेजबानी की। उल्लेखनीय प्रोफेसरों और उद्योग के दिग्गजों के साथ फार्म बिलों पर एक आकर्षक पैनल चर्चा की मेजबानी की गई। टीआरबीएस के तहत क्लब के वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम एग्रीनोवेरा में 1400 से अधिक छात्र भागीदारी देखी गई और 40 हज़ार नकद पुरस्कार वितरित किए गए।

एफ़एबीएम समिति

एफ़एबीएम समिति का मिशन छात्र समुदाय और कॉर्पोरेट जगत में एफ़एबीएम कार्यक्रम की दृश्यता बढ़ाना है। समिति ने पिछले एक साल में खाद्य और कृषि व्यवसाय क्षेत्र के नेताओं के साथ कई वक्ता सत्र आयोजित किए। प्रकृतिवादी - समाचार पत्र और एक पेजर स्टार्ट-अप श्रृंखला समय-समय पर प्रकाशित होती थी। एग्रोसोल - कृषि और रणनीति कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी खाद्य और कृषि व्यवसाय क्षेत्र के हितधारकों को एक साथ लाने के लिए परिकल्पित वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम कृषि मंथन का आयोजन किया गया। कई कार्यशालाएं, पैनल चर्चा और वक्ता सत्र आयोजित किए गए। कृषि मंथन 2020 ने भारत फोर्ब्स में शामिल डी2सी पॉपुलर बी-स्कूल फेस्टिवल 2021 के तहत 9वां स्थान हासिल किया है।

फ़िनेस - ललित कला क्लब

फ़िनेस - आईआईएम अहमदाबाद के ललित कला क्लब का उद्देश्य आईआईएमए समुदाय के बीच कला के जुनून और आनंद को फिर से जगाना है और व्यस्त, व्यस्त और यांत्रिक जीवन शैली में खोई हुई जिज्ञासा और प्रतिभा को फिर से जीवंत करना है। क्लब ने प्रकृति के सहयोग से पेंसिल स्केचिंग वर्कशॉप, ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता, क्ले गणेश मेकिंग, डीआईवाई सीरीज और इंकटॉबर कैलीग्राफी चैलेंज का आयोजन किया।

इंडस्ट्री इंटरेक्शन फोरम (एफ़आईआई)

इंडस्ट्री इंटरेक्शन फोरम (एफआईआई) एक आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित छात्र परामर्श निकाय है जो छात्रों को बी-स्कूल में रहते हुए वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक समस्याओं के लिए अपने सैद्धांतिक ज्ञान को लागू करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। फोरम ने 40 से अधिक परियोजनाओं को क्रियान्वित किया और शीर्ष पंक्ति में 80% की वृद्धि हासिल की। एफ़आईआई ने एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना शुरू करने के लिए कैम्ब्रिज कंसल्टिंग नेटवर्क जैसे अंतर्राष्ट्रीय परामर्श निकायों के साथ भी सहयोग किया।

संकाय-छात्र संवाद प्रकोष्ठ

महामारी से प्रेरित तनाव के स्तर को कम करने के लिए शामिल होने से पहले ही सेल ने पीजीपी 1 के लिए एक परामर्श कार्यक्रम शुरू किया। चार सौ पचास छात्र और 40 से अधिक प्रोफेसर इस पहल का हिस्सा थे, जिसके कारण 100 से अधिक सत्र हुए। सेल ने फ्लैगशिप डॉर्म मेंटरशिप प्रोग्राम का भी आयोजन किया, जहां हमने विभिन्न डॉर्मों के साथ प्रोफेसरों की मैपिंग की।

फ़ुटलूज़

परिसर में अनिवार्य किए गए कोविड-19 प्रतिबंधों के आलोक में, डांस क्लब, फुटलूज़, ने मुख्य रूप से वर्चुअल मोड में कार्यक्रम आयोजित किए। क्लब के सदस्यों ने परिसर में पीजीपी 1 के छात्रों के स्वागत के लिए और नवरात्रि जैसे शुभ अवसरों के लिए भी प्रदर्शन किया। एक ट्यूटोरियल श्रृंखला, जिसे 2#मिनट्स2डांस के नाम से जाना जाता है, को कम समय में आसानी से कुछ सरल नृत्य चरणों को सीखने में मदद करने के लिए आईआईएमए समुदाय के लिए शुरू किया गया था। क्लब के सदस्यों द्वारा ऐसे छह ट्यूटोरियल वीडियो जारी किए गए। फुटलूज ने वैलेंटाइन्स

डे कार्यक्रम 'प्रोम नाइट' में भाग लेने वाले प्रत्येक छात्र के लिए एक शुरुआती स्तर की साल्सा कार्यशाला भी आयोजित की।

सामान्य प्रबंधन और नेतृत्व क्लब

सामान्य प्रबंधन एवं नेतृत्व क्लब (जीएमएलसी) एक छात्र द्वारा संचालित क्लब है जो सामान्य प्रबंधन के क्षेत्र में छात्रों की रुचि पैदा करने का इरादा रखता है। क्लब ने न्यूज़लेटर 'द राउंडटेबल' के सात संस्करण प्रकाशित किए, जो इंडिया इंक से संबंधित व्यावसायिक समाचारों पर निरंतर अपडेट प्रदान करते थे। क्लब ने समर प्लेसमेंट और लेटरल प्रक्रिया के लिए जीडी, मॉक पीआई का आयोजन किया। क्लब ने कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया।

विरासत क्लब

महामारी के गंभीर प्रतिबंध लगाने के बावजूद, विरासत ने विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया। संस्थान की विरासत और संस्कृति से छात्रों को परिचित कराने के लिए संस्थान के संकाय के नेतृत्व में एक चर्चा का आयोजन किया। इन अवसरों के ऐतिहासिक महत्व और अर्थ को आत्मसात करने के लिए क्लब ने विभिन्न त्योहारों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का भी आयोजन किया।

आईआईएमऐक्ट्स: आईआईएमए सांस्कृतिक और नाट्य समाज

क्लब ने अपने कार्यक्रमों को ऑनलाइन आयोजित किया, जिसमें फिल्म का दूसरा संस्करण और थिएटर ट्रिवा इवेंट फ्लिमिस्तान 2.0 और पिच प्लीज, पिच डेक प्रस्तुतियों पर एक हास्यपूर्ण टेक शामिल था। क्लब ने निदेशक द्वारा विशेष उल्लेख प्राप्त करते हुए अपना ईमानदार ऑनलाइन क्लासेस स्केच जारी किया। क्लब ने सभी कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए 300 से अधिक दर्शकों के लिए लगातार दो स्क्रीनिंग में वर्ष के अपने एकमात्र लाइव प्रदर्शन, कटिंग चाई को एक साथ रखा।

मीडिया सेल

मीडिया सेल ने आने वाले बैच का स्वागत वीडियो और आधिकारिक फेसबुक ग्रुप के साथ स्वागत करते हुए वर्ष की शुरुआत की। सेल ने उद्योग जगत से जुड़ाव को मजबूत करने के लिए बिजनेस लीडर्स के साथ तीन वेबिनार की मेजबानी की। प्रकोष्ठ ने वार्षिक पत्रिका "दी राइटिंग ऑन द वॉल" का भी विमोचन किया जिसमें छात्रों, पूर्वछात्रों और शिक्षकों के 23 लेख समान रूप से शामिल थे।

मेंटरशिप सेल

मेंटरशिप सेल ने 2022 के बैच के सुचारू रूप से ऑन-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान की। सेल ने बैच के लिए विभिन्न फेसबुक गतिविधियों का आयोजन किया, जिससे उन्हें अपने बैचमेट्स से बातचीत करने और जानने का एक मंच मिला। सेल ने ऑनलाइन फ़च्चा-टुच्चा मीट का आयोजन किया जिसमें 373 पीजीपी 1 के छात्रों और 149 पीजीपी 2 के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को अधिक संलग्न करने के लिए, सेल ने अपनी सोशल मीडिया गतिविधि को बढ़ाया और एसएईआरसी के सहयोग से एस्केप रूम कार्यक्रम भी आयोजित किया। प्लेसमेंट सीज़न में, इसने रॉय एडिंगटन-चार्ल्स द्वारा आयोजित एक कार्यशाला की मेजबानी की, जिसने छात्रों को इंटर्नशिप साक्षात्कार की तैयारी में मदद की। सेल ने साक्षात्कार प्रक्रिया के लिए छात्रों को सलाह देने की पहल भी की और जीडीपीआई और एडब्ल्यूटी सत्र में 650 से अधिक साक्षात्कारकर्ताओं की मदद की।

ऑप्टिमा-संचालन क्लब

ऑप्टिमा ने ऑप्टिमल पॉइंट, आने वाले बैच के लिए एक सिमुलेशन प्रतियोगिता और ऑप्सक्रॉस, एक क्रॉसवर्ड पज़ल सॉल्विंग प्रतियोगिता लॉन्च की। क्लब टीआरबीएस के हिस्से के रूप में मासिक प्रश्नोत्तरी श्रृंखला (ऑप्समैनिया), जूनियर बैच के लिए केस प्रतियोगिता (सिनॉप्सिस) और तीन राउंड केस स्टडी प्रतियोगिता (ऑप्स्ट्रक्ट) का आयोजन करता है। क्लब ने अपना मासिक न्यूजलेटर, ऑप्सबुलेटिन लॉन्च किया और अपनी सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट कार्यशालाओं को जारी रखा।

पैनेसिया – हेल्थकेयर क्लब

पैनेसिया संस्थान का स्वास्थ्य सेवा क्लब है। यह आईआईएम-ए के लिए एक सुलभ स्वास्थ्य संरचना की कल्पना करता है, जो समावेशी, टिकाऊ और समग्र और स्वस्थ जीवन जीने के लिए समुदाय की सहायता करता है। क्लब आईआईएमए में स्वास्थ्य देखभाल और स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा करने और इसके लिए अवसर पैदा करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है। क्लब ने छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान देने के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता अभियान आयोजित किए। छात्रों को मुफ्त सदस्यता प्रदान करने के लिए अर्बनयोगी और हेडस्पेस के साथ साझेदारी की गई। महिलाओं की प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए प्रोएक्टिव फॉर हर के साथ पीरियड वार्ता आयोजित की गई। क्लब ने महामारी के दौरान छात्रों को कैंपस में वापस लाने के लिए प्रशासन की

भी मदद की। क्लब द्वारा टीकाकरण अभियान और रक्तदान शिविर भी आयोजित किए गए।

पर्स्पेक्टिव: फोटोग्राफी क्लब

महामारी के दौरान भी आईआईएमए समुदाय के सदस्यों और उनके विभिन्न ऑन-कैंपस उपक्रमों की यात्रा को कैप्चर करने में पर्स्पेक्टिव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्लब ने फछस, प्रोम नाइट, मकर संक्रांति आदि के लिए इंडक्शन वीक जैसे कार्यक्रमों को कवर किया। क्लब ने फोटोग्राफी के नए क्षेत्रों की खोज के लिए बाहरी परियोजनाएं शुरू कीं। क्लब एक अंतरराष्ट्रीय क्लाइंट के साथ 360-डिग्री फोटोग्राफी पर एक प्रोजेक्ट साइन अप करने में सक्षम था। क्लब की सबसे बड़ी सफलता सोशल मीडिया पर लॉन्च किए गए दो कैंपस वीडियो हैं, जिन्होंने 24 घंटे से भी कम समय में 2.5 हज़ार से अधिक और 41 हज़ार दर्शकध्यान प्राप्त किए हैं।

प्रकृति: प्रकृति और स्थिरता क्लब

प्रकृति का लक्ष्य कल के प्रबंधकों के लिए एक ज्ञान और मानसिकता प्राइमर के रूप में सेवा करना है, जिन्हें अपने निर्णयों के हिस्से के रूप में स्थिरता से निपटना होगा। क्लब ने सस्टेन, एक केस स्टडी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जो प्रतिभागियों को टीआरबीएस 2020 के दौरान आधुनिक समस्याओं के रचनात्मक समाधान, व्यावसायिक हितों और पर्यावरण संरक्षण को संतुलित करने के लिए चुनौती देती है।

पब्लिक पॉलिसी क्लब

क्लब ने कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी, मिलिंद देवड़ा (एमपी), सुरेश प्रभु (एमपी) और जयंत सिन्हा (एमपी), विधायक शाखा अशोक खेमका (आईएएस), सुश्री छाया शर्मा (आईपीएस) सहित विविध पृष्ठभूमि वाले प्रमुख वक्ताओं को आमंत्रित किया। के। वी चौधरी (एफ सीवीसी), एड. जे साई दीपक और कुमार विश्वास (कवि)। क्लब ने पीजीपी1 के लिए 'ब्लिट्जक्रेग' (ऑनलाइन क्विज) का आयोजन किया। टीआरबीएस के हिस्से के रूप में, क्लब ने राज्य, केंद्र और गैर-सरकारी प्रतिनिधियों के बीच एक संवादात्मक चर्चा के मॉडल के लिए अपने प्रमुख कार्यक्रम, 'मॉक नीति आयोग' का आयोजन किया। आईआईएम बी, आईआईएम एल, और आईएसबी के सहयोग से क्लब ने 'नीति द्वंदवा' (पब्लिक पॉलिसी केस प्रतियोगिता) का आयोजन किया। क्लब ने एक पॉडकास्ट सीरीज़, पब्लिक पॉलिसी पॉडकास्ट लॉन्च किया।

खेल समिति

महामारी के कारण, बहुत कम ऑफ़लाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए। हालांकि, समिति ने आईपीएल, शतरंज, लूडो, फीफा आदि के लिए आईआईएमए फैंटेसी लीग जैसे ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए। समिति ने आक्रोश, आईआईएमए के उच्च तीव्रता वाले खेल आयोजन का आयोजन किया, जहां पीजीपी1 और पीजीपीएक्स के पांच वर्ग ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए 17 से अधिक खेलों का आयोजन किया गया।

सैश क्लब

सैश क्लब का मतलब स्टूडेंट्स अगेंस्ट सेक्शुअल हैरेसमेंट है। क्लब ने डी2सी प्लेटफॉर्म पर एक केस प्रतियोगिता, कॉग्निजेंस की मेजबानी की, जो यौन उत्पीड़न के एक मामले के इर्द-गिर्द घूमती थी। इसने एक लोगो रिडिजाइनिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। कॉमिक्स की मदद से यौन उत्पीड़न से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर लोगों को जागरूक करने के लिए कॉमिक स्ट्रिप्स की एक श्रृंखला भी शुरू की गई।

सिनर्जी: एचआर मैनेजमेंट क्लब

सिनर्जी ने पिछले एक साल में ऑनलाइन मोड में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए- पहला 'एचआरबिंगर' प्रतियोगिता विशेष रूप से पहले वर्षों के लिए, 'एचआरमोनी'- टीआरबीएस के सहयोग से एचआर केस प्रतियोगिता जहां कई टीमों ने भाग लिया। एचआर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। 'ब्रेकिंग स्टीरियोटाइप्स' शीर्षक से एक मेम-मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को एचआर से जुड़ी रूढ़ियों को खत्म करने के लिए अपनी बुद्धि और रचनात्मकता दिखाने के लिए आमंत्रित किया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात, 'एचआररिफ़्लेक्शन' - एचआर न्यूज़लेटर- को पेश किया गया था जो विभिन्न संगठनों के मानव संसाधन प्रबंधन पहलुओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करता था।

द रेड ब्रिक समिट

द रेड ब्रिक समिट (टीआरबीएस) का चौथा समग्र और पहला आभासी संस्करण 24 अक्टूबर से 25 अक्टूबर, 2020 तक आयोजित किया गया था।

शिखर सम्मेलन ने 22 प्रमुख कार्यक्रमों की मेजबानी की और वैश्विक स्तर पर 60,000 से अधिक छात्रों और 320 से अधिक कॉलेजों की भागीदारी देखी, जिसमें पुरस्कार राशि 12 लाख थी। इस आयोजन में भारतीय स्टेट बैंक, पीएसपी प्रोजेक्ट्स, मैट्रिक्स पार्टनर्स, सीआईआई, बिजनेस स्टैंडर्ड, स्पॉटल.एआई और सीआईआईई के समर्थन से परामर्श, विपणन, वित्त, संचालन, उद्यमिता, और कई अन्य डोमेन जैसे कई क्षेत्रों को पूरा किया गया। चौथे संस्करण में सार्वजनिक नीति और सामान्य

प्रबंधन के तहत नए कार्यक्रम हुए। कुछ प्रमुख वक्ता थे: सर मार्टिन सोरेल (संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष, एस4 कैपिटल पीएलसी), जरीन दारूवाला (सीईओ, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, भारत), मुकेश बंसल (सह-संस्थापक, मिंत्रा और क्योर.फिट), शिव खेड़ा (अंतर्राष्ट्रीय बेस्टसेलर "यू कैन विन" के लेखक), और संजीव बिखचंदानी (संस्थापक, इन्फोएज)। 20000 से अधिक के कुल डिजिटल पदचिह्न के साथ 17 मुख्य वक्ता सत्र थे। रीयल-टाइम व्यवसायों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए, पेप्सिको, नीलसन, अमेज़ॅन और केपीएमजी जैसे प्रमुख उद्योग खिलाड़ियों के सहयोग से मार्केटिंग, सप्लाई चेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फाइनेंशियल मॉडलिंग इत्यादि जैसे कई डोमेन में 16 कार्यशालाओं की मेजबानी की गई।

छात्र हित समूह

आइडियोज़ - सामाजिक नवाचार एसआईजी

आइडियोज़ सबसे युवा क्लब है। यह मुख्य रूप से ग्रासरूट इनोवेशन को पूरा करता है। यह जमीनी स्तर के नवोन्मेषकों तक पहुंचता है और उन्हें बिक्री, विपणन, कानूनी पहलुओं से संबंधित प्रबंधकीय समस्याओं को हल करने में मदद करता है, और कुछ पहल जैसे कि आगाज़, राइज़ और एसटीईपी दस परियोजनाओं को शुरू किया गया है। समूह को सामाजिक उद्यमिता का समर्थन करने के लिए लगभग 60 लाख रुपये का वित्त पोषण ('91 गिविंग बैक फंड) प्राप्त हुआ है।

आईआईएम ऐली

आईआईएम सहयोगी, आईआईएम अहमदाबाद का एलजीबीटीक्यूप्लस संसाधन समूह है, जो क्वीर समुदाय के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाने के लिए काम कर रहा है। ग्रुप ने बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और प्राइड सर्कल फाउंडेशन के साथ मिलकर भारतीय कॉलेजों में एलजीबीटीक्यूप्लस समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करने के लिए 'उच्च शिक्षा में गौरव: समावेश की राह' पर एक रिपोर्ट जारी करने के लिए काम किया। रिपोर्ट एलजीबीटीक्यूप्लस के आसपास समावेशी मुद्दों की जांच करने और छात्रों के लिए अधिक समावेशी सीखने के माहौल बनाने के तरीकों की पहचान करने के लिए पूरे भारत में कॉलेजों में 1,700 छात्रों के सर्वेक्षण पर आधारित है। गौरव माह समारोह के हिस्से के रूप में, आईआईएम सहयोगी ने एलजीबीटीक्यूप्लस की थीम के आसपास की कहानियों को एकत्र करने के लिए "स्टोरीज़ ऑन द रेनबो वॉल" नामक एक श्रृंखला शुरू की। यौन और लिंग पहचान के बारे में लोगों को भ्रांतियों के बारे में जागरूक करने के लिए स्पीकर सत्र भी आयोजित किए जाते हैं।

शिक्षा का अधिकार संसाधन केंद्र

शिक्षा का अधिकार संसाधन केंद्र 3 प्रमुख आयोजनों में शामिल था, जैसे, कोविड-19 अनुदान संचय, कोविड-19 सर्वेक्षण और ई-विंटर स्कूल।

शेयर आईआईएम अहमदाबाद

शेयर आईआईएम अहमदाबाद एक छात्र संचालित नेतृत्व और प्रबंधन परामर्श अध्याय है जो छात्रों को अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है और उन्हें स्थिरता पर ध्यान देने के साथ महत्वपूर्ण व्यावसायिक मुद्दों पर संगठनों को सलाह देने के अवसर प्रदान करता है। शेयर आईआईएम अहमदाबाद के छात्र सदस्यों ने ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, गतिशीलता, वैश्विक अर्थव्यवस्था और शहर और उपभोक्ता के डोमेन के तहत परामर्श परियोजनाएं की हैं।

स्माइल

स्माइल एक छात्र-मध्यस्थ पहल है जिसका उद्देश्य वंचित बच्चों को उनके समग्र विकास में आवश्यक शिक्षा और सहायता प्रदान करके उनका उत्थान करना है। स्माइल द्वारा की गई गतिविधियों का विवरण पूर्वछात्र अध्याय में सूचीबद्ध है।

स्टारगेज़र्स: दी एस्ट्रोनॉमी क्लब

स्टारगेज़र्स अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अन्वेषण पर चर्चा और रात के आकाश का अध्ययन करने का एक केंद्र है। क्लब ने वोयाजर नामक एक मासिक पत्रिका लॉन्च की जो विज्ञान, व्यवसाय और कला पर लेखों का संतुलित मिश्रण प्रस्तुत करती है।

महिला नेतृत्व सोसायटी (डब्ल्यूएलएस)

डब्ल्यूएलएस की आवश्यकता को सबसे पहले परिसर में महिलाओं द्वारा आईआईएम में शामिल होने से पहले कार्यस्थल और कॉलेज परिसरों में उनके सामने आने वाले मुद्दों के बारे में पूछे गए सवालों के जवाबों के माध्यम से महसूस किया गया था। भारतीय व्यवसायों के संदर्भ में, कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी अभी भी प्रारंभिक अवस्था में है, जहां महिलाएं या तो अल्पसंख्यक हैं या मुख्य रूप से गैर-नेतृत्व की भूमिका में हैं। महिला नेतृत्व सोसायटी का गठन कार्यस्थल पर लिंग संबंधी मुद्दों के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने और छात्रों और महिला नेताओं के बीच बातचीत के लिए गतिविधियों को शुरू करने और सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था। डब्ल्यूएलएस ने स्पीकर सत्र और वेबिनार आयोजित किए हैं।

20.

निरंतरता और हरित पहल

वृक्षारोपण गतिविधि

परिसर में विभिन्न स्थानों पर लगभग 350 पेड़ पौधे लगाए गए। मुख्य परिसर में परियोजना स्थलों से 27 पूर्ण विकसित पेड़ों को वैज्ञानिक स्थानान्तरण विधियों का उपयोग करके परिसर में अन्य क्षेत्रों में प्रत्यारोपित किया गया, जिससे बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए पेड़ों की कटाई से बचा जा सके।

वर्षा जल संचयन और जल पुनर्भरण प्रणाली

संस्थान में एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया वर्षा जल संचयन (भूजल पुनर्भरण) प्रणाली है। इसका एक हिस्सा और 50 लाख लीटर का सबसे बड़ा भूजल पुनर्भरण प्रणाली मास्टर आर्किटेक्ट लुई कान ने 1970 के दशक में बनाया था।

इसके बाद, आठ और पुनर्भरण प्रणालियों को मूल प्रणाली में डिजाइन, स्थापित और संलग्न किया गया है। संस्थान हर साल प्री-मानसून गतिविधि के रूप में इन सभी जल पुनर्भरण प्रणालियों के रखरखाव का कार्य करता है।

इसके अलावा, दोनों परिसरों में लगभग 1.0 मिलियन वर्ग फुट निर्मित क्षेत्र के बुनियादी ढांचे परियोजना कार्य के साथ-साथ 15 और छिद्रण कुएं (मुख्य परिसर में पांच और नए परिसर में 10) बनाए जा रहे हैं।

गंदे पानी के शुद्धीकरण के लिए संयंत्र

नए परिसर में आगामी छात्र छात्रावास-41 के बेसमेंट में 200 केएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण किया जा रहा है।

मुख्य परिसर में परिधीय क्षेत्रों में एसटीपी की स्थापना की

एसबीआई के साथ वृक्षारोपण अभियान और सिग्नेचर अभियान

आईआईएमए में प्रथम सौर ऊर्जा संयंत्र

उपयुक्तता का पता लगाने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया था। जल निकासी पाइपलाइनों के मौजूदा नेटवर्क को बाधित किए बिना विभिन्न जल निकासी आउटलेटों पर स्थापना के लिए विभिन्न क्षमताओं के एसटीपी पर विचार किया जा रहा है। उपचारित पानी का उपयोग परिसर में बगीचे की सिंचाई के लिए किया जाएगा।

जैविक अपशिष्ट खाद

भारी मात्रा में सूखे पत्तों को पूरे परिसर से एकत्र किया जाता है और प्राकृतिक खाद के लिए खुले एकांत क्षेत्रों में ढेर कर दिया जाता है (इस प्रकार उन्हें कचरे के रूप में नगरपालिका कचरा लैंडफिल में भेजने से बचा जाता है)। पत्तियों के इन ढेरों से उत्तम जैविक खाद तैयार की जाती है।

मुख्य परिसर में एक जैविक अपशिष्ट खाद प्रसंस्करण प्रणाली प्रचालन में है। नए परिसर में उत्पन्न सूखे कचरे के लिए एक और जैविक अपशिष्ट खाद प्रणाली जुलाई 2021 से चालू हो जाएगी।

वर्मी कम्पोस्टिंग गड्ढों का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है जो सूखे और रसोई के कचरे से अच्छी, कम्पोस्ट खाद प्रदान करते हैं।

सौर ऊर्जा परियोजना

अक्षय ऊर्जा के दोहन की दृष्टि से, संस्थान ने जहां भी संभव हो रूफटॉप सौर ऊर्जा जनरेटर स्थापित करने का निर्णय लिया। नए परिसर के अधिकांश भवनों की छतों पर 365 केडब्ल्यूपी क्षमता का रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। मुख्य परिसर में पुस्तकालय भवन की छत पर 20 केडब्ल्यूपी क्षमता का रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है।

अन्य

- लॉन के लिए पानी के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई विधियों को नियोजित किया गया है।
- पूरे परिसर में ऊर्जा की बचत करने वाले उपकरण जैसे एलईडी लैंप और मोशन-एक्टिवेटेड लाइटें लगाई गई हैं। जहां भी संभव हो, पारंपरिक एसी को या तो वीआरएफ सिस्टम या नवीनतम उच्च ऊर्जा दर वाले एसी से बदल दिया गया है। सभी गेस्ट हाउस और एमएसएच को ऊर्जा बचाने वाली वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर प्रदान किए गए हैं।

निरंतरता-संबंधित कार्यक्रम

प्रकृति और स्थिरता क्लब, छात्र के नेतृत्व वाला प्रकृति क्लब, स्थिरता और हरित पहल के संदेश को चलाने के लिए विभिन्न अभियान चलाता है।

21.

कल्याण गतिविधियाँ

प्रोफेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना

संस्थान के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए एक निधि की स्थापना करने के लिए प्रोफेसर बी.एच. जाजू ने रु. 25,00,000 दान दिए। संस्थान द्वारा गठित उप-समिति चिकित्सा आवश्यकताओं की पुष्टि करती है और कल्याण समिति की सहायता से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को राशि वितरित करती है। इस वर्ष ग्रुप सी और ग्रुप डी के सेवानिवृत्त कर्मचारी सदस्यों के बीच 2,14,300 रुपए की प्रतिपूर्ति की गई।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा ऋण

कर्मचारी कल्याण समिति समूह बी, सी और डी के स्थायी कर्मचारियों के लिए ब्याज मुक्त ऋण योजना के माध्यम से स्टाफ सदस्यों के बच्चों की उच्च शिक्षा की आवश्यकता को पूरा करती है। यह ऋण केवल एआईसीटीई के नियमित डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए उपलब्ध है, भारत के भीतर मान्यता प्राप्त कॉलेज / विश्वविद्यालय / संस्थान का यूजीसी। कर्मचारियों के सेमेस्टर के अनुसार भुगतान की गई फीस को पूरा करने के लिए शैक्षिक ऋण वर्ष में दो बार वितरित किया जाता है।

वर्ष 21-2020 में प्रथम चरण के दौरान दो कर्मचारियों को इस योजना से कुल रु. 2,05,500 वितरित किए गए। दूसरे चरण में, तीन कर्मचारियों ने 3,30,240 रुपए का कर्ज मांगा।

शैक्षिक पहल - ट्यूशन कक्षाओं का संचालन

कर्मचारी कल्याण समिति ने एक गैर सरकारी संगठन संवाद के सहयोग से कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के बच्चों के लिए ग्रुप सी और डी के कर्मचारियों के लिए मुफ्त ट्यूशन का आयोजन किया।

श्री रामकृष्ण - शारदा मेडिकल फंड

कल्याण समिति ने श्री रामकृष्ण शारदा मेडिकल फंड के नाम पर एक मेडिकल फंड बनाया है, जिसमें पीजीपी 1990 बैच के प्रोफ़ेसर शेखर चौधरी तथा सुश्री सरोजा द्वारा 5,00,000 रुपए का योगदान दिया गया है। इस फ़ंड से मिलने वाले ब्याज से समूह सी तथा डी के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके जीवनसाथी के मेडिकल खर्चों की जरूरतों को पूरा किया जाता है। इस वर्ष, इस फ़ंड से 56,600 रुपए पात्र सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जारी किए गए।

कर्मचारियों का जन्मदिन समारोह

कल्याण समिति ने कर्मचारियों को जन्मदिन कार्ड देकर उनका जन्मदिन मनाया। महामारी के कारण मिठाई के पैकेट का वितरण बंद कर दिया गया था।

गुजराती नव वर्ष समारोह 2020

हर साल, दिवाली की छुट्टियों के बाद, कल्याण समिति गुजराती नव वर्ष मनाने के लिए आईआईएमए समुदाय की एक सभा का आयोजन करती है। हालांकि, महामारी के कारण, समारोह रद्द कर दिया गया था। समाज के सभी सदस्यों को चॉकलेट के पैकेट बांटे गए। फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राप्त तस्वीरों का एक कोलाज तैयार किया गया और संस्थान दिवस पर सर्वश्रेष्ठ तस्वीर को पुरस्कृत किया गया।

11 दिसंबर, 2020 को संस्थान दिवस समारोह

संस्थान के स्थापना दिवस को मनाने के लिए, संस्थान दिवस हर साल 11 दिसंबर को मनाया जाता है। समारोह के दौरान,

निदेशक द्वारा मेधावी बच्चों और स्टाफ सदस्यों को उनकी प्रतिभा

को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष विभिन्न श्रेणियों के तहत 58 पुरस्कार वितरित किए गए।

संस्थान के आईआईएमए समुदाय के बच्चों, कर्मचारियों और छात्रों द्वारा हर साल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। हालांकि, महामारी के कारण सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया था। संस्थान में लगातार 15 वर्ष या उससे अधिक की सेवा पूरी करने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। 20 साल या उससे अधिक की निरंतर सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

08 मार्च, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

कल्याण समिति ने 08 मार्च, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, संस्थान की महिला कर्मचारियों के लिए गतिविधियों का आयोजन किया गया। समिति ने महिला नेतृत्व और 'सही विकल्प बनाने' पर एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया।

क्वारंटाइन समुदाय के सदस्यों के लिए भोजन पैकेट की सुविधा

यह देखा गया कि क्वारंटाइन अवधि के दौरान, जब तक कि परिवार में कोई भी कोविड पॉजिटिव नहीं होता, तब तक परिवारों को भोजन की खरीद में समस्या का सामना करना पड़ा। कर्मचारी कल्याण समिति ने परिसर में रहने वाले ऐसे परिवारों को छात्रों के भोजनालय से उनके घर तक भोजन (नाश्ता, दोपहर और रात का खाना) उपलब्ध कराकर सहायता करने का निर्णय लिया। समुदाय के लोगों ने इस पहल की काफी सराहना की।

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान आईआईएमए समुदाय ने राहत कार्य में सहायता दी

परिशिष्ट

क

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क1 : पीजीपी में छात्र

	पीजीपी I	पीजीपी II
कार्यक्रम में शामिल हुए	**392**	**387**
(-) अलग हुए	6	1
(-) जिन्हें अनुमति दी गई/ 2021 में पुन: शामिल करने के लिए कहा	1	1
(+) पुनरावृत्ति करनेवाले	-	1
(+) 2020 में पुन: शामिल कोने की अनुमति दी गई	2	1
प्रथम/ द्वितीय वर्ष में संख्या	**387**	**387**
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	-	-
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	-	-
(-) अकादमिक अनुशासनहीनता के कारण एक या अधिक सत्रों के लिए निलंबन	-	-
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री एवं सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	-
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	1
(+) पूर्व वर्ष के स्नातक	-	-
(+) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र		19
कुल प्रोन्नत/स्नातक	**387**	**405**

क2 : उद्योग छात्रवृत्ति

वर्ष के दौरान चालीस छात्रों को उद्योग योग्यता छात्रवृत्तियाँ प्राप्त हुईं।

2019-21 के बैच के बीस छात्रों को कार्यक्रम के पहले वर्ष में उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर उद्योग छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

क्रमांक	नाम	छात्रवृत्ति
1	अखिल मंगला	राधा और संजीव चड्ढा
2	किशन कश्यप	जैट एज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
3	विकास कुमार	एस.एम.शाह
4	अर्पित सिंह	इन्फोसिस
5	रौज़िफ रशीद मूपन	आईसीआईसीआई
6	कार्तिक मित्तल	एसबीआई मुचुअल फंड
7	देवांश आनंद	भा.प्र.सं.अ. रजत जयंती / पीजीपी 87 बैच/ संकाय स्मारक, ओडको एवं आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
8	अरुणाभ सक्सेना	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
9	श्रेय बांका	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
10	अमन चौधरी	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
11	दर्पण जैन	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
12	धवला वी. एस. आदित्य	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति

परिशिष्ट जारी

क

क्रमांक	नाम	छात्रवृत्ति
13	अनिरुद्ध स्वामीनाथन	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
14	अनिरुद्ध अग्रवाल	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
15	पटेल दर्शन परेशभाई	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
16	अविनाश चत्तनाथन अय्यर	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
17	क्षितिज जैन	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
18	मुकुल डी. भंभानी	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
19	शुभाम सिंहल	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
20	ईशान शर्मा	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति

2019-21 के बैच के बीस छात्रों को कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर उद्योग छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

क्रमांक	नाम	छात्रवृत्ति
01	अरुणाभ सक्सेना	श्रीमती शारदा भंडारी एवं श्री पी. के. रथ
02	विकास कुमार	अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
03	अखिल मंगला	रितू बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
04	दर्पण जैन	आलोक मिश्रा छात्रवृत्ति
05	श्रेय बांका	कर्नल मनोहर लाल सरीन एवं श्रीमती सुशीला सरीन
06	मुंधड़ा केतन लक्ष्मीकान्त	जेट एज सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
07	रौज़िफ रशीद मूपन	एस.एम. शाह
08	रोशन राजीव सक्सेना	आईएफसीआई लिमिटेड
09	उर्मि अशोक बदियानी	आईएफसीआई लिमिटेड
10	देवांश आनंद	मोन्सेंटो
11	पियूष आर्या	सुरेन्द्र पॉल
12	किशन कश्यप	दून एवं ब्राडशीट + आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
13	कार्तिक मित्तल	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
14	धवला वी. एस. आदित्य	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
15	सोहम दत्ता	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
16	आशुतोष रुंगटा	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
17	विनीत नारंग	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
18	श्याम प्रकाश गर्ग	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
19	हर्ष अग्रवाल	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति
20	अंकिता भास्कर	आईआईएमए आई-छात्रवृत्ति

समग्र उच्चतम सीजीपीए वाली महिला प्रतिभागी के लिए चंद्र प्रभा और चरण दास गुप्ता आईस्कूल नामक पुरस्कार की शुरुआत की गई। यह पुरस्कार उर्मी अशोक बदियानी को दिया गया।

परिशिष्ट जारी

क

पुरस्कार

शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देश रत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद स्वर्ण पदक

यह पुरस्कार शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देश रत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद स्वर्ण पदक भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनू फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दो वर्षों में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करता है। यह पुरस्कार अखिल मंगला को दिया गया।

श्री एस.के. सेठ स्मारक पुरस्कार

यह पुरस्कार सुश्री शांति सेठ द्वारा अपने स्वर्गीय पति एस.के. सेठ, संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करने वाले छात्र को दिया जाता है। यह पुरस्कार अखिल मंगला को दिया गया।

एस. उमापति पुरस्कार

छात्र की अकादमिक उत्कृष्टता को पहचानने और उमापति की स्मृति को सम्मानित करने के लिए स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा स्थापित, यह पुरस्कार पीजीपी प्रथम वर्ष के टॉपर को दिया जाता है। यह पुरस्कार अखिल मंगला को दिया गया।

श्रीमती जे. नगम्मा मेमोरियल पुरस्कार

यह पुरस्कार जे. नगम्मा की स्मृति में उनके बेटे प्रमोद कुंजू (पीजीपी 1999) द्वारा शिक्षा में उत्कृष्टता को पहचानने के लिए स्थापित किया गया था। यह उस छात्र को दिया जाता है जो प्रथम वर्ष के अंत में उच्चत्तम सीजीपीए प्राप्त करता है। यह पुरस्कार अखिल मंगला को दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ पीजीपी ऑलराउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार

एक उत्कृष्ट छात्र के सर्वांगीण प्रदर्शन को पहचानने और संस्थान के साथ श्रीनिवास के जुड़ाव की स्मृति को सम्मानित करने के लिए स्वर्गीय कोलेनगोड़े वी. श्रीनिवास के माता-पिता द्वारा कोलेनगोडे पुरस्कार की स्थापना की गई। यह पुरस्कार मुंधड़ा केतन लक्ष्मीकान्त को दिया गया।

महिला ओलराउंडर पुरस्कार

क्वेटजल फाउंडेशन द्वारा स्थापित पीजीपी वुमन ओलराउंडर एक्सिलेन्स गोल्डमेडल एक उत्कृष्ट महिला छात्र के सर्वांगीण प्रदर्शन को मान्यता देता है। यह पुरस्कार आकांक्षा कश्यप को दिया गया।

उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार

आईआईएमए में रहते हुए छात्र के सर्वांगीण प्रदर्शन को पहचानने के लिए सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा इस पुसकार की स्थापना की गई। यह पुरस्कार संजय पी. साजी को दिया गया।

सजीव सिरपाल अकादमिक और सृजनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार

यह पुरस्कार सुश्री कनका सिरपाल (1984) और मित्रों द्वारा छात्रों में से शिक्षा और सृजनात्मकता में उत्कृष्टता को पहचानने के लिए सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में स्थापित किया गया। यह पुरस्कार शुभम सिंहल को दिया गया।

विपणन के लिए प्रोफेसर अभिनंदन जैन स्वर्णपदक

यह पुरस्कार उस छात्र को दिया जाता है जो विपणन पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। यह पुरस्कार मनोज जोसफ को दिया गया।

छात्रवृत्ति

आदित्य बिड़ला समूह ने 2020-21 के दौरान प्रति छात्र 1,75,000/- रुपये की छात्रवृत्ति की पेशकश के लिए निम्नलिखित छात्रों का चयन किया।

- **अरुणाभ सक्सेना**
- **कन्नन अदलखा**
- **केतन मुंधड़ा**
- **वामिका सिंह**

परिशिष्ट जारी

क

अन्य एजेंसियों द्वारा स्थापित छात्रवृत्तियाँ

- निम्नलिखित पीजीपी–द्वितीय छात्रों को 80,000 प्रति छात्र के हिसाब से ओ.पी. जिंदाल छात्रवृत्ति प्रदान की गई -

  1. अर्पित सिंह **2. अरुणाभ सक्सेना**

- पीजीपी 1 (2020-22 बैच) के आर. सूर्या को 1,00,000/- की टी. थॉमस छात्रवृत्ति दी गई।
- निम्नलिखित प्रथम वर्ष पीजीपी 1 / एफ़एबीएम-1 बैच 2020-22 के अठारह और दूसरे वर्ष के पीजीपी द्वितीय / एफ़एबीएम-2 बैच (2019-21) के आठ छात्रों को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक (पहले कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड नाम से प्रसिद्ध) द्वारा प्रति छात्र 1,00,000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गईं।

प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष
1. इलावरपु धर्मांजनेयुलु	1. अग्निव मुखर्जी
2. आदित्य गोस्वामी	2. आकांक्षा कश्यप
3. गौरी शंकर डी.	3. सुश्री आरुषी अग्रवाल
4. प्रभु एस.	4. संजय पी. साजी
5. तन्मय विवेक लाड	5. बद्री नारायण एस.
6. सुश्री प्रीति वर्मा	6. कुणाल जैन
7. प्रिन्स जैन	7. अक्षय वर्मा
8. रिंकेश बिनानी	8. सिद्धार्थ टिकू
9. सुश्री धोरे सामन्ती विष्णु	
10. सुश्री रश्मि कुमारी	
11. भीमाना रामा क्रिष्णा	
12. अनमोल शुक्ला	
13. सुश्री मनिषा भगत	
14. सुश्री परमार झील राजसिंह	
15. प्रशांत एम.	
16. हिमांशु सोनी	
17. दीक्षित एम.	
18. रूपम रॉय	

- पीजीपी-द्वितीय (2019-21 बैच) के बसिना एसएसएस स्वरूप को तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन (टीआरएमएफ) की 80,000 रुपये की छात्रवृत्ति।
- पीजीपी के कई पूर्वछात्रों ने जरूरतमंद छात्रों की सहायता के लिए संस्थान को उदारतापूर्वक योगदान दिया है। जबकि कुछ निधियों का उपयोग एसएनबीएस को पुरस्कृत करने के लिए किया गया था, कुछ एसएनबीएस पुरस्कृत विजेताओं को टॉप अप के रूप में सम्मानित किया गया था।

परिशिष्ट जारी

क

टॉपअप के रूप में दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है -

प्रायोजक	राशि (रुपये में)	पुरस्कार विजेता/ विजेताएं	कक्षा/ बैच
पीजीपी 1983 बैच (एमसीएम)	75,000	हरिशकुमार के. आर.	पीजीपी द्वितीय /2018-20
	75,000	थुमुकुंटा गंडला हरि शंकर	
	75,000	प्रशांत चावला	
पीजीपी 1969 कक्षा की बंदोबस्ती निधि	5,00,000	विकासकुमार	पीजीपी प्रथम / 2019-21
	5,00,000	अमन रथी	
दैनिक भास्कर (एमसीएम)	4,35,000	वाय चक्रधर रेड्डी	पीजीपी प्रथम व एफ़एबीएम प्रथम/2019-21
	4,35,000	राघव गुप्ता	
	4,35,000	घोघारे सुमेध गोपाल	
	4,35,000	पीयूष लखमनी	
	3,75,000	रिषभ आनंद	
	3,15,000	सिंह हरेशकुमार पंकजभाई	
	3,15,000	प्रेरणा प्रेयसी	
	3,15,000	एम ए अंबिगा देवी	
तेगा इंडस्ट्रीज 1967	2,50,000	सिद्धार्थ टिकू	पीजीपी प्रथम / 2019-21
गौतम साहा, पीजीपी 1981 बैच के पूर्वछात्र	2,00,000	हर्ष अग्रवाल	पीजीपी प्रथम /2019-21
विघ्नेश रामदास, पीजीपी 2012 बैच के पूर्वछात्र	1,00,000	अक्षय वर्मा	पीजीपी प्रथम /2019-21

एसएनबीएस के साथ विलय की गई छात्रवृत्तियों का विवरण -

प्रायोजक	राशि (रुपये में)	कक्षा / बैच
वारबर्ग पिंकस	15,15,000	पीजीपी – 2
तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन	10,000	पीजीपी – 1

क3 : पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

	बैच 2021-2023				बैच 2020-2022			
श्रेणी	**पुरुष**	**महिला**	**विपरीत लिंगी**	**कुल**	**पुरुष**	**महिला**	**विपरीत लिंगी**	**कुल**
सामान्य वर्ग	79409	45386	1	124796	88558	51294	4	139856
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	3937	1216	0	5153	2824	794	0	3618
नॉन क्रीमी – अन्य पिछड़ा वर्ग	21203	8707	0	29910	21932	9285	0	31217
अनुसूचित जाति	8732	3800	0	12532	9034	4116	0	13150
अनुसूचित जनजाति	2074	972	0	3046	2344	1115	0	3459
दिव्यांग	579	144	0	723	660	139	0	799
जीमेट (प्रवासी भारतीय)	10	5	0	15	7	2	0	9
जीमेट (अधिसंख्य कोटा)	5	2	0	7	4	2	0	6
कुल	**115949**	**60232**	**1**	**176182**	**125363**	**66747**	**4**	**192114**
प्रतिशत	**65.81**	**34.19**	**0.00**	**100**	**65.26**	**34.74**	**0.00**	**100.00**

क4 : पीजीपी बैच 2021-23 के लिए प्राप्त आवेदन, विश्लेषणात्मक लेखन परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बुलाए (एडबल्यूटी एवं पीआई) और एडबल्यूटी एवं पीआई में शामिल उम्मीदवारों की संख्या का विवरण -

चरण	लिंग/ कुल	सामान्य वर्ग			आरक्षित वर्ग					कुल
		कैट	जीमैट							
			विदेशी / भारतीय	अधि-संख्य कोटा	आर्थिक कमजोर वर्ग	नॉन क्रीमी / अन्य पिछड़ा वर्ग	अनु-सूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	
आईआईएमए के आवेदन क़र्ता की संख्या	पुरुष	79,409	10	5	3,937	21,203	8,732	2,074	579	1,15,949
	महिला	45,386	5	2	1,216	8,707	3,800	972	144	60,232
	विपरीत लिंगी	1	0	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	**1,24,796**	**15**	**7**	**5,153**	**29,910**	**12,532**	**3,046**	**723**	**1,76,182**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार की संख्या	पुरुष	430	3	4	24	233	116	64	31	905
	महिला	131	2	1	6	70	51	25	6	292
	कुल	**561**	**5**	**5**	**30**	**303**	**167**	**89**	**37**	**1,197**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवार की संख्या#	पुरुष	423	3	4	24	217	95	56	30	852
	महिला	130	2	1	6	68	46	23	6	282
	कुल	**553**	**5**	**5**	**30**	**285**	**141**	**79**	**36**	**1,134**

महामारी के कारण पीजीपी और पीजीपी–एफ़एबीएम 2021-23 के साक्षात्कार हमारे भागीदार की सहायता से 10 शहरों में ऑनलाइन आयोजित किए गए। इसके कारण साक्षात्कार में 10 दिन ज्यादा लग गए। यह प्रक्रिया 10 अप्रैल, 2020 को समाप्त गुई।

ख

खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ख1 पीजीपी-एफ़एबीएम 2020-21 में छात्र

	पीजीपी-एफ़एबीएम – I (2020-21)	पीजीपी-एफ़एबीएम – II (2020-21)
कार्यक्रम में शामिल हुए	**47**	**46**
(-) अलग हुए	--	--
(-) 2017 में पुन: शामिल करने के लिए कहा / अनुमति प्राप्त	--	--
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	--	--
2017 में पुन: शामिल होने की अनुमति दी गई	**--**	**--**
प्रथम/ द्वितीय वर्ष में संख्या	47	46
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	00	शून्य
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	शून्य	शून्य
शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	01
शैक्षणिक अनुशासनहीनता करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	शून्य
पूर्व वर्ष के स्नातक	शून्य	शून्य
डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	शून्य	शून्य
कुल प्रोन्नत / स्नातक	**47**	**45**

ख2 पुरस्कार और छात्रवृत्तियाँ

श्रेष्ठ बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न /आलराउंडर पीजीपी-एफ़एबीएम महिला छात्र

यह पुरस्कार श्रीमती मीनाक्षी माथुर द्वारा उनके दिवंगत पति श्री रतन चंद्र माथुर, जो वर्ष 1971-72 के दौरान कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम में प्रतिभागी थे उनकी पूर्वछात्र की स्मृति में, प्रस्तुत और स्थापित किया गया। यह पुरस्कार 2010 से एक कुशल और उत्कृष्ट बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न /आलराउंडर पीजीपी-एफ़एबीएम छात्र (महिला) के लिए स्थापित किया गया था, जिसने शिक्षाविद, पाठ्येतर और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। यह पुरस्कार सुश्री सोंतक्के संपदा प्रेमानंद को दिया गया।

अनीता और जगदीश लाल गर्ग : आउटपरफॉर्मर अवार्ड

2013-15 बैच की पीजीपी-एबीएम पूर्वछात्र सुश्री गीता गर्ग ने अपने माता-पिता के सम्मान में आउटपरफॉर्मर पुरस्कार की शुरुआत और स्थापना की। यह पुरस्कार एक छात्र को असाधारण योगदान के लिए मान्यता देता है जो शिक्षाविदों और सामान्य खेल गतिविधियों से परे है। यह पुरस्कार सुकेश कुमार नायक को दिया गया।

औद्योगिक छात्रवृत्ति (आई-स्कॉल)

यह छात्रवृत्ति आईआईएमए में 1982 के कृषि विशेषज्ञता पैकेज (एसपीए) के पूर्वछात्र परमेश शाह द्वारा शुरू और स्थापित की गई है। आई-स्कॉल उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन पर आधारित है। यह पुरस्कार अग्निव मुखर्जी को दिया गया।

ख3 : पीजीपी–एफ़एबीएम के लिए प्राप्त आवेदन

	बैच 2021-2023				बैच 2020-2022			
श्रेणी	**पुरुष**	**महिला**	**विपरीत लिंगी**	**कुल**	**पुरुष**	**महिला**	**विपरीत लिंगी**	**कुल**
सामान्य वर्ग	61450	33618	1	95069	58356	31422	3	89781
आर्थिक कमजोर वर्ग	3506	1024	0	4530	2216	566	0	2782
एनसी-ओबीसी	17528	6887	0	24415	15692	6189	0	21881
अनुसूचित जाति	6837	2880	0	9717	6033	2628	0	8661
अनुसूचित जनजाति	1517	698	0	2215	1474	646	0	2120
दिव्यांग	442	93	0	535	420	80	0	500
कुल	**91280**	**45200**	**1**	**136481**	**84191**	**41531**	**3**	**125725**
प्रतिशत	**66.88**	**33.12**	**0.00**	**100**	**66.97**	**33.03**	**0.00**	**100**

ख4 : पीजीपी – एफ़एबीएम, 2021-23 बैच के लिए प्राप्त आवेदन, विश्लेषणात्मक लेखन परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बुलाये (एडबल्यूटी एवं पीआई) और एडबल्यूटी एवं पीआई में शामिल उम्मीदवारों की संख्या का विवरण

चरण	**लिंग/ कुल**	**सामान्य वर्ग**	**आरक्षित वर्ग**					**कुल**
			आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	**एन सी-ओबीसी**	**अनुसूचित जाति**	**अनुसूचित जनजाति**	**दिव्यांग**	
आईआईएमए में पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए आवेदकों की संख्या	पुरुष	61450	3506	17528	6837	1517	442	91280
	महिला	33618	1024	6887	2880	698	93	45200
	विपरीत लिंगी	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**95069**	**4530**	**24415**	**9717**	**2215**	**535**	**136481**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	119	24	70	22	16	7	258
	महिला	74	6	30	12	7	0	129
	कुल	**193**	**30**	**100**	**34**	**23**	**7**	**387**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या#	पुरुष	97	21	53	9	5	5	190
	महिला	60	4	22	8	3	0	97
	कुल	**157**	**25**	**75**	**17**	**8**	**5**	**287**

 # महामारी के कारण पीजीपी और पीजीपी–एफ़एबीएम 2021-23, हमारे भागीदार की सहायता से सभी शहरों मे ऑनलाइन साक्षात्कार आयोजित किए गए थे। इस वर्ष कुल 10 शहर थे। इसके कारण साक्षात्कार में 10 दिन ज्यादा लग गए। हमने 10 अप्रैल, 2020 को यह प्रक्रिया समाप्त की।

ग

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ग1 : छात्रों के प्रोफाइल

छात्रों की संख्या : 140

मापदंड	औसत
जीमैट	701
जीआरई	323
कुल कार्यानुभव	8 वर्ष 3 महिना
अंतरराष्ट्रीय कार्यानुभव	1 वर्ष 1 महिना
विदेश में कम से कम एक वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय कार्य अनुभव वाले छात्रों की संख्या	30
विदेश में कम से कम तीन वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय कार्य अनुभव वाले छात्रों की संख्या	14
31 मार्च,2021 को आयु	31 वर्ष

अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन

- 16 (11.43%) भारत से बाहर के देशों में रह रहे हैं और 10 देशों में फैले हुए हैं।
- 01 (0.71%) आंतराष्ट्रीय छात्र (1 यूनाइटेड किंग्डम से)
- 51 (36.43%) को काम और पढ़ाई के मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक्सपोजर मिला है।

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

- 13 (9.28%) ने अपनी डिग्री अपने देश के बाहर से प्राप्त की है
- 12 (8.57%) ने स्नातक की तुलना में उच्च योग्यता (व्यवसायिक अनुस्नातक उपाधि) प्राप्त की है
- 123 (88.0%) इंजीनियर हैं।
- 29 (20.71%) ने आईआईटी / एनआईटी से स्नातक किया है।
- उद्योग मिश्रण में अकादमिक और शिक्षा, विज्ञापन / संचार / मीडिया / मनोरंजन, एयरोस्पेस और विमानन, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, और बीमा, परामर्श, रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा और उपयोगिताएं, एफएमसीजी, सरकारी उद्यम और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, अवसंरचना और निर्माण, आईटी और आईटीईएस, आईटी उत्पाद, विनिर्माण / इंजीनियरिंग, एनजीओ और सामाजिक सेवा / गैर सरकारी संगठन, अन्य, फार्मा / बायो-टेक / हेल्थकेयर / अस्पताल, खुदरा / ईकॉमर्स, शिपिंग / परिवहन / रसद, दूरसंचार, यात्रा और आतिथ्य शामिल हैं।
- 34 (24.29%) महिला छात्र हैं

उद्योग विवरण		कार्यात्मक विवरण	
अकादमिक एवं शिक्षा	1	ग्राहक खाता प्रबंधन	2
विज्ञापन / संचार / मीडिया / मनोरंजन	2	परामर्श	27
एरोप्लेस एवं विमानन	5	इंजीनियरिंग और रखरखाव	16
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा	9	ईआरपी व्यावसायिक	2
परामर्श	17	वित्त और लेखा	5
रक्षा और सुरक्षा	3	सामान्य प्रबंधन	13
ऊर्जा और उपयोगिताएँ	19	आईटी आधारित संचालन	3
एफ़एमसीजी	1	आईटी आधारित परियोजना संचालन	7

परिशिष्ट जारी

ग

उद्योग विवरण		कार्यात्मक विवरण	
सरकारी उद्यम और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	7	आईटी आधारित अनुसंधान एवं विकास	5
अवसंरचना और निर्माण	3	ज्ञान कर्मचारी (बीपीओ / केपीओ)	1
आईटी एवं आइटीईएस	9	विपणन	2
आईटी उत्पाद	6	गैर-आईटी आधारित संचालन	1
विनिर्माण / इंजीनियरिंग	30	गैर-आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	8
गैर सरकारी संगठन और सामाजिक सेवाएँ	3	गैर-आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	8
फार्मा / बायो टेक / स्वास्थ्य / अस्पताल	3	संचालन	17
खुदरा / ई-कॉमर्स	6	अन्य	7
शिपिंग / यातायात / रसद	3	वसूली	1
दूरसंचार	2	प्रोग्रामिंग	3
यात्रा और आतिथ्य	2	बिक्री और विपणन	11
अन्य	9	सिस्टम डिजाइनिंग	1
कुल	**140**	**कुल**	**140**

ग2 नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

क्रमांक	विषय-क्षेत्र	पाठ्यक्रम का नाम
1	विपणन	डिजिटल विपणन
2	आरजेएमसीईआई	खेलकरण, प्रौद्योगिकी, और सीखने की प्रेरणा
3	पी एवं क्यूएम	सेवा प्रणालियों के परिचालन प्रदर्शन का प्रबंधन
4	विपणन	विपणन सेवाएँ
5	सूचना प्रणाली	डिजिटल नवाचारों का रणनीतिक प्रबंधन
6	रणनीति	प्रौद्योगिकी और नवाचार का सामरिक प्रबंधन
7	पीएसजी	व्यापार, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, और मानवाधिकार
8	पी एवं क्यूएम	भीड़ समन्वय
9	पीएसजी	व्यापार और नीति निर्णय लेने के लिए प्रयोग
10	संगठनात्मक व्यवहार	उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमें: एक यात्रा
11	विपणन	ग्राहक मूल्य वितरण का प्रबंधन
12	विपणन	विपणन विलासिता
13	विपणन	तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार

परिशिष्ट जारी

ग

ग3 छात्र गतिविधियाँ

कोन्नेक्सियोन - (अक्टूबर 2020)

द रेड ब्रीक्स समिट, आईआईएमए अहमदाबाद के प्रमुख व्यापार शिखर सम्मेलन की कनेक्शन्स "शाखा" ने चल रही महामारी के कारण एक आभासी अवतार दिया। एक प्रासंगिक विषय "फास्ट फॉरवर्ड टू द फ्यूचर" के आसपास केन्द्रित, इसने विविध उद्योगों में भागीदारी को कवर किया और व्यापारिक नेताओं और शिक्षाविदों को सीखने और उल्लेखनीय अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम को डॉ. निरंजन हीरानंदानी के "थोट लीडरशिप- नेतृत्व के विचार" पर के भाषण से हरी झंडी दिखाई गई। जिसमें उन्होंने नेतृत्व और उद्यांशीलता की मानसिकता विकसित कनर की यात्रा के बारे में दिलचस्प कहानियाँ साझा की। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के विशेषज्ञों, सरकार की प्रशासनिक शाखा और शिक्षाविदों के बीच एक पैनल चर्चा में महामारी के दौरान योजना की पेचीदगियों पर विस्तार से चर्चा की गई। दूसरे दिन "भविष्य के व्यवसायों" पर पैनल की चर्चा के साथ, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धि में विशाल छलांग के कारण आधुनिक समय के उद्यमों के भविष्य को चित्रित करने वाले युवा तुर्कों की भीड़ देखी गई। कॉन्क्लेव का समापन स्थापित पीजीपीएक्स पूर्वछात्रों के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को प्रौद्योगिकी और वित्त परिदृश्य में उत्पाद प्रबंधन की रोमांचक दुनिया के माध्यम से एक सवारी में ले जाया गया।

पीजीपीएक्स पूर्वछात्र मिलन समारोह : एक्सप्रेशंस 2020

एक्सप्रेशंस एक पीजीपीएक्स पुनर्मिलन समारोह है, जो हर साल कैंपस में आयोजित किया जाता है। हालांकि, पहली बार इसे वस्तुतः आयोजित किया गया था। उद्घाटन समारोह के बाद प्रोफेसर सुनील शर्मा ने रणनीति पर मास्टर क्लास का आयोजन किया। मास्टर क्लास के बाद, वित्त, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी क्लब द्वारा पूर्वछात्रों के साथ पैनलिस्ट के रूप में तीन-पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रदर्शन के साथ हुआ जहां पूर्वछात्रों के पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो साझा किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पिछले तीन बैचों के कॉमेडी क्लबों द्वारा लाइव स्टैंडअप कॉमेडी भी शामिल थी।

पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला

वक्ता श्रृंखला एक पीजीपीएक्स छात्र पहल है जहां वरिष्ठ कॉर्पोरेट नेताओं और प्रतिष्ठित नागरिकों को पीजीपीएक्स छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। पूरी तरह से पीजीपीएक्स छात्रों द्वारा आयोजित इस पहल में 16 वक्ता थे जिन्हें अपने अनुभवों एवं आईडियाओं को ऑनवाइन साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसके विवरण नीचे दिए गए हैं।

वक्ता श्रृंखला

क्रमांक	वक्ता का नाम	पदनाम	कंपनी	विषय
1	सुश्री मानसी वाधवा	रणनीति और संचालन प्रबंधक	रिस्टोरेटिव थैरेपीज ग्रुप	स्वास्थ्य सेवा सत्र
2	श्री नीतिन सेठ	सीईओओ	अशोक लेलैंड	आर्थिक उथल-पुथल और व्यावसायिक रणनीतियों और नीतियों को कोविड संकट के दौरान दूर करने की आवश्यकता
3	श्री मुरली नायर	अध्यक्ष	बैंकिंग, जीटा इंडिया	द वर्ल्ड ऑफ फिनटेक
4	श्री नवीन मुंजा	प्रबंध निदेशक	हीरो ईलेक्ट्रिक	ईवी उद्योग में विकास और करियर की संभावनाएं
5	श्री अमित गुप्ता	सह-संस्थापक और सीईओ	युलु और इनमोबिक	भावि राइड-शेयरिंग और एमबीए के बाद करियर के अवसरों पर एक उद्यमी का दृष्टिकोण

परिशिष्ट जारी

ग

क्रमांक	वक्ता का नाम	पदनाम	कंपनी	विषय
6	श्री स्वप्निल पवार	संस्थापक	एएसक्यूआई	निवेश प्रबंधन और क्रेडिट बाजार में टेक की भूमिका
7	डॉ.अनांद देशपांडे	संस्थापक और सीईओ	परसिस्टंट	डिजिटल परिवर्तनद्वारा उद्योगों, चुनौतियों और आगे के रास्ते को नया
8	श्री संजय मुरदेशवर	उपाध्यक्ष/ प्रबंध निदेशक	नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड	चुनौतीपूर्ण समय और स्वास्थ्य सेवा उद्योग पर महामारी के प्रभाव के माध्यम से नेविगेट करना
9	श्री महेश बुलचंदानी	सीईओ और निदेशक	फिनआईक्यू यूरोप	धन/ संपत्ति प्रबंधन का पुन: आरंभ
10	श्री शंकर कृष्णन	ग्रुप हेड- रणनीति और आईटी	शपूरजी पलोंजी ग्रुप	वैश्विक विविध संगठन के रणनीति निर्माण
11	श्री लक्ष्मण नरसिंहन	सीईओ	रेकिट बेंकिजर	"व्यापार के लिए नया सामान्य, अनिश्चितता की लहरों की सवारी"
12	श्री सलिल गुप्ते	अध्यक्ष	बोइंग इंडिया	एरोस्पेस उद्योग में संकट का प्रबंधन
13	श्री जयेश रंजन	आइएएस	तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव	वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिए नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण
14	श्री आशुतोष सिन्हा	ग्रुप हेड- एचआर एंड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस	लेंडमार्क ग्रुप	करियर के विकल्प नेविगेट करना और मील का पत्थर बनाना
15	डॉ. प्रवीर सिन्हा	सीईओ और प्रबंध निदेशक	टाटा पावर कंपनी लिमिटेड	विद्युत क्षेत्र में हो रही प्रमुख चुनौतियाँ और परिवर्तन
16	श्री साहिल बरुआ	सहसंस्थापक और सीईओ	दिल्लीवरी	ईकॉमर्स रसद
17	श्री हर्षा भोगले	क्रिकेट कमेंटेटर और पत्रकार		हर्षा भोगले के साथ बातचीत

घ

प्रबंधन में ईस्नातकोत्तर कार्यक्रम

घ : ईपीजीपी 2019-21 और 2020-22 में छात्र

क्रमांक	विवरण	2020-22 बैच	2019-21 बैच
1	कुल पंजीकरण	3604	2508
2	जमा किए गये आवेदनों की कुल संख्या	375	243
3	आईएटी में भाग लेने वाले उम्मीदवार की संख्या	286	104
4	लघुसूचीबध्ध किए जानेवाले और साक्षात्कार के लिए बुलाये गए उम्मीदवारों की संख्या	209	153
5	साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए उम्मीदवारों की संख्या	187	134
6	प्रस्तावित प्रवेशों की कुल संख्या	130	109
7	प्रतीक्षा सूची में उम्मीदवारों की कुल संख्या	9	--
8	प्रतीक्षा सूची में दिए गए प्रवेशों की कुल संख्या	9	--
9	शामिल हुए उम्मीदवारों की कुल संख्या	69	68
10	पिछले साल की मोहलत – शामिल हुए उम्मीदवार	2	1

ईपीजीपी प्रथम वर्ष अनिवार्य पाठ्यक्रम

सत्र 1
आईआईएए में सीखने की विधि का परिचय
संगठनात्मक व्यवहार को समझना
प्रबंधकीय कंप्यूटिंग
वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण
वित्तीय बाजार
संभाव्यता और सांख्यिकी I
संचालन प्रबंधन I
विपणन प्रबंधन I
मानव संसाधन प्रबंधन I
प्रबंधकीय संचार I
सूक्ष्म अर्थशास्त्र
व्यवसाय के कानूनी पहलू
रणनीतिक प्रबंधन
कॉर्पोरेट स्थिरता

सत्र 2
संगठनात्मक व्यवहार 2

सत्र 2
सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यवसायों को बदलना
कंपनी वित्त
लागत और नियंत्रण प्रणाली
संभाव्यता और सांख्यिकी II
मात्रात्मक तकनीक (निर्णय निर्धारण)
संचालन प्रबंधन II
विपणन प्रबंधन II
मानव संसाधन प्रबंधन II
प्रबंधकीय संचार II
बृहद अर्थशास्त्र
कॉर्पोरेट स्थिरता
कॉर्पोरेट स्थिरता
व्यक्तिगत परियोजना

परिशिष्ट जारी

घ

दूसरे वर्ष में प्रस्तुत ऐच्छिक विषयों की सूची

सत्र 3
ग्रामीण विपणन
कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का संचार
खेल सिध्द्धांत
अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार
अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार
निगम शासन प्रणाली
वित्तीय वक्तव्य विश्लेषण
वित्तीय वक्तव्य विश्लेषण
व्यापार बदलाव और संगठनात्मक परिवर्तन
परियोजनाओं में मानव पूंजी का प्रबंधन
इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ
सोशल मीडिया में दोहन
ब्रांड प्रबंधन
ब्रांड प्रबंधन
डिजिटल विपणन
खुदरा व्यापार का प्रबंधन
बिक्री के लिए नहीं : प्रचार का मनोविज्ञान
मार्केटिंग डेटा विश्लेषिकी में संगोष्ठी
व्यापारिक विश्लेषण
व्यापारिक विश्लेषण
धीमी और तीव्र : प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
सेवा प्रणालियों के परिचालन प्रदर्शन का प्रबंधन
राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
प्रबंध परिवहन: व्यापार मॉडल और नीति प्रपत्र
शैक्षिक नवाचार और उद्यम
व्यापार लापरवाही, देयता एवं कानून
उद्यमशीलता एवं रचनात्मकता
नेतृत्व: दृष्टि, अर्थ और वास्तविकता
प्रबंधन में रहस्य
प्रौद्योगिकी और नवाचार का सामरिक प्रबंधन

सत्र 4
तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज
बृहद डेटा: संभावनाएँ और चिंताएँ
व्यापार, सरकार और मैक्रो नीति
तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज
काम का भविष्य एवं इसका विपणन
व्यवहार वित्त
कंपनियों का मूल्य निर्धारण – समूहन एवं वर्णन
व्यापार और समाज
बेहतर काम, बेहतर कार्यस्थल और बेहतर दुनिया
भगवद गीता को समझना: प्रबंधकों की दुविधाएँ
सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
ऑनलाइन नेटवर्क की संरचना और अर्थशास्त्र
नेटवर्क अर्थव्यवस्था: संरचनात्मक सिद्धांत और अनुप्रयोग
ग्राहक संबंध प्रबंधन
मूल्य निर्धारण
प्रचार रणनीति
बिक्री के लिए नहीं: प्रचार का मनोविज्ञान
प्रबंधकीय निर्णयों के लिए उन्नत गणितीय मॉडलिंग
गुणवत्ता और जोखिम प्रबंधन
व्यापार और नीति निर्णय के लिए प्रयोग
परिवहन अवसंरचना नीति प्रथा

ईपीजीपी द्वितीय वर्ष का मुख्य पाठ्यक्रम (सत्र – 4)

पाठ्यक्रम का नाम
नैतिकता पर पाठ्यक्रम
कैपस्टोन : व्यापार सिमुलेशन
खेल समूह परियोजना

परिशिष्ट जारी

घ

छात्रों का बैच वार प्रोफाइल

बैच	2017-19	2018-20	2019-21	2020-22
आवेदकों की संख्या	227	193	243	375
साक्षात्कार के लिए बुलाये गे उम्मीदवारों की संख्या	142	118	153	209
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	117	109	134	187
प्रवेश प्रस्ताव पानेवाले उम्मीदवारों की संख्या	66	78	109	139
प्रवेश प्रस्ताव स्वीकार करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	53	65	86	101
शामिल होने वालों की संख्या	49	62	69	71
बी.ई, बी. टेक.	39	44	48	63
बीएससी	2	7	1	2
बीकॉम, बीए	3	6	13	4
बीबी / बीसीए	0	5	3	2
बी.फार्म / बी.आर्च	3	0	2	0
एमबीबीएस	2	0	2	0
कुल	**49**	**62**	**69**	**71**

ङ

उन्नत व्यापार विश्लेषण में ईस्नातकोत्तर डिप्लोमा (ईएपीजीडी–एबीए)

ङ1 इपीजीडी–एबीए 2020-21 के छात्र

छात्रों की संख्या	36
औसत कार्य अनुभव	7 वर्ष और 2 महिना
31 मार्च,2020 को औसत आयु	29 वर्ष और 9 महिना
महिला छात्रों की संख्या	8

उद्योग विवरण	संख्या	कार्यात्मक विवरण	संख्या
आईटी और आईटीईएस	6	परामर्श	7
आईटी उत्पाद	4	इंजीनियरिंग और रखरखाव	3
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा	5	आईटी आधारित संचालन	3
परामर्श	4	आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	3
फार्मा / बायो टेक / स्वास्थ्य	4	प्रोग्रामिंग	3
विनिर्माण / इंजीनियरिंग	3	संचालन	2
शिपिंग / यातायात / रसद	3	आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	2
अकादमिक एवं शिक्षा	1	बिक्री और विपणन	2
एयरोस्पेस और विमानन	1	ग्राहक खाता प्रबंधन	1
कृषि	1	ईआरपी पेशेवर	1
ऊर्जा और उपयोगिताएँ	1	ज्ञान कार्यकर्ता (बीपीओ / केपीओ)	1
कानूनी सेवाएँ	1	गैर-आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	1
दूरसंचार	1	गैर-आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	1
अन्य	1	सॉफ्टवेयर की रखरखाव	1
कुल	**36**	अन्य	5
		कुल	**36**

ङ2 वक्ता श्रृंखला

वक्ता का नाम	पदनाम	कंपनी	विषय
श्री धीरज अवस्थी	वैश्लेषिकी एवं नवप्रवर्तन के वैश्विक प्रमुख	एचएसबीसी	वैश्लेषिकी की चुनौतियाँ और अवसर
श्री पृथ्वीराज रॉय	मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सहसंस्थापक	ब्रिजआई2आई विश्लेषिकी सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड	बिंदुओं को जोड़ना- विश्लेषिकी, एआई और डिजिटल
डॉ. शांतनु भट्टाचार्य	ईवीपी और मुख्य डेटा वैज्ञानिक	एयरटेल	"इंडिया क्लास" डेटा समस्याओं का समाधान

परिशिष्ट जारी

ङ

वक्ता का नाम	पदनाम	कंपनी	विषय
श्री दीप नारायण मुखर्जी	एसोसिएट डाइरेक्टर, डेटा साइंस	बोस्टन काउन्सलिंग ग्रुप	मॉडल डिजाइन : जोखिम विश्लेषिकी के उदाहरणों के साथ व्यावसायिक विशालेशन के पहलू
श्री यशवंत कुमार	विश्लेषिकी और अंतर्दृष्टि के प्रमुख	टाइटन कंपनी लिमिटेड	विश्लेषिकी आरओआई : डेटा और विश्लेषिकी के मूल्य को मापना
श्री सुलभ जैन	कार्यकारी निदेशक r	प्रभाव विश्लेषिकी	भाविसूचक विश्लेषिकी आधारित प्रचार योजना और खुदरा के लिए माप
श्री.स्वदीप सिंह	एसोसिएट डाइरेक्टर, डेटा साइंस	यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप	विश्लेषणात्मक समस्या निरूपण
प्रोफेसर गलित श्मुएली	प्रतिष्ठित प्रोफेसर और निदेशक	नेशनल त्सिंग हुआ विश्वविद्यालय (एनटीएचयू), ताइवान	" सुधार "व्यवहार संशोधन का उपयोग कर मानव व्यवहार की भविष्यवाणी"
श्री पंकज राय	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	वेल्स फारगो	विश्लेषिकी में करियर
श्री. अभिषेक त्रिपाठी	वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एआई के प्रमुख	पारफिओस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड	फिनटेक के लिए एआई पर एक व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य
श्री. शांतन कंडुला	डॉक्टरेट उम्मीदवार, सूचना प्रणाली क्षेत्र	आईआईएम अहमदाबाद	कुशल ई-कॉमर्स ऑर्डर डिलिवरी के लिए एक प्रिस्क्रिप्टिव विश्लेषिकी फ्रेमवर्क
श्री. दीपायन चक्रवर्ती	विश्लेषिकी और अंतर्दृष्टि के प्रमुख	मायन्त्रा	ई- कॉमर्स मेन एआई के अनुप्रयोग
श्री रामकुमार नारायणन	वीपी प्रौद्योगिकी और प्रबंध निदेशक	वीएमवेयर, इंडिया	डेटा – संचालित उत्पाद प्रबंधन
सुश्री, उज्जायिनी मित्रा	मुख्य डेटा अधिकारी	ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड	सामग्री निर्णय लेने में एआई और तंत्रिका विज्ञान का उपयोग

कार्यशालाएँ

वक्ता/कंपनी	विषय
फ्रैक्टल विश्लेषिकी	उपभोक्ता एवं आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषिकी
प्रोफेसर दीप्तेश घोष आईआईएमए के संकाय	नेटवर्क अनुकूलन

च

प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम

च1 स्नातक होने वाले डॉक्टरेट छात्र

क्रमांक	नाम	विषय-क्षेत्र	शोध-प्रबंध शीर्षक	शोध-प्रबंध परामर्शन समिति के सदस्य
1	अर्पिता पांडे	विपणन	अच्छे कारण के लिए सभी : उपभोक्ता ऑनलाइन निर्णय यात्रा में कारण विपणन विज्ञापनों का अभ्यास	प्रोफ़ेसर संजय वर्मा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अभिषेक प्रोफ़ेसर राजीव बत्रा प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा
2	अविजित बंसल	वित्त एवं लेखा	व्यवहार वित्त पर निबंध	प्रोफ़ेसर जोशी जैकब (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अजय पांडेय प्रोफ़ेसर अभिमान दस
3	आयुषी टंडन	सूचना प्रणाली	प्रसूति और स्त्री रोग परामर्श में इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड्स के उपयोग में बदलाव, : सामाजिक सांस्कृतिक पहलुओं की भूमिका	प्रोफेसर स्वानंद देवधर (सह-अध्यक्ष) प्रोफेसर जॉर्ज कंडाथिल (सह-अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर नवदीप माथुर
4	जोएल मारिया जेवियर	आईएमई	ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल में विकासात्मक रूप से प्रभावी अनुभव और छात्रों के स्व-लेखन में उनकी भूमिका	प्रोफ़ेसर प्रोफ़ेसर विजया शेरी चंद (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर नेहरिका वोहरा प्रोफेसर राजीव शर्मा
5	केतन सतीश देशमुख	आईएमई	आत्म-प्रभावकारिता विश्वासों और कक्षा अभ्यास सिखाने पर एक वेब – आधारित शिक्षकों के व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों के प्रभावों का निर्धारण	प्रोफ़ेसर प्रोफ़ेसर विजया शेरी चंद (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर कथन शुक्ला प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा
6	मुनीब उल लतीफ बंदे	संगठनात्मक व्यवहार	शासी विषय: भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में रोजगार संबंधों की जांच	प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा (अध्यक्ष) प्रोफेसर परविंदर गुप्ता प्रोफेसर प्रेमिला डी'क्रूज़ो
7	प्रांतिका राय	मानव संसाधन प्रबंधन	अंतर्राष्ट्रीय असाइनमेंट सफलता की खोज में: सांस्कृतिक खुफिया की भूमिका	प्रोफेसर सुनील महेश्वरी (अध्यक्ष) प्रोफेसर बीजू वर्ककी प्रोफेसर राजेश चांदवानी प्रोफेसर अमित कर्णा
8	राजेश्वरी चेन्नांगोडु	संगठनात्मक व्यवहार	बाहर भोजन करना: भोजन-स्थानों को व्यवस्थित करना और कार्य करने के 'नए' रूप	प्रोफेसर जॉर्ज कंधाथिल (सह-अध्यक्ष) प्रोफेसर नवदीप माथुर (सह-अध्यक्ष) प्रोफेसर के वी गोपाकुमार
9	रिचा तिवारी	उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके तथा रणनीति	प्रतिस्पर्धी हब स्थान समस्या	प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल (सहअध्यक्ष) प्रोफ़ेसर नवनीत विध्यार्थी

परिशिष्ट जारी

च

क्रमांक	नाम	विषय-क्षेत्र	शोध-प्रबंध शीर्षक	शोध-प्रबंध परामर्शन समिति के सदस्य
10	सैकत बनर्जी	STR	सीईओ विशेषताओं के लेंस से उद्यमी अभिविन्यास की जांच	प्रोफ़ेसर अमित कर्णा (अध्यक्ष). प्रोफ़ेसर सुनील शर्मा प्रोफ़ेसर विशाल के गुप्ता
11	सैकत चक्रवर्ती	संगठनात्मक व्यवहार,	अनिश्चितता के संदर्भ में गरिमा को फिर से परिभाषित करना : भारतीय सुरक्षा गार्डों का अपने क्लाइंट्स आपूर्तिकर्ताओं और यूनियनों के साथ इंटरफेस	प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा अध्यक्ष) प्रोफेसर प्रेमिला डी'क्रूज़ो
12	सनीश एडचेरियन	STR	सामरिक नेतृत्व के कई स्तरों में विविधता पर तीन निबंध	प्रोफ़ेसर अमित कर्णा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर सुनील शर्मा पोरेसर क्लॉस उहलेनब्रुक
13	तन्वी मांकोडी	मानव संसाधन प्रबंधन	कार्यसाथल की अक्षमता पूर्ववृत्त और परिणाम : मानव संसाधन व्यवहार पर प्रभाव	प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर राजेश चांदवानी प्रोफ़ेसर प्रोमिला अग्रवाल
14	वनिता सिंह	सार्वजनिक प्रणाली समूह	सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत सामरिक भाड़ीदारी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के निहितार्थ : भारतीय संदर्भ में फूंच में इक्विटी, स्वस्थय सेवाओं की मांग और देखभाल की गुणवत्ता का विश्लेषण	प्रोफ़ेसर अमित गर्ग (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अरनब के लाहा प्रोफ़ेसर दिलीप मावलंकार प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी
15	वेदान्त देव	संगठनात्मक व्यवहार,	कर्मचारी प्रेरणा, प्रदर्शन और कल्याण पर प्रदर्शन के लिए प्रदर्शन के लिए वेतन के प्रोत्साहन प्रभाव: आत्मनिर्णय आत्मनिरनु परिप्रेक्ष्य	प्रोफ़ेसर विशाल के गुप्ता प्रोफ़ेसर प्रद्युमना खोकले प्रोफ़ेसर के वी गोपाकुमार

च2 श्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार

1. प्रोफेसर तीर्थ गुप्ता स्मारक श्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार

नाम	शोध-प्रबंध शीर्षक	पुरस्कार राशि
सनिश एडचेरियन (एसटीआर विषय-क्षेत्र	सामरिक नेतृत्व के कई स्तरों में विविधता पर तीन निबंध	50,000/-
अविजित बंसल (वित्त एवं लेखा)	व्यवहार वित्त पर निबंध	25,000/-
अर्पिता पांडेय (विपणन क्षेत्र)	अच्छे कारण के लिए सभी : उपभोक्ता ऑनलाइन निर्णय यात्रा में कारण विपणन विज्ञापनों का अभ्यास	25,000/-

परिशिष्ट जारी

च

2. शोध–प्रबंध प्रस्ताव के लिए भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (आईएफसीआई) पुरस्कार

नाम	शोध –प्रबंध प्रस्ताव शीर्षक	पुरस्कार राशि (रूपये में)
शांतन कांडुला (सूचना प्रणाली क्षेत्र	ई--कॉमर्स में बेहतर निर्णय समर्थन के लिए मशीन लर्निंग पर निबंध	50,000/-
हरनाइन कौर (संगठानात्मक अरोड़ा (संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र)	काम पर व्हिसलब्लोइंग में अपराध के प्रक्षेपवक्र की खोज: वास्तविक व्हिसलब्लोअर के जीवंत अनुभव	25,000/-
अतिमा सिंह (आईएमई विषयक्षेत्र)	छात्रों के शैक्षणिक परिणामों, सीखने की प्रेरणा और भारत में जुड़ाव पर गेमीफाइड निर्देशात्मक अभ्यास के प्रभावों की जांच	25,000/-

3. प्रथम वर्ष में शैक्षिक प्रदर्शन के लिए चौधरी – पद्मनाभन – पंत पुरस्कार

नाम	पुरस्कार राशि
अक्षय ज्योतिराम अय्यर (विपणन विषयक्षेत्र)	30,000/-

च3 सम्मेलनों/ पीएच. डी. वार्तालाप / कंसोर्टियम में छात्रों की भागीदारी / पेपर प्रकाशन

सम्मेलन	
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	15
स्थानीय सम्मेलन	6
कुल सम्मेलन	21
कुल छात्रों ने भाग लिया	23
पीएच.डी. वार्तालाप / कंसोर्टियम	
कुल पीएच.डी. वार्तालाप	1
कुल छात्रों ने भाग लिया	1
पेपर प्रकाशन	
कुल पेपर प्रकाशित	14 (ए*-2, ए-2, बी - 5, सी – 4, अन्य-1)
शामिल छात्रों की कुल संख्या	12

स्नातकोत्तर एवं फेलो कार्यक्रम : छात्र संख्या
(आवासीय कार्यक्रम)

	प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	खाद्य और कृषि- व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम	कुल
2011-12	747	78	101	73	999
2012-13	753	78	85	84	1000
2013-14	756	87	85	80	1008
2014-15	773	82	85	75	1015
2015-16	790	92	85	80	1047
2016-17	790	92	90	85	1057
2017-18	788	91	115	95	1089
2018-19	792	91	137	110	1130
2019-20	785	91	140	109	1125
2020-21	**774**	**93**	**140**	**117**	**1124**

ज

स्थानन

1. पीजीपी

नए नियुक्तिकर्ता

एडोब	इसती एड्वाइजर्स	इंडस इनसाइट एंड एनालिटिकल सर्विसीज प्राइवेट लिमिटेड	मोएलिस	पावर फायनान्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड
एनालिसिस मेसन	एवरसना	इंडेक्स कैपिटल	नवी	पुमा
एंजल बुकिंग	फाइव होल्डिंग	इंटेल	एनआईआईएफ	क्यूआई लाइफकेर
आर्थर द लिटल	गाजा कैपिटल	इंटुएरी काउन्सलिंग कोइस इन्वेस्ट	नियो	सियर्स
अरविंद इन्टरनेट	गोदरेज फंड मैनेजमेंट	केप्लर केनान कोइस इन्वेस्ट	वंशील्डइंडिया प्राइवेट लिमिटेड	स्वेट इक्विटी पार्टनर्स
भारती एंटरप्राइज़	गोदरेज प्रॉपर्टीज़ लिमिटेड	लाइफ़साइट	ओप्टम यूनाइटेड हेल्थ ग्रुप	टाइटन कंपनी लिमिटेड
ब्रूकफील्ड	आईबीएम इंडिया	मवारिक डेरिवेटिव्स	ओरेकल	अनेकेदमी
कैपिटल वन	इंडियन पोलिटिकल एक्शन कमिटी	मेरिलटिक्स	पेसिफिका ग्रुप	व्हाइट ओक

बैच प्रोफ़ाइल

शैक्षिक पृष्ठभूमि	
कार्य	**छात्रों का प्रतिशत**
इंजीनियरिंग	75
कला	3
वाणिज्य और व्यवसाय प्रशासन	18
अन्य	4
कार्यानुभव	
अवधि	**छात्रों का प्रतिशत**
नए	31
0- 1 वर्ष	13
1- 2 वर्ष	33
2- 3 वर्ष	18
3 से अधिक वर्ष	5

प्रस्ताव स्वीकृति

समूह	**स्वीकृति**
समूह 1	126
समूह 2	28
समूह 3	45
पीपीओ	115
पार्श्विक	62
कुल	**376**

परिशिष्ट जारी

ज

क्षेत्र / कार्य वार स्थानन

क्षेत्र	अंतिम प्रस्ताव	प्रतिशत
व्यापार विकास	12	3.19%
परामर्श	176	46.81%
वित्त	67	17.82%
सामान्य प्रबंधन	16	4.26%
विपणन	44	11.70%
उत्पाद / श्रेणी प्रबंधन	53	14.10%
सिस्टम्स / आईटी	8	2.13%
कुल	**376**	**100%**

क्षेत्रों के अनुसार प्रस्तावों का सचित्र प्रतिनिधित्व

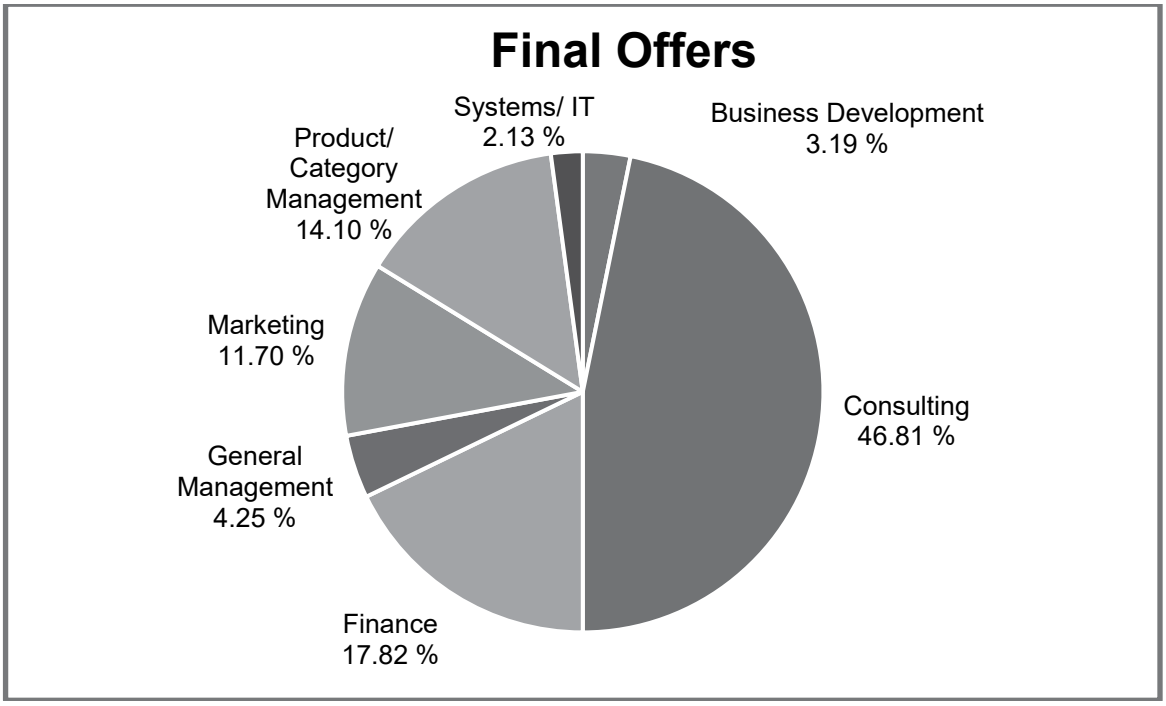

परिशिष्ट जारी

ज

क्षेत्र / कार्यवार पिछले तीन वर्षों के स्थानन के रुझान

क्रमांक	क्षेत्र	2019		2020		2021	
		संख्या	कुल का प्रतिशत	संख्या	कुल का प्रतिशत	संख्या	कुल का प्रतिशत
1	बिक्री / विपणन	43	11.08	59	15.21	44	11.70
2	वित्त	52	13.40	54	13.92	67	17.82
3	सिस्टम आईटी/उत्पाद प्रबंधन/श्रेणी प्रबंधन	64	16.49	52	13.40	61	16.23
4	संचालन	11	2.85	3	0.77	0	0.00
5	परामर्श	137	35.31	155	39.95	176	46.81
6	व्यापार विकास	17	4.38	3	0.77	12	3.19
7	सामान्य प्रबंधन	52	13.40	42	10.83	16	4.25
8	अन्य	12	3.09	20	5.15	0	0.00
कुल		**388**	**100**	**388**	**100**	**376**	**100**

नोट: यहाँ प्रस्तुत आँकड़ों की लेखा परीक्षा वर्ष 2019 और 2020 के लिए की गई है और वर्ष 2021 के आँकड़े अधूरे हैं, जो लेखापरीक्षा के बाद थोड़े भिन्न हो सकते हैं।

कार्य अनुसार शीर्ष भर्तीकर्ता

क्रमांक	क्षेत्र	भर्तीकर्ता	भर्ती किए गए	कुल स्वीकृति का प्रतिशत (376)
1	परामर्श	मैकिन्से एंड कंपनी	30	7.98
		बोस्टन परामर्श समूह	29	7.71
		बैन एंड कंपनी	22	5.85
		एक्सेंचर	19	5.05
		टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज	14	3.72
		ए.टी. केअर्नी	7	1.86
2	वित्त	फिनआईक्यू	7	1.86
		नोमुरा	6	1.60
		एवेंडस	5	1.33
3	सामान्य प्रबंधन	टीएएस	7	1.86
		सीके बिरला ग्रुप	3	0.80
4	विपणन	हिंदुस्तान यूनिलीवर	5	1.33
		सैमसंग	3	0.80
5	उत्पाद / श्रेणी प्रबंधन	अमेजॉन	12	3.19
		माइक्रोसॉफ्ट	10	2.66
		पेटीम	10	2.66
6	व्यापार विकास	वेदान्ता	4	1.06
7	सिस्टम / आईटी	ओला	5	1.33

उद्यमिता

क्रमांक	छात्र का नाम	स्टार्ट अप्स का नाम या व्यवसाय योजना का शीर्षक	स्टार्ट अप्स की वेबसाइट (यदि कोई हो)	स्टार्ट अप्स का प्रासंगिक क्षेत्र
1	अभिषेक सेठी	ग्रैडकैपिटल	https://www.gradcapital.in/	वेंचर कैपिटल एवं प्राइवेट इक्विटी
2	हार्दिक शेठ	इल्युमिनेट	पंजीकृत होना बाकी	डिजिटल आउट-ऑफ़-होम मीडिया

परिशिष्ट जारी

ज

ग्रीष्मकालीन स्थानन का क्षेत्र अनुसार वितरण

क्रमांक	क्षेत्र	स्थानन की संख्या
1	बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफ़एसआई)	76
2	कंपनियों के संगठन	21
3	परामर्श	105
4	उपभोक्ता सामान (एफ़एमसीजी)	59
5	उपभोक्ता सेवा	7
6	अभियांत्रिकी / प्रौद्योगिकी	19
7	पर्यावरण एवं ऊर्जा	4
8	खाद्य प्रसंस्करण	5
9	सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	25
10	विनिर्माण	5
11	मीडिया / संचार	4
12	ऑनलाइन सेवाएं	16
13	अन्य (ई-कॉमर्स)	2
14	अन्य (ऑटोमोबाइल)	1
15	अन्य (शिक्षा प्रौद्योगिकी)	10
16	अन्य (पीएसयू)	1
17	अन्य (खुदरा बी2बी / बी2सी	6
18	अन्य (सुरक्षा निर्माण)	1
19	अन्य (सामाजिक संगठन)	2
20	फार्मास्युटिकल / हेल्थकेयर	12
21	दूरसंचार	6
	कुल	**387**

2. पीजीपी-एफ़एबीएम

स्थानन पूल का वर्गीकरण

कुल पीजीपी-एफएबीएम बैच का आकार	46
स्थानन के लिए पात्र छात्रों की कुल संख्या	46
संस्थान के माध्यम से स्थानन की माँग नहीं करने वाले छात्रों की संख्या	**2**
स्थानन के माध्यम से नियुक्ति पाने वाले छात्रों की संख्या	44
प्रस्ताव प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	44

विभिन्न क्षेत्रों में प्रस्ताव

क्षेत्र	छात्रों की संख्या	प्रतिशत
कृषि इनपुट्स	9	20
बीएफएसआई	4	9
कंपनियों के संगठन	1	2
परामर्श	6	14
उपभोक्ता सामान (एफ़एमसीजी)	6	14
अभियांत्रिकी / प्रौद्योगिकी	3	7
खाद्य प्रसंस्करण	4	9
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	1	2
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	1	2
रसद	4	9
ऑनलाइन सेवाएँ	3	7
फार्मास्युटिकल / हेल्थकेयर	2	5
कुल योग	44	100

परिशिष्ट जारी

ज

प्रस्तावों का सचित्र प्रतिनिधित्व

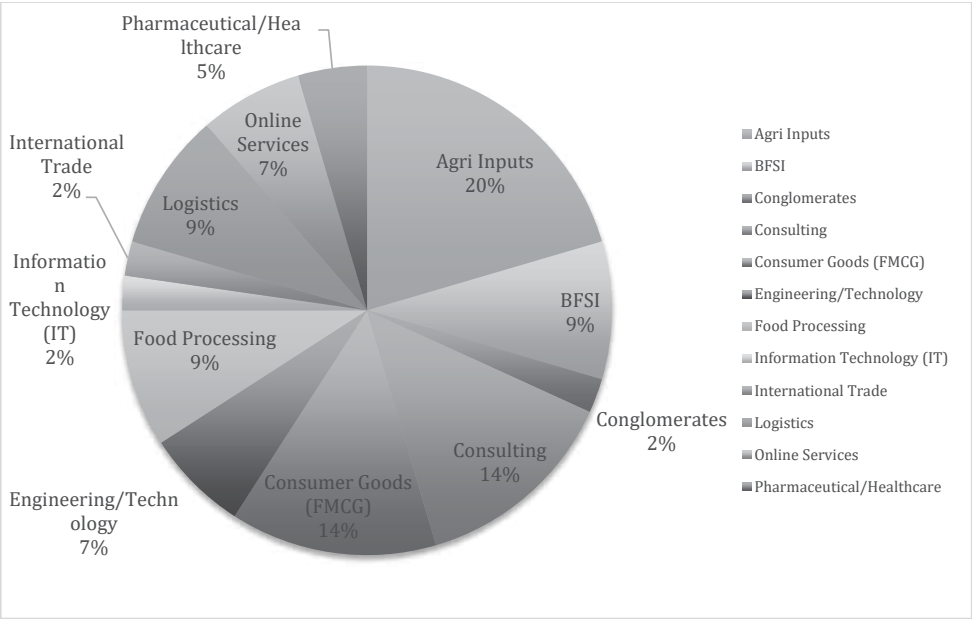

स्थानन के लिए नई कंपनियाँ

इफको	महिंद्रा लॉजिस्टिक्स	इंटेलो लैब्स
इफको टोकियो	कंट्री डीलाइट	ओलम
इफको किसान	जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड	वज़ीर एडवाइज़र्स
ग्रांट थॉर्नटन	एफएमसी	

ग्रीष्मकालीन स्थानन पूल

श्रेणियाँ	संख्या
1. कुल बैच संख्या	47
1क. ग्रीष्मकालीन स्थानन में बैठने के लिए योग्य कुल छात्र	47
1ख. ग्रीष्मकालीन स्थानन में बैठने के लिए अयोग्य कुल छात्र	0
2. संस्थान के माध्यम से इंटर्नशिप की मांग करने वाले छात्र	47
3. संस्थान की स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से इंटर्नशिप की माँग नहीं करने वाले छात्र	0
3क. उद्यमिता मेले के माध्यम से इंटर्नशिप की माँग करने वाले छात्र	0
3ख. उद्यमिता विकल्पों को आज़माने के लिए चयन करने वाले छात्र	0
3ग. अन्य स्रोतों के माध्यम से ऑफ-कैंपस इंटर्नशिप की माँग करने वाले छात्र	0

परिशिष्ट जारी

ज

ग्रीष्मकालीन स्थानन का क्षेत्रवार वितरण

क्षेत्र	प्रस्तावों की संख्या
कृषि इनपुट	16
बीएफ़एसआई	1
रसद	1
एफ़एमसीजी	10
खाद्य प्रसंस्करण	10
परामर्श	2

क्षेत्र	प्रस्तावों की संख्या
अभियांत्रिकी / प्रौद्योगिकी	3
विनिर्माण	1
पर्यावरण एवं ऊर्जा	2
अन्य*	1
कुल योग	**47**

* अन्य में खुदरा बी2बी एवं बी2सी से एक शामिल है।

3. पीजीपीएक्स

स्थानन पूल

छात्रों की कुल संख्या	**140**
छात्रों ने स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम प्रस्ताव प्राप्त किया	**113**
छात्र स्वयं द्वारा ही नियुक्ति चाहते हैं (स्थानन प्रक्रिया के बाहर)	**20**
छात्रों ने स्वयं का उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन अवकाश का विकल्प चुना	**0**
स्व-रोजगार	**0**
सीआईआईई - मेवरिक फैलोशिप	**1**
जो छात्र अपने पिछले नियोक्ता के पास वापस गए	**0**
जिन छात्रों की स्थानन प्रक्रिया जारी है (28 जून, 2021 के अनुसार)	**6**

4. पीएच.डी.

अकादमिक और कॉरपोरेट स्थानन

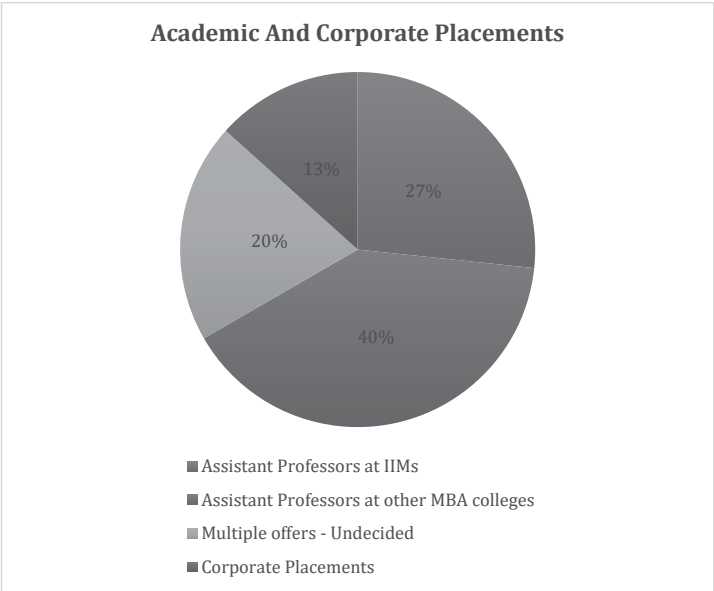

अ

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

प्रतिभागियों का विभाजन

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
		सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	1	0	0	25	25
नए कार्यक्रम	4	8	80	13	101
नियमित/दोहराए कार्यक्रम	29	130	621	132	883
कुल	**34**	**138**	**701**	**170**	**1009**

सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
18वाँ सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम - दुबई दिसंबर 2020 - मई 2021	0	0	25	25
कुल	**0**	**0**	**25**	**25**

प्रस्तुत किए गए नए कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके				
व्यवसाय के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (ऑनलाइन) 5-30 सितंबर, 2020	0	31	4	35
सार्वजनिक प्रणाली समूह				
व्यावसायिक निर्णयों के लिए प्रयोग (ऑनलाइन) 21 नवंबर- 13 दिसंबर, 2020	1	24	3	28
स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र				
कोविड पश्चात् भारत में स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन (ऑनलाइन) 21 नवंबर, 2020 - 02 जनवरी, 2021	5	9	4	18
विपणन				
मार्केटिंग विलासिता: नए व्यापारिक विश्व की जटिलताओं को समझना (ऑनलाइन) 9 जनवरी- 7 फरवरी, 2021	2	16	2	20
कुल	**6**	**64**	**11**	**81**

परिशिष्ट जारी

झ

नियमित / दोहराए गए कार्यक्रमों की पेशकश

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यापार नीति				
विकास रणनीतियाँ (ऑनलाइन) 15 जुलाई - 14 अगस्त, 2020	3	19	5	27
युवा उद्यमी कार्यक्रम - मॉड्यूल I 1-27 दिसंबर, 2020 2-28 फरवरी, 2021	0	23	4	27
रणनीति कार्यान्वयन (ऑनलाइन) 15-30 जनवरी, 2021	4	35	1	40
अनुबंध प्रबंधन (ऑनलाइन) 23 जनवरी- 21 फरवरी, 2021	4	19	2	25
21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व (ऑनलाइन) 27 फरवरी- 21 मार्च, 2021	6	16	2	24
संचार				
कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा संचार (ऑनलाइन) 2-24 जनवरी, 2021	4	17	1	22
वित्त एवं लेखा				
व्यापार का वित्तीय विश्लेषण (ऑनलाइन) 3-18 अक्टूबर, 2020	1	57	15	73
अनुभवी चार्टर्ड एकाउंटेंटों के लिए प्रबंधन और वित्त (ऑनलाइन) 19 दिसंबर, 2020 - 31 मार्च, 2021	0	39	8	47
सामरिक व्यावसायिक निर्णयों के लिए वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल विकसित करना (ऑनलाइन) 15 जनवरी- 14 फरवरी, 2021	17	3	5	25
विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन (ऑनलाइन) 23 जनवरी- 20 फरवरी, 2021	2	31	12	45
सामरिक लागत प्रबंधन (ऑनलाइन) 13 फरवरी- 13 मार्च, 2021	7	10	3	20
सूचना प्रणालियाँ				
डेटा-संचालित संगठन प्रभावी डेटा विज़ुअलाइज़ेशन (ऑनलाइन) 6-28 फरवरी, 2021	13	11	6	30

परिशिष्ट जारी

झ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
विपणन				
लाभ मूल्य निर्धारण (ऑनलाइन) 3 अक्टूबर- 12 नवंबर, 2020	0	25	5	30
फिनटेक: बिजनेस मॉडल, मार्केटिंग, रणनीति और रणनीति (ऑनलाइन) 21 नवंबर- 20 दिसंबर, 2020	6	23	3	32
अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कारोबार का प्रबंधन (ऑनलाइन) 1-22 फरवरी, 2021	2	15	2	19
संगठनात्मक व्यवहार				
नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन (ऑनलाइन) 3-26 अगस्त, 2020	2	23	6	31
व्यवसायी महिलाओं में नेतृत्व क्षमता और संभावना बढ़ाना (ऑनलाइन) 7-23 सितंबर, 2020	4	39	4	47
पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण (ऑनलाइन) 22 जनवरी- 13 फरवरी, 2021	12	16	2	30
मानव संसाधन प्रबंधन				
मानव संसाधन एनालिटिक्स (ऑनलाइन) 12-27 दिसंबर, 2020	4	23	3	30
मानव संसाधन ऑडिटिंग-रणनीतिक एचआरएम जमीन तैयार करना (ऑनलाइन) 13 - 21 मार्च, 2021	6	10	2	18
उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके				
विनिर्माण रणनीति (ऑनलाइन) 6-14 अगस्त, 2020	0	25	2	27
परियोजना प्रबंधन (ऑनलाइन) 4-20 सितंबर, 2020	6	29	3	38
गोदाम डिजाइन और प्रबंधन (ऑनलाइन) 21 सितंबर - 12 अक्टूबर, 2020	14	21	6	41
रेस्तरां डिजाइन और प्रबंधन (ऑनलाइन) 21 दिसंबर, 2020 - 13 जनवरी, 2021	0	14	5	19
रसद प्रबंधन (ऑनलाइन) 8-17 जनवरी, 2021	2	2	17	21

परिशिष्ट जारी

झ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (ऑनलाइन) 31 जनवरी- 27 फरवरी, 2021	5	19	4	28
व्यवसाय के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (ऑनलाइन) (दूसरी पेशकश) 3-26 मार्च, 2021	3	23	2	28
सार्वजनिक प्रणाली समूह				
बुद्धिमत्तापूर्ण परिवहन प्रणाली (ऑनलाइन) 5-14 फरवरी, 2021	3	11	2	16
रवि जे. मथाई शैक्षिक नवाचार केंद्र				
बदलते परिवेश में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व (ऑनलाइन) 6 फरवरी- 7 मार्च, 2021	0	23	0	23
कुल	**130**	**621**	**132**	**883**

प्रतिभागियों की संख्या

प्रतिभागियों की संख्या	
ओईपी	1,009
सीईपी	1,578
बीएलपी	1,282
कुल	3,869

अ

अनुसंधान एवं संगोष्ठियाँ

शुरू की गई परियोजनाएँ

परियोजना का शीर्षक	मुख्य जाँचकर्ता	परियोजना की श्रेणी
साझा खपत पर कमी के प्रभाव की खोज : प्राकृतिक आपदा का मामला	प्रोफेसर सुभदीप रॉय	एसआरपी
विषम उपभोक्ता की भविष्यवाणी करना और उसका अनुमान लगाना	प्रोफेसर अनुज कपूर	एसआरपी
कोविड-19 के आर्थिक प्रभाव को मापना	प्रोफेसर तरुण जैन	एसएमपी
अनौपचारिक क्षेत्र की महिलाओं पर लॉकडाउन का प्रभाव	प्रोफेसर पृथा देव	एसएमपी
कोविड-19 के बाद काम का भविष्य: भारत में एएलएमपी का दायरा	प्रोफेसर अजीत माथुर	एसएमपी
मशीन लर्निंग में हाइपरपैरामीटर ऑप्टिमाइज़ेशन के लिए एक द्विस्तरीय दृष्टिकोण	प्रोफेसर अंकुर सिन्हा	एसआरपी
टैंगो में दो की आवश्यकता होती है: व्यापार उदारीकरण और वित्तीय सुधारों, बाहरी वित्तीय निर्भरता और उभरती अर्थव्यवस्था फर्म की लाभप्रदता के बीच पूरकताएं	प्रोफेसर रजनीश राय	एसएमपी
विभिन्न जातियों में एचआईवी + एमएसएम रोगियों के मानसिक स्वास्थ्य परिणामों पर शारीरिक और मनो-सामाजिक विशेषताओं के प्रभाव की मात्रा निर्धारित करना: मल्टीसेंटर एड्स कोहोर्ट अध्ययन (चरण 2) से निष्कर्ष	प्रोफेसर धीमान भद्र	एसएमपी
जोखिम की धारणा और निवारक व्यवहार: कोविड-19 महामारी से नई अंतर्दृष्टि	प्रोफेसर राम मोहन तुरगा	एसआरपी
कोविड संकट का नारीवादी विश्लेषण	प्रोफेसर अंकुर सरीन	एसएमपी
कोविड-19 के दौरान सूचना और व्यवहार	प्रोफेसर जीवंत रामपाल	एसएमपी
अज्ञात का सामना करना: कोविड-19 महामारी से मुकाबला करना और कमजोर आबादी की भलाई पर इसका प्रभाव	प्रोफेसर वैभवी कुलकर्णी	एसएमपी
सोशल मीडिया पर कोविड-19 के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जानकारी चाहते हुए व्यवहार : ट्विटर से साक्ष्य	प्रोफेसर चिरंतन चटर्जी	एसएमपी
कार्यस्थल बदमाशी और रोबोटीकरण: एक साहित्य समीक्षा	अर्नेस्टो नोरोन्हा	एसआरपी
मुद्रास्फीति अपेक्षाओं की मॉडलिंग असहमति और मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं को अद्यतन करने की प्रक्रिया	प्रोफेसर तथागत बंद्योपाध्याय	एसआरपी
समलैंगिकों और समलैंगिकों के कार्यस्थल बदमाशी	प्रोफेसर प्रेमिला डी'क्रूज़ और अर्नेस्टो नोरोन्हा	एसआरपी
अंतर-शहरी आवासीय अचल संपत्ति मूल्य भिन्नता के निर्धारकों का विश्लेषण: कोलकाता महानगरीय क्षेत्र का एक केस अध्ययन	प्रोफेसर संदीप चक्रवर्ती	एसएमपी
कोविड-19 पश्चात रिकवरी : खुदरा स्टोर के लिए प्रभाव	प्रोफेसर अनुज कपूर	एसएमपी
कार्य संतुष्टि और धर्मार्थ दान	प्रोफेसर जीवंत रामपाल	एसएमपी

परिशिष्ट जारी

ञ

परियोजना का शीर्षक	मुख्य जाँचकर्ता	परियोजना की श्रेणी
पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव की जांच और मूल्यांकन	प्रोफेसर रजत शर्मा	एसएमपी
खुले डिजिटल नवाचारों का प्रबंधन: संगठनात्मक नेटवर्क और प्लेटफार्मों की भूमिका	प्रोफेसर पंकज सेतिया	एसएमपी
क्षेत्रीय व्यापार चक्र तादात्म्य: स्थानीय और वैश्विक आघातों की भूमिका	प्रोफेसर अनिंद्य एस. चक्रवर्ती	एसएमपी
संघर्ष खनिजों का आकलन और प्रबंधन	प्रोफेसर सौरव बोराह	एसएमपी
संगठनात्मक संरचना और उन्नत कृत्रिम बुद्धिमान प्रौद्योगिकियों का मूल्य	प्रोफेसर पंकज सेतिया	एसएमपी
भारत में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन प्लेसमेंट के लिए अध्ययन विश्लेषण, मुद्दे और मॉडल निर्माण	प्रोफेसर गौतम दत्ता	एसआरपी
भारतीय अर्थव्यवस्था की कानूनी प्रणाली का अध्ययन	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	एसआरपी
रचनात्मक भीड़स्रोत में प्रतिक्रिया का प्रावधान: फील्ड प्रयोग से साक्ष्य	प्रोफेसर स्वानंद देवधर	एसएमपी
जलवायु परिवर्तन कानून और मानव अधिकारों के साथ प्रतिच्छेदन: उत्तरी विश्व और दक्षिणी विश्व में एक तुलनात्मक मामला कानून विश्लेषण और न्यायिक दृष्टिकोण	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	एसआरपी
बंडलों को खोलना	प्रोफेसर ह्योकजिन क्वाक	एसआरपी
सोशल मीडिया के माध्यम से कथित मूल्य निष्पक्षता पर ब्रांड मानवरूपीकरण की भूमिका: भारत में बिग बास्केट से एक मामला	प्रोफेसर ह्योकजिन क्वाक	एसआरपी
लिंगवाद का सामना पहली पीढ़ी के उद्यमियों को कैसे प्रभावित करता है?	प्रोफेसर वैभवी कुलकर्णी	एसएमपी
सैन्य सेवा, स्कूल अलगाव और काले-गोरे का शैक्षिक अंतर	प्रोफेसर तरुण जैन	एलआरपी
महामारी जैसी आपदा स्थितियों के दौरान मानवीय कार्यों के प्रबंधन में ड्रोन की भूमिका की खोज करना	प्रोफेसर रजत शर्मा	एसएमपी
"असफल" के सामाजिक निर्माण के संबंध में स्नातक छात्रों के बीच शैक्षणिक निर्णय लेना	प्रोफेसर देवस्मिता चक्रवर्ती	एसएमपी
शहरी वंचितों की शैक्षिक लाभ पर कोविड-19 का प्रभाव: अहमदाबाद से साक्ष्य	प्रोफेसर अंबरीश डोंगरे	एसआरपी
प्रतिक्रियाशील शासन सूचकांक : डिजिटल फीडबैक लूप के जरिए जवाबदेही में सुधार	प्रोफेसर सम्राट गुप्ता	एसएमपी
अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता में भाषा की भूमिका	प्रोफेसर अनुराग के. अग्रवाल	एसएमपी
संकट के समय सोशल मीडिया में नेतृत्व	प्रोफेसर पंकज सेतिया	एलआरपी

परिशिष्ट जारी

अ

पूर्ण हुई परियोजनाएँ

परियोजना का शीर्षक	मुख्य जाँचकर्ता	परियोजना की श्रेणी
वास्तविक गतिविधियों में हेरफेर और गलत वर्गीकरण या समय के माध्यम से नकदी प्रवाह हेरफेर के बीच समझौता पर साक्ष्य	प्रोफेसर नीरव नागर	एसएमपी
पुलिस मुठभेड़ और राजनीति भय : संदेह नाटक और न्याय के दावों को कलंकित करना	प्रोफेसर रजनीश राय	एसएमपी
ग्रामीण सड़क संपर्क निवेश के आर्थिक प्रभाव: भारत की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का एक केस अध्ययन	प्रोफेसर संदीप चक्रवर्ती	एसएमपी
उपभोक्ता वाहनों के लिए ऐड-ऑन के रूप में वारंटी डिजाइन करना	प्रोफेसर अरुणा दिव्या टी.	एसएमपी
मानसिक और शारीरिक में नस्लीय भिन्नताओं का विश्लेषण स्वास्थ्य और एचआईवी + एमएसएम रोगियों की रोग प्रगति पर इसका प्रभाव: निष्कर्ष बहुकेंद्रीय एड्स समूह अध्ययन (एमएसीएस) से	प्रोफेसर धीमान भद्र	एसएमपी
भारत में ई-रिक्शा: भारत में विद्युतीकृत वाहनों के विकास में भूमिका	प्रोफेसर सरल मुखर्जी और अमित कर्ण	एसआरपी
कार्यस्थल बदमाशी और उम्र	प्रोफेसर प्रेमिला डी'क्रूज़ और अर्नेस्टो नोरोन्हा	एसआरपी
कार्यस्थल की तुलना में महत्वपूर्ण अन्य बदमाशी: एक साहित्य समीक्षा	प्रोफेसर प्रेमिला डी'क्रूज़	एसआरपी
उभरते बाजारों में रिवर्स इनोवेशन के समर्थकों की पहचान करना	प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल	एसआरपी
एक शाखा और कट आधारित सटीक समाधान फिक्स्ड चार्ज मल्टीकॉमोडिटी निर्देशित नेटवर्क डिजाइन के लिए विधि	प्रोफेसर सचिन जायसवाल	एसएमपी
पारिवारिक फर्मों में कॉर्पोरेट सामाजिक और वित्तीय प्रदर्शन: एक क्रॉस कंट्री तुलना	प्रोफेसर चित्रा सिंगला	एसआरपी
विश्वसनीय सुविधा स्थान समस्या: बेंडर्स अपघटन आधारित सटीक समाधान दृष्टिकोण	प्रोफेसर सचिन जायसवाल	एसआरपी
एजेंडा-सेटिंग को समझना और स्मार्ट शहरों में विभिन्न हितधारकों की भागीदारी 2.0	प्रोफेसर नवदीप माथुर	एसएमपी
भारत में काम पर सीटी बजाना	प्रोफेसर प्रेमिला डी'क्रूज़	एसआरपी
भारत में ऑनलाइन श्रम बाजार: एक खोजपूर्ण अध्ययन	प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा और प्रेमिला डी'क्रूज़	एसआरपी
बंदोबस्ती प्रभाव और अल्टीमेटम गेम	प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगली और जीवंत रामपाल	एसआरपी
न्याय के पदानुक्रम में परिवर्तन आयाम: सेवा के प्रकार और बार-बार विफल होने का मामला	प्रोफेसर सौरव बोराह	एसआरपी
पानी का मालिक कौन है : लोग या सरकार	प्रोफेसर अजीत एन. माथुर	एसएमपी
कोविड-19 के बाद काम का भविष्य: भारत में एएलएमपी का दायरा	प्रोफेसर अजीत एन. माथुर	एसआरपी
फिनलैंड-भारत आर्थिक संबंध	प्रोफेसर अजीत एन. माथुर	एसआरपी

परिशिष्ट जारी

ञ

परियोजना का शीर्षक	मुख्य जाँचकर्ता	परियोजना की श्रेणी
भारतीय आर्थिक कानूनों का आकलन: प्रतिस्पर्धा, दिवाला और व्यापार और निवेश कानूनों का अध्ययन, और इसकी बातचीत	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	एसआरपी
एकाधिक ओवरलैपिंग प्रतिस्पर्धी बोलियों के साथ अनुकूलित मूल्य निर्धारण का अनुकूलन	प्रोफेसर गौतम दत्ता	एसआरपी
भारत में कोविड-19 लॉकडाउन के आर्थिक प्रभाव को मापना	प्रोफेसर तरुण जैन	एसआरपी
नियमित प्रतिगमन के लिए हाइपरपैरामीटर के चुनाव पर	प्रोफेसर कार्तिक श्रीराम	एसआरपी
उद्यमी अभिविन्यास और फर्म प्रदर्शन के बीच संबंध पर प्रामाणिक नेतृत्व का मध्यम प्रभाव	प्रोफेसर मुकेश सूद और सुनील शर्मा	एसएमपी
बैंकिंग संकट को रोकना: अब हम कहां खड़े हैं?	प्रोफेसर टी. टी. राम मोहन	एसएमपी
एचपीडब्ल्यूएस और संघ की प्रतिबद्धता	प्रोफेसर प्रोमिला अग्रवाल	एसएमपी
बहुस्तरीय नेटवर्क पर मैक्रोइकॉनॉमिक्स की गतिशीलता	प्रोफेसर अनिंद्य चक्रवर्ती	एसआरपी

पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएँ

परियोजना का शीर्षक	संकाय मार्गदर्शक	इंटर्न का नाम
एकल महिला के लिए किराये का आवास	प्रोफेसर चिन्मय तुम्बे	सुश्री शिवानी गुप्ता
वैयक्तिकरण से थके हुए: मोबाइल इन-ऐप विज्ञापनों में दोहराव की भूमिका की खोज	प्रोफेसर अरुणा दिव्या टी.	श्री आयुष कुमार सिंह
खाद्य सुरक्षा महामारी लचीलापन और एसडीजी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए स्थायी आहार परिवर्तन की समीक्षा	प्रोफेसर रंजन कुमार घोष	श्री प्रतीक बी सुथार
महामारी के दौरान आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान	प्रोफेसर सरल मुखर्जी	सुश्री आकांक्षा:
भारत में ऊर्जा कानून में संवैधानिक संघर्ष: जल विद्युत का एक मामला	प्रोफेसर एम.पी. राम मोहन	श्री ई वी निरंजन
देशों के मध्यम अवधि के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि पर कोविड-19 रोकथाम उपायों, वित्तीय सहायता और टीकाकरण का प्रभाव	प्रोफेसर संकेत महापात्र	श्री मुकुल सूरी
इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की खोज के लिए एक शेड्यूलिंग मॉडल का विकास	प्रोफेसर गौतम दत्ता	सुश्री निकिता श्रॉफ
अनौपचारिक श्रमिकों का सर्वेक्षण	प्रोफेसर पृथा देव	सुश्री अनन्या चौधरी, सुश्री गायत्री एम.एस. और सुश्री पायल उप्रेती
एयरबीएनबी पर गुणवत्ता और मात्रा के परस्पर क्रिया को समझना बड़े पैमाने पर छवि विश्लेषण का लाभ उठाना: एक अर्ध-प्रयोग से साक्ष्य	प्रोफेसर अनुज कपूर	श्री मोक्ष शुक्ला
संगीत के साथ उपयोगकर्ता की बातचीत को समझना: एक डिजिटल संगीत मंच का उपयोग करके अर्ध-प्रयोग से साक्ष्य	प्रोफेसर अनुज कपूर	श्री वंशज मित्तल

परिशिष्ट जारी

परियोजना का शीर्षक	संकाय मार्गदर्शक	इंटर्न का नाम
कर्मचारी समीक्षाएँ: एक पाठ खनन परिप्रेक्ष्य	प्रोफेसर अद्रिजा मजूमदार	श्री अनमोल अग्रवाल और श्री शादाब अहमद
एक क्षेत्रीय परिवहन प्रणाली प्रदर्शन निगरानी ढांचे का विकास	प्रोफेसर संदीप चक्रवर्ती	श्री अंकोन भट्टाचार्य
ब्रांड और . पर कोविड-19 के प्रभाव	प्रोफेसर सौरव बिकाश बोराह	श्री जिष्णु श्री ओजस्वी अकेला
भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यापार पर प्रभाव 1918 का प्रभाव	प्रोफेसर चिन्मय तुम्बे	सुश्री मृणाल तोमर और सुश्री आशा ईपेनी
एचसीक्यू निर्यात प्रतिक्रिया के साथ कोविद -19 और फार्मासिस्ट प्रतिक्रिया	प्रोफेसर चिरंतन चटर्जी	श्री राघव गोयल
कोविड-19 संकट पर आर्थिक प्रभाव और नीतिगत प्रतिक्रियाएँ: विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के साक्ष्य	प्रोफेसर संकेत महापात्र	सुश्री अकिरीति दुरेजा
सिमुलेशन मॉडल का विकास और एकल खरीदार बहु विक्रेता वातावरण में अनुकूलन मॉडल के साथ तुलना	प्रोफेसर गौतम दत्ता	सुश्री तान्या ढोगला
भारत में क्रिप्टोक्यूरेंसी का भविष्य और उद्यमिता पर ब्लॉकचेन का प्रभाव	प्रोफेसर अभिमान दास	सुश्री खानसा फहादी
ईएसजी निवेश और फर्मों का वित्तीय प्रदर्शन	प्रोफेसर अमित गर्ग	श्री पूजनमोदी और सुश्री ध्रुवी गोंडालिया
ऑनलाइन दवा वितरण ऐप अपनाने के लिए उपभोक्ता प्रेरणा का अध्ययन	प्रोफेसर रजत शर्मा	सुश्री वसुधा नारायणीया
बॉटम-ऑफ-द-पिरामिड (बीओपी) पर पैकेज-आकार के निर्णय का ग्राहक मूल्यांकन	प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल	सुश्री श्रीजीता चौधरी
भारत में निजी स्कूली शिक्षा के विकास का रुझान	प्रोफेसर अंबरीश डोंगरे	श्री सोहम शेवाडे
दिवाला परीक्षण	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	श्री उर्मिल शाह
विमानन, बंदरगाह और सड़कों सहित भारत के भीतर और अंदर/बाहर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय परिवहन पर ध्यान देने के साथ भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र पर कोविड-19 का प्रभाव	प्रोफेसर सेबस्टियन मॉरिस	सुश्री धरेशा झवेरी
हेल्थकेयर व्यवसाय विश्लेषण	प्रोफेसर संजय वर्मा	सुश्री श्रेया दाराख
भारत में स्थायी खाद्य प्रणालियों और खाद्य सुरक्षा की समीक्षा	प्रोफेसर नम्रता चिंदरकर	श्री आयुष्मान सिंह
संगठनात्मक संकट में सोशल मीडिया की भूमिका	प्रोफेसर वैभवी कुलकर्णी	सुश्री इबानी गुप्ता
उपभोक्ता भावनाएं और महामारी का प्रभाव: उत्पाद श्रेणियों में अंतर	प्रोफेसर पंकज सेतिया	सुश्री अदिति सिंघानिया
अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध	प्रोफेसर अजीत माथुर	श्री धवल पंड्या

परिशिष्ट जारी

ञ

परियोजना का शीर्षक	संकाय मार्गदर्शक	इंटर्न का नाम
जब स्थानीयकरण उलटा पड़ जाता है: एक फिन-टेक प्लेटफॉर्म से साक्ष्य	प्रोफेसर अनुज कपूर	श्री श्रेय बंसल
उपयोगकर्ता प्रतिक्रियाओं को समझने के लिए ऑनलाइन सामग्री का भाव विश्लेषण	प्रोफेसर वैभवी कुलकर्णी	सुश्री श्रेया खरे
भारतीय संदर्भ में पर्यावरण नियामक कठोरता के उपाय का निर्माण	प्रोफेसर राम मोहन तुरगा	सुश्री एन. कृतिका
भारतीय अनुबंध कानून में अच्छा विश्वास	प्रोफेसर एम.पी. राम मोहन	श्री रविशंकर टी
वार्षिक रिपोर्ट में ब्लॉकचेन और क्रिप्टोकरेंसी के बारे में कॉर्पोरेट संचार	प्रोफेसर प्रणव सिंह	सुश्री सुभद्रा जेना .
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म	प्रोफेसर अनुज कपूर	श्री कौशल बांठिया

अप्रैल 2020 - मार्च 2021 की अवधि के दौरान आधारपत्र

आधारपत्र संख्या	आधारपत्र का शीर्षक	लेखक/कों	विषय-क्षेत्र
2020-04-01	चुनिंदा देशों में कोविड-19 के कारण संभावित कुल संक्रमणों और मौतों का एक त्वरित अनुमान (संस्करण 1 अप्रैल, 2020)	सेबस्टियन मॉरिस	अर्थशास्त्र
2020-04-02	चुनिंदा देशों में कोविड-19 के कारण संभावित कुल संक्रमणों और मौतों का और अनुमान (संस्करण 2 दिनांक 10 अप्रैल, 2020)	सेबस्टियन मॉरिस	अर्थशास्त्र
2020-04-03	वास्तविक अनिश्चितता की दुष्ट समस्याओं को हल करने की रणनीतियाँ: कोविड-19 जैसी महामारियों से निपटना (संस्करण: 13 अप्रैल, 2020)	अजीत एन. माथुर	अर्थशास्त्र और रणनीति
2020-05-01	कोविड-19 संकट, महामारी की लचीलापन और भूमि से जुड़ाव: एक प्रदर्शनी	प्रणब आर चौधरी, रंजन के. घोष, सुमिता सिंधी	सीएमए
2020-05-02	आईआरपी के लिए विलय नियंत्रण: क्या संकटग्रस्त फर्मों के अधिग्रहण के लिए प्रतिस्पर्धा की जांच जरूरी है?	एम.पी. राम मोहन, विशाखा राज	रणनीति
2020-05-03	कर राजस्व की एक तुलनीय श्रृंखला छोड़ दी गई	रीतिका खेरा, अनमोल सोमंची	अर्थशास्त्र और सार्वजनिक प्रणाली समूह
2020-06-01	पर्यावरणीय क्षति के लिए मुआवजा: उत्तरोत्तर व्यापक जाल डालना, लेकिन पकड़ क्या है?	एम. पी. राम मोहन, एल्स रेनेयर्स किनी	रणनीति
2020-06-02	द्वि-स्तरित वित्तीय नेटवर्क में 'टू सेंट्रल टू फेल' फर्म: यूएस कॉरपोरेट बॉन्ड और शेयर बाजारों से जुड़ाव के साक्ष्य	अविनाश मिश्रा, प्रांजल श्रीवास्तव, अनिंद्य एस. चक्रवर्ती	मिश्रा वित्तीय बाज़ार एवं अर्थव्यवस्था केंद्र

परिशिष्ट जारी

आधारपत्र संख्या	आधारपत्र का शीर्षक	लेखक/कों	विषय-क्षेत्र
2020-07-01	भिन्नात्मक अंतर: (इन) वर्णक्रमीय संरचना की स्थिरता और वित्तीय नेटवर्क के जोखिम के उपाय	अर्नब चक्रवर्ती, अनिंद्य एस. चक्रवर्ती	मिश्रा वित्तीय बाज़ार एवं अर्थव्यवस्था केंद्र
2020-07-03	सामाजिक उद्यम और मिशन की खोज: रूप मायने रखता है	अंकुर सरीन, एम.एस. श्रीराम	सार्वजनिक प्रणाली समूह
2020-08-01	उभरते बाजारों में विदेशी मुद्रा उधार और फर्म वित्तपोषण बाधाएं: भारत से साक्ष्य	संकेत महापात्र, जय प्रकाश नागर	अर्थशास्त्र
2020-08-02	शुक्रानितिसरा: भारतीय राज्यों और औपनिवेशिक शासन के शिखर पर एक राजनीतिक अर्थव्यवस्था का पाठ	सतीश वाई. देवधर	अर्थशास्त्र
2020-08-03	भारतीय दिवाला व्यवस्था में प्री-पैक	एम. पी. राम मोहन, विशाखा राज	रणनीति
2020-09-01	भारत में लेखा परीक्षकों की लापरवाही और पेशेवर कदाचार: एक सुसंगत कानूनी मानक के लिए संघर्ष	एम.पी. राम मोहन, विशाखा राज	रणनीति
2020-10-01	भारतीय अनुबंध अधिनियम की धारा 56 के तहत निराशा का सिद्धांत	एम.पी. राम मोहन, प्रमोद मुरुगावेलु, गौरव रे, कृतिका परख	रणनीति
2020-10-02	बैंक ऋण पोर्टफोलियो के लिए आर्थिक अनिश्चितता के निहितार्थ	संकेत महापात्रा, सिद्धार्थ एम. पुरोहित	अर्थशास्त्र
2020-10-03	पूर्व-कौटिल्य काल: आद्य आर्थिक विचारों और प्रथाओं का क्रूसिबल	सतीश वाई. देवधर	अर्थशास्त्र
2020-11-01	कुशल ई-कॉमर्स ऑर्डर डिलीवरी के लिए एक भविष्य कहनेवाला और निर्देशात्मक विश्लेषण ढांचा	शंतन कंडुला, श्रीकुमार कृष्णमूर्ति, देबजीत रॉय	आईएस और उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके
2020-11-02	भारत में न्यायालयों की सार्वजनिक धारणा: न्याय प्रणाली और इसके लाभार्थियों के बीच अनमाना हुआ अंतर	एम. पी. राम मोहन, मोहम्मद फैसल के., जैकब पी. एलेक्स, एम. वी. शिजू	रणनीति
2020-12-01	मात्रात्मक सर्वेक्षण डेटा कितने सूचनात्मक हैं? आरबीआई घरेलू मुद्रास्फीति प्रत्याशा सर्वेक्षण से साक्ष्य	गौरव कुमार सिंह	उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके
2020-12-02	भारत में घरेलू मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं की अपेक्षाएं निर्माण	गौरव कुमार सिंह	उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके
2020-12-03	भारत में महामारी और ऐतिहासिक मृत्यु दर	चिन्मय तुम्बे	अर्थशास्त्र

परिशिष्ट जारी

आधारपत्र संख्या	आधारपत्र का शीर्षक	लेखक/कों	विषय-क्षेत्र
2020-12-04	बंदरगाह प्रदर्शन में वृद्धि: जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट का एक मामला	अमन राठी, अंबेश प्रताप सिंह, सुंदरवल्ली नारायणस्वामी	सार्वजनिक प्रणाली समूह
2020-12-05	भारतीय रेलवे में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी): मॉडल, ढांचा और नीतियां	के सीतारामराजू, संतोष कुमार बीरेली, साकेत अनिल येल्ले, सुंदरवल्ली नारायणस्वामी	सार्वजनिक प्रणाली समूह
2021-01-01	असहमति के निर्धारक: भारतीय मुद्रास्फीति अपेक्षाओं से सीखना परिवारों का सर्वेक्षण	गौरव कुमार सिंह, तथागत बंद्योपाध्याय	उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके
2021-01-02	भारत के कृषि बाजार सुधारों का 2020 का विजन	सतीश वाई. देवधर	अर्थशास्त्र
2021-02-01	भारत में विदेशी निवेश विनियमन में सैद्धांतिक संघर्ष: एनटीटी डोकोमो बनाम टाटा संस और "नकारात्मक संरक्षण" के लिए मामला	एम. पी. राम मोहन, नोबुहिसा इशिज़ुका, सिद्धार्थ शर्मा	रणनीति
2021-02-02	इक्विटी पोर्टफोलियो विविधीकरण: कितने स्टॉक पर्याप्त हैं? भारत से साक्ष्य	राजन राजू, शोभेश कुमार अग्रवाल,	वित्त एवं लेखा
2021-03-01	मिश्रित पूर्णांक अवतल न्यूनीकरण समस्याओं के लिए एक सामान्य प्रयोजन सटीक समाधान विधि	अंकुर सिन्हा, अर्का दास, गुणेश्वर आनंद, सचिन जायसवाल	उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके
2021-03-02	सेंट्रल बैंक गोल्ड रिजर्व और सॉवरेन क्रेडिट रिस्क	सावन राठी, संकेत महापात्र, अरविंद सहाय	अर्थशास्त्र

द

प्रकाशन

पुस्तकें

अग्रवाल, ए.के. (2021). वैध रूप से तुम्हारा: *व्यापार, सरकार और कानून का दायरा*. नई दिल्ली: ब्लूम्सबरी.

डी'क्रूज़, पी., नोरोन्हा, ई., नोटलेर्स, जी., और रेनर, सी. (संस्करण). (2021). अवधारणाएं, दृष्टिकोण और तरीके - *कार्यस्थल की बदमाशी, भावनात्मक शोषण और उत्पीड़न की पुस्तिका* (वॉल्यूम 1). सिंगापुर: स्प्रिंगर.

डी'क्रूज़, पी., नोरोन्हा, ई., बेलियन, ई., कैटली, बी., हार्लोस, के., हॉग, ए., और मिकेल्सन, ई. जी. (सं.). (2021). नौकरी से संबंधित नकारात्मक व्यवहार के रास्ते - कार्यस्थल बदमाशी, भावनात्मक शोषण और उत्पीड़न की पुस्तिका (खंड 2). सिंगापुर: स्प्रिंगरडी›क्रूज़, पी., नोरोन्हा, ई, कैपोनचिया, ई, कैपोनचिया, जे., सालिन,डी., और टकी, एम., (सं.). (2021). काम पर गरिमा और समावेश - कार्यस्थल पर बदमाशी, भावनात्मक शोषण और उत्पीड़न की हैंडबुक (वॉल्यूम 3). सिंगापुर: स्प्रिंगर.

डी'क्रूज़, पी., नोरोन्हा, ई., केशली, एल., और टाय-विलियम्स, एस. (सं.). (2021). *विशेष विषय और विशेष व्यवसाय, पेशे और क्षेत्र - कार्यस्थल की बदमाशी, भावनात्मक शोषण और उत्पीड़न की हैंडबुक* (वॉल्यूम 4). सिंगापुर: स्प्रिंगर.

गैरी, डी., और वर्ककी, बी. (2020). *मानव संसाधन प्रबंधन*. नई दिल्ली: पियर्सन एजुकेशन.

कौल, ए., और गुप्ता, वी. (2021). *रहस्योद्घाटन नेतृत्व: महाभारत कोड का अनावरण*. नई दिल्ली: ब्लूम्सबरी.

लाहा, ए.के. (2021). *एप्लाइड एडवांस्ड एनालिटिक्स*. सिंगापुर: स्प्रिंगर. मिश्रा, ए.के., अरुणाचलम, वी.,

महापात्रा, एस., और ओल्सन, डी. (2020). उभरती अर्थव्यवस्थाओं का वित्तीय परिदृश्य. चाम, स्विट्जरलैंड: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग.

मुखर्जी, एस. (2021). *हाथी और चीता: संचालन की सुंदरता*. गुड़गांव: पेंगुइन रैंडम हाउस.

तुम्बे, सी. (2020). *महामारियों का युग, 1817-1920: उन्होंने भारत और दुनिया को कैसे आकार दिया*. नोएडा: हार्पर कॉलिन्स.

यादव, आरएस, और माहेश्वरी, एस (2020). *मानव संसाधन विश्लेषण: कनेक्शन डेटा और सिद्धांत*. नई दिल्ली: विली.

व्यावसायिक पत्रिकाओं में लेख

अदबी, ए., चटर्जी, सी., कोर्टलैंड, सी., किनियास, जेड., और सिंह, जे. (2021). महिलाओं की शक्तिहीनता और त्वचा को हल्का करने वाले उत्पादों के लिए प्राथमिकताएं जो रंगवाद को मजबूत करती हैं: भारत से प्रायोगिक साक्ष्य. महिलाओं का मनोविज्ञान तिमाही. doi:https://doi.org/10.1177/0361684321993796

अधिकारी, ए., दीयाथा, के.एस., बोरा, एस.बी., और शर्मा, ए. (2021). डिजिटल भुगतान तकनीकों को अपनाने से असंगठित खुदरा विक्रेताओं के प्रदर्शन पर क्या प्रभाव पड़ता है? एक उभरते बाजार में एक जांच. विपणन विज्ञान अकादमी का रोज़नामचा. doi:https://doi.org/10.1007/s11747-021-00778-y

अध्या, एस., रॉय, एस., और बनर्जी, टी. (2020). परिमित जनसंख्या अनुपात की भविष्यवाणी जब प्रतिक्रियाओं का गलत वर्गीकरण किया जाता है. जर्नल ऑफ़ सर्वे स्टैटिस्टिक्स और मेथोडोलॉजी. doi:https://doi.org/10.1093/jssam/smaa027

अग्रवाल, पी. (2020). चकनाचूर लेकिन मुस्कुराते हुए: मानव संसाधन प्रबंधन और कोविड-19 के दौरान होटल कर्मचारियों की भलाई. आतिथ्य प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.1016/j.ijhm.2020.102765

अरगड़े, ए., लाहा, ए.के., और जायसवाल, ए.के. (2021). भारत में कृषि बाजार सुधार नीति के लिए छोटे धारकों के बाज़ार निर्णयों को जोड़ना - एक अनुभवजन्य अन्वेषण. मैक्रोमार्केटिंग का जर्नल. doi:https://doi.org/10.1177/0276146721997885

अवशिया, वी., और गर्ग, ए. (2020). शहरी क्षेत्रों में स्थानीय बाढ़ पर भूमि उपयोग संक्रमण और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव: 42 भारतीय शहरों का आकलन. भूमि उपयोग नीति. doi:https://doi.org/10.1016/j.landusepol.2020.104571

अवशिया, वी., परिहार, एस., और गर्ग, ए. (2020). भारतीय शहरों के भूमि उपयोग परिवर्तन मानचित्रण के लिए वर्गीकरण तकनीकों का मूल्यांकन. इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग का जर्नल. doi:https://doi.org/10.1007/s12524-020-01122-7

अवस्थी, के., गोपाकुमार, के.वी., और ओझा, ए.के. (2020). संस्थान वापस क्यों आते हैं? भारत में संस्थागत लोच और पेट्रोलियम क्षेत्र में सुधार. व्यापार और समाज. doi:https://doi.org/10.1177/0007650320949829

परिशिष्ट जारी

ट

बनर्जी, बी., लाहा, ए.के., और लकरा, ए. (2020). कार्यात्मक डेटा में परिवर्तन-बिंदु की पहचान करने वाले कार्यात्मक प्रमुख घटक विश्लेषण में डेटा-संचालित आयाम में कमी. सांख्यिकीय विश्लेषण और डेटा खनन. doi:https://doi.org/10.1002/sam.11471

बंसल, वी., और रॉय, डी. (2021). इंटीग्रेटेड स्टोरेज-ऑर्डर पिकिंग सिस्टम में मल्टीलाइन ऑर्डर का स्टोकेस्टिक मॉडलिंग. नौसेना अनुसंधान रसद (एनआरएल). doi:https://doi.org/10.1002/nav.21978

बंसल, वी., रॉय, डी., और पाज़ूर, जे.ए. (2020). ई-कॉमर्स स्टॉक-टू-पिकर ऑर्डर पूर्ति के लिए वेवलेस ऑर्डर रिलीज वातावरण में बैचिंग निर्णयों का प्रदर्शन विश्लेषण. परिचालन अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन. doi:https://doi.org/10.1111/itor.12921

भास्करभटला, ए., अनुराग, पी., चटर्जी, सी., और पेनिंग्स, ई. (2021). सबमार्केट में फर्मों द्वारा रणनीतिक पुनर्स्थापन को विनियमन कैसे प्रभावित करता है? भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग से साक्ष्य. रणनीति विज्ञान. doi:https://doi.org/10.1287/stsc.2020.0121

भयाना, सी., गुप्ता, वी., और शारदा, के. (2020). बहु-पीढ़ी की टीमों में संघर्षों के प्रबंधन में साझा नेतृत्व की भूमिका: एक शोध ढांचा. व्यापार परिप्रेक्ष्य और अनुसंधान. doi:https://doi.org/10.1177/2278533720964928

बिज़िकोवा, एल., नकोन्या, ई., मिना, एम., हनीश, एम., तुरगा, आर. एम., स्पेरन्ज़ा, सी. आई.,. . . टिमर्स, बी. (2020). लघु जोत कृषि में किसान संगठनों के योगदान की एक व्यापक समीक्षा. प्रकृति भोजन. doi:https://doi.org/10.1038/s43016-020-00164-x

ब्रैडशॉ, सी.पी., शुक्ला, के.डी., पास, ई.टी., बर्ग, जे.के., और लालोंगो, एन.एस. (2020). PATHS पाठ्यक्रम के साथ एकीकृत होने पर PAX अच्छे व्यवहार खेल के छात्र परिणामों की जांच करने के लिए अनुपालन औसत कारण प्रभाव अनुमान का उपयोग करना. मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान में प्रशासन और नीति. doi:https://doi.org/10.1007/s10488-020-01034-1

चक्रवर्ती, ए.एस., और मूरजानी, एस. (2021). एक पदानुक्रमित समाज में सामरिक कनेक्शन: अवलोकन और मौलिक मूल्यांकन के बीच कील. गतिशील खेल और अनुप्रयोग. doi:https://doi.org/10.1007/s13235-020-00374-9

चक्रवर्ती, एस. (2020). एम्बॉडींग चेंज एट वर्क: एन ऑटोएथनोग्राफी इन द इंडियन पब्लिक सेक्टर. गुणात्मक रिपोर्ट. doi:https://doi.org/10.46743/2160-3715/2020.3987

चक्रवर्ती, डी. (2020). एसटीईएम में काले डॉक्टरेट और पोस्टडॉक्टरल विद्वानों के बीच नपुंसक घटना. डॉक्टरेट अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.28945/4613

चक्रवर्ती, डी., जेफ़, डी., डाबनी, के.पी., और ताई, आर. (2020). उन कारणों की खोज करना जो यू.एस. एमडी-पीएचडी छात्र अपने दोहरे डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश करते हैं और छोड़ते हैं. डॉक्टरेट अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.28945/4622

चंद, वी.एस., कुरील, एस., देशमुख, के.एस., अवधानम, और मनसा, आर. (2020). शिक्षक नवाचारों का आकलन: विशेषज्ञ बनाम सहकर्मी रेटिंग. शैक्षिक प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.1108/IJEM-04-2020-0185

चट्टोपाध्याय, पी., जॉर्ज, ई.एल., और गुप्ता, वी. (2020). भौगोलिक असमानता और टीम के सदस्य प्रभाव: क्या शुरुआती टीम मीटिंग में भावनाओं का अनुभव होता है? प्रबंधन जर्नल अकादमी. doi:https://doi.org/10.5465/amj.2017.0744

चिंदरकर, एन., चेन, वाई.जे., और साठे, एस. (2020). कृषि बिजली आपूर्ति प्रबंधन, कृषि निवेश और कृषि आय के बीच लिंक - भारत से साक्ष्य. ऊर्जा नीति. doi:https://doi.org/10.1016/j.enpol.2020.111407

चिंदरकर, एन., जैन, ए., और मणि, एस. (2021). भारत में ग्रामीण घरों में खाना पकाने के लिए एलपीजी के अनन्य उपयोग के लिए भुगतान की इच्छा की जांच करना. ऊर्जा नीति.

doi:https://doi.org/10.1016/j.enpol.2020.112107

दाबने, के. पी., गुड, के. बी., स्कॉट, एम्. आर., जोंसन, टी.एन., चक्रवर्ती, D., मिल्तिर, B., और ग्रे, A. (2020). Preservice प्राथमिक शिक्षक और विज्ञान निर्देश: बाधाएं और समर्थन. विज्ञान शिक्षक. यूआरएल: https://eric.ed.gov/?id=EJ1259959

परिशिष्ट जारी

ट

डागर, एस. (2020). स्टेफानो पोंटे द्वारा वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं की दुनिया में व्यापार, शक्ति और स्थिरता की समीक्षा. बिजनेस एथिक्स जर्नल. doi:https://doi.org/10.1007/s10551-020-04594-2

डी›क्रूज़, पी., नोरोन्हा, ई., बंदे, एम.यू.एल., और चक्रवर्ती, एस. (2021). प्लेस मैटर्स: (डिस) एम्बेडेडनेस और भारतीय बीटी कॉटनसीड ग्लोबल प्रोफेसर डक्शन नेटवर्क्स में बाल श्रमिकों के प्रतिरूपित बदमाशी के अनुभव. बिजनेस एथिक्स जर्नल. doi:https://doi.org/10.1007/s10551-020-04676-1

दीप प्रकाश, सी., और मजूमदार, ए. (2020). ट्विटर पर सामग्री निर्माण और उपयोगकर्ता जुड़ाव पर राष्ट्रीय संस्कृति की भूमिका का विश्लेषण: इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट फ्रेंचाइजी का मामला. सूचना प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.1016/j.ijinfomgt.2020.102268

देवधर, एस जे (2020). एक ही पुरस्कार पर अलग-अलग निगाहें: प्रवेश समय की विषमता के निहितार्थ और नवाचार टूर्नामेंट में प्रतियोगी प्रयास के लिए प्रोफेसर त्साहन. सूचना प्रौद्योगिकी और लोग. doi:https://doi.org/10.1108/ITP-12-2018-0573

देवधर, एस जे (2020). नवाचार टूर्नामेंट में बाधाओं और पुरस्कारों के बीच परस्पर क्रिया: भागीदारी के लिए निहितार्थ. सहकारी सूचना प्रणाली के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.1142/S0218843020400043

देसाई, एन. (2020). कॉर्पोरेट धोखाधड़ी के सैद्धांतिक आधार को समझना. विकल्प: द जर्नल फॉर डिसीजन मेकर्स. doi:https://doi.org/10.1177/0256090920917789

देसाई, एन., जैन, एस.पी., जैन, एस., और त्रिपाठी, ए. (2020). अवसरवादी वित्तीय रिपोर्टिंग पर व्यक्तित्व लचीलापन के निहित सिद्धांतों का प्रभाव. बिजनेस रिसर्च जर्नल. doi:https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2020.05.043

दत्ता, जी., नाइक, ए., गोसाई, डी., और घोष, पी. (2020). एक भारतीय अस्पताल में कार्डियक सर्जरी के बाद पोस्टऑपरेटिव इंटेंसिव केयर की अवधि की भविष्यवाणी के लिए एक गणितीय मॉडल. खोज doi:https://doi.org/10.1007/s12597-020-00480-7

घोष, आर.के., गुप्ता, एस., सिंह, वी., और वार्ड, पी.एस. (2020). विकासशील देशों में फसल बीमा की मांग: भारत से नए साक्ष्य. कृषि अर्थशास्त्र के जर्नल. doi:https://doi.org/10.1111/1477-9552.12403

गिउलिआनो, जी., और चक्रवर्ती, एस. (2020). संग्रहीत रीयल-टाइम डेटा का उपयोग करके लॉस एंजिल्स में राजमार्ग यातायात प्रदर्शन में अंतर-महानगरीय भिन्नता का विश्लेषण करना. परिवहन योजना और प्रौद्योगिकी. doi:https://doi.org/10.1080/03081060.2020.1828931

गोपालकृष्णन, बी., और महापात्र, एस. (2020). आर्थिक अनिश्चितता और झटके के तहत दिवाला व्यवस्था और फर्मों के डिफ़ॉल्ट जोखिम. आर्थिक मॉडलिंग. doi:https://doi.org/10.1016/j.econmod.2020.06.005

गोपालकृष्णन, बी., जैकब, जे., और महापात्र, एस. (2021). जोखिम-संवेदनशील बेसल विनियम और फर्मों की ऋण तक पहुंच: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव. बैंकिंग और वित्त जर्नल. doi:https://doi.org/10.1016/j.jbankfin.2021.106101

गुप्ता, डी., और गर्ग, ए. (2020). सतत विकास और कार्बन तटस्थता: भारत में परिवहन संक्रमण का एकीकृत मूल्यांकन. परिवहन अनुसंधान भाग डी: परिवहन और पर्यावरण. doi:https://doi.org/10.1016/j.trd.2020.102474

गुप्ता, एन., और जैकब, जे. (2021). भावना और मैक्स के बीच परस्पर क्रिया: एक उभरते बाजार से साक्ष्य. उभरते बाजार वित्त के जर्नल. doi:https://doi.org/10.1177/0972652720969511

गुप्ता, एस., और देवधर, एस.जे. (2021). डिजिटल रूप से सक्षम जटिल नेटवर्क को समझना: एक बहुवचन दानेदार आधारित संकर समुदाय का पता लगाने का दृष्टिकोण. सूचना प्रौद्योगिकी और लोग. doi:https://doi.org/10.1108/ITP-10-2020-0682

गुप्ता, एस., वेमिरेड्डी, वी., सिंह, डी.के., और पिंगली, पी.एल. (2021). ईएटी लैंसेट अनुशंसित आहार प्राप्त करने की लागत की जमीनी सच्चाई: ग्रामीण भारत से साक्ष्य. वैश्विक खाद्य सुरक्षा. doi:https://doi.org/10.1016/j.gfs.2021.100498

हार्ग्रेव, टी.जे., सूद, एम., वैनसंड्ट, सी.वी., और वेरहेन, पी.एम. (2020). नैतिक अपेक्षाओं को बदलने की भावना बनाना: नैतिक कल्पना की भूमिका. व्यापार और समाज की समीक्षा. doi:https://doi.org/10.1111/basr.12206

हे, एस. वाई., चक्रवर्ती, एस., और चेउंग, वाई. एच. (2020). हांगकांग में वृद्ध लोगों द्वारा घर के बाहर गतिविधि में भागीदारी का एक समय-उपयोग परिप्रेक्ष्य. एशियाई भूगोलवेत्ता. doi:https://doi.org/10.1080/10225706.2020.1808488

परिशिष्ट जारी

ट

हिगिंस, एम. जे., यान, एक्स., और चटर्जी, सी. (2020). प्रतिकूल नियामक घटनाओं के प्रभावों को खोलना: फार्मास्युटिकल रीलेबेलिंग से साक्ष्य. अनुसंधान नीति. doi:https://doi.org/10.1016/j.respol.2020.104126

जगन्नाथन, एस., राय, आर., और जाफ़रलॉट, सी. (2020). संगठनात्मक रणनीतियों के रूप में भय और हिंसा: अतिरिक्त-न्यायिक पुलिस हिंसा का विश्लेषण करने के लिए डेरिडियन लेंस की संभावना. बिजनेस एथिक्स जर्नल. doi:https://doi.org/10.1007/s10551-020-04655-6

जैन, एस., और देवधर, एस.जे. (2021). क्राउडसोर्सिंग प्रतियोगिता में सामाजिक तंत्र: एक साहित्य समीक्षा. व्यवहार और सूचना प्रौद्योगिकी. doi:https://doi.org/10.1080/0144929X.2021.1880638

जैन, टी., और जैन, बी.एन. (2021). बड़े पैमाने पर संक्रमण परीक्षण: पूलित परीक्षण निदान की एक परीक्षा. विकल्प. doi:https://doi.org/10.1177/02560909211018906

झा, जे.के., और सूद, के. (2020). अधीनस्थों की कार्य अक्षमता पर अपमानजनक पर्यवेक्षण के प्रभाव तंत्र की खोज: एक प्रस्तावित ढांचा. व्यापार परिप्रेक्ष्य और अनुसंधान. doi:https://doi.org/10.1177/2278533720964292

कैकर, एन., दत्ता, जी., दास, डी., और बनर्जी, एस. (2020). एकाधिकार और अल्पाधिकार में बिजली का समय-समय पर उपयोग मूल्य निर्धारण. खोज doi:https://doi.org/10.1007/s12597-020-00465-6

कृष्णन, जी.वी., मायलीमाकी, ई.-आर., और नागर, एन. (2020). क्या वित्तीय रिपोर्टिंग गुणवत्ता फर्म के जीवन चक्र में भिन्न होती है? व्यापार वित्त और लेखा जर्नल. doi:https://doi.org/10.1111/jbfa.12508

कुमार, एस., बंसल, ए., और चक्रवर्ती, ए.एस. (2020). वित्तीय नेटवर्क पर लहरें. वित्त के यूरोपीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.1080/1351847X.2020.1835686

कुमार, एस., डि माटेओ, टी., और चक्रवर्ती, ए.एस. (2020). जटिल नेटवर्क पर शॉक डिफ्यूजन को अलग करना: ग्राफ प्लानेरिटी के माध्यम से पहचान. जटिल नेटवर्क के जर्नल. doi:https://doi.org/10.1093/comnet/cnaa023

कुमार, वी., बोराह, एस.बी., शर्मा, ए., और अकेला, एल. वाई. (2021). मुख्य विपणन अधिकारियों का विवेक और फर्मों का अंतर्राष्ट्रीयकरण: एक अनुभवजन्य जांच. जर्नल ऑफ़ इंटरनेशनल बिजनेस अध्ययनज. doi:https://doi.org/10.1057/s41267-020-00378-y

कुमावत, जी.एल., और रॉय, डी. (2020). मल्टी-स्टेज सेमी-ओपन क्यूइंग नेटवर्क के लिए एक नया समाधान दृष्टिकोण: शटल-आधारित कॉम्पैक्ट स्टोरेज सिस्टम में एक एप्लिकेशन. कंप्यूटर और संचालन अनुसंधान. doi:https://doi.org/10.1016/j.cor.2020.105086

कुमावत, जी.एल., और रॉय, डी. (2020). एजीवी या लिफ्ट-एजीवी? रोबोटीकृत परिवहन वाहन प्रौद्योगिकी के साथ कंटेनर टर्मिनलों के लिए प्रदर्शन ट्रेड-ऑफ और डिज़ाइन अंतर्दृष्टि. आईआईएसई लेनदेन. doi:https://doi.org/10.1080/24725854.2020.1785648

कुमावत, जी.एल., रॉय, डी., डी कोस्टर, आर., और अदन, आई. (2020). इंट्रा-लॉजिस्टिक्स सिस्टम में समानांतर प्रक्रिया प्रवाह का स्टोकेस्टिक मॉडलिंग: कंटेनर टर्मिनलों और कॉम्पैक्ट स्टोरेज सिस्टम में अनुप्रयोग. यूरोपियन जरनल ऑफ़ ऑपरेशनल रिसर्च. doi:https://doi.org/10.1016/j.ejor.2020.08.006

क्वाक, एच., और पुजाकोवा, एम., रोसेरेटो, जे. एफ., मोरिगुची, टी. (2020). जब अज्ञात गंतव्य जीवित हो जाता है: पर्यटन में गंतव्य मानवरूपता के हानिकारक प्रभाव. विज्ञापन का जर्नल. doi:https://doi.org/10.1080/00913367.2020.1800537

क्वाक, एच., झांग, वाई., पुजाकोवा, एम., और मोरिगुची, टी. (2020). इसे अकेले या एक साथ जाना: मूल्य संवर्धन की उपभोक्ता धारणाओं पर उत्पादों के बीच स्थान की भूमिका. विज्ञापन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.1080/02650487.2020.1753443

ली, एच., औररसन, सी.बी., येट्टू, एम.एस., चांग, एस., और चक्रवर्ती, डी. (2020). एसटीईएम और चिकित्सा में प्रशिक्षुओं और पेशेवरों के बीच धोखेबाज घटना की जटिलता में अंतर्दृष्टि. वर्तमान मनोविज्ञान. यूआरएल: https://link.springer.com/article/10.1007/s12144-020-01089-1

मजूमदार, ए., और अधिकारी, ए. (2020). अर्थव्यवस्था साझा करने में प्रमुख सेवा प्रदाताओं के लिए एक एकीकृत टोप्सिस-मूरा - आधारित प्रदर्शन मूल्यांकन पद्धति: Airbnb सुपरहोस्ट का मामला. बेंचमार्किंग: एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.1108/BIJ-03-2020-0085

मजूमदार, एस., और लाहा, ए.के. (2020). वित्त के लिए अनुप्रयोगों के साथ टोपोलॉजिकल डेटा विश्लेषण का उपयोग करके समय श्रृंखला का क्लस्टरिंग और वर्गीकरण. आवेदन के साथ विशेषज्ञ प्रणालियाँ. doi:https://doi.org/10.1016/j.eswa.2020.113868

परिशिष्ट जारी

ट

मलिक, ए., बर्ट्रम, सी., डेस्प्रेस, जे., एमेरलिंग, जे., गर्ग, ए., और ..... व्रोन्टिसी, जेड. (2020). भारतीय विद्युत क्षेत्र में शीघ्र कार्रवाई के माध्यम से फंसे हुए परिसंपत्तियों को कम करना. पर्यावरण अनुसंधान पत्र. doi:https://doi.org/10.1088/1748-9326/ab8033

मंडल, एस., सहाय, ए., टेरॉन, ए., और महतो, के. (2021). कैसे निहित आत्म-सिद्धांत और दोहरे ब्रांड व्यक्तित्व मुंह के शब्द को बढ़ाते हैं. विपणन के यूरोपीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.1108/EJM-07-2019-0591

मौन, डी., शुक्ला, के.डी., और चांद, वी.एस. (2020). भारत में लिंग और जाति समूहों में प्रश्नावली और अपरिवर्तनीय परीक्षण सीखने के लिए प्रेरित रणनीतियों को मान्य करना. कोजेंट एजुकेशन. doi:https://doi.org/10.1080/2331186X.2020.1853303

मिश्रा, के., और रामपाल, जे. (2020). कोविड-19 महामारी और खाद्य असुरक्षा: भारत पर एक दृष्टिकोण. विश्व विकास. doi:https://doi.org/10.1016/j.worlddev.2020.105068

मित्रा, के., और दत्ता, जी. (2021). भारत में खुदरा बिजली के गतिशील मूल्य निर्धारण के लिए बाजार विभाजन और बाजार अध्ययन की एक नई विधि: एक विश्वविद्यालय की स्थापना में एक प्रयोगात्मक दृष्टिकोण. जर्नल ऑफ़ रेवेन्यू और प्राइसिंग मैनेजमेंट. doi:https://doi.org/10.1057/s41272-021-00298-y

मित्तल, ए., विजयलक्ष्मी, ए., तोमर, एन., और कपूर, अंकुर (2020). बाज़ार के विन्यास पर धार्मिक मतभेदों का प्रभाव. उपभोक्ता अनुसंधान में अग्रिम, 48, 1245-1245. यूआरएल: https://www.acrwebsite.org/volumes/2661384/volumes/v48/NA-48

महापात्र, एस., और नगर, जे.पी. (2020). उभरते बाजारों में विदेशी मुद्रा उधार और फर्म वित्तपोषण बाधाएं: भारत से साक्ष्य. प्रबंधकीय वित्त. doi:https://doi.org/10.1108/MF-05-2019-0238

नागर, एन., देसाई, एन., और जैकब, जे. (2021). क्या बिग 4 ऑडिटर वर्गीकरण स्थानांतरण को सीमित करते हैं? भारत से सबूत जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन. doi:https://doi.org/10.1016/j.intaccaudtax.2021.100376

नानारपुझा, आर., और सरीन, ए. (2021). व्यक्तिपरक आर्थिक कल्याण के लिए एक क्षमता मार्ग: भौतिकवाद से परे देखना. बिजनेस रिसर्च जर्नल. doi:https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2021.01.001

नेदुमारन, एस., सेल्वराज, ए., नंदी, आर., भट्टाचार्जी, एस., पद्मनाभन, जे., और बोस, डी. (2020). बाजार की दक्षता बढ़ाने और छोटे किसानों को शामिल करने के लिए डिजिटल एकीकरण: ताजे फल और सब्जी आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक प्रस्तावित मॉडल. अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और कृषि व्यवसाय प्रबंधन समीक्षा. doi:https://doi.org/1022434/IFAMR2019.0165

पांडेय, जे., सिंह, एम., वर्ककी, बी., और मावलंकर, डी. (2020). ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य को बढ़ावा देना: सामान्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के कार्य निष्पादन में वृद्धि करना. आईआईएम कोझीकोड सोसायटी और प्रबंधन समीक्षा. doi:https://doi.org/10.1177/2277975219857411

पाटिल, वी., घोष, आर.के., कथूरिया, वी., और फैरेल, के.एन. (2020). पैसा, जमीन या स्वरोजगार? भारत में भूमि अधिग्रहण के तहत मुआवजे के लिए भूस्वामियों की पसंद में वरीयता विविधता को समझना. भूमि उपयोग नीति. doi:https://doi.org/10.1016/j.landusepol.2020.104802

पॉल, एम., ओमारी, एम., डी›क्रूज़, पी., और कंगारली, जी.बी. (2020). कार्यस्थल में बाईस्टैंडर्स बदमाशी: कार्रवाई बनाम निष्क्रियता पर विश्वविद्यालय के छात्रों के दृष्टिकोण पर काम करना. मानव संसाधन के एशिया प्रशांत जर्नल. doi:https://doi.org/10.1111/1744-7941.12216

पेक, जे., और रामपाल, जे. (2021). मांग अनिश्चितता के साथ इष्टतम एकाधिकार तंत्र. संचालन अनुसंधान का गणित. doi:https://doi.org/10.1287/moor.2020.1120

पेल्ज़, एस., चिंदरकर, एन., और उरपेलेनन, जे. (2021). हाशिए के समुदायों के लिए ऊर्जा पहुंच: ग्रामीण उत्तर भारत से साक्ष्य, 2015-2018. विश्व विकास. doi:https://doi.org/10.1016/j.worlddev.2020.105204

पोपली, एम., रायथाथा, एम., और फुआद, एम. (2020). बेहतर मुनाफे की निरंतरता पर संस्थागत छाप का प्रभाव: भारत में नियामक विराम चिह्न का एक अध्ययन. बिजनेस रिसर्च जर्नल. doi:https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2020.11.039

पुरकायस्थ, ए., शर्मा, एस., और कर्ण, ए. (2020). बहुराष्ट्रीयता-प्रदर्शन संबंध में अंतर्राष्ट्रीयकरण और मध्यस्थों के पूर्ववृत्त की सैद्धांतिक नींव: क्या गुम है? क्रॉस कल्चरल और स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट. doi:https://doi.org/10.1108/CCSM-03-2019-0055

परिशिष्ट जारी

ट

राय, ए., और माहेश्वरी, एस. (2021). संगठनात्मक जुड़ाव और नौकरी की संतुष्टि के साथ नौकरी की विशेषताओं के संबंधों के बीच कार्य जुड़ाव की मध्यस्थता भूमिका की खोज करना. प्रबंधन अनुसंधान समीक्षा. यूआरएल: https://www.emerald.com/insight/content/doi/10.1108/MRR-10-2019-0442/full/html

राय, ए., पटियाल वी.एस., और माहेश्वरी, एस. (2020). नौकरी की चुनौतियों और कार्य जुड़ाव के बीच आत्म-प्रभावकारिता की मध्यस्थता की भूमिका: भारतीय बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों के साक्ष्य. सार्वजनिक मामलों के जर्नल. doi:https://doi.org/10.1002/pa.2494

राजन, ए., घोष, के., और शाह, ए. (2020). भारत की भूजल सिंचाई का कार्बन फुटप्रिंट. कार्बन प्रबंधन. doi:https://doi.org/10.1080/17583004.2020.1750265

राजेंद्र, ए., और सरीन, ए. (2021). वंचित लड़कियों के लिए आवासीय शिक्षा: एक वैकल्पिक क्षेत्र? इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर अध्ययनज. doi:https://doi.org/10.1177/0971521521997962

राम मोहन, एमपी, और जैन, ए (2020). भारतीय अनुबंध कानून के तहत बहिष्करण खंड: अतार्किकता के लिए खाते की आवश्यकता. एनयूजेएस कानून की समीक्षा. URL: doi:http://nujslawreview.org/2021/01/10/exclusion-clauses-under-the-indian-contract-law-a-need-to-account-for-un

राम मोहन, एम. पी., और राज, वी. (2020). वित्तीय लेनदारों के रूप में अपार्टमेंट खरीदार: भारतीय दिवाला व्यवस्था की वैचारिक सीमाओं को आगे बढ़ाना. एशियाई कानून के कोलंबिया जर्नल. यूआरएल: https://journals.library.columbia.edu/index.php/cjal/article/view/6600

राममोहन, एम.पी., जैन, ए., मुरुगावेलु, पी., और रे, जी. (2021). मानक प्रपत्र अनुबंधों पर भारतीय कानून. भारतीय विधि संस्थान का जर्नल. यूआरएल: http://14.139.60.114:8080/jspui/handle/123456789/47796?mode=simple

राम मोहन, एम.पी., और यादव, एस.के. (2021). भारत में तेल और गैस क्षेत्र: भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्यापार नीतियों और जनहित को संतुलित करना. वैश्विक ऊर्जा कानून और स्थिरता. doi:https://doi.org/10.3366/gels.2021.0045

रॉय, डी., डी कोस्टर, आर., और बेकर, आर. (2020). कंटेनर टर्मिनल संचालन की मॉडलिंग और डिजाइन. संचालन अनुसंधान. doi:https://doi.org/10.1287/opre.2019.1920

रॉय, एस., और जैन, वी. (2020). एसइआरवीएसएसटीआरइएस का निर्माण, सत्यापन और सामान्यीकरण: सेवा प्रेरित ग्राहक तनाव के लिए एक उपाय. विपणन के यूरोपीय जर्नल. doi:https://doi.org/10.1108/EJM-01-2020-0002

रॉय, एस., ड्रिल, डब्ल्यू., और गिल, एल. (2020). गंतव्य विपणन में सेलिब्रिटी विज्ञापन: तीन देशों की जांच. पर्यटन प्रबंधन. doi:https://doi.org/10.1016/j.tourman.2020.104213

सरकार, पी., साहू, एस., पतंगे, ओ., गर्ग, ए. मुखर्जी, ए., कुमार, एम., और सिंह, पी. (2021). भारतीय विद्युत क्षेत्र में CO2 उत्सर्जन के आकलन की दिशा में वाणिज्यिक गैर-कोकिंग कोयला ग्रेडिंग प्रणाली और अन्य कोयला नीतियों में परिवर्तन के प्रभाव. कार्बन प्रबंधन. doi:https://doi.org/10.1080/17583004.2021.1876529

शेफ़र, आर., कोबेर्ले, ए., वैन सोएस्ट, एच.एल., गर्ग, ए., विश्वनाथन, एस., माथुर, आर., . . . पोटाशनिकोव, वी. (2020). प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तन पथों की तुलना करना. जलवायु परिवर्तन. doi:https://doi.org/10.1007/s10584-020-02837-9

सेनगुप्ता, डी., बनर्जी, टी., और रॉय, एस. (2021). कम रिपोर्ट की गई गणनाओं के साथ पॉइसन माध्य का अनुमान: एक दोहरा नमूना दृष्टिकोण. सांख्यिकी के ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड जर्नल. doi:https://doi.org/10.1111/anzs.12308

सेतिया, पी., बायस, बी.एल., और राजगोपालन, बी. (2020). ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का टेकऑफ़: सामुदायिक गतिविधियों पर आधारित एक सिग्नलिंग परिप्रेक्ष्य. एमआईएस तिमाही. doi:10.25300/MISQ/2020/12576

सेतिया, पी., मेनन, एन., और श्रीनिवासन, एस.एस. (2020). EHR एप्लिकेशन पोर्टफोलियो और अस्पताल का प्रदर्शन: अलग-अलग प्रशासनिक पैमाने और नैदानिक जटिलता वाले अस्पतालों में प्रभाव. सूचना प्रबंधन. doi:https://doi.org/10.1016/j.im.2020.103383

शंकर, वी., कल्याणम, के., सेतिया, पी., गोलमोहम्मदी, ए., तिरुनिल्लै, एस., डगलस, टी., . . . वाडौप्स, आर. (2020). कैसे तकनीक खुदरा बदल रही है. खुदरा बिक्री के जर्नल. doi:https://doi.org/10.1016/j.jretai.2020.10.006

शर्मा, ए., और बोरा, एस.बी. (2020). कोविड-19 और घरेलू हिंसा: सामाजिक और आर्थिक संकट का एक अप्रत्यक्ष मार्ग. पारिवारिक हिंसा का जर्नल. doi:https://doi.org/10.1007/s10896-020-00188-8

परिशिष्ट जारी

ट

शर्मा, ए., अधिकारी, ए., और बोरा, एस.बी. (2020). आपूर्ति श्रृंखला के निर्णयों पर कोविड-19 का प्रभाव: ट्विटर डेटा का उपयोग करने वाली NASDAQ 100 फर्मों से रणनीतिक अंतर्दृष्टि. बिजनेस रिसर्च जर्नल. doi:https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2020.05.035

शर्मा, ए., बोरा, एस.बी., और मूसा, ए.सी. (2020). कोविड-19 की प्रतिक्रियाएँ: शासन की भूमिका, स्वास्थ्य सेवा का बुनियादी ढांचा, और पिछली महामारियों से सीखना. बिजनेस रिसर्च जर्नल. doi:https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2020.09.011

शुक्ला, के., कुरील, एस., और चांद, वी.एस. (2020). क्या नकारात्मक शिक्षक व्यवहार छात्र की आत्म-प्रभावकारिता और महारत लक्ष्य अभिविन्यास को प्रभावित करता है? सीखना और प्रेरणा. doi:https://doi.org/10.1016/j.lmot.2020.101653

सिंह, एस. (2021). पंजाब कृषि: पुनरुद्धार के लिए निजी क्षेत्र पर उम्मीदें टिकी हुई हैं. आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक. यूआरएल: https://www.epw.in/journal/2021/2/commentary/punjab-agriculture.html?0=ip_login_no_cache%3D855c07131f130dce0665af50a5eda5b0

सिंह, वी., गर्ग, ए., लाहा, ए., और ओ'नील, एस. (2021). सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ और भारत में इनपेशेंट सेवा उपयोग में क्षैतिज असमानता. स्वास्थ्य प्रबंधन के एशिया प्रशांत जर्नल. doi:https://doi.org/10.24083/apjhm.v16i1.443

सिन्हा, ए., और शेख, वी. (2021). क्रिगिंग सन्निकटन का उपयोग करके द्विस्तरीय अनुकूलन समस्याओं को हल करना. साइबरनेटिक्स पर आईईईई लेनदेन. doi:10.1109/TCYB.2021.3061551

श्रीराम, के., और शी, पी. (2020). स्टोकेस्टिक लॉस रिजर्विंग: ए न्यू पर्सपेक्टिव फ्रॉम ए डिरिचलेट मॉडल. जर्नल ऑफ रिस्क और इंश्योरेंस. doi:https://onlinelibrary.wiley.com/doi/full/10.1111/jori.12311

सुराणा, एम., और डोंगरे, ए. (2020). बहुत ज्यादा देखभाल? भारत में निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र और सिजेरियन सेक्शन. आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 55(35), 39-47. यूआरएल: https://www.epw.in/journal/2020/35/special-articles/too-much-care.html

तिवारी, आर., जायसवाल, एस., और सिन्हा, ए. (2020). प्रतिस्पर्धी हब स्थान समस्याओं के लिए वैकल्पिक समाधान दृष्टिकोण. यूरोपियन जरनल ऑफ़ ऑपरेशनल रिसर्च. doi:https://doi.org/10.1016/j.ejor.2020.07.018

तिवारी, आर., जायसवाल, एस., और सिन्हा, ए. (2021). प्रतिस्पर्धी हब स्थान समस्या: मॉडल और समाधान दृष्टिकोण. परिवहन अनुसंधान भाग बी: पद्धति. doi:https://doi.org/10.1016/j.trb.2021.01.012

त्रेहन, डी., और शर्मा, आर. (2020). सी2सी सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन की गुणवत्ता का आकलन: टेक्स्ट माइनिंग का उपयोग करके एक सूचना गुणवत्ता दृष्टिकोण. ऑनलाइन सूचना समीक्षा. doi:https://doi.org/10.1108/OIR-07-2020-0320

त्रिपाठी, एस., पांडेय, ए., और जैन, एस.पी. (2020). विगत अपूर्ण या वर्तमान परिपूर्ण: गतिशील रैंक उपभोक्ता धारणाओं को कैसे प्रभावित करते हैं. उपभोक्ता अनुसंधान में अग्रिम. यूआरएल: http://www.acrwebsite.org/volumes/2661950/volumes/v48/NA-48

त्रिवेदी, बी.एम., और वर्ककी, बी. (2020). करियर पठार का प्रबंधन: एस्टर रिटेल का मामला, संयुक्त अरब अमीरात. सामरिक मानव संसाधन समीक्षा. doi:https://doi.org/10.1108/SHR-10-2020-188

तुम्बे, सी. (2020). 1960 के दशक में भारत में तकनीकी प्रबंधक का उदय: भारतीय प्रबंधन संस्थानों की भूमिका. प्रबंधन और संगठनात्मक इतिहास. doi:https://doi.org/10.1080/17449359.2020.1758147

टाय-विलियम्स, एस., कार्बो, जे., डी'क्रूज़, पी., हॉलिस, एल.पी., केशली, एल., मैटिस, सी., और ट्रेसी, एसजे (2020). विविध दृष्टिकोणों से कार्यस्थल बदमाशी की खोज करना. अनुप्रयुक्त संचार अनुसंधान के जर्नल. doi:https://doi.org/10.1080/00909882.2020.1830148

उन्नी, जे., और देव, पी. (2021). कैसे व्यापक आर्थिक झटके रोजगार को प्रभावित करते हैं: पश्चिमी भारत के राज्यों के साथ गुजरात की तुलना. सामाजिक और आर्थिक विकास जर्नल. doi:https://doi.org/10.1007/s40847-020-00123-z

वत्स, ए.के., और जायसवाल, एस. (2020). सर्वर अनिश्चितता के साथ कैपेसिटेटेड मल्टी-पीरियड मैक्सिमम कवरिंग लोकेशन प्रॉब्लम. यूरोपियन जरनल ऑफ़ ऑपरेशनल रिसर्च. doi:https://doi.org/10.1016/j.ejor.2020.07.061

वेमिरेड्डी, वी., और पिंगली, पी.एल. (2021). कृषि में महिलाओं के लिए मौसमी समय व्यापार-बंद और पोषण परिणाम: ग्रामीण भारत से साक्ष्य. खाद्य नीति. doi:https://doi.org/10.1016/j.foodpol.2021.102074

परिशिष्ट जारी

ट

वेंकटेशन, पी. (2020). "सीमित दूरी के साथ सुविधा स्थान की समस्या" पर एक नोट. परिवहन विज्ञान. doi:https://doi.org/10.1287/trsc.2020.0992

विजयलक्ष्मी, ए., और लिन, एम.एच. (2020). माताओं के लिए एक सशक्त उपकरण के रूप में सोशल मीडिया: भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका से साक्ष्य. उपभोक्ता अनुसंधान में अग्रिम, 48, 305-307. यूआरएल: https://www.acrwebsite.org/volumes/2661394/volumes/v48/NA-48

विजयलक्ष्मी, ए., लिन, एम.एच., और लैक्ज़्रियाक, आर.एन. (2020). इंटरनेट विज्ञापनों के प्रति किशोरों की प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन: विज्ञापन संशयवाद की भूमिका, इंटरनेट साक्षरता, और माता-पिता की मध्यस्थता. विज्ञापन का जर्नल. doi:https://doi.org/10.1080/00913367.2020.1770639

विजयलक्ष्मी, ए., तोमर, एन., और कपूर, अंकुर. (2020). उपभोग और उत्पादन गतिविधियों के साथ धार्मिक भेदभाव/अलगाव की परस्पर क्रिया. उपभोक्ता अनुसंधान में अग्रिम, 48, 764-765. यूआरएल: https://www.acrwebsite.org/volumes/2662572/volumes/v48/NA-48

विश्वनाथन, एम., उमाशंकर, एन., श्रीकुमार, ए., और गोरेज़नी, ए. (2021). बेहतर विश्व के मार्ग के रूप में बाज़ार साक्षरता: निम्न-पहुँच वाले निर्वाह बाज़ारों में क्षेत्रीय प्रयोगों से साक्ष्य. मार्केटिंग का जर्नल. doi:https://doi.org/10.1177/0022242921998385

वेई, एल.-क्यू., लेहमबर्ग, डी., गुप्ता, वी., यंग, एम.एन., साउथम, सी. और लियांग, जे. (2020). गुणवत्तापूर्ण शिक्षण मामलों का प्रकाशन. एशियन केस रिसर्च जर्नल. doi:https://doi.org/10.1142/S0218927520010014

झांग, वाई., क्वाक, एच., पुजाकोवा, एम., और टेलर, सी. आर. (2020). क्या अंतरिक्ष मात्रा बोलता है? उत्पाद आकार अनुमानों पर इंटरस्पेस का प्रभाव. उपभोक्ता अनुसंधान में अग्रिम. यूआरएल: acrwebsite.org/volumes/2661689/volumes/v47/NA-48

झांग, वाई., क्वाक, एच., पुजाकोवा, एम., और टेलर, सी. आर. (2020). जब व्याकुलता अच्छी बात हो सकती है: कम फिट ब्रांड विस्तार मूल्यांकन में व्याकुलता की भूमिका. मनोविज्ञान और विपणन. doi:https://doi.org/10.1002/mar.21329

झांग, वाई., क्वाक, एच., पुजाकोवा, एम., और टेलर, सी. आर. (2021). प्रदर्शन पर उत्पादों के बीच की जगह: उत्पाद के आकार के उपभोक्ता अनुमान पर इंटरस्पेस का प्रभाव. विपणन विज्ञान अकादमी का रोज़नामचा. doi:https://doi.org/10.1007/s11747-021-00772-4

पुस्तकों में अध्याय

अग्रवाल, एस.के., जैकब, जे., वर्मा, जे.आर., और वासुदेवन, ई. (2020). भारतीय बाजार में बीटा के खिलाफ दांव. ए. के. मिश्रा, वी. अरुणाचलम, एस. महापात्रा, और डी. ओल्सन (सं.) में, उभरती अर्थव्यवस्थाओं का वित्तीय परिदृश्य. चाम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग.

बनर्जी, ए., और बनर्जी, टी. (2020). भारत में संगठनों में व्यापार विश्लेषण संस्कृति को डिजाइन करना. इनसाइक्लोपीडिया ऑफ ऑर्गनाइजेशनल नॉलेज, एडमिनिस्ट्रेशन और टेक्नोलॉजी (वॉल्यूम 2). हर्षे: आईजीआई ग्लोबल.

बेदी, ए., चक्रवर्ती, ए., देबनाथ, एस., मेब्रेटी, ए.डी., पांडा, पी., वैन डे पोएल, ई., . . . ज़ेवडू, जी.ए. (2020). सामाजिक स्वास्थ्य बीमा योजनाएं. जे. जालान, एस. मरजीत, और एस. संतरा (सं.), इंडिया पब्लिक फाइनेंस और पॉलिसी रिपोर्ट में. नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

गुप्ता, वी., और गोपालन, एन. (2021). एल-ई-ए-पी: ज्ञान-गहन संगठनों के लिए एक नया संगठनात्मक संस्कृति ढांचा. एम. टी. लेपले, ओ. मोरालेस, पी. एसेन्स, एन.जे. ब्यूटेल, और एन. मजलुफ (सं.) में, मानव केंद्रित संगठनात्मक संस्कृति: वैश्विक आयाम. न्यूयॉर्क: रूटलेज.

गुप्ता, वी., भट्टाचार्य, एस., और गोपालन, एन. (2021). भावनाएं, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संघर्ष प्रबंधन: कार्यस्थल में सॉफ्ट स्किल्स को अनुकूलित करने के लिए एक वैचारिक ढांचा. एम.-टी में Lepeley, ओ मोरालेस, पी. एसेन्सएन. जे. बेउटेल, और एन. मज़्लुफ़. (ईडीएस1), मानव केंद्रित प्रबंधन और वैश्विक स्थिरता के लिए सॉफ्ट स्किल्स. न्यूयॉर्क: रूटलेज.

जैन, आर., और नियोगी, पी. (2020). भारत में ब्रॉडबैंड मोबाइल संचार का विकास: रुझान, नीतिगत मुद्दे और चुनौतियां. जी. टेलर, और सी. मिडलटन (सं.) में, फ्रीक्वेंसीज़: अंतर्राष्ट्रीय स्पेक्ट्रम नीति. क्यूबेक: मैकगिल क्वींस यूनिवर्सिटी प्रेस.

मेंडोंका, ए., डी'क्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2020). सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों में ट्रोलिंग. एल. आर. सालाज़ार (सं.) में, कार्यस्थल में साइबरबुलिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न पर शोध की पुस्तिका. हर्षे: आईजीआई ग्लोबल.

परिशिष्ट जारी

ट

मिश्रा, ए.के., और महापात्रा, एस. (2020). उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में विकसित वित्तीय परिदृश्य. ए. के. मिश्रा, वी. अरुणाचलम, एस. महापात्रा, और डी. ओल्सन (सं.) में, उभरती अर्थव्यवस्थाओं का वित्तीय परिदृश्य. चाम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग.

नोरोन्हा, ई., और डी›क्रूज़, पी. (2021). भारत में रोजगार संबंध जी. जे. बंबरे, एफ. एल. कुकवी. डोएलगास्त, और सी. एफ. राइट(Eds.) में, अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक रोजगार संबंध: वैश्विक संकट और संस्थागत प्रतिक्रियाएं. साधू.

राम मोहन, एम. पी., और राज, वी. (2020). समाधान योजनाओं के लिए विलय नियंत्रण: क्या संकटग्रस्त फर्मों के अधिग्रहण के लिए प्रतिस्पर्धा की जांच जरूरी है? भारत में दिवाला और दिवालियापन शासन में: एक कथा. नई दिल्ली: भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड.

सिंह, एस. (2020). स्वामित्व बनाम नियंत्रण: भारत के उदारीकृत कृषि संदर्भ में भूमि उपयोग की बदलती गतिशीलता. डी. के. मिश्रा, और पी. नायक (सं.) में, नवउदारवादी भारत में भूमि और आजीविका. सिंगापुर: पालग्रेव मैकमिलन.

तुरगा, आर.एम., और सुगथन, ए. (2020). भारत में पर्यावरण नियम. ऑक्सफोर्ड रिसर्च इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एनवायरनमेंटल साइंस में. ऑक्सफोर्ड यूनिवरसिटि प्रेस.

सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

अधिकारी, ए., कृष्णा सुंदर, डी., बोरा, एस.बी., और शर्मा, ए. (2020, 14 फरवरी). उभरते बाजार में खुदरा विक्रेताओं द्वारा उनके बहु-आयामी प्रदर्शन में डिजिटल भुगतान प्रणाली अपनाने के प्रभाव की जांच करना. पेपर 2020 एएमए शीतकालीन अकादमिक सम्मेलन, कैलिफोर्निया में प्रस्तुत किया गया.

बब्बर, के. (2021, 26-27 मार्च). कोविड-19ने मासिक धर्म वालों के मासिक धर्म स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित किया है. इंडिया पब्लिक पॉलिसी नेटवर्क (आईपीपीएन) वार्षिक सम्मेलन में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

बब्बर, के., और रुस्तगी, एन. (2021, मार्च 3-5). भारत में कोविड-19, लॉकडाउन, और सैनिटरी वस्तुओं तक पहुंच. छठे एशिया पैसिफिक पब्लिक पॉलिसी नेटवर्क (एपी-पीपीएन) वार्षिक सम्मेलन में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

बब्बर, के., और सलूजा, डी. (2020, 24-26 अगस्त). 15-24 आयु वर्ग की महिलाओं के बीच सामाजिक-जनसांख्यिकी स्वच्छता वस्तुओं के उपयोग और अंडाकार चक्र ज्ञान को कैसे प्रभावित करती है: एनएफएचएस -4 सर्वेक्षण से निष्कर्ष. सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर XV अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

बब्बर, के और सिंह, वी. (2020, 24-26 अगस्त). भारतीय संदर्भ में महिलाओं के सापेक्ष संसाधन, सशक्तिकरण और शारीरिक शोषण: पति के पितृसत्तात्मक रवैये की मध्यम भूमिका. सार्वजनिक नीति और प्रबंधन पर XV अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

बब्बर, के., और सिंह, वी. (2020, 4-5 दिसंबर). जब बाजार वायरल हुआ: कोविड-19, स्टॉक रिटर्न, और फर्म की विशेषताएं. पेपर एशिया-पैसिफिक फाइनेंशियल मार्केट्स (सीएएफएम) पर 15वें वार्षिक सम्मेलन में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया.

बंसल, वी., और रॉय, डी. (2020, नवंबर 8-13). मल्टी-लाइन ऑर्डर के साथ एकीकृत स्टोरेज-ऑर्डर पिकिंग सिस्टम के लिए स्टोकेस्टिक मॉडल. आईएनऍफ़ओआरएम् एस 2020 पर ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

बंसल, वी., दीप प्रकाश, सी., रॉय, डी., और सुब्रमण्यम, एस.सी. (2020, 28-30 अक्टूबर). स्वायत्त इलेक्ट्रिक वाहन साझाकरण प्लेटफार्मों के लिए रणनीतिक और परिचालन नीतिगत निर्णयों की मॉडलिंग करना. सस्टेनेबल रोड फ्रेट पर 7वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

बेयर, आरसीएम., टी. जैन., और सिन्हा, एस. (2020, 9 सितंबर). बत्तियां बंद? कोविड-19 नियंत्रण नीतियां और आर्थिक उत्पादन. छठे दक्षिण एशिया आर्थिक नीति नेटवर्क सम्मेलन, विश्व बैंक, यूएसए में प्रस्तुत किया गया पेपर.

बोस, जी., जैन, टी., और वॉकर, एस. (2020, दिसंबर 14-17). महिलाओं की श्रम शक्ति की भागीदारी और घरेलू प्रौद्योगिकी को अपनाना. इकोनोमेट्रिक सोसाइटी विंटर स्कूल, नई दिल्ली, भारत में प्रस्तुत किया गया पेपर.

धर, डी., जैन, टी., और जयचंद्रन, एस. (2020, 7 नवंबर). किशोरों के लिंग दृष्टिकोण को फिर से आकार देना: भारत में एक स्कूल-आधारित प्रयोग से साक्ष्य. उत्तर पूर्व विश्वविद्यालय विकास सम्मेलन, इंग्लैंड में प्रस्तुत किया गया पेपर.

धर, डी., जैन, टी., और जयचंद्रन, एस. (2020, 23 सितंबर). किशोरों के लिंग दृष्टिकोण को फिर से आकार देना: भारत में एक स्कूल-आधारित प्रयोग से साक्ष्य. फ्रंटियर्स इन डेवलपमेंट पॉलिसी कॉन्फ्रेंस, कोरिया डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, दक्षिण कोरिया में प्रस्तुत किया गया पेपर.

परिशिष्ट जारी

ट

धर, डी., जैन, टी., और जयचंद्रन, एस. (2021, 5 मार्च). किशोरों के लिंग दृष्टिकोण को फिर से आकार देना: भारत में एक स्कूल-आधारित प्रयोग से साक्ष्य. अहमदाबाद विश्वविद्यालय के दूसरे वार्षिक अर्थशास्त्र सम्मेलन 2021, अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत किया गया पेपर.

डोंगरे, ए., सिंघल, ए., और दास, पी. (2020, 26-27 फरवरी). इकोनॉमिक्स एकेडेमिया में मिसिंग वूमेन: एविडेंस फ्रॉम इंडिया. दक्षिण एशियाई आर्थिक विकास, नई दिल्ली, भारत पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर.

गुप्ता, वी., और गोपाकुमार, के.वी. (2020, अगस्त 7-11). लाभ और उद्देश्य का संयोजन: प्रबंधन मिशन संगठनात्मक विकास के साथ बहता है. प्रबंधन अकादमी की बैठक 2020 (ऑनलाइन) वैंकूवर, कनाडा में प्रस्तुत किया गया पेपर.

खान, एफ., कुमार, एन., और अहमद, डब्ल्यू. (2021, 24-26 मार्च). कोविड-19 और ऑनलाइन शिक्षा: दिल्ली सरकार के स्कूलों के छात्रों के लिए बढ़ती चुनौतियाँ. शिक्षा, सीआईईटी-एनसीईआरटी, नई दिल्ली में आईसीटी में उभरते रुझानों पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर.

खेमानी, जी., (2020, अगस्त 7-11). क्या संस्थागत सिद्धांत आकस्मिकता का एक विशेष मामला है? प्रबंधन अकादमी (एओएम) - ओएमटी ग्लोबल पीडीडब्ल्यू 2020, वैंकूवर की 80 वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया पेपर.

कुलकर्णी, वी. और शर्मा, एस. (2020, 4-6 दिसंबर). महिला उद्यमी और लिंगवाद: जेंडर का प्रदर्शन करना और सीमाओं को नेविगेट करना. यूरोपीय प्रबंधन अकादमी, डबलिन में प्रस्तुत किया गया पेपर.

कुमार, वी., बोराह, एस.बी., शर्मा, ए., और अकेला, वाई. एल. (2020, फरवरी 15). मुख्य विपणन अधिकारी का विवेक और फर्मों का अंतर्राष्ट्रीयकरण: एक अनुभवजन्य जांच. 2020 एएमए शीतकालीन अकादमिक सम्मेलन, कैलिफोर्निया में प्रस्तुत किया गया पेपर.

कुमारी, आर., टाटावर्ती, ए., और सहाय, एस. (2020, 21-22 दिसंबर). कई रसोइयों भी शोरबा खराब करते है? प्रचारक उपहारों की संख्या और उपभोक्ता की पसंद पर प्रभाव. 14वें NASMEI अंतर्राष्ट्रीय विपणन सम्मेलन में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

राज, जी., और रॉय, डी. (2020, नवंबर7-11). किराना ऑर्डर पूर्ति लागत को कम करना. आईएनऍफ़ओआरएम्एस 2020 पर ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

सहाय, ए., महापात्र, एस., और राठी, एस. (2021, फरवरी 5-6). सेंट्रल बैंक गोल्ड रिजर्व और सॉवरेन क्रेडिट रिस्क. चौथे IGPC आईआईएमए वर्चुअल सम्मेलन, अहमदाबाद में प्रस्तुत किया गया पेपर.

सेखरी, एस., और त्रिपाठी, एस. (2020, 21-22 दिसंबर). माई बकेट लिस्ट: कार्ट और विशलिस्ट व्यवहार को कैसे प्रभावित करते हैं. 14वें एनएएसएम्ईआई अंतर्राष्ट्रीय विपणन सम्मेलन में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

शर्मा, शरद, जैन, आर., और गुप्ता, वी. (2020, दिसंबर 17-19). उभरती अर्थव्यवस्था में आईएस मेगाप्रोफेसर जेक्ट के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रस्तावित मॉडल. आईएफआईपी डब्ल्यूजी 8.6 सम्मेलन 2020, आईआईएम त्रिची में प्रस्तुत किया गया पेपर.

सिंह, एच. और वर्मा, एस. (2021, जनवरी 5-8). संगठनात्मक पैमाने पर अनिवार्य टेलीवर्क के कारण आईएस दक्षताओं का विकास- एक कार्य-प्रणाली दृष्टिकोण. सिस्टम साइंसेज (एचआईसीएसएस), हवाई, यूएसए पर हवाई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर.

सिंह, एच. के. और वर्मा, एस. (2020, 1-4 दिसंबर). कार्यस्थल पर गामिफिकेशन: सिद्धांत, निर्माण और वैचारिक ढांचे. इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर कंप्यूटर और इंफॉर्मेशन साइंस, 2020, न्यूजीलैंड में प्रस्तुत किया गया पेपर.

सिंह, एच.के., और वर्मा, एस. (2020, दिसंबर 17-19). अनिवार्य टेलीवर्क अपनाने की चुनौतियों और कर्मचारी जुड़ाव पर इसके प्रभाव को समझना. आईएफआईपी डब्ल्यूजी 8.6 सम्मेलन 2020, आईआईएम त्रिची में प्रस्तुत किया गया पेपर.

सिंह, एच.के., और वर्मा, एस. (2021, जनवरी 4-6). संगठनात्मक पैमाने पर अनिवार्य टेलीवर्क के कारण आईएस दक्षताओं का विकास - एक कार्य-प्रणाली दृष्टिकोण. एसीआईएस 2020 सम्मेलन में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

सिंह, वी. (2020, अक्टूबर 12-16). प्रसवपूर्व देखभाल को बढ़ावा देना: संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग का उपयोग करके कारकों की पहचान करना. सार्वजनिक स्वास्थ्य 2020 पर 16वीं विश्व कांग्रेस में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

श्रीवास्तव, पी., जैकब, जे., गोपालकृष्णन, बी. (2020, 11-12 दिसंबर). जब बाजार वायरल हुआ: कोविड-19, स्टॉक रिटर्न, और फर्म की विशेषताएं. सिक्योरिटीज और फाइनेंशियल मार्केट्स के सिद्धांतों और नेशनल सन यात-सेन

यूनिवर्सिटी, काऊशुंग सिटी व्यवहारों पर 28 वें सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर।

वायचल, एन., लाहा, ए.के., और सिन्हा, ए. (2020, 26-28 अक्टूबर). अनुकूली रैंकिंग और एनसेम्बलर एल्गोरिथम 13X10 (क्षेत्र 130) - कई मानदंड आधारित उपयोगकर्ता-संवादात्मक मूल्यांकन और समय श्रृंखला पूर्वानुमानों के संयोजन के लिए एक एल्गोरिथ्म. फोरकास्टिंग पर 40वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया पेपर.

2020-21 के दौरान अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति द्वारा आयोजित अनुसंधान वेबिनार

संकाय और संबद्धता का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
प्रोफेसर अद्रिजा मजूमदार आईआईएम अहमदाबाद	क्या ट्वीट्स फर्मों के लिए मूल्य पैदा करते हैं? निर्माण कंपनियों के लिए ट्विटर के उपयोग और ट्वीट्स की सामग्री का विश्लेषण	29 अप्रैल, 2020
प्रोफेसर लिम युन फोंग सिंगापुर प्रबंधन विश्वविद्यालय	मजबूत अनुकूलन का उपयोग करके ऑनलाइन खुदरा बिक्री के लिए प्रतिक्रियाशील पूर्ति के साथ प्रत्याशित पुनःपूर्ति-आवंटन को एकीकृत करना	12 मई, 2020
प्रोफेसर सौरव विकास बोहरा आईआईएम अहमदाबाद	उभरते बाजार में ग्राहक मंथन को कम करने के लिए सेवा पुनर्प्राप्ति रणनीतियों का लाभ उठाना	21 मई, 2020
प्रोफेसर फैबियन स्टिंग कोलोन विश्वविद्यालय	स्पार्किंग मैन्युफैक्चरिंग इनोवेशन: कैसे अस्थायी इंटरप्लांट असाइनमेंट कर्मचारी आइडिया के मूल्यों को बढ़ाते हैं	10 जून 2020
डॉ. प्रकाश लौंगानी, आईएमएफ श्री श्रीराम बालासुब्रमण्यम, आईएमएफ प्रोफेसर ऋषभ कुमार, मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय	तेजी से विकास के बीच असमानता की गतिशीलता: उदारीकरण के बाद का भारतीय परिप्रेक्ष्य	18 जून, 2020
प्रोफेसर विशाल गुप्ता आईआईएम अहमदाबाद	भौगोलिक असमानता और टीम सदस्य प्रभाव: प्रारंभिक टीम मीटिंग मामले में भावनाओं का अनुभव करें	26 जून, 2020
प्रोफेसर तरुण जैन आईआईएम अहमदाबाद	महिला श्रम बल की भागीदारी और घरेलू प्रौद्योगिकी को अपनाना	3 जुलाई, 2020
प्रोफेसर सिल्विया हे चीनी हांगकांग विश्वविद्यालय (सीयूएचके)	हांगकांग में पारगमन उन्मुख विकास और आवासीय स्थान: आर्थिक और सामाजिक-स्थानिक दृष्टिकोण से	16 जुलाई, 2020
प्रोफेसर अनिंद्य घोष एनवाईयू स्टर्न स्कूल	ग्राहक प्रक्षेपवक्र पैटर्न का उपयोग करते हुए मोबाइल लक्ष्यीकरण	26 जुलाई, 2020
प्रोफेसर श्रीधर नारायणन ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी	उभरते बाजारों में खुदरा विक्रेताओं का आधुनिकीकरण: बाहरी रूप से केंद्रित और आंतरिक रूप से केंद्रित दृष्टिकोणों की जांच करना	10 अगस्त, 2020
प्रोफेसर अजीत एन. माथुर आईआईएम अहमदाबाद	काम का भविष्य	21 अगस्त, 2020
डॉ. मनस्वी कुमार आईएएस, पंजाब कैडर	संस्कृतियों और ऊर्जा खपत के स्थानों से ऊर्जा गरीबी को दूर करना	24 अगस्त 2020

परिशिष्ट जारी

ट

संकाय और संबद्धता का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
प्रोफेसर प्रणव सिंह आईआईएम अहमदाबाद	प्रमोटरों द्वारा शेयर गिरवी रखना: अच्छा, बुरा और बदसूरत	28 अगस्त, 2020
प्रोफेसर देवी विजय आईआईएम कलकत्ता	बेडसाइड पर अजनबी: सबाल्टर्न एकजुटता और नया रूप संस्थागतकरण	8 सितंबर, 2020
प्रोफेसर अभिरूप मुखर्जी हांगकांग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	आकाश में आंखें: निजी उपग्रह और सरकारी मैक्रो डेटा	16 सितंबर, 2020
प्रोफेसर नेहारिका वोहरा आईआईएम अहमदाबाद	भारत में बोर्ड में महिलाएं: संख्या, संरचना, अनुभव और महिला निदेशकों का समावेश	29 सितंबर, 2020
प्रोफेसर पंकज सेतिया आईआईएम अहमदाबाद	ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का टेकऑफ़: सामुदायिक गतिविधियों पर आधारित एक सिग्नलिंग परिप्रेक्ष्य	5 अक्टूबर, 2020
प्रोफेसर एडम ऑरबाच अमेरिकी विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डीसी	विकास की मांग: भारत की शहरी मलिन बस्तियों में सार्वजनिक वस्तुओं के प्रावधान की राजनीति	10 अक्टूबर, 2020
प्रोफेसर आलोक कुमार नेब्रास्का-लिंकन विश्वविद्यालय	समूह क्रय संगठन: वे औद्योगिक बाजारों में प्रदर्शन को कैसे और कब सुगम बनाते हैं?	16 अक्टूबर, 2020
डॉ. कौशलेंद्र किशोर सीएएफआरएएल	क्रेडिट बीमा, खैरात और प्रणालीगत जोखिम	17 नवंबर, 2020
प्रोफेसर उत्पल भट्टाचार्य हांगकांग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	क्या महिलाओं को बदतर वित्तीय सलाह मिलती है?	18 नवंबर, 2020
प्रोफेसर स्टेफनस जैसिन मिशिगन यूनिवर्सिटी	ई-कॉमर्स खुदरा विक्रेताओं के लिए संयुक्त उत्पाद तैयार करना और ऑर्डर पूर्ति	9 दिसंबर, 2020
प्रोफेसर जोहान्स उर्पेलैनेन एसएआईएस, जॉन्स हॉपकिंस	क्या प्रतिनिधित्व असमानता को कम कर सकता है? ग्रामीण भारत में जातीय दल, चुनावी कोटा और पीने के पानी की पहुंच	18 दिसंबर, 2020
प्रोफेसर संदीप चक्रवर्ती आईआईएम अहमदाबाद	प्रकृति बनाम पोषण: आवासीय अचल संपत्ति मूल्य पर नेटवर्क केंद्रीयता, क्षेत्रीय पहुंच और स्थानीय सुविधाओं के प्रभावों का विश्लेषण	21 दिसंबर, 2020
डॉ. तन्मय मजीला आईआईएम अहमदाबाद	भारत में निजी स्कूलों से किसे लाभ होता है	28 दिसंबर, 2020
प्रोफेसर लुडविग लेवसेउर आईआईएम बैंगलोर	पारिवारिक फर्मों में समय परिप्रेक्ष्य और उद्यमशीलता उन्मुखीकरण: कुछ सैद्धांतिक प्रस्ताव	4 जनवरी 2021

परिशिष्ट जारी

ट

संकाय और संबद्धता का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
प्रोफेसर मार्टिन पार्कर ब्रिस्टल विश्वविद्यालय	संगठनात्मक और सामाजिक चुनौतियों के लिए प्रबंधन शिक्षा को अधिक प्रासंगिक बनाना	8 जनवरी 2021
प्रोफेसर गैब्रिएल क्रुक्स-विसनर वर्जीनिया विश्वविद्यालय	राज्य का दावा: ग्रामीण भारत में सक्रिय नागरिकता और सामाजिक कल्याण	20 जनवरी, 2021
प्रोफेसर मैथ्यू जे. हिगिंस यूटाही विश्वविद्यालय	प्रतिकूल नियामक घटनाओं के प्रभावों को खोलना: फार्मास्युटिकल रीलेबेलिंग से साक्ष्य	25 जनवरी, 2021
प्रोफेसर अनिंद्य एस. चक्रवर्ती आईआईएम अहमदाबाद	वित्तीय आंदोलन नेटवर्क: अस्थिरता, केंद्रीयता और लहरें	11 फरवरी, 2021
प्रोफेसर मिली मेहत्रोत्रा इलिनोइस विश्वविद्यालय अर्बाना-शैंपेन	नैदानिक अध्ययन में सहभागी प्रतिधारण के लिए प्रोफेसर त्साहन योजनाओं का विश्लेषण	19 फरवरी, 2021
प्रोफेसर जेले डे व्रीस इरास्मस विश्वविद्यालय	प्रयास बेकार जाते हैं? आपूर्ति श्रृंखला सहयोग में ग्रह-लाभ व्यापार-बंद	23 फरवरी, 2021
प्रोफेसर सुबोध कुमार टेंपल विश्वविद्यालय	संचालन प्रबंधन, सूचना प्रणाली, विपणन और अन्य संबंधित डोमेन में उभरते व्यावसायिक विश्लेषण और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों से संबंधित मुद्दे	1 मार्च, 2021
प्रोफेसर विवेक साहू नेवादा विश्वविद्यालय, लास वेगास	संबद्ध वित्तीय सेवाओं के लिए उपभोक्ताओं का संचालन: बंधक पूर्व-अनुमोदन और क्रेडिट की लागत से साक्ष्य	18 मार्च, 2021
प्रोफेसर एंड्रयू जे. हॉफमैन मिशिगन यूनिवर्सिटी	संस्कृति जलवायु परिवर्तन बहस को कैसे आकार देती है	26 मार्च 2021

आयोजित की गई ब्राउन बैग संगोष्ठी

अध्यक्ष का नाम	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
प्रोफेसर चित्रा सिंगला	पारिवारिक फर्मों की शीर्ष प्रबंधन टीम के भीतर बिजली वितरण को प्रभावित करने वाले कारक	20 नवंबर, 2020
श्री गणेश बालासुब्रमण्यम	विकेंद्रीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं में रणनीतिक सूची और लागत सीखने का प्रभाव	11 दिसंबर, 2020
श्री अभिषेक शॉ और श्री सावन राठी	कृषि आय सहायता योजनाएँ: भारत में रायथु बंधु के प्रभावों को मापना	8 जनवरी 2021
प्रोफेसर जोशी जैकब	कोविड-19 के दौरान म्यूचुअल फंड एसेट एलोकेशन	12 फरवरी, 2021
श्री अविजित बंसल	स्वभाव पूर्वाग्रह पर मूल्य पथ का प्रभाव	12 मार्च, 2021

परिशिष्ट जारी

ट

अनुसंधान कार्यशालाओं का आयोजन

सूत्रधार और संबद्धता का नाम	कार्यशाला का विषयt	दिनांक
प्रोफेसर अनुज कपूर आईआईएम अहमदाबाद	अर्थशास्त्र और विपणन में अर्ध-प्रयोगात्मक अनुसंधान विधियां	22 सितंबर, 2020
प्रोफेसर चिन्मय तुम्बे आईआईएम अहमदाबाद	जनगणना, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और ऐतिहासिक शोध विधियां	27 अक्टूबर, 2020
प्रोफेसर ब्रैड ह्यूजेस विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, यूएसए	अपने शोध को प्रकाशित करना: उस संरचना और प्रक्रिया को समझना जो सफल पेपर की ओर ले जाती है	2, 4 और 6 नवंबर, 2020
प्रोफेसर ब्रैड ह्यूजेस विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय, यूएसए	अपने शोध लेखन में शैली में सुधार	9, 11 और 13 नवंबर, 2020
प्रोफेसर देवस्मिता चक्रवर्ती आईआईएम अहमदाबाद	मिश्रित तरीके अनुसंधान	20 नवंबर, 2020
प्रोफेसर रामनाथन एस. आईआईएम अहमदाबाद	एप्लाइड गेम थ्योरी और मार्केटिंग - एक दिलचस्प जांच के लिए क्या बनाता है	4 दिसंबर, 2020
प्रोफेसर जीवंत रामपाल आईआईएम अहमदाबाद	प्रायोगिक-विधियाँ अनुसंधान	5 जनवरी, 2021
प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा और प्रोफेसर प्रेमिला डी'क्रूज़ आईआईएम अहमदाबाद	प्रबंधन अनुसंधान में दृश्य विधियों का उपयोग करना	10 फरवरी, 2021
प्रोफेसर आदित्य सी. मोज़ेस आईआईएम अहमदाबाद	सिद्धांत निर्माण	30 मार्च, 2021

ठ

केस, अनुसंधान, और परामर्श

वर्ष	पूर्ण हुए केस (संचयी)	पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण हुई परामर्श परियोजनाएँ (संचयी)
2009-10	3050	791	2405
2010-11	3062	792	2510
2011-12	3068	793	2634
2012-13	3080	797	2708
2013-14	3169	814	2823
2014-15	3210	889	3356
2015-16	3849	889	3438
2016-17	3891	894	3492
2017-18	3918	901	3528
2018-19	3977	909	3564
2019-20	4020	928	3591
2020-21	4091	956	3622

ड

केस केंद्र

ड1 पंजीकृत केस/तकनीकी नोट /शिक्षण नोट

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
वित्त एवं लेखा0550	5/16/2020	केस	दोहराना: कॉल स्प्रेड ओवरले के साथ परिवर्तनीय बांड	सिन्हा, सिद्धार्थ
वित्त एवं लेखा0550 टीएन	5/16/2020	शिक्षण नोट	दोहराना: कॉल स्प्रेड ओवरले के साथ परिवर्तनीय बांड: एक शिक्षण नोट	सिन्हा, सिद्धार्थ
एमएआर0512(ए)	5/16/2020	केस	अर्बनक्लैप: ऑन-डिमांड सेवाओं के लिए मार्केट प्लेस (ए)	अभिषेक, मुखर्जी, सरल, पात्रा, योगिता
एमएआर0512(बी)	5/16/2020	केस	अर्बनक्लैप: ऑन-डिमांड सेवाओं के लिए मार्केट प्लेस (बी)	मुखर्जी, सरल पात्रा, योगिता अभिषेक
एमएआर0512टीएन	5/16/2020	शिक्षण नोट	अर्बनक्लैप: ऑन-डिमांड सेवाओं के लिए बाजार स्थान (ए) और (बी): एक शिक्षण	पात्रा, योगिता अभिषेक मुखर्जी, सरल
एचआरएम0245	5/19/2020	केस	समरधा इन्फोटेक: एक विशेष रूप से सक्षम संगठन	वशिष्ठ, तरुण कुमार वर्की, बीजू
एच आर एम् 0245 टीएन	5/19/2020	शिक्षण नोट	समरधा इन्फोटेक: एक विशेष रूप से सक्षम संगठन: एक शिक्षण नोट	वशिष्ठ, तरुण कुमार वर्की, बीजू
एमएआर 0513	5/19/2020	केस	HSBC: ब्लॉकचेन का उपयोग करके व्यापार वित्त की सुविधा प्रदान करना	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
एमएआर 0513 टीएन	5/19/2020	शिक्षण नोट	एचएसबीसी: ब्लॉकचेन का उपयोग करके व्यापार वित्त की सुविधा: एक शिक्षण नोट	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
वित्त एवं लेखा0551	5/22/2020	केस	कौशल विकास और प्रशिक्षण संस्थान - सामरिक लागत दक्षता पर एक "आंख"	देसाई, नमन
वित्त एवं लेखा0551 टीएन	5/22/2020	शिक्षण नोट	कौशल विकास और प्रशिक्षण संस्थान - सामरिक लागत दक्षता पर एक "आंख": एक शिक्षण नोट	देसाई, नमन
वित्त एवं लेखा0555	5/22/2020	केस	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में प्राइम ब्रोकिंग डिफ़ॉल्ट	वर्मा, जयंत रे अग्रवाल, शोभेश कुमार
वित्त एवं लेखा0555 टीएन	5/22/2020	शिक्षण नोट	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में प्राइम ब्रोकिंग डिफॉल्ट: एक टीचिंग नोट	वर्मा, जयंत रे अग्रवाल, शोभेश कुमार
सी ओ एम् एम् 0013 (बी)	5/28/2020	केस	नेस्ले (दिस) उलझा हुआ! भारत में मैगी नूडल संकट को दूर करना (बी)	चौधरी, विधि कौल, आशा

परिशिष्ट जारी

ड

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
सी ओ एम् एम् 0013 (बी) टीएन	5/28/2020	शिक्षण नोट	नेस्ले (दिस) उलझा हुआ! भारत में मैगी नूडल संकट का मुकाबला: एक शिक्षण नोट (बी)	चौधरी, विधि कौल, आशा
वित्त एवं लेखा0552 (बी)	6/1/2020	केस	इंडिग्रिड: भारत के पहले स्वतंत्र विद्युत पारेषण आमंत्रण (बी) में संक्रमण	अग्रवाल, शोभेश कुमार पांडेय, अजय
वित्त एवं लेखा0552 (बी) टीएन	6/1/2020	शिक्षण नोट	इंडिग्रिड: भारत के पहले स्वतंत्र विद्युत पारेषण आमंत्रण (बी) में संक्रमण: एक शिक्षण नोट	अग्रवाल, शोभेश कुमार पांडेय, अजय
पी आर ओ डी 0320 (ए)	6/1/2020	केस	बिगबास्केट (ए)	रॉय, देबजीत आनंद, अभिषेक
पी आर ओ डी 0320 (ए) टीएन	6/1/2020	शिक्षण नोट	बिगबास्केट (ए): एक टीचिंग नोट	रॉय देबजीत
बीपी0443	6/12/2020	केस	गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड भारतीय रियल एस्टेट बाजारों में रणनीतिक परिवर्तन में अग्रणी	चटर्जी, चिरंतन सत्यसिलन, अरुण पी.
बीपी 0443 टीएन	6/12/2020	शिक्षण नोट	गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड भारतीय रियल एस्टेट बाजारों में रणनीतिक परिवर्तन का नेतृत्व: एक शिक्षण नोट	चटर्जी, चिरंतन सत्यसिलन, अरुण पी.
ओबी0239	6/12/2020	केस	विकास और बचाओ: वाणिज्य के साथ संयोजन का कारण	गुप्ता, विशाल गोपकुमार, के वी ब्रह्मभट्ट, कृति
ओबी 0239 टीएन	6/12/2020	शिक्षण नोट	विकास और बचाओ: वाणिज्य के साथ संयोजन: एक शिक्षण नोट	गुप्ता, विशाल गोपकुमार, के वी ब्रह्मभट्ट, कृति
बीपी0445	6/23/2020	केस	इनोवासिंथ टेक्नोलॉजीज	माथुर, अजित
बीपी 0445 टीएन	6/23/2020	शिक्षण नोट	इनोवासिंथ टेक्नोलॉजीज: एक टीचिंग नोट	माथुर, अजित
पी आर ओ डी 0322	7/6/2020	केस	जोमैटो गोल्ड: द लॉगआउट कैंपेन	रॉय, देबजीत गर्ग, अमित गोविल, ईशान
पी आर ओ डी 0322 टीएन	7/6/2020	शिक्षण नोट	जोमैटो गोल्ड: द लॉगआउट कैंपेन: एक टीचिंग नोट	रॉय, देबजीत गर्ग, अमित गोविल, ईशान
वित्त एवं लेखा0553 टीईसी	7/10/2020	तकनीकी नोट	भविष्य के लिए रनवे	शर्मा, अखिल प्रोफेसर नमन देसाई द्वारा पर्यवेक्षित
ओबी0242	7/17/2020	केस	भारत में नियामक स्वतंत्रता: परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड का एक केस	गोपकुमार, के वी राम मोहन, एम पी

परिशिष्ट जारी

ड

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
ओबी 0242 टीएन	7/17/2020	शिक्षण नोट	भारत में नियामक स्वतंत्रता: परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड का एक केस: एक शिक्षण नोट	गोपकुमार, के वी राम मोहन, एम पी
सीआईआईई0018	7/22/2020	केस	एको	वोहरा, नेहारिका घोषाल, त्रिशा शर्मा, सुप्रिया
सीआईआईई0018टीएन	7/22/2020	शिक्षण नोट	एको: एक शिक्षण नोट	वोहरा, नेहारिका घोषाल, त्रिशा शर्मा, सुप्रिया
एस टी आर 0447	7/23/2020	केस	अनुबंध और हस्ताक्षर की अंतिमता: केंसिंग्टन केस के कोयज़	पाठक, अखिलेश्वर
एस टी आर 0447 टीएन	7/23/2020	शिक्षण नोट	अनुबंध और हस्ताक्षर की अंतिमता: केंसिंग्टन केस के कोय: एक शिक्षण नोट	पाठक, अखिलेश्वर
ओबी0243	8/13/2020	केस	जयवीर रॉय	वोहरा, नेहारिका चारी, विजयलक्ष्मी मेंडोंका, वैलेरी
ओबी 0243 टीएन	8/13/2020	शिक्षण नोट	जयवीर रॉय: एक टीचिंग नोट	वोहरा, नेहारिका मेंडोंका, वैलेरी बाजवा, तनवीर
एमएआर 0514	8/21/2020	केस	शिवम फाइनेंस - समेकित और विकसित करने के लिए फिनटेक का उपयोग?	बोहरा, श्रेनिक सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
एमएआर 0514 टीएन	8/21/2020	शिक्षण नोट	शिवम फाइनेंस - समेकित और विकसित करने के लिए फिनटेक का उपयोग? एक शिक्षण नोट	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
सीआईआईई0019	8/28/2020	केस	भारत में इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड	केदास, सतीश्वर सिन्हा, अंकुर
सीआईआईई0019एस	8/28/2020	परिशिष्ट	भारत में इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड: अनुपूरक	केदास, सतीश्वर सिन्हा, अंकुर
सीआईआईई0019 टीएन	8/28/2020	शिक्षण नोट	भारत में इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड: एक शिक्षण नोट	केदास, सतीश्वर सिन्हा, अंकुर
सी ओ एम् एम् 0025	9/10/2020	केस	धारणाओं को बदलना और परिणाम बदलना: एलएंडटी माइंडट्री का अधिग्रहण	कौल, आशा अग्रवाल, शोभेश कुमार
सी ओ एम् एम् 0025 टीएन	9/10/2020	शिक्षण नोट	धारणा बदलना और परिणाम बदलना: एलएंडटी माइंडट्री का अधिग्रहण: एक शिक्षण नोट	कौल, आशा अग्रवाल, शोभेश कुमार

परिशिष्ट जारी

ड

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
वित्त एवं लेखा0556	9/21/2020	केस	इंडस क्रिकेट अकादमी लिमिटेड: वित्तीय विवरणों का निर्माण	अग्रवाल, शोभेश कुमार
वित्त एवं लेखा0556 टीएन	9/21/2020	शिक्षण नोट	इंडस क्रिकेट अकादमी लिमिटेड: वित्तीय विवरणों का निर्माण: एक शिक्षण नोट	अग्रवाल, शोभेश कुमार
पी आर ओ डी 0328	9/21/2020	केस	एरीज़ एग्रो - फैसिलिटी लॉजिस्टिक्स में IoT का लाभ उठाना	रॉय, देबजीत श्रीवास्तव, प्रतीक
पी आर ओ डी 0328 टीएन	9/21/2020	शिक्षण नोट	एरीज़ एग्रो - फैसिलिटी लॉजिस्टिक्स में आईओटी का लाभ उठाना: एक टीचिंग नोट	रॉय, देबजीत श्रीवास्तव, प्रतीक
एचआरएम0246	9/24/2020	केस	वेदांत समूह में आंतरिक विकास का प्रबंधन	अग्रवाल, प्रोमिला कर्ण, अमित
एचआरएम 0246 टीएन	9/24/2020	शिक्षण नोट	वेदांत समूह में आंतरिक विकास का प्रबंधन: एक शिक्षण नोट	अग्रवाल, प्रोमिला कर्ण, अमित
एस टी आर 0448	9/24/2020	केस	स्मार्टफ़ोन ऐप्स और अनुबंध शर्तें: द उबेर केस	पाठक, अखिलेश्वर
एस टी आर 0448 टीएन	9/24/2020	शिक्षण नोट	स्मार्टफ़ोन ऐप्स और अनुबंध की शर्तें: द उबेर केस: एक शिक्षण नोट	पाठक, अखिलेश्वर
सार्वजनिक प्रणाली समूह0134 (ए)	9/29/2020	केस	अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट वेबसाइट - (ए)	राय, रजनीश
सार्वजनिक प्रणाली समूह0134 (बी)	9/29/2020	केस	अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट वेबसाइट - (बी)	राय, रजनीश
सार्वजनिक प्रणाली समूह0134 (सी)	9/29/2020	केस	अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट वेबसाइट - (सी)	राय, रजनीश
सार्वजनिक प्रणाली समूह0134टीएन	9/29/2020	शिक्षण नोट	ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट वेबसाइट: एक टीचिंग नोट	राय, रजनीश
बीपी0444	9/30/2020	केस	Tega . में ग्रोथ स्टॉल	माथुर, अजित
बीपी 0444 टीएन	9/30/2020	शिक्षण नोट	तेगा में ग्रोथ स्टॉल: एक टीचिंग नोट	माथुर, अजित
आईएस 0140	10/1/2020	केस	एक आकर्षक डेटा स्टोरी बनाना - एक खोज इंजन की विज्ञापन बिक्री रणनीति के अंदर	रंगनाथन; कविता
आईएस 140 टेक्	10/1/2020	तकनीकी नोट	डेटा के साथ सम्मोहक कहानियां बनाना: 5 आयामी दृष्टिकोण	रंगनाथन; कविता
आईएस 140 टीएन	10/1/2020	शिक्षण नोट	एक आकर्षक डेटा स्टोरी बनाना - एक खोज इंजन की विज्ञापन बिक्री रणनीति के अंदर: एक शिक्षण नोट	रंगनाथन; कविता

परिशिष्ट जारी

ड

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
सीआईआईई0021	10/15/2020	केस	सूक्ष्म आवास वित्त निगम	निएनडॉर्फ, एलिजाबेथ मिलाप, अक्षय मेंडोंका, वैलेरी कथूरिया, अजय कुमार कर्ण, अमित
सीआईआईई0021टीएन	10/15/2020	शिक्षण नोट	सूक्ष्म आवास वित्त निगम: एक शिक्षण नोट	कर्ण, अमित निएनडॉर्फ, एलिजाबेथ मिलाप, अक्षय मेंडोंका, वैलेरी कथूरिया, अजय कुमार
एमएआर 0519	10/23/2020	केस	स्टरलाइट टेक्नोलॉजीस लिमिटेड (एस टी एल)): केबल्स से लेकर सॉल्यूशन सेलिंग तक	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
एमएआर 0519 टीएन	10/23/2020	शिक्षण नोट	स्टेरीलाइट टेक्नोलॉजीस लिमिटेड (एस टी एल): केबल्स से लेकर सॉल्यूशन सेलिंग तक: एक टीचिंग नोट	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
एस टी आर 0450	10/24/2020	केस	एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल): उद्योग को आकार देना	माहेश्वरी, सुनील, अग्रवाल, अतुल माहेश्वरी, सुधांशु
एस टी आर 0450 टीएन	10/24/2020	शिक्षण नोट	एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल): उद्योग को आकार देना: एक शिक्षण नोट	माहेश्वरी, सुनील,
वित्त एवं लेखा0558 इएक्स	10/27/2020	व्यायाम	एक निर्माण फर्म में बेचे गए माल की लागत का अनुमान	नागर, नीरव
वित्त एवं लेखा0558 टीएन	10/27/2020	शिक्षण नोट	एक निर्माण फर्म में बेचे गए माल की लागत का अनुमान: एक शिक्षण नोट	नागर, नीरव
वित्त एवं लेखा0559	10/27/2020	केस	नॉर्दर्न टेक्सटाइल्स लिमिटेड (ए)	वर्मा, जयंत रे घोष, राहुल
वित्त एवं लेखा0559 टीएन	10/27/2020	शिक्षण नोट	नॉर्दर्न टेक्सटाइल्स लिमिटेड (ए): एक टीचिंग नोट	वर्मा, जयंत रे घोष, राहुल
एमएआर 0518	11/9/2020	केस	तनिष्क: मूल्य निर्धारण, खुदरा बिक्री और आभूषणों की सूची प्रबंधन	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा
एमएआर 0518 टीएन	11/9/2020	शिक्षण नोट	तनिष्क: मूल्य निर्धारण, खुदरा बिक्री और आभूषणों की सूची प्रबंधन: एक शिक्षण नोट	सहाय, अरविंद तिवारी, तारा

परिशिष्ट जारी

ड

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
एमएआर 0520	11/26/2020	केस	द ताशकंद फ़ाइलें: फ़िल्म व्यापार को धता बताते हुए एक इंडी फ़िल्म द्वारा व्यवधान	शर्मा, रजत, उनियाल प्रसाद, द्वारिका
एमएआर 0520 टीएन	11/26/2020	टीचिंग नोट	ताशकंद फ़ाइलें: फ़िल्म व्यापार को धता बताते हुए एक इंडी फ़िल्म द्वारा व्यवधान: एक शिक्षण नोट	शर्मा, रजत उनियाल प्रसाद, द्वारिका
एस टी आर 0449	11/26/2020	केस	तेगा उद्योग: दक्षिण अफ्रीका अधिग्रहण	कृष्णमूर्ति, रंगनाथन द्विबेड्डी, पुण्यश्लोक अग्रवाल, मयंकी कर्ण, अमित
एस टी आर 0449 टीएन	11/26/2020	शिक्षण नोट	तेगा उद्योग: दक्षिण अफ्रीका अधिग्रहण: एक शिक्षण नोट	अग्रवाल, मयंकी कृष्णमूर्ति, रंगनाथन द्विबेड्डी, पुण्यश्लोक कर्ण, अमित
पी आर ओ डी 0326	11/28/2020	केस	ट्रक कुकी नहीं है: महिंद्रा ट्रक और बस डिवीजन में मांग के साथ आपूर्ति का मिलान	रॉय, देबजीत
पी आर ओ डी 0326 टीएन	11/28/2020	शिक्षण नोट	ट्रक कुकी नहीं है: महिंद्रा ट्रक और बस डिवीजन में मांग के साथ आपूर्ति का मिलान: एक शिक्षण नोट	रॉय, देबजीत
बीपी0446	12/14/2020	केस	इंस्पिरॉन में दुष्ट समस्या	माथुर, अजित
बीपी 0446 टीएन	12/14/2020	शिक्षण नोट	इंस्पिरॉन में दुष्ट समस्या: एक शिक्षण नोट	माथुर, अजित
सीआईआईई0022	12/14/2020	केस	एनरिच डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड	माहेश्वरी, भावना सिंह, मंजरी
सीआईआईई0022 टीएन	12/14/2020	शिक्षण नोट	एनरिच डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड: एक टीचिंग नोट	माहेश्वरी, भावना सिंह, मंजरी
बीपी0319 (बी) टीएन	12/14/2020	शिक्षण नोट	थर्मेक्स (बी): एक शिक्षण नोट	माथुर, अजित
बीपी0319 (सी) टीएन	12/14/2020	शिक्षण नोट	थर्मेक्स (सी): एक शिक्षण नोट	माथुर, अजित
सीआईआईई0017	12/29/2020	केस	कलीडोफिन	मेंडोंका, वैलेरी शर्मा, सुप्रिया
सीआईआईई0017 टीएन	12/29/2020	शिक्षण नोट	बहुरूपदर्शक: एक शिक्षण नोट	मेंडोंका, वैलेरी शर्मा, सुप्रिया
एसटीआर0451 (भाग ए)	12/31/2020	केस	तेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड:एक भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी की यात्रा (भाग A)	सिंगला, चित्रा सिंह, बुलबुल

परिशिष्ट जारी

ड

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
एसटीआर0451 (भाग बी)	12/31/2020	केस	तेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड: एक भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी की यात्रा (भाग B)	सिंगला, चित्रा सिंह, बुलबुल
एसटी0451 टीएन	12/31/2020	शिक्षण नोट	तेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड: एक भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी की यात्रा: एक शिक्षण नोट	सिंगला, चित्रा सिंह, बुलबुल
वित्त एवं लेखा0554 इएक्स	1/5/2021	व्यायाम	माइक्रोसाइन उत्पादों में प्रौद्योगिकी उन्नयन	अग्रवाल, शालिनी कुंवर, कृपा
वित्त एवं लेखा0554 टीएन	1/5/2021	शिक्षण नोट	माइक्रोसाइन उत्पादों में प्रौद्योगिकी उन्नयन: एक शिक्षण नोट	अग्रवाल, शालिनी कुंवर, कृपा
एमएआर 0515	1/5/2021	केस	हाइपर-लोकल ई-ग्रोसरी स्पेस में प्रतिस्पर्धा: Tokri.com	किरण, बी एस शर्मा, रजत
एमएआर 0515 टीएन	1/5/2021	शिक्षण नोट	हाइपर-लोकल ई-ग्रोसरी स्पेस में प्रतिस्पर्धा: Tokri.com: एक टीचिंग नोट	किरण, बी एस शर्मा, रजत
सी ओ एम् एम् 0027	1/12/2021	केस	रेगिस्तान में पानी? ': असम में ऑयल इंडिया का सीएसआर प्रभाव	चौधरी, विधि कौल, आशा
सी ओ एम् एम् 0027 टीएन	1/12/2021	शिक्षण नोट	रेगिस्तान में पानी? ': ऑयल इंडिया का असम में सीएसआर प्रभाव: एक शिक्षण नोट	चौधरी, विधि कौल, आशा
एमएआर 0516	1/18/2021	केस (ग्राफिक उपन्यास)	दैट्स पर्सनल: प्राइवेसी डिलीवर	रॉय, शुभदीप महापात्र, शुभलक्ष्मी
एमएआर 0516 टीएन	1/18/2021	शिक्षण नोट	दैट्सपर्सनल: प्राइवेसी डिलीवर: एक टीचिंग नोट	रॉय, शुभदीप महापात्र, शुभलक्ष्मी
एमएआर 0517	2/9/2021	केस	TEGA उद्योग: कन्वेयर उत्पादों के लिए अंतर्राष्ट्रीयकरण रणनीति 2011	जैन, अभिनंदन मदन, मोहनका साहा, जहर
एमएआर 0517 टीएन	2/9/2021	शिक्षण नोट	तेगा उद्योग: कन्वेयर उत्पादों के लिए अंतर्राष्ट्रीयकरण रणनीति 2011: एक शिक्षण नोट	जैन, अभिनंदन मदन, मोहनका साहा, जहर
सार्वजनिक प्रणाली समूह0135	2/9/2021	केस	ऑयल इंडिया लिमिटेड की नहरकटिया-बरौनी पाइपलाइन में पंप स्टेशन परियोजना चरण I का उन्नयन	दत्ता, गौतम
सार्वजनिक प्रणाली समूह 0135 टीएन	2/9/2021	शिक्षण नोट	ऑयल इंडिया लिमिटेड की नहरकटिया-बरौनी पाइपलाइन में पंप स्टेशन परियोजना चरण I का उन्नयन: एक शिक्षण नोट	दत्ता, गौतम

परिशिष्ट जारी

ड

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
एचआरएम0235	2/10/2021	केस	माइक्रोसाइन पर मानव इंजीनियरिंग	वर्की; बीजू
एचआरएम् 0235 टीएन	2/10/2021	टीचिंग नोट	माइक्रोसाइन पर मानव इंजीनियरिंग: एक शिक्षण नोट	वर्की; बीजू मेनन, सुनंदा
ओबी 0240 (बी)	2/16/2021	केस	अच्छा खाना चुपचाप परोसा जाता है: माइम रेस्तरां (बी)	खोकले, प्रद्युम्न कुलकर्णी, वैभवी
ओबी 0240 (बी) टीएन	2/16/2021	शिक्षण नोट	अच्छा खाना चुपचाप परोसा जाता है: माइम रेस्तरां (बी): एक शिक्षण नोट	खोकले, प्रद्युम्न कुलकर्णी, वैभवी
एस टी आर 0458 (ए)	3/16/2021	केस	महिंद्रा में मानव संसाधन का व्यावसायीकरण (ए): परिवर्तन के लिए ट्रिगर	शर्मा, सुनील त्रिपाठी, राजेश्वरी दलवी, रिया टीकू, शिविन
एस टी आर 0458 (बी)	3/16/2021	केस	महिंद्रा (बी) में मानव संसाधन का व्यावसायीकरण: परिवर्तन और परिवर्तन प्रबंधन	शर्मा, सुनील
एस टी आर 0458 (सी)	3/16/2021	केस	महिंद्रा (सी) में मानव संसाधन का व्यावसायीकरण: भविष्य के लिए गियरिंग	शर्मा, सुनील
एस टी आर 0458 टीएन	3/16/2021	शिक्षण नोट	महिंद्रा (ए) (बी) और ©: एक शिक्षण नोट . में मानव संसाधन का व्यावसायीकरण	शर्मा, सुनील
एस टी आर 0459 टेक्	3/17/2021	तकनीकी नोट	माल की बिक्री: विवरण की निहित शर्त	पाठक, अखिलेश्वर
एस टी आर 0460 टेक्	3/17/2021	तकनीकी नोट	वारंटी खंड: निहित शर्तों और वारंटी का बहिष्करण	पाठक, अखिलेश्वर
ओबी0245	3/22/2021	केस	डेकाथलॉन इंडिया 2009-2019	वोहरा, नेहारिका
ओबी 0245 टीएन	3/22/2021	शिक्षण नोट	डेकाथलॉन इंडिया 2009-2019: एक टीचिंग नोट	चारी, विजयलक्ष्मी
पी आर ओ डी पी आर ओ डी 0327 (ए)	3/22/2021	केस	बिहार के नालंदा गांव निर्मलपुरा में ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना (ए)	वोहरा, नेहारिका
पी आर ओ डी 0327 (ए) टीएन	3/22/2021	शिक्षण नोट	बिहार में नालंदा के ग्राम निर्मलपुरा में ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना (ए): एक शिक्षण नोट	चारी, विजयलक्ष्मी
पी आर ओ डी 0327 (बी)	3/22/2021	केस	बिहार के नालंदा गांव निर्मलपुरा में ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना (बी)	दत्ता, गौतम
पी आर ओ डी 0327 (बी) टीएन	3/22/2021	शिक्षण नोट	बिहार में नालंदा गांव निर्मलपुरा में ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना (बी): एक शिक्षण नोट	दत्ता, गौतम

परिशिष्ट जारी

ड

पंजीकरण संख्या	पंजीकरण दिनांक	प्रकार	शीर्षक	लेखक
पी आर ओ डी 0327 (सी)	3/22/2021	केस	बिहार के नालंदा गांव निर्मलपुरा में ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना (सी)	दत्ता, गौतम
पी आर ओ डी 0327 (सी) टीएन	3/22/2021	शिक्षण नोट	बिहार के नालंदा गांव निर्मलपुरा में ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना (सी): एक शिक्षण नोट	दत्ता, गौतम
एचआरएम0249	3/25/2021	केस	शेयरधारक सक्रियता की लागत: एलवीबी शेयरधारक वोट आउट प्रबंधन	वर्की, बीजू पटेल, वीरंगी
एचआरएम0249टीएन	3/25/2021	शिक्षण नोट	शेयरधारक सक्रियता की लागत: एलवीबी शेयरधारक वोट आउट प्रबंधन: एक शिक्षण नोट	वर्ककी, बीजू पटेल, वीरंगी
आईएसओ 141 (ए)	3/31/2021	केस	जूम का लाइटनिंग बोल्ट बादलों से बना है (ए)	रंगनाथन; कविता पांडेय, श्रेया कुमार, अमित
आईएसओ 141 (बी)	3/31/2021	केस	ज़ूम का लाइटनिंग बोल्ट बादलों से बना है (B)	रंगनाथन; कविता पांडेय, श्रेया कुमार, अमित
आईएसओ 141 टीएन	3/31/2021	शिक्षण नोट	जूम का लाइटनिंग बोल्ट बादलों से बना है: एक शिक्षण नोट	रंगनाथन; कविता पांडेय, श्रेया कुमार, अमित
एस टी आर 0455 (ए)	3/31/2021	केस	वोडाफोन गुजरात केस (ए): उद्यमिता के माध्यम से बढ़ रहा है	सहगल, स्वाती मुखर्जी, सरल शर्मा, सुनील
एस टी आर 0455 (बी)	3/31/2021	केस	वोडाफोन गुजरात केस (बी): मजबूत करने की क्षमताएं	सहगल, स्वाती मुखर्जी, सरल शर्मा, सुनील
एस टी आर 0455 (ए) (बी) टीएन	3/31/2021	शिक्षण नोट	वोडाफोन गुजरात केस (ए) और (बी): टीचिंग नोट	मुखर्जी, सरल शर्मा, सुनील
एस टी आर 0461 टेक्	3/31/2021	शिक्षण नोट	कोई मौखिक संशोधन खंड नहीं: पार्टी स्वायत्तता की पहेली	पाठक, अखिलेश्वर
एस टी आर 0462 टेक्	3/31/2021	तकनीकी नोट	संपूर्ण अनुबंध खंड: अभ्यावेदन और गलत बयानी	पाठक, अखिलेश्वर

ड2 2020–2021 के दौरान संस्थान, अन्य शैक्षणिक संस्थानों और अन्य द्वारा उपयोग किए गए केस

संस्थान	प्रतियों की संख्या	साल दर साल विकास का %
आईआईएमए के अंतर्गत प्राप्त केस	59,713	–19.31
शैक्षणिक संस्थानों द्वारा खरीदे गए केस (खुदरा और वार्षिक अनुबंध समझौता)	51,055	23.42
अन्य द्वारा खरीदे गए केस [व्यक्तिगत, कॉरपोरेट, तथा गैर-आईआईएमए संकायों सहित (आईआईएमए और गैर-आईआईएमए)]	2,853	56.67

ड3 वितरण भागीदार

क्रमांक	वितरण भागीदार	समझौते का वर्ष	वितरित किए गए केसों/शिक्षण नोटों की संख्या	2020–2021 के दौरान बेची गई प्रतियों की संख्या
01	रिचर्ड आईवे प्रकाशन	19 फरवरी, 2015	160	713
02	हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग	17 जून, 2015	131	23,018
03	सेज प्रकाशन लिमिटेड	03 नवंबर, 2015	386	291
04	केस सेंटर यूके (ईसीसीएच)	01 फरवरी, 2016	246	602
05	इमराल्ड प्रकाशन लिमिटेड (लाइब्रेरी सब्सक्रिप्शन मॉडल)	02 सितंबर, 2019	300	300

ढ

विक्रम साराभाई पुस्तकालय

कंपनी एवं उद्योग

एसीई इक्विटी (स्टैंडअलोन), एसीई नॉलेज एंड रिसर्च पोर्टल (ऑनलाइन), एसीई म्यूचुअल फंड (स्टैंडअलोन), एजीएम/ईजीएम और पोस्टल बैलेट रेजोल्यूशन डेटाबेस, ऑडिटर्स डेटाबेस, ब्लूमबर्ग लैब, बोर्ड मीटिंग रेजोल्यूशन डेटाबेस, कैपिटल एडब्ल्यूएस, सीएमआईई फर्स्ट सोर्स, सीएमआईई पेस, सीएमआईई प्रोफेसर वेस डीएक्स, सीएमआईई प्रोफेसर वेसआईक्यू, कंप्यूस्टेट एक्जीक्यूटिव कम्पेंसेशन (एक्जीक्यूकॉम्प), कम्प्यूस्टेट नॉर्थ अमेरिका, कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, क्रिसिल रिसर्च, सीआरएसपी म्यूचुअल फंड, सीआरएसपी स्टॉक/सिक्योरिटी, डायोन इनसाइट, ईएमआईएस (पेशेवर), यूरोमॉनिटर पासपोर्ट, वित्तीय परिणाम डेटाबेस , फ्रॉस्ट एंड सुलिवन ग्रोथ पार्टनरशिप सर्विसेज, इंडियन बोर्ड्स, इंफ्रालाइन - कोल सेक्टर, इंफ्रालाइन - ऑयल एंड गैस सेक्टर, इन्फ्रालाइन - पावर सेक्टर, इंस्टीट्यूशनल शेयरहोल्डर सर्विसेज (आईएसएस), मार्केटलाइन एडवांटेज, नैसकॉम, रिफाइनिटिव ईकॉन (स्टैंडअलोन), रिफाइनिटिव इंस्टीट्यूशनल (13 एफ) होल्डिंग्स, रिफाइनिटिव लोन कनेक्टर (एलपीसी), रिफाइनिटिव एसडीसी - जॉइंट वेंचर (स्टैंडअलोन), एसएंडपी ग्लोबल एफआईजी एंड रियल एस्टेट डेटाबेस (एम्आई प्लेटफॉर्म), सीकएडगर, स्टेटिस्टा, टीआरएसीई - कॉर्पोरेट बॉन्ड ट्रांजेक्शन डेटा, ट्रैकक्सनडॉटकॉम, यूसीएलए-लोपुकी दिवालियापन रिसर्च डेटाबेस, वेंचर इंटेलिजेंस (एम् एंड ए डील डेटाबेस), वेंचर इंटेलिजेंस (प्राइवेट इक्विटी डील डेटाबेस), वेंचर इंटेलिजेंस (रियल एस्टेट डील डेटाबेस), डब्ल्यूएआरसी (वर्ल्ड एडवरटाइजिंग रिसर्च सेंटर), वॉचआउट इन्वेस्टर्स, डब्ल्यूआरडीएस।

अर्थशास्त्र और सांख्यिकी

सीईआईसी डेटाबेस, सीएमआईई कैपेक्स, सीएमआईई कैपेक्स डीएक्स, सीएमआईई कमोडिटीज, सीएमआईई कंज्यूमर पिरामिड डीएक्स, सीएमआईई इकोनॉमिक आउटलुक, सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक, सीएमआईई स्टेट्स ऑफ इंडिया, सीएमआईई ट्रेड डीएक्स, रिफाइनिटिव डाटास्ट्रीम - इनकॉर्पोरेटिंग वर्ल्डस्कोप (स्टैंडअलोन), डिस्ट्रिक्ट मेट्रिक्स, डीएसआई डाटा सर्विस और सूचना, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज़, IndiaStat.com, इंस्टिट्यूट फ़ॉर अध्ययनज़ इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईएसआईडी), एम्आईसीए इंडियन मार्केटिंग इंटेलिजेंस, ओईसीडी और आईईए स्टैटिस्टिक्स।

डेटासेट

प्रशासनिक सीमा डेटाबेस, एएसआई यूनिट स्तर डेटा (1974-2016), सीडीपी ग्लोबल डेटासेट, भारत की जनगणना (1991, 2001 और 2011), काउंटरपॉइंट मोबाइल हैंडसेट डेटा (भारत और बांग्लादेश) (जनवरी 2017 से मई 2018 तक भारत और जनवरी से बांग्लादेश) 2016 से मार्च 2018), दैनिक वर्षा डेटा (1975 - 2006 और 2012), दैनिक सतह डेटा (2004 - 2011), डीजीसीआईएस मासिक समय श्रृंखला डेटा (जनवरी 2002 से अगस्त 2017), भारत का जिला सकल घरेलू उत्पाद (2001-2002 से 2015- 2016), भारत का जिला सकल घरेलू उत्पाद (2011-2022 से 2019-2020), भारत का जिला जीवीए (2011-12 से 2019-20), जिलावार मासिक वर्षा डेटा (1901-2010), आईईए डेटासेट (ईंधन दहन से सीओ 2 उत्सर्जन) 1994, 2000, 2005 से 2007, 2009 से 2014, आईएमएस एंटीटीबी अणु डेटा (मार्च 2010 फरवरी 2014), पीसीए एट्रिब्यूट डेटा (जनगणना 1991, 2001, 2011), आईक्यूवीआईए मेडिकल ऑडिट डेटाबेस (2003-2017), मौसम संबंधी डेटा (अहमदाबाद और गांधीनगर 2014-2016), मासिक सतह डेटा (1961) के साथ भारत प्रशासनिक जिले के नक्शे -2014), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज डेटा (एनएसई) - सीएम और एफएओ (1999 - अप्रैल 2021), एनएसएस डेटा (राउंड नंबर 51-73) (1994-2016)।

विधिक

एआईआर (ऑल इंडिया रिपोर्टर) (स्टैंडअलोन), डेरवेंट इनोवेशन, हेनऑनलाइन (एससीसी ऑनलाइन), क्लूवर आर्बिट्रेशन लॉ, लेक्सिसनेक्सिस एकेडमिक, एससीसी ऑनलाइन, वेस्टलॉ (इंडलॉ सहित)।

परिशिष्ट जारी

ढ

अनुसंधान सहायता उपकरण / डेटाबेस

साहित्यिक चोरी से बचना (ऑनलाइन पाठ्यक्रम), ईबीएससीओ अमेरिकी डॉक्टरेट शोध प्रबंध, 1955 - 1933, ई बी एस सी ओ रिसर्च स्टार्टर्स - बिजनेस, एमराल्ड ईकेस, व्याकरण, ऑक्सफोर्ड ग्रंथ सूची, प्रोफेसर क्वेस्ट निबंध और थीसिस, सेज रिसर्च मेथड्स ऑनलाइन, द न्यू पालग्रेव डिक्शनरी ऑफ इकोनॉमिक्स, वेब ऑफ साइंस , डब्लू आरडीएस - पायथन (जुपिटरहब), डब्लूआरडीएस - आर स्टुडिओ, डब्लूआरडीएस - सास स्टुडिओ ।

समाचार पत्र और पत्रिकाएं

बिजनेस स्टैंडर्ड न्यूजपेपर (1997 के बाद), ईबीएससी ओ न्यूजवायर, ईबीएससी रीजनल बिजनेस न्यूज, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, ईटी प्राइम, ऍफ़टी.कॉम, इंडिया बिजनेस इनसाइट डेटाबेस (आईबीआईडी), मैगजर, न्यूयॉर्क टाइम्स/ एनवाईटाइम्स.कॉम, प्रेसरीडर.कॉम, प्रोफेसर क्वेस्ट एबीआई/इनफॉर्म, साइंस ऑनलाइन, साइंटिफिक अमेरिकन, द इकोनॉमिस्ट (1997 से आगे), वॉल स्ट्रीट जर्नल।

अभिलेखीय संग्रह

क्लॉकस, एफटी आर्काइव (2016-1888), मेकिंग ऑफ द मॉडर्न वर्ल्ड, प्रोफेसर क्वेस्ट टाइम्स ऑफ इंडिया आर्काइव (2010 - 1838 से), साउथ एशिया आर्काइव, द इकोनॉमिस्ट - हिस्टोरिकल आर्काइव 2015-1843।

ई पुस्तकें

बिजनेस एक्सपर्ट प्रेस ई-बुक्स (2018-2009), ईबीएससीओ ई-बुक्स कलेक्शन, एमराल्ड ई-बुक्स, आईएमएफ ई-लाइब्रेरी, ओईसीडी आईलाइब्रेरी (किताबें, पेपर्स एंड स्टैटिस्टिक्स), अन्य ई-बुक्स, ओयूपी ई-बुक्स ऑक्सफोर्ड हैंडबुक्स (इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस - ऑनलाइन), प्रोफेसर क्वेस्ट ईबुक सेंट्रल (ईब्रेरी) : एकेडमिक कम्प्लीट), सेज ई-बुक्स, टेलर एंड फ्रांसिस ई-बुक, वर्ल्ड बैंक ई-लाइब्रेरी, वर्ल्ड ई-बुक लाइब्रेरी (एनडीएल)।

ई-पत्रिकाएँ

अकादमिक खोज प्रीमियर, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, वार्षिक समीक्षा, एएससीई (अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स), बिजनेस सोर्स अल्टीमेट, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, कोरोनावायरस रिसर्च डेटाबेस, एमराल्ड इनसाइट, एक्सपर्ट इनसाइट्स आर्टिकल, आईईईई एक्सप्लोर (एएसपीपी + पीओपी), आईजीआई ग्लोबल, इंडियनजर्नल्स.कॉम पीबीएसऑनलाइन को सूचित करता है, जर्नल ऑफ डेरिवेटिव्स, जेएसटीओआर, नेचर: इंटरनेशनल वीकली जर्नल ऑफ साइंस, न्यूरोलीडरशिप जर्नल, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रोफेसर जेक्ट एम् यू एस ई, प्रोफेसर क्वेस्ट एबीआई ईएनऍफ़ओआरएम्, प्रोफेसर क्वेस्ट इकोनलिट, प्रोफेसर क्वेस्ट साइकोआर्टिकल्स, रिस्क.नेट (प्रीमियम), एस ए जी ई जर्नल्स, साइंस डायरेक्ट (एल्सेवियर), स्प्रिंगर, टेलर और फ्रांसिस, यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो प्रेस जर्नल्स, विले ऑनलाइन (एचएसएस संग्रह सहित)।

अन्य

एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका, फिल्म्स ऑन डिमांड, फिनशॉट्स (आईआईएमए के लिए मुफ्त), भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यापार विश्लेषण, पावर लिंगो एफएक्स25 (स्टैंडअलोन), स्प्रिंकलर (आईआईएमए के लिए मुफ्त अनुसंधान उपकरण), केएन।

विशेषीकृत खोज उपकरण

ईबीएससीओ डिस्कवरी, ईबीएससीओ ए टू जेड और आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए रिमोटएक्स

प

स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस)

संगोष्ठियों, पॉडकास्ट और कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की सूची

सीएमएचएस ने वर्ष 2020-21 के दौरान निम्नलिखित संगोष्ठियों का आयोजन किया :

- 08 मई, 2020 को प्रोफेसर अमांडा स्टार्क द्वारा "निजी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में मृत्युदर का प्रभाव और विकल्प"।
- 15 मई, 2020 को प्रोफेसर अच्युता अध्वर्यु द्वारा "निदान गुणवत्ता: सीखना, सुविधाएं और स्वास्थ्य देखभाल की मांग"।
- 26 मई, 2020 को प्रोफेसर तरुण खन्ना द्वारा "कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान भारत में अंतर-राज्यीय प्रवासियों को खाद्य सुरक्षा की गारंटी"।
- 05 जून, 2020 को प्रोफेसर सरवण जयकुमार द्वारा "फार्मास्युटिकल मूल्य विनियमन के प्रभाव: भारत से साक्ष्य"।
- 19 जून, 2020 को प्रोफेसर डेनियल बेनेट द्वारा "भारत में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल का आर्थिक प्रभाव"।
- 10 जुलाई, 2020 को प्रोफेसर मनोज मोहनन द्वारा "स्वास्थ्य और पोषण में जवाबदेही के लिए सूचना और सुविधा हस्तक्षेप: भारत में एक यादृच्छिक परीक्षण से साक्ष्य"।
- 24 जुलाई, 2020 को प्रोफेसर मैनुअल हर्मोसिला द्वारा "अपेक्षित लाभ और फार्मास्युटिकल इनोवेशन की वैज्ञानिक नवीनता"।
- 31 जुलाई, 2020 को प्रोफेसर शियाओजिंग डोंग द्वारा "तुलनात्मक संदेश, सीखना और भूल जाना: औषधि औषधि विवरण से साक्ष्य"।
- 03 अगस्त, 2020 को प्रोफेसर येसिम ओरहुन द्वारा "कोविड-19 महामारी के दौरान विषम कार्य, विश्वास, बाधाएं और जोखिम सहनशीलता"।
- 07 अगस्त, 2020 को प्रोफेसर रवि अनुपिंडी द्वारा "लाभ बढ़ाने के लिए मुफ़्त में दे देते हैं? मूल्य-भेद और मुफ्त माल का प्रभाव"।
- 14 अगस्त, 2020 को राधिका जैन द्वारा "सरकारी स्वास्थ्य बीमा के तहत निजी अस्पताल व्यवहार: भारत से साक्ष्य"।
- 21 अगस्त, 2020 को प्रोफेसर एबी अल्पर्ट द्वारा " ओपियोइड संकट की उत्पत्ति और इसके स्थायी प्रभाव"।
- 28 अगस्त, 2020 को प्रोफेसर वैलेन्टिन बोलोटनी द्वारा "स्नातक छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य: अमेरिकी अर्थशास्त्र विभागों से सबक"।
- 4 सितंबर, 2020 को प्रोफेसर जिंजर झे जिन द्वारा "टॉप-अप डिज़ाइन और स्वास्थ्य देखभाल व्यय: ताइवान में कार्डियक स्टेंट से साक्ष्य"।
- 28 सितंबर, 2020 को प्रोफेसर ऋत्विक बनर्जी द्वारा "कोविड19- स्प्रेड एंड इकोनॉमिक एक्सपेक्टेशन की भविष्यवाणी में घातीय वृद्धि पूर्वाग्रह"।
- 2 अक्टूबर, 2020 को प्रोफेसर जस्टिन कुक द्वारा "रोग प्रतिरोध में विविधता और अमेरिका में एंटीबायोटिक का प्रभाव"।
- 9 अक्टूबर, 2020 को प्रोफेसर करेन एगलस्टन द्वारा "सेवा क्षेत्र में रोबोट और श्रम: नर्सिंग होम से फर्म-स्तरीय साक्ष्य"।
- 16 अक्टूबर, 2020 को प्रोफेसर रेमा पैडमैन द्वारा "स्वास्थ्य साक्षरता और पुरानी देखभाल प्रबंधन के लिए यु ट्यूब वीडियो विश्लेषण: सामग्री और समझ का आकलन करने के लिए एक संवर्धित खुफिया दृष्टिकोण"।
- 23 अक्टूबर, 2020 को प्रोफेसर मार्क दुग्गन द्वारा "सामाजिक स्वास्थ्य बीमा के निजीकरण के प्रभाव में विविधता"।

परिशिष्ट जारी

ण

- 30 अक्टूबर, 2020 को प्रोफेसर सारंग देव द्वारा "स्वास्थ्य सेवा में मल्टीचैनल डिलीवरी: दक्षिणी भारत में टेलीमेडिसिन केंद्रों का प्रभाव"।
- 13 नवंबर, 2020 को प्रोफेसर एंड्रयू चिंग द्वारा " शून्य-मूल्य प्रभाव परिकल्पना पर पुनर्विचार : स्वीडन में उपभोक्ता दवा विकल्पों से साक्ष्य" का पुनरीक्षण।
- 3 अक्टूबर, 2020 को भारत में ई-फार्मेसियों के भविष्य पर डिजिटल पैनल/वेबिनार।
- 4 दिसंबर, 2020 को प्रोफेसर मटिया नारदोटो द्वारा "माताएँ ऑनलाइन हो गई हैं : क्या इंटरनेट हेल्थकेयर की मांग को बदल रहा है?"
- 15 दिसंबर, 2020 को प्रोफेसर सोमदीप चटर्जी द्वारा "महिला सशक्तिकरण और अंतरंग साथी हिंसा: भारत में एक बहुआयामी नीति से साक्ष्य"।
- 22 दिसंबर, 2020 को प्रोफेसर नम्रता चिंदरकर द्वारा "शहरी, ग्रामीण और प्रवासी बच्चों के बीच स्वास्थ्य में अवसर की असमानता: चीन से साक्ष्य"।
- 22 जनवरी, 2021 को प्रोफेसर रिचर्ड टी. ठाकोर द्वारा "मौत के सौदागर : अस्पताल के परिणामों पर क्रेडिट आपूर्ति के आघातों का प्रभाव"।
- 01 फरवरी, 2021 को प्रोफेसर श्रीराम शंकरनारायणन द्वारा "स्वास्थ्य देखभाल में एक अनुप्रयोग के साथ गतिशील संसाधन आवंटन में समय के साथ निष्पक्षता"।
- 18 फरवरी, 2021 को प्रोफेसर रोहिणी पांडेय द्वारा "क्या लोकतंत्र गरीबों के लिए काम कर सकता है?" पर संगोष्ठी।

आईआईएमए-सीएमएचएस पॉडकास्ट:

दिनांक	पॉडकास्ट का शीर्षक	वक्ताओं और संबद्धता
24 मार्च, 2020	महामारी के दौरान अस्पताल की तैयारी	डॉ. राजा नारायणन, निदेशक और नेटवर्क प्रमुख, एल.वी. प्रसाद संस्थान, डॉ. आर वेंकटेश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अरविंद आई अस्पताल, पांडिचेरी
26 मार्च, 2020	डिजिटल स्वास्थ्य और कल्याण कोविड-19 के दौरान	प्रेम शर्मा, सीईओ और डे-टु-डे हेल्थ के संस्थापक
8 अप्रैल, 2020	कोविड-19 के साथ गुणवत्ता वाली दवाओं के वैश्विक समान वितरण का भविष्य	#बॉतलऑफ़लाइज़ के #एनवाईटी बेस्ट सेलिंग लेखक और एंड्रयू कार्नेगी फेलो कैथरीन एबन ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एक्टिविस्ट दिनेश एस ठाकुर के साथ
12 अप्रैल, 2020	वैश्विक स्वास्थ्य असमानताएं, कोविड-19 और वनवर्ल्ड का भविष्य	डॉ. अनिल देवलालीकर, पब्लिक पॉलिसी स्कूल के यूसी रिवरसाइड संस्थापक डीन, यूसी ग्लोबल हेल्थ इनिशिएटिव के अध्यक्ष, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर
19 अप्रैल, 2020	कोविड-19 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य	पैनल में डॉ. सौमित्र पठारे, सीएमएचएलपी, पुणे, सुश्री राजीव मरीवाला, मरीवाला हेल्थ इनिशिएटिव, मुंबई, टीआईएसएस, मुंबई की निदेशक, डॉ. अपर्णा जोशी, और परियोजना निदेशक, आईकॉल और सुकून और अभय सिंघल, संस्थापक, टिकटॉकटू.कॉम शामिल थे।
1 मई, 2020	कोविड-19 के दौरान कैंसर की देखभाल और भारतीय स्वास्थ्य देखभाल में लचीलापन	डॉ. बी.एस. अजय कुमार, अध्यक्ष, हेल्थकेयर ग्लोबल एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एचसीजी)

परिशिष्ट जारी

ण

दिनांक	पॉडकास्ट का शीर्षक	वक्ताओं और संबद्धता
9 मई, 2020	कोविड-19 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल और नवाचार नीति की भूमिका: जर्मनी से अंतर्दृष्टि	प्रोफेसर डाइटमार हार्हॉफ़, निदेशक-नवाचार और उद्यमिता अनुसंधान, म्यूनिख विश्वविद्यालय में मानद प्रोफेसर। प्रोफेसर रेनर लीडल, म्यूनिख में लुडविग मैक्सिमिलियंस विश्वविद्यालय के अध्यक्ष और हेल्महोल्ट्ज़ एसोसिएशन के भीतर स्वास्थ्य अर्थशास्त्र संस्थान के निदेशक। प्रोफेसर (डॉ.) कैरोलिन ह्यूसलर, जर्मनी के पासाऊ विश्वविद्यालय में संगठन, प्रौद्योगिकी प्रबंधन और उद्यमिता के अध्यक्ष। प्रोफेसर जॉर्ज ग्रेवेनिट्ज, क्वांटिटेटिव मेथड्स में सीनियर लेक्चरर, लंदन के क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी में बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्कूल। डॉ. फैबियन गैस्लर, सीनियर रिसर्च फेलो, नवाचार और उद्यमिता अनुसंधान विभाग, इनोवेशन एवं कॉम्पिटिशन मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट, म्यूनिख
29 मई, 2020	निजी उद्यमिता और वैश्विक स्वास्थ्य	प्रोफेसर अनीता एम. मैकगहन, सामरिक प्रबंधन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और रोटमैन स्कूल, टोरंटो विश्वविद्यालय में संगठनों और समाज में जॉर्ज ई. कॉनेल चेयर के साथ में प्रोफेसर विल मिशेल, नई प्रौद्योगिकियों और व्यावसायीकरण में एंथनी एस फेल चेयर और रोटमैन स्कूल, टोरंटो विश्वविद्यालय में सामरिक प्रबंधन के प्रोफेसर
1 जून 2020	कोविड-19 और परीक्षण करने के लिए या परीक्षण करने के लिए नहीं: संगठनात्मक नीतियां और रणनीतियां	प्रोफेसर अनूप मलानी, ली और ब्रेन फ्रीमैन शिकागो विश्वविद्यालय में कानून और चिकित्सा के प्रोफेसर, मनोज मोहनन, सैनफोर्ड स्कूल, ड्यूक विश्वविद्यालय में सार्वजनिक नीति के एसोसिएट प्रोफेसर और अनु आचार्य, www.mapmygenome.in पर सीईओ, व्यक्तिगत जीनोमिक्स और आणविक हैदराबाद से डायग्नोस्टिक कंपनी।
2 जून, 2020	कोविड-19 के युग में अर्थशास्त्र	प्रोफेसर फ़ेसर जोशुआ एस. गैंस, जेफरी एस. स्कोल तकनीकी #नवाचार के अध्यक्ष और रोटमैन मैनेजमेंट स्कूल, टोरंटो विश्वविद्यालय में सामरिक प्रबंधन के #उद्यमिता प्रोफेसर

परिशिष्ट जारी

ण

दिनांक	पॉडकास्ट का शीर्षक	वक्ताओं और संबद्धता
24 जून, 2020	स्वास्थ्य, धन और गरिमा - भारत के आंतरिक प्रवासी कामगारों के लिए एक नए सामाजिक अनुबंध की ओर	पैनलिस्ट में बी. के. झा, मुख्य आयुक्त आयकर लुधियाना और नागरिक प्रतिनिधि, प्रवासी श्रमिक सामाजिक परोपकार पहल, लुधियाना। दीपक सपरा, पूर्व शेवनिंग स्कॉलर और फुलब्राइट फेलो, ग्लोबल हेड ऑफ बिजनेस (पीएसएआई), डॉ रेड्डीज लैबोरेट्रीज और नागरिक प्रतिनिधि, प्रवासी श्रमिक सामाजिक परोपकार पहल, हैदराबाद। पद्मश्री प्रोफेसर अनिल गुप्ता, विजिटिंग फैकल्टी आईआईएम अहमदाबाद, सीएसआईआर भटनागर फेलो 2018-21, संस्थापक, हनी बी नेटवर्क, सृष्टि, जियान और एनआईएफ। प्रोफेसर ऋषिकेश कृष्णन, भावि निदेशक, आईआईएम बैंगलोर, पूर्व निदेशक आईआईएम इंदौर। प्रोफेसर माइकल स्पेंस, 2001 आर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार विजेता, बर्कले प्रोफेसर@ स्टर्न स्कूल-एनवाईयू, फिलिप एच. नाइट प्रोफेसर ऑफ मैनेजमेंट, एमेरिटस, और डीन, एमेरिटस, स्टैनफोर्ड जीएसबी और सीनियर फेलो, हूवर इंस्टीट्यूशन, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी। प्रोफेसर एलिजाबेथ कॉब्स, टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय में अमेरिकी इतिहास में मेलबर्न ग्लासकॉक चेयर और सीनियर फेलो, हूवर इंस्टीट्यूशन, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, ब्रोकन प्रॉमिस: नागरिक युद्ध का एक उपन्यास सहित कई पुस्तकों के लेखक, द हैलो गर्ल्स: अमेरिकास फ़र्सट वीमेन सोल्जर्स और आल यू नीड इज लव: द पीस कॉर्प्स तथा द स्पिरिट ऑफ द 1960। प्रोफेसर पृथ्वीराज (राज) चौधरी, लुई फैमिली एसोसिएट प्रोफेसर, हार्वर्ड बिजनेस स्कूल। प्रदीप नायर, फोर्ड फाउंडेशन इंडिया, नेपाल और श्रीलंका के क्षेत्रीय निदेशक। प्रोफेसर चिन्मय तुम्बे, सहायक प्रोफेसर आईआईएम अहमदाबाद आदि शामिल थे।
2 जुलाई 2020	विज्ञान, महामारी विज्ञान और कोविड-19	डॉ. सुनेत्रा गुप्ता ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में सैद्धांतिक महामारी विज्ञान के प्रोफेसर।
27 जुलाई, 2020	कोविड-19 और हितधारक पूंजीवाद का भविष्य	प्रोफेसर आर. एडवर्ड फ्रीमैन, एलिस और सिग्रे ओल्सन, डार्डन स्कूल ऑफ बिजनेस, वर्जीनिया विश्वविद्यालय में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के प्रोफेसर
23 अक्टूबर 2020	महामारी, सूचनात्मक निरंकुशता और उदार समाजों का भविष्य	प्रोफेसर सर्गेई गुरिएव विज्ञान पीओ, पेरिस में अर्थशास्त्र
26 अक्टूबर, 2020	कोविड-19 टीकों के समान आवंटन के लिए वैश्विक और स्थानीय ढांचे की ओर	प्रोफेसर डेनियल पोल्स्की, ब्लूमबर्ग स्वास्थ्य नीति और अर्थशास्त्र के प्रतिष्ठित प्रोफेसर जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय

परिशिष्ट जारी

ण

दिनांक	पॉडकास्ट का शीर्षक	वक्ताओं और संबद्धता
28 नवंबर, 2020	एक मानवीय डेटा वैज्ञानिक के रूप में मॉडलिंग कोविड-19	डॉ. भ्रामर मुखर्जी, ग्लोबल पब्लिक हेल्थ के प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ
12 जनवरी 2021	वैक्सीन नवप्रवर्तन और कोविड-19 पश्चात क्लिनिकल ट्रायल का भविष्य	डॉ. मेहुल मेहता, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अलब्राइट स्टोनब्रिज समूह और नेत्र विज्ञान और वैश्विक स्वास्थ्य में अतिथि संकाय; बोस्टन में मैसाचुसेट्स आई एंड ईयर में मानद क्लिनिकल स्टाफ।
29 जनवरी, 2021	डॉ. अनिंद्य घोष के साथ हेल्थकेयर इनसाइट्स का डिजिटलीकरण	डॉ. अनिंद्य घोष, हेंज रिहल चेयर प्रोफेसर ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मार्केटिंग, एनवाईयू स्टर्न बिजनेस स्कूल।
21 मार्च, 2021	न्याय का एक शॉट: डॉ अली मेहदी के साथ बाल मृत्यु दर को संबोधित करने के लिए प्राथमिकता-निर्धारण	डॉ. अली मेहदी, सीनियर फेलो और लीड, हेल्थ पॉलिसी इनिशिएटिव, आईसीआरआईईआर, नई दिल्ली

सीएमएचएस के तहत कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- प्रोफेसर चिरंतन चटर्जी द्वारा समन्वित भारत में कोविड पश्चात स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन

त

मान्यता और रैंकिंग

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : फाइनेंसियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2020 (मुक्त कार्यक्रम)

FINANCIAL TIMES

HOME WORLD UK COMPANIES TECH MARKETS CLIMATE OPINION WORK & CAREERS LIFE & ARTS HOW TO SPEND IT

WORK & CAREERS > BUSINESS SCHOOL RANKINGS

Business school rankings

Search business school

Executive Education - Open - 2020

PUBLISHED	TOTAL SCHOOLS	YEAR
May 10 2020	75	2020

Show more filters

Country

Show more columns

Rank in 2019 Rank in 2018 Country

#	Name	Country
1	IMD Business School	Switzerland / Singapore
2	University of Oxford: Saïd	UK
3	Insead	France / Singapore / Abu Dhabi
3	University of Michigan: Ross	US
5	Stanford Graduate School of Business	US
6	University of Chicago: Booth	US / Hong Kong / UK
7	University of Pennsylvania: Wharton	US
8	HEC Paris	France
9	ESMT Berlin	Germany
10	Iese Business School	Spain / US
11	Columbia Business School	US
12	UCLA Anderson School of Management	US
13	Fundacao Dom Cabral	Brazil
14	Washington University: Olin	US
15	Esade Business School	Spain
16	Essec Business School	France
17	University of Toronto: Rotman	Canada
17	Stockholm School of Economics	Sweden / Russia / Latvia
19	University of Cambridge: Judge	UK
20	Western University: Ivey	Canada / China
21	London Business School	UK / UAE
22	Hult Ashridge Executive Education	UK
22	Henley Business School	UK
24	Kaist College of Business	South Korea
25	SDA Bocconi School of Management	Italy
26	University of St Gallen	Switzerland
27	Queen's University: Smith	Canada
27	Nyenrode Business Universiteit	Netherlands
29	Ceibs	China / Switzerland / Ghana
29	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China
31	Vlerick Business School	Belgium
32	Cranfield School of Management	UK
32	Gordon Institute of Business Science at UP	South Africa
34	AGSM at UNSW Business School	Australia
34	National University of Singapore Business School	Singapore
34	NHH Norwegian School of Economics	Norway
37	IE Business School	Spain
37	WHU — Otto Beisheim School of Management	Germany
39	Incae Business School	Nicaragua / Costa Rica
39	Edhec Business School	France
41	ESCP Business School	France / UK / Spain / Italy / Germany / Poland
42	University College Dublin: Smurfit	Ireland
42	Thunderbird School of Global Management at ASU	US / Russia / Switzerland / UAE
44	Universidad de los Andes School of Management	Colombia
45	York University: Schulich	Canada
46	Eada Business School Barcelona	Spain
47	University of British Columbia: Sauder	Canada
47	Nova School of Business and Economics	Portugal
49	Rutgers Business School	US
50	University of Arizona: Eller	US
50	Frankfurt School of Finance and Management	Germany
52	Ipade Business School	Mexico
52	Tias Business School, Tilburg University	Netherlands
54	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands
55	IAE Business School	Argentina
55	Copenhagen Business School	Denmark
55	Indian Institute of Management Bangalore	India
58	Indian Institute of Management Ahmedabad	India

परिशिष्ट जारी

त

अंतरराष्ट्रीय रैंकिग्स : फाइनेंसियल टाइम्स प्रबंधन में स्नातकोत्तर रैंकिग 2020

FINANCIAL TIMES

HOME WORLD UK COMPANIES TECH MARKETS CLIMATE OPINION WORK & CAREERS LIFE & ARTS HOW TO SPEND IT

WORK & CAREERS › BUSINESS SCHOOL RANKINGS

Business school rankings

Masters in Management 2020

PUBLISHED September 27 2020 | TOTAL SCHOOLS 90 | YEAR 2020

Show more filters

Country

Show more columns

Country ✕ Weighted salary (US$) +

#	Name	Country
1	University of St Gallen	Switzerland
2	HEC Paris	France
3	Essec Business School	France
4	London Business School	UK / UAE
5	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands
6	ESCP Business School	France / UK / Spain / Italy / Germany / Poland
7	Stockholm School of Economics	Sweden
8	University College Dublin: Smurfit	Ireland
9	SDA Bocconi/Università Bocconi	Italy
10	Imperial College Business School	UK
11	WU (Vienna University of Economics and Business)	Austria
12	WHU — Otto Beisheim School of Management	Germany
13	Cems Global Alliance	See table note †
14	Esade Business School	Spain
14	Global 3: McIntire/Lingnan/Esade	US / China / Spain
16	Warwick Business School	UK
16	Edhec Business School	France
16	Nova School of Business and Economics	Portugal
19	IQS/FJU/USF	Spain / Taiwan / US
20	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
21	Indian Institute of Management Calcutta	India
22	Prague University of Economics and Business	Czech Republic
23	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China
23	HHL Leipzig Graduate School of Management	Germany
25	IE Business School	Spain

परिशिष्ट जारी

त

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : इकोनॉमिस्ट विच एमबीए रैंकिंग 2021

Rank	Business School	Country	Rank	Business School	Country
1	IESE Business School	Spain	46	European School of Management and Technology - ESMT Berlin	Germany
2	HEC Paris Business School	France	47	The University of Queensland Business School	Australia
3	University of Michigan - Stephen M. Ross School of Business	United States	48	Boston University - Questrom School of Business	United States
4	New York University - Leonard N Stern School of Business	United States	49	Texas Christian University - Neeley School of Business	United States
5	Georgia Institute of Technology - Scheller College of Business	United States	50	University of Hong Kong - HKU Business School	Hong Kong
6	SDA Bocconi - School of Management	Italy	51	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
7	EDHEC Business School	France	52	ESSEC Business School	France, Singapore
8	University of Washington - Foster School of Business	United States	53	University of St.Gallen	Switzerland
9	Carnegie Mellon University - The Tepper School of Business	United States	54	University of Tennessee, Knoxville - Haslam College of Business	United States
10	IMD - International Institute for Management Development	Switzerland	55	University of Nottingham - Nottingham University Business School	United Kingdom
11	University of Minnesota - Carlson School of Management	United States	56	Western University - Ivey Business School	Canada
12	University of Florida - Warrington College of Business	United States	57	Queen's University - Smith School of Business	Canada
13	Indiana University - Kelley School of Business	United States	58	Sun Yat-sen University - Sun Yat-sen Business School	China
14	University of Georgia - Terry College of Business	United States	59	University of Edinburgh Business School	United Kingdom
15	Hult International Business School	United States	60	Cranfield School of Management	United Kingdom
16	University of North Carolina at Chapel Hill - Kenan-Flagler Business School	United States	61	Leeds University Business School	United Kingdom
17	University of Warwick - Warwick Business School	United Kingdom	62	EADA Business School Barcelona	Spain
18	Vanderbilt University - Owen Graduate School of Management	United States	63	WHU - Otto Beisheim School of Management	Germany
19	University of Wisconsin-Madison - Wisconsin School of Business	United States	64	Copenhagen Business School	Denmark
20	ESADE Business School	Spain	65	University of Exeter - University of Exeter Business School	United Kingdom
21	York University - Schulich School of Business	Canada	66	Lancaster University - Lancaster University Management School	United Kingdom
22	EMLYON - EMLYON Business School	France	67	University College Dublin - Michael Smurfit Graduate School of Business	Ireland
23	Arizona State University - W. P. Carey School of Business	United States	68	Concordia University - John Molson School of Business	Canada
24	University of Notre Dame - Mendoza College of Business	United States	69	University of Birmingham - Birmingham Business School	United Kingdom
25	University of Rochester - Simon Business School	United States	70	Grenoble Ecole de Management	France
26	University of Mannheim - Mannheim Business School	Germany	71	University of Glasgow - Adam Smith Business School	United Kingdom
27	Georgetown University - Robert Emmett McDonough School of Business	United States	72	University of Arizona - Eller College of Management	United States
28	Pennsylvania State University - Smeal College of Business	United States	73	International University of Japan - Graduate School of International Management	Japan
29	The Ohio State University - Fisher College of Business	United States	74	University of California, San Diego - Rady School of Management	United States
30	University of Pittsburgh - Katz Graduate School of Business	United States	**75**	Fordham University - Gabelli School of Business	United States
31	Michigan State University - Eli Broad College of Business	United States	76	Tilburg University - TIAS School for Business and Society	Netherlands
32	Brigham Young University - Marriott School of Business	United States	77	University of Miami - Miami Herbert Business School	United States
33	International University of Monaco	Monaco	78	The University of Liverpool - The University of Liverpool Management School	United Kingdom
34	University of Melbourne - Melbourne Business School	Australia	79	Case Western Reserve University - Weatherhead School of Management	United States
35	University of Maryland - Robert H Smith School of Business	United States	80	Audencia Business School	France
36	North Carolina State University - Poole College of Management	United States	81	Yonsei University	South Korea
37	Durham University - Durham University Business School	United Kingdom	82	Trinity College Dublin - School of Business	Ireland
38	Nanyang Technological University - Nanyang Business School	Singapore	83	Ryerson University - Ted Rogers School of Management	Canada
39	IE University - IE Business School	Spain	84	HEC Montréal	Canada
40	University of California at Irvine - Paul Merage School of Business	United States	85	Aston University - Aston Business School	United Kingdom
41	Macquarie Business School	Australia	86	Politecnico di Milano School of Management	Italy
42	University of California at Davis - Graduate School of Management	United States	87	ESIC Business and Marketing School	Spain
43	National University of Singapore - The NUS Business School	Singapore	88	Pan-Atlantic University - Lagos Business School	Nigeria
44	Indian School of Business	India	89	The Lisbon MBA	Portugal
45	George Washington University - School of Business	United States	90	City University of Hong Kong - College of Business	Hong Kong

परिशिष्ट जारी

त

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : फाइनेंसियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2021

FINANCIAL TIMES

HOME WORLD UK COMPANIES TECH MARKETS CLIMATE OPINION WORK & CAREERS LIFE & ARTS HOW TO SPEND IT

WORK & CAREERS › BUSINESS SCHOOL RANKINGS

Business school rankings

Global MBA Ranking 2021

PUBLISHED February 7 2021 | TOTAL SCHOOLS 100 | YEAR 2021

Show more filters

Country, by primary campus | Salary percentage increase

Show more columns

Country, by primary campus | Weighted salary (PPS) | Salary percentage increase

#	Name	Country, by primary campus
1	Insead	France / Singapore
2	London Business School	UK
3	University of Chicago: Booth	US
4	Iese Business School	Spain
4	Yale School of Management	US
6	Northwestern University: Kellogg	US
7	Ceibs	China
7	HEC Paris	France
9	Duke University: Fuqua	US
10	Dartmouth College: Tuck	US
11	University of Virginia: Darden	US
12	SDA Bocconi School of Management	Italy
13	New York University: Stern	US
14	National University of Singapore Business School	Singapore
15	Cornell University: Johnson	US
16	University of Cambridge: Judge	UK
17	Georgetown University: McDonough	US
17	University of Oxford: Said	UK
19	IMD Business School	Switzerland
20	Esade Business School	Spain
21	University of Michigan: Ross	US
22	HKUST Business School	Hong Kong SAR (China)
23	Indian School of Business	India
24	University of Southern California: Marshall	US
25	Washington University: Olin	US
26	University of North Carolina: Kenan-Flagler	US
27	Carnegie Mellon: Tepper	US
28	University of Washington: Foster	US
29	HKU Business School	Hong Kong SAR (China)
30	Alliance Manchester Business School	UK
31	Vanderbilt University: Owen	US
32	Rice University: Jones	US
32	Warwick Business School	UK
32	Fudan University School of Management	China
35	Indian Institute of Management Bangalore	India
35	Sungkyunkwan University GSB	South Korea
37	Nanyang Business School, NTU Singapore	Singapore
38	Indiana University: Kelley	US
39	IE Business School	Spain
40	University of Texas at Austin: McCombs	US
40	University of Florida: Warrington	US
42	University of California at Irvine: Merage	US
43	Michigan State University: Broad	US
44	Imperial College Business School	UK
44	Indian Institute of Management Calcutta	India
46	Babson College: Olin	US
47	Pennsylvania State University: Smeal	US
48	CUHK Business School	Hong Kong SAR (China)
48	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
50	Emory University: Goizueta	US

परिशिष्ट जारी

त

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : क्यूएस वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2021

परिशिष्ट जारी

त

अंतरराष्ट्रीय रैंकिग्स : प्रबंधन में क्यूएस स्नातकोत्तर रैंकिग 2021

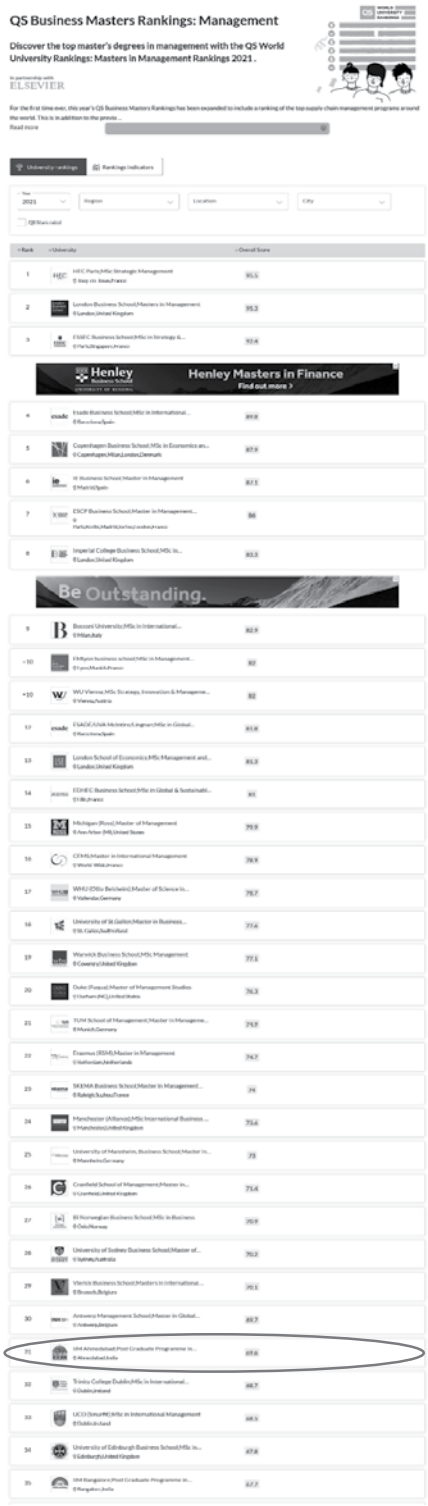

QS Business Masters Rankings: Management

Discover the top master's degrees in management with the QS World University Rankings: Masters in Management Rankings 2021.

ELSEVIER

For the first time ever, this year's QS Business Masters Rankings has been expanded to include a ranking of the top supply chain management programs around the world. This is in addition to the previo ...
Read more

University rankings | Rankings Indicators

2021 | Region | Location | City

QS Stars only

Rank	University	Overall Score
1	HEC Paris,MSc Strategic Management Jouy en Josas,France	95.5
2	London Business School,Masters in Management London,United Kingdom	95.3
3	ESMC Business School,MSc in Strategy &... Paris,Singapore,France	92.4

Henley Business School UNIVERSITY OF READING
Henley Masters in Finance
Find out more ›

Rank	University	Overall Score
4	Esade Business School,MSc in International... Barcelona,Spain	89.8
5	Copenhagen Business School,MSc in Economics an... Copenhagen,Milan,London,Denmark	87.9
6	IE Business School,Master in Management Madrid,Spain	87.1
7	ESCP Business School,Master in Management... Paris,Berlin,Madrid,Turin,London,France	86
8	Imperial College Business School,MSc in... London,United Kingdom	83.3

Be Outstanding.

Rank	University	Overall Score
9	Bocconi University,MSc in International... Milan,Italy	82.9
=10	EMlyon business school,MSc in Management... Lyon,Madrid,France	82
=10	WU Vienna,MSc Strategy, Innovation & Manageme... Vienna,Sudtirol	82
12	ESADE,ESAD,Melbourne,Lugano,MSc in Global... Barcelona,Spain	81.8
13	London School of Economics,MSc Management and... London,United Kingdom	81.3
14	EDHEC Business School,MSc in Global & Sustainabl... Lille,France	81
15	Michigan (Ross),Master of Management Ann Arbor (MI),United States	79.9
16	CEMS,Master in International Management World Wide,France	78.9
17	WHU (Otto Beisheim),Master of Science in... Vallendar,Germany	78.7
18	University of St Gallen,Master in Business... St. Gallen,Sudtirol	77.6
19	Warwick Business School,MSc Management Coventry,United Kingdom	77.1
20	Duke (Fuqua),Master of Management Studies Durham (NC),United States	76.3
21	TUM School of Management,Master in Manageme... Munich,Germany	74.9
22	Erasmus (RSM),Master in Management Rotterdam,Netherlands	74.7
23	SKEMA Business School,Master in Management... Raleigh,Sydney,France	74
24	Manchester (Alliance),MSc International Business ... Manchester,United Kingdom	73.6
25	University of Mannheim, Business School,Master in... Mannheim,Germany	73
26	Cranfield School of Management,Master in... Cranfield,United Kingdom	71.6
27	BI Norwegian Business School,MSc in Business Oslo,Norway	70.9
28	University of Sydney Business School,Master of... Sydney,Australia	70.2
29	Vlerick Business School,Masters in International... Brussels,Belgium	70.1
30	Antwerp Management School,Master in Global... Antwerp,Belgium	69.7
31	IIM Ahmedabad,Post Graduate Programme in... Ahmedabad,India	69.6
32	Trinity College Dublin,MSc in International... Dublin,Ireland	68.7
33	UCD (Smurfit),MSc in International Management Dublin,Ireland	68.5
34	University of Edinburgh Business School,MSc in... Edinburgh,United Kingdom	67.8
35	IIM Bangalore,Post Graduate Programme in... Bangalore,India	67.7

परिशिष्ट जारी

त

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर एडुनिवर्सल रैंकिंग 2021

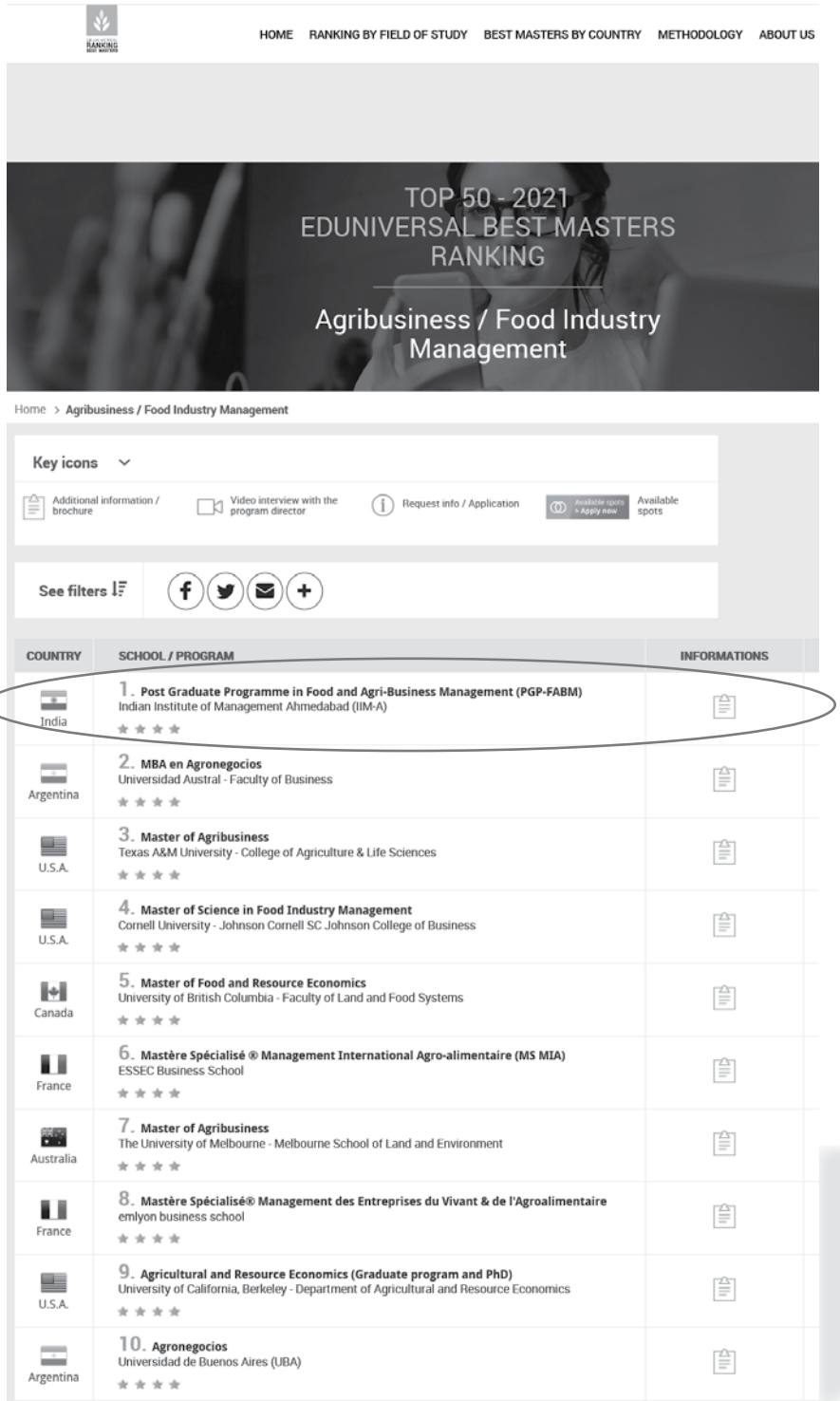

थ

पूर्वछात्र गतिविधियाँ

थ1 पूर्वछात्र विशेष रुचि समूहों (एएसआईजी) में गतिविधियाँ

क्रमांक	एएसआईजी	दिनांक	विषय	अध्यक्ष	मॉडरेटर
1	पीपी-एएसआईजी	04/07/2020	[वेबिनार] कोविड-19 के बाद भारत के बुनियादी ढांचे का वित्तपोषण	विनायक चटर्जी	प्रोफेसर अजय पांडेय
2	पीपी-एएसआईजी	25/07/2020	[वेबिनार] सार्वजनिक नीति: लोगों द्वारा, लोगों के लिए	प्रोफेसर रमा बीजापुरकर	प्रोफेसर अक्षय विजयलक्ष्मी
3	पीपी-एएसआईजी	08/08/2020	[वेबिनार]कोविड-19 के दौरान कृषि को बदलना	डॉ. वाई. के. अलघ	प्रोफेसर सेबस्टियन मॉरिस
4	पीपी-एएसआईजी	14/08/2020	[वेबिनार]प्रौद्योगिकी आधारित विकास: नीति, व्यवसाय और शिक्षाविद कैसे बेहतर सहयोग कर सकते हैं	प्रोफेसर के. विजयराघवन	प्रोफेसर राकेश बसंत
5	पीपी-एएसआईजी	22/08/2020	[वेबिनार]आत्मानबीर भारत	संजीव सान्याल	प्रोफेसर सेबस्टियन मॉरिस
6	टेक और एनालिटिक्स	29/08/2020	[पैनल चर्चा] उत्पाद प्रबंधन वैश्विक अवसर	बाला गिरिसाबल्ला, आनंद सुब्बारामन भास्कर चटर्जी, नवनीत सिंह	पराग पाटणकर
7	पीपी-एएसआईजी	29/08/2020	[वेबिनार]कोविड-19 के बाद शिक्षा नीति में बदलाव	आशीष धवन	मीता सेनगुप्ता
8	स्वास्थ्य देखभाल	04/09/2020	[लाइव टॉक]कोविड-19 के दौरान सरकारी उद्योग सहयोग और उद्योग के लिए आगे का रास्ता	सतीश रेड्डी,	प्रोफेसर अरविंद सहाय
9	महिला-एएसआईजी	-	[पॉडकास्ट सीरियल] रमा बीजापुरकर के साथ बातचीत में (पीजीपी 77)	प्रोफेसर रमा बीजापुरकर	-
10	पीपी-एएसआईजी	19/09/2020	[वेबिनार] रोजगार पोस्ट कोविड-19 पर दीर्घकालिक प्रभाव	श्री महेश व्यास	प्रोफेसर राकेश बसंत
11	महिला-एएसआईजी	-	[पॉडकास्ट सीरीज] उषा बोरा के साथ बातचीत में (पीजीपी 97)	उषा बोरा	-
12	एन्त्रे-एसआईजी	25/09/2020	[वेबिनार] अजेय कंपनी: स्थापित निगमों और नए उद्यमों की विकास क्षमता को कैसे उजागर करें	डॉ. अलेक्जेंडर ओस्टरवाल्डर	-
13	टीडीए-एएसआईजी	27/09/2020	[वेबिनार] रीयल-टाइम असंरचित डेटा का विश्लेषण: भारतीय व्यापार समाचार के मूल्य को अनलॉक करना	प्रोफेसर अंकुर सिन्हा और सतीश्वर केदास, पीजीपी 2017	प्रोफेसर अंकुर सिन्हा

परिशिष्ट जारी

थ

क्रमांक	एएसआईजी	दिनांक	विषय	अध्यक्ष	मॉडरेटर
14	महिला-एएसआईजी	-	[पॉडकास्ट सीरीज] प्रियंका अग्रवाल के साथ बातचीत में (पीजीपी 2000)	प्रियंका अग्रवाल	-
15	हेल्थकेयर एएसआईजी	7/10/2020	[पैनल चर्चा] स्वास्थ्य सेवा में अवसरों पर निवेशकों का नजरिया	प्रेम पवार, धीरज पोद्दार, शशांक सिंह	मनीष गुप्ता
16	शिक्षा-एएसआईजी	10-10-2020	[वेबिनार] सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	श्रीधर राजगोपालन	वरदान काबरा, विवेक टुटेजा
17	महिला-एएसआईजी	-	[पॉडकास्ट सीरीज] किट्टी अग्रवाल के साथ बातचीत में (पीजीपी 12)	किट्टी अग्रवाल	-
18	टीडीए-एएसआईजी और शिक्षा-एएसआईजी	17/10/2020	[पैनल डिस्कशन] इंडिया के-12 एडटेक: होप, हाइप, हैपनिंग	प्रभात अग्रवाल, सुमीत मेहता, जीवी रविशंकर, वरदान काबरा	पराग पाटणकर
19	महिला-एएसआईजी	17/10/2020	[पैनल चर्चा] संबंधित, नेतृत्व और जीवन	सीनू कुरियन, रश्मि पिंपले, सुरभि शर्मा, हर्ष मुंधडा	मिडिला मोहन (पीजीपीएक्स 21 उम्मीदवार)
20	(स्वास्थ्य सेवा एएसआईजी)	04/11/2020	[वेबिनार] उभरते डिजिटल हेल्थकेयर परिदृश्य	डॉ.	प्रोफेसर अरविंद सहाय
21	पीपी-एएसआईजी	28/11/2020	वार्षिक आम बैठक	-	अखिलेश तिलोटिया, सुहैल कासिम
22	महिला-एएसआईजी	28/11/2020	वार्षिक आम बैठक	-	गरिमा कौशल, भार्गवी रामचंद्रन
23	स्वास्थ्य देखभाल	04/12/2020	[पैनल चर्चा] हेल्थकेयर के भविष्य की पुनर्कल्पना करना	पारिजात घोष, प्रियंका अग्रवाल, प्रोफेसर सारंग देव,	प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगली
24	महिला-एएसआईजी	04/12/2020	[पॉडकास्ट सीरीज] आईआईएम-ए से कॉरपोरेट तक का सफर	सोनिया गुप्ता आईआईएमए पीजीपी 1997,	-
25	विपणन	05/12/2020	[वेबिनार] मार्केटिंग = व्यापार	संजीव मेहता	प्रोफेसर अक्षय विजयलक्ष्मी
26	पीपी-एएसआईजी	18/12/2020	[पॉडकास्ट सीरीज] भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर पोस्ट कोविड-19 का वित्तपोषण	विनायक चटर्जी	-
27	टेक और एनालिटिक्स	19/12/2020	[वेबिनार] एआई के नेतृत्व वाले परिवर्तनों से मूल्य बनाना	प्रणय अग्रवाल	प्रोफेसर सम्राट गुप्ता

परिशिष्ट जारी

थ

क्रमांक	एएसआईजी	दिनांक	विषय	अध्यक्ष	मॉडरेटर
28	पीपी-एएसआईजी	29/12/2020	[पॉडकास्ट सीरीज] सार्वजनिक नीति: जनता द्वारा, जनता के लिए	प्रोफेसर रमा बीजापुरकर आईआईएमए पीजीपी 1977	-
29	स्वास्थ्य देखभाल	04/01/2021	[पैनल चर्चा] आयुष - नेक्स्टजेन बिजनेस	डॉ. भूषण पटवर्धन, डॉ. नरेंद्र नाथ मेहरोत्रा डॉ. लाल हिंगोरानी	एस. बी. दंगायच
30	पीपी-एएसआईजी	08/01/2021	[पॉडकास्ट सीरीज] कोविड-19 के दौरान कृषि में बदलाव	डॉ. वाई. के. अलघ	-
31	स्वास्थ्य देखभाल	08/01/2021	[पैनल चर्चा] हेल्थकेयर कैरियर पैनल चर्चा	मोनिका सूद, मीनाक्षी नेवतिया, पंकज साहनी	अनुराग चौधरी
32	महिला-एएसआईजी	10/01/2021	[पैनल चर्चा] कार्यस्थल पर भाईचारा	दूर्वा बहुगुणा, अबंति शंकरनारायणन, सुरगा थिलाकन	प्रोफेसर पृथा देव, प्रोफेसर प्रोमिला अग्रवाल
33	स्वास्थ्य देखभाल	13/02/2021	[पैनल चर्चा]स्वास्थ्य सेवा के भविष्य की पुनर्कल्पना करना: एक सक्षम ढांचा तैयार करना	ओम मनचंदा, गौतम खन्ना, रेहान खान, डॉ. रत्ना देवी	शैलेश अय्यंगर
34	महिला-एएसआईजी	18/01/2021	[पॉडकास्ट सीरीज] आईआईएम-ए से कॉरपोरेट तक का सफर	आराधना लाल आईआईएमए पीजीपी 1999	-
35	पीपी-एएसआईजी	19/01/2021	[पॉडकास्ट सीरीज] प्रौद्योगिकी आधारित विकास: कैसे नीति, व्यवसाय और शिक्षाविद बेहतर सहयोग कर सकते हैं	प्रोफेसर के. विजयराघवन	-
36	पीपी-एएसआईजी	20/02/2021	[वेबिनार] भारत का बजट 2021-22	तरुण बजाज	प्रोफेसर अभिमान दास, अखिलेश तिलोतिया
37	स्वास्थ्य देखभाल	20/02/2021	वार्षिक आम बैठक	-	सुदर्शन जैन, उल्हास जोशी
38	पीपी-एएसआईजी	28/01/2021	[पॉडकास्ट सीरीज]आत्मानबीर भारत	संजीव सान्याल	-
39	पीपी-एएसआईजी	09/02/2021	[पॉडकास्ट सीरीज] कोविड-19 के बाद शिक्षा नीति में बदलाव	आशीष धवन	-

परिशिष्ट जारी

थ

क्रमांक	एएसआईजी	दिनांक	विषय	अध्यक्ष	मॉडरेटर
40	पीपी-एएसआईजी	22/02/2021	[पॉडकास्ट सीरीज] कोविड-19 के बाद रोजगार पर दीर्घकालिक प्रभाव	महेश व्यास	-
41	पीपी-एएसआईजी	05/03/2021	[पॉडकास्ट] भारत का बजट 2021-22	तरुण बजाज पीजीपी 1986	
42	महिला-एएसआईजी	08/03/2021	[पैनल चर्चा] मैं नारीवादी नहीं हूं	चंद्रिका बहादुर, छवि मुद्गल, श्रीहर्ष वविलाल	प्रोफेसर पृथा देव, प्रोफेसर प्रोमिला अग्रवाल
43	महिला-एएसआईजी	18/03/2021	[पॉडकास्ट सीरीज] आईआईएम-ए से कॉरपोरेट तक का सफर	राधिका बहादुर भूषण पीजीपी 2004	
44	पीपी-एएसआईजी	01/04/2021	[वेबिनार] केस अध्ययन विकास के लिए पूर्वछात्र-संकाय भागीदारी	प्रोफेसर विजया शेरी चंद	-
45	स्वास्थ्य देखभाल	12/04/2021	[पैनल चर्चा] उपभोक्ता स्वास्थ्य सेवा - कोविड-19 से सीख और आगे की राह	निकोलस हॉल, सुसान जोसी, स्वाति दलाल	प्रोफेसर अरविंद सहाय
46	टीएलआई एएसआईजी	17/04/2021	[बैठक] सभी प्रतिभागियों और सेंटर फॉर ट्रांसपोर्टेशन एंड लॉजिस्टिक्स (सीटीएल) के साथ परिचयात्मक बैठक	-	प्रोफेसर संदीप चक्रवर्ती, प्रोफेसर देबजीत रॉय
47	महिला-एएसआईजी	26/04/2021	[पॉडकास्ट सीरीज] आईआईएम-ए से कॉरपोरेट तक का सफर	अरुणिमा पटेल पीजीपी 2002	
48	स्वास्थ्य देखभाल	14/05/2021	[वेबिनार] केस अध्ययन विकास के लिए पूर्व छात्र-संकाय भागीदारी	प्रोफेसर विजया शेरी चंद	-

थ2 पूर्वछात्र शाखा गतिविधियाँ

- **अहमदाबाद शाखा:** कोविड19- और उसके बाद के लॉकडाउन के कारण कई स्थगनों के बाद, शाखा की नई कार्यकारी समिति ने जुलाई 2020 के पहले सप्ताह में कार्यभार संभाला। नियमित आमने-सामने की बैठक और अध्ययन मंडली की बैठकों के अभाव में, शाखा को स्थानांतरित कर दिया गया ई-मोड। पहला अध्ययन सर्कल ई-सत्र 26 जुलाई, 2020 को जगदीप कोचर, पीजीपी1983- द्वारा "सिखों और पंजाब का इतिहास- 1848-1469 से" पर आयोजित किया गया था। दूसरा ई-सत्र "प्राइवेट इक्विटी: द स्टोरी फ्रॉम इनसाइड एंड आउटसाइड" पर था, श्री सुदीप नंदी, पीजीपी 1983, वर्तमान में ऑपरेटिंग पार्टनर क्रिस कैपिटल द्वारा। कोविड19- ने अहमदाबाद शाखा की सामान्य गतिविधियों पर अपनी छाया डालना जारी रखा। कोविड-19 के बीच अपने ऑनलाइन सत्रों के साथ शाखा जारी रही:
    - **अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में साइबर सुरक्षा की राजनीति:** 6 दिसंबर, 2020 को अध्यक्ष डॉ. गुलशन राय, पूर्व साइबर सुरक्षा समन्वयक, प्रधान मंत्री कार्यालय, भारत सरकार
    - **कृषि विधेयक के विभिन्न दृष्टिकोण:** 20 दिसंबर, 2020 को वक्ताओं में प्रोफेसर सुखपाल सिंह (आईआईएमए), प्रोफेसर सतीश देवधर (आईआईएमए), प्रोफेसर विजय पॉल शर्मा (आईआईएमए और भारत सरकार), बाबूलाल यादव (आईआईएमए के पूर्व छात्र), सिद्धार्थ जायसवाल (आईआईएमए के पूर्व छात्र), डॉ एलके पांडेय (पूर्व छात्र आईआईएमए) शामिल थे।

परिशिष्ट जारी

थ

- **हैदराबाद शाखा:** लिंक्डइन पर व्यक्तिगत ब्रांडिंग पर सलोनी मेहता द्वारा ऑनलाइन -2दिवसीय बूटकैंप का आयोजन किया गया और राम कौंडिन्य (एमडी और सीईओ एडवांटा लिमिटेड), समीर गोयल (एमडी) द्वारा "कृषि अर्थव्यवस्था पर कोविड19- का प्रभाव" पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।, कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड) और मुरलीधर। टी. इस कार्यक्रम में शाखा के सदस्यों ने अच्छी तरह से भाग लिया।
- **नागपुर शाखा:** नागपुर शाखा में प्रभावी संचार की बारीकियों पर वेबिनार था जिसमें आशादीप एनजीओ के 26 प्रतिभागी थे जो मुख्य रूप से विकलांगों (मुख्य रूप से नेत्रहीन / आंशिक रूप से नेत्रहीन) के पुनर्वास और प्रशिक्षण में शामिल हैं। उन्होंने अपनी पत्नियों समेत सभी सदस्यों के साथ जूम मीट का भी आयोजन किया।
- **चेन्नई शाखा:** इस बार चेन्नई शाखा म्यूजिकल सेशन के साथ आया "जूम पर जैमिंग द लॉकडाउन ने आत्माओं को नम नहीं किया, वास्तव में इसने समूह को प्रेरित किया। कई आर्मचेयर गायकों को सदस्यों के बीच जाम करने, आभासी दोस्तों को ऊहापोह का आनंद लेने और प्रतिभा के अब तक अप्रयुक्त भंडार की खोज के लिए पारस्परिक प्रोफेसर त्साहन के विचार के लिए तैयार किया गया था! आईआईएमए चेन्नई शाखा को 29 दिसंबर को दीप सेंगर पीजीपी03- (वस्तुतः) की मेजबानी करने, सेना में उनके अनुभवों, के बारे में सुनने का आनंद मिला। उस समय से प्राप्त नेतृत्व के सबक और उन्हें अपने कॉर्पोरेट करियर में कैसे लागू किया, उन्होंने उनके परोपकारी कार्यों के बारे में भी जाना।
- **दिल्ली शाखा:** दिल्ली शाखा ने 3.2 करोड़ रुपये एकत्र करके कोविड19- प्रभावित परिवारों का समर्थन करने की पहल की और 10 राज्यों में 45,000 से अधिक परिवारों को 4.2 मिलियन भोजन के बराबर 700 टन राशन प्रदान किया। उन्होंने कंबल के लिए 32 लाख रुपये एकत्र किए और अपने वार्षिक कंबल वितरण अभियान के लिए एक और रिकॉर्ड बनाया और इस सीजन में लगभग 10,000 कंबल और स्वेटर वितरित किए। इस पहल का नेतृत्व विपुल केडिया (पीजीपी05-), कौशलेंद्र (पीजीपी07-), अंकित गुलाटी (पीजीपी07-), और अतुल मेहता (पीजीपी07-) ने किया। प्रशस्त शिवस्तव (पीजीपी12-), एनजीओ साझा के संस्थापक और दिल्ली सरकार/नगरपालिका स्कूलों में स्कूल प्रबंधन समितियों को सक्रिय करने और वंचित बच्चों के माता-पिता को अपने बच्चों की शिक्षा में सक्रिय रुचि लेने के लिए बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इसे दिल्ली/एनसीआर शाखा से सक्रिय समर्थन मिल रहा है।
- **लंदन शाखा:** शाखा ने 15 दिसंबर, 2020 को आईआईएमए एंडोमेंट फंड पर एक वार्ता का आयोजन किया। यह एक इंटरैक्टिव सत्र था, जिसमें निदेशक, आने वाले डीन एईआर प्रोफेसर सरल मुखर्जी और निवर्तमान डीन एईआर डीन एईआर कार्यालय के प्रोफेसर राकेश बसंत और स्टाफ सदस्य शामिल थे। यद्यपि वार्ता का आयोजन बंदोबस्ती निधि और भारत के बाहर इसके कार्यान्वयन के बारे में चर्चा करने के लिए किया गया था, फिर भी छात्रावासों की बहाली मुख्य मुद्दा था। लंदन शाखा के सदस्यों ने डॉर्म के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की और कुछ तरीके सुझाए कि डॉर्म को नीचे लाए बिना कैसे सबसे अच्छा बहाल किया जा सकता है। संदीप सिंघल ने एंडोमेंट फंड के सीईओ छवि मुद्गल (पीजीपी - 2004) का लंदन शाखा के सदस्यों से परिचय कराया।
- **यूएस शाखा:** 30 जनवरी, 2021 को हेरिटेज परिसर में डॉर्मों की बहाली के संबंध में चर्चा करने और अपनी चिंता व्यक्त करने के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र में बड़ी संख्या में पूर्व छात्रों को इकट्ठा होना पड़ा। सत्र में फिर से निदेशक, डीन, और एईआर कार्यालय के स्टाफ सदस्य ने भाग लिया। एक पीपीटी के माध्यम से डॉर्म की वर्तमान स्थिति के बारे में उन्हें समझाने के लिए निदेशक ने कार्यभार संभाला। हालांकि छात्रावासों को गिराने से बचने के लिए एक विकल्प खोजने के लिए आगे और पीछे के प्रश्न और प्रश्न थे, यह देखने के लिए एक सुखद साइट थी कि पूर्व छात्रों ने संस्थान की इतनी देखभाल की। उन्होंने बहाली के लिए दान करने के विभिन्न तरीकों पर भी चर्चा की। सिंगापुर शाखा: सिंगापुर में पैन आईआईएम पूर्व छात्र समुदाय की ओर से आईआईएमए के पूर्व छात्रों ने सफल लेखक से उद्यमी बने करण बजाज के साथ बातचीत की, जिन्होंने हाल ही में अपने स्टार्टअप व्हाइटहाट जूनियर को छोड़ दिया और जीवन, शिक्षा, उद्यमिता के बारे में अपने विचारों पर चर्चा की। . पहली बार पैन आईआईएम प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 7 नवंबर को डिजिटल रूप से आयोजित की गई थी।

उन्होंने जरूरतमंद लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए अपने विशेषाधिकार और प्रतिभा का उपयोग करने के लिए अपनी विशिष्ट घटनाओं से परे जाने के लिए भी कदम बढ़ाया। सिंगापुर शाखा ने ‹ब्रीद लाइफ इन इंडिया› अभियान का आयोजन किया। जैसे ही भारत में कोविड19- का प्रकोप हुआ, पैन आईआईएम के पूर्व छात्र सिंगापुर एक्सो ने 1 मई को एक साधारण मिशन के साथ ‹ब्रीद लाइफ इन इंडिया› अभियान शुरू करने के लिए एक साथ मिल गए - भारत के चल रहे महामारी संकट को दूर करने और राहत प्रयासों को सुविधाजनक बनाने के लिए और जीवन को कोविद से बचाने के लिए

अभियान का प्रयास आईआईएम के पूर्व छात्रों सिंगापुर, सिंगापुर रेड क्रॉस, एसीटी अनुदान, टेमासेक फाउंडेशन, ओलम, एमसीसीआईए, अमेज़ॅन, डेल्हीवरी, केरी, मार्सक, एसआईए और कई अन्य समूहों में स्नोबॉलिंग सहयोग की कहानी है, जो संसाधनों और कौशल को एक साथ रखते हैं। जल्दी से एक महत्वपूर्ण अंतर बनाने के लिए। कई आईआईएमए पूर्व छात्र इस प्रयास में सबसे आगे थे - **आनंद नंदकुमार (पीजीपी›96) और कपिल दहिया (पीजीपी›02)** ने अथक रूप से स्वयंसेवी ‹सोर्सिंग› टीम का नेतृत्व किया - उन्होंने विश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं के साथ ऑर्डर देने के लिए मजबूत आईआईएम पूर्व छात्रों के नेटवर्क पर काम किया, लॉजिस्टिक्स को व्यवस्थित करें, गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करें, और जमीन पर अंतिम मील वितरण को व्यवस्थित करें। पीआईआईएमए एक्सो **लतिका आहूजा (पीजीपी '86), नयनतारा बाली (पीजीपी '88) और दीपिका देशपांडे (पीजीपी ‹93)** के आईआईएम-ए सदस्यों ने रिकॉर्ड समय में आवश्यक नियामक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए काम किया । बहुत कम समय और तेजी से अभियान जागरूकता और फंड बनाने के लिए संचार का प्रबंधन किया। और व्यापक पूर्व छात्र समुदाय ने कई तरीकों से धन, कनेक्शन और समर्थन के साथ कदम रखा। आईआईएम के पूर्व छात्र **अनु राजू कांकीपति (पीजीपी›89) और नुपूर अग्रवाल बहादुर (पीजीपी›95)** को ‹सपोर्टिंग एसजी फ्रंटलाइन› नामक कोविड पहल शुरू करने के लिए अच्छी श्रेणी के संगठन के तहत सिंगापुर के राष्ट्रपति के स्वयंसेवी और परोपकार पुरस्कार 2020 विशेष संस्करण से सम्मानित किया गया। अस्पतालों में फ्रंटलाइन स्टाफ और प्रवासी श्रमिक उन्होंने कई अस्पतालों, अस्पतालों से जुड़ी सामुदायिक सुविधाओं और ड्रोम को द्वीप भर में विभिन्न आपूर्ति (225,000 से अधिक वस्तुओं के साथ मूल्य लगभग 150,000 सिंगापुर डॉलर) प्रदान की है। यह पुरस्कार देने में उत्कृष्टता को मान्यता देता है और सिंगापुर के राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त समुदाय को देने के लिए सर्वोच्च सम्मान है। सिंगापुर सरकार ने पीयूष गुप्ता (पीजीपी 83) को लोक सेवा स्टार, 2020 और गिरिजा पांडे (पीजीपी 75) को लोक सेवा पदक, 2020 के पुरस्कार से भी मान्यता दी।

थ3 छात्रवृत्ति और पुरस्कार

- **मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार:** यह पुरस्कार प्रोफेसर मार्टी सुब्रह्मण्यम (पीजीपी 69-1967) द्वारा मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ की स्मृति में स्थापित किया गया है। हर साल यह पुरस्कार एक संकाय सदस्य को दिया जाता है जिसने स्नातक पीजीपी बैच को पढ़ाया है। प्रोफेसर सरल मुखर्जी को 2 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया।
- **आईआईएमए पूर्वछात्र वीवीईएफ उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार:** यह पुरस्कार विद्या वर्धिनी शिक्षा फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है; आईआईएमए के पूर्व छात्रों द्वारा संचालित एक धारा 25 कंपनी। यह पुरस्कार संकाय सदस्यों को उनके निरंतर अनुसंधान और/या एक पथ-प्रदर्शक प्रकृति के महत्वपूर्ण शोध के लिए दिया जाता है। प्रोफेसर जीवंत रामपाल को 2 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया।
- **फिलिप थॉमस मेमोरियल स्ट्रैटेजी-पब्लिक सिस्टम केस अवार्ड:** यह पुरस्कार प्रोफेसर ऋषिकेश टी कृष्णन (एफपीएम1996-) द्वारा फिलिप थॉमस (पीजीपी1966-) की स्मृति में स्थापित किया गया है। पुरस्कार लेखक (लेखकों) को जाता है, जो प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के दौरान रणनीति/सार्वजनिक प्रणाली डोमेन में एक केस लिखते हैं। प्रोफेसर चित्रा सिंगला को 50,000 रुपये का पुरस्कार दिया गया।
- **एसआरके अवार्ड:** यह पीजीपीएक्स फैकल्टी अवार्ड श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। वर्ष 21-2020 के लिए इस पुरस्कार के प्राप्तकर्ता प्रोफेसर सरल मुखर्जी थे।
- **व्यापार के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर मदन मोहनका अनुसंधान पुरस्कार:** यह संकाय पुरस्कार तेगा इंडस्ट्रीज के श्री मदन मोहनका (पीजीपी1967-) द्वारा स्थापित किया गया है। इस पुरस्कार के प्राप्तकर्ता डॉक्टरेट छात्र - रंगनाथन कृष्णमूर्ति, पुण्यश्लोक द्विबेदी, मयंक अग्रवाल के साथ प्रोफेसर अमित कर्ण।

परिशिष्ट जारी

थ

थ4 पूर्वछात्रों द्वारा व्यक्तिगत प्रमुख योगदान; कॉर्पोरेट संगठन, और पूर्वछात्र बैच

क्रमांक	नाम	उद्देश्य	राशि (आईएनआर)
क. 2020-21 में पूर्वछात्रों की तरफ से व्यक्तिगत योगदान (नई साझेदारियों के अनुसार)			
1	अशंक देसाई (पीजीपी 1979)	अशंक देसाई नेतृत्व और संगठनात्मक विकास केंद्र	10,40,15,645
2	पीजीपी 1985 बैच के पूर्वछात्रों से प्राप्त दान	बृज दिसा डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र	10,000,000
3	अश्विनी गुप्ता	सर्वश्रेष्ठ थीसिस के लिए प्रोफेसर तीरथ गुप्ता स्मृति पुरस्कार	35,000
ख. पिछली प्रतिबद्धता/समझौता ज्ञापन/परिशिष्ट के अनुसार व्यक्तिगत फिटकरी से अंशदान			
1	रूपा कुडवा (पीजीपी 1986) और विवेक कुडवा (पीजीपी 1986)	विंग 7 - रूपा कुडवा और विवेक कुडवा द्वारा समर्थित	12,500,000
2	पीजीपी 1985 बैच के पूर्वछात्रों की तरफ से प्राप्त दान	दीपक गुप्ता मेरिट-कम-मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति	3,000,000
3	आईआईएम्एए सिंगापुर शाखा - आईआईएम्ए के लिए 1'एम्	फैकल्टी विंग 2 और 6	2,040,000
4	बी.पी. विश्वनाथन (पीजीपी 1969)	पीजीपी 1969 छात्रवृत्ति कोष	500,000
ग. नई साझेदारियों के अनुसार कॉरपोरेट्स/फाउंडेशन के माध्यम से योगदान			
1	बैंक ऑफ अमेरिका	डिजिटल रूपांतरण केंद्र	12,500,000
2	तेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड	विंग 9 - तेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा समर्थित।	25,000,000
3	मिराए एसेट फाउंडेशन इंडिया	पीएचडी के लिए मेरिट छात्रवृत्ति और एमबीए/एमबीए-एफएबीएम के लिए छात्रवृत्ति	3,000,000
4	क्वेट्ज़ेल वेरीफाई प्राइवेट लिमिटेड	क्वेटजेल स्वर्ण पदक	200,000
5	ब्रिज दिसा फाउंडेशन	बृज दिसा डेटा विज्ञान एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र	25,000
घ. पिछली प्रतिबद्धता/एमओयू/परिशिष्ट के अनुसार कॉरपोरेट्स के माध्यम से योगदान			
1	जेएसडब्ल्यू आईपी होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड	आईआईएम-ए में जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल	73,300,000
2	इंडिजिन प्राइवेट लिमिटेड	आईआईएमए में केस अध्ययन और शोध पत्रों के माध्यम से हेल्थकेयर सेक्टर में सहायक अनुसंधान	1,000,000
ङ. 2020-21 में बैच योगदान			
1	पीजीपी 1970 बैच	संगोष्ठी कक्ष 1 - पीजीपी 1970 बैच द्वारा समर्थित पीजीपी 1970 बैच – पीजीपी प्रथम वर्ष के लिए आईस्कॉल्स	2,588,385
2	पीजीपी 2002 बैच	भाररहित वित्त पोषण	200,000

परिशिष्ट जारी

थ

क्रमांक	नाम	उद्देश्य	राशि (आईएनआर)
3	पीजीपी 2003 बैच	अभी प्रस्तावित किया जाना है	1,500,000
4	पूर्वछात्रों से दान	सामान्य उद्देश्य	308,000
	कुल योग		251,712,030
	क. 2020-21 में व्यक्तिगत फिटकरी से योगदान (नई साझेदारियों के अनुसार)		114,050,645
	ख. 2020-21 में व्यक्तिगत अलम से योगदान (पिछली प्रतिबद्धता / समझौता ज्ञापन के अनुसार)		18,040,000
	ग. 2020-21 में कॉरपोरेट्स के माध्यम से योगदान (नई साझेदारियों के अनुसार)		40,725,000
	घ. 2020-21 में कॉरपोरेट्स के माध्यम से योगदान (पिछली प्रतिबद्धता / समझौता ज्ञापन के अनुसार)		74,300,000
	ङ. 2020-21 में बैच योगदान		4,596,385
	कुल योग		251,712,030
	इस वर्ष नई साझेदारी और वित्त पोषण पहल के माध्यम से योगदान (क+ग+ङ)		159,372,030
	पिछली प्रतिबद्धताओं और पहले के एमओयू (बी+डी) के माध्यम से योगदान		92,340,000

थ5 व्यक्तिगत पूर्वछात्रों का योगदान - 5 लाख और अधिक

अनुक्रमांक	नाम	बैच	राशि (INR)
1	बी.पी. विश्वनाथन	पीजीपी 1969	500,000
2	श्री राघव राव (श्रीमती चंपक राव द्वारा दान किया गया)	पीजीपी 1970	775,000
3	सुरेश पाल सिंह भल्ला और नूतन भल्ला	पीजीपी 1970	508,385
4	श्री तलीपदी श्रीनिवास शेट्टीगर	पीजीपी 1970	500,000
5	पीजीपी 1970 बैच डोनर	पीजीपी 1970	500,000
6	आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1989	500,000
7	आईआईएमए एए सिंगापुर शाखा पूर्वछात्र	पीजीपी 1989	1,250,000
8	मोहित सरदाना	पीजीपी 2003	600,000

द

कोविड-19 महामारी का प्रबंधन

मार्च से जून 2020

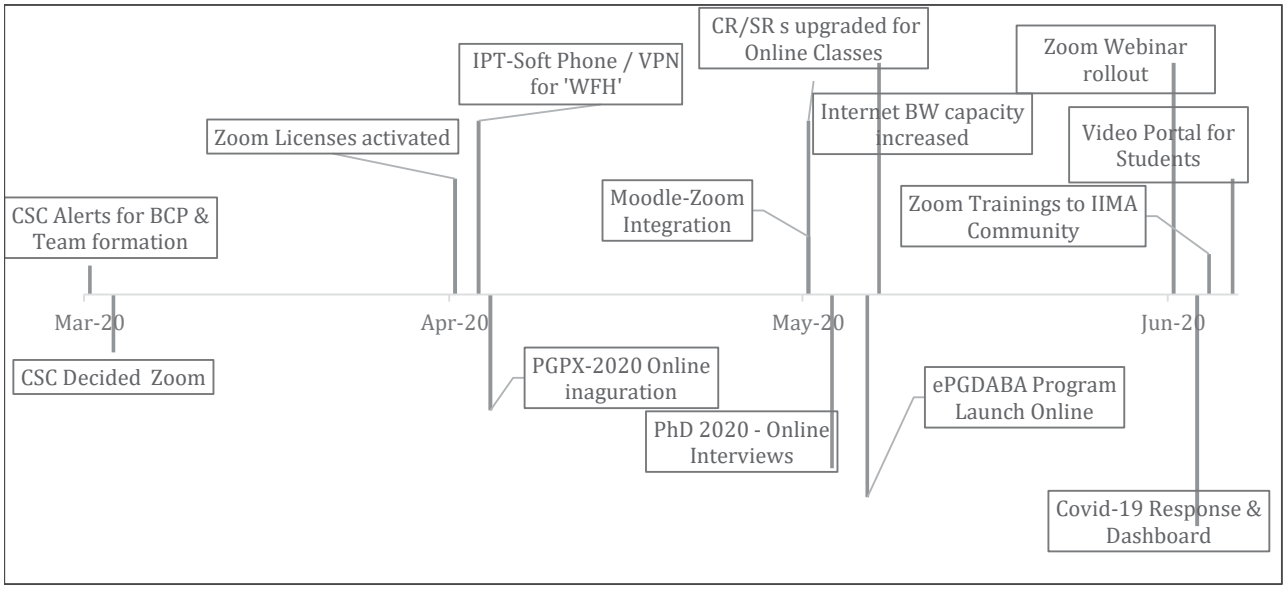

नोट: बीसीपी->बिजनेस निरंतरता योजना, आईपीटी->इंटरनेट प्रोटोकॉल टेलीफोन सिस्टम, डब्ल्यूएफएच-> वर्क फ्रॉम होम, वीपीएन->वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क, सीआर-> क्लास रूम, एसआर-> सेमिनार रूम

जुलाई से दिसंबर 2020

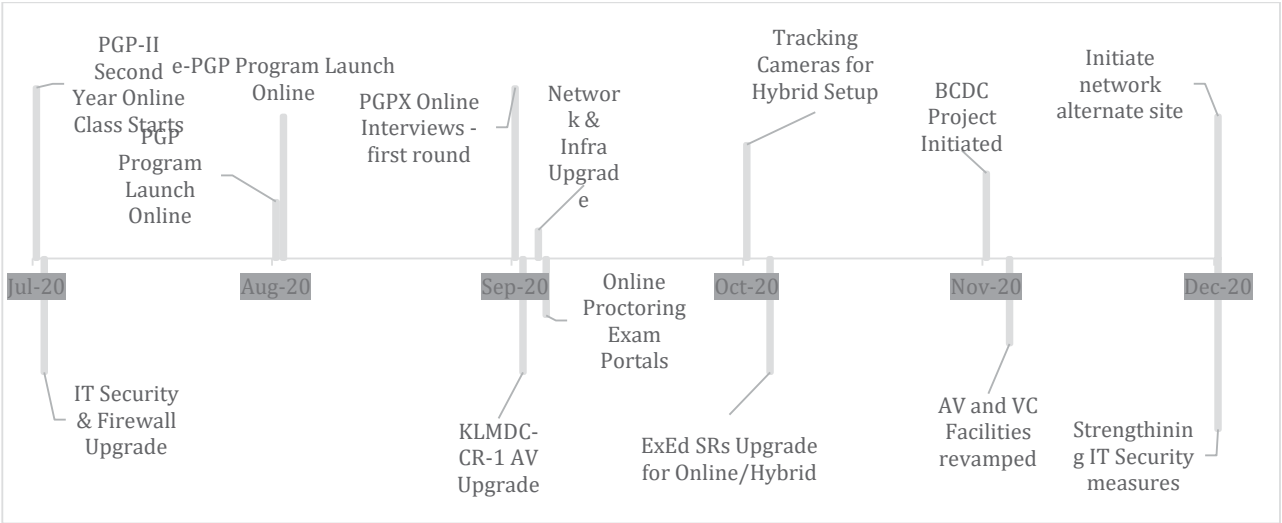

नोट: बीसीडीसी->ब्लॉकचैन आधारित डिजिटल सर्टिफिकेट सिस्टम

परिशिष्ट जारी

द

जनवरी से मई 2021

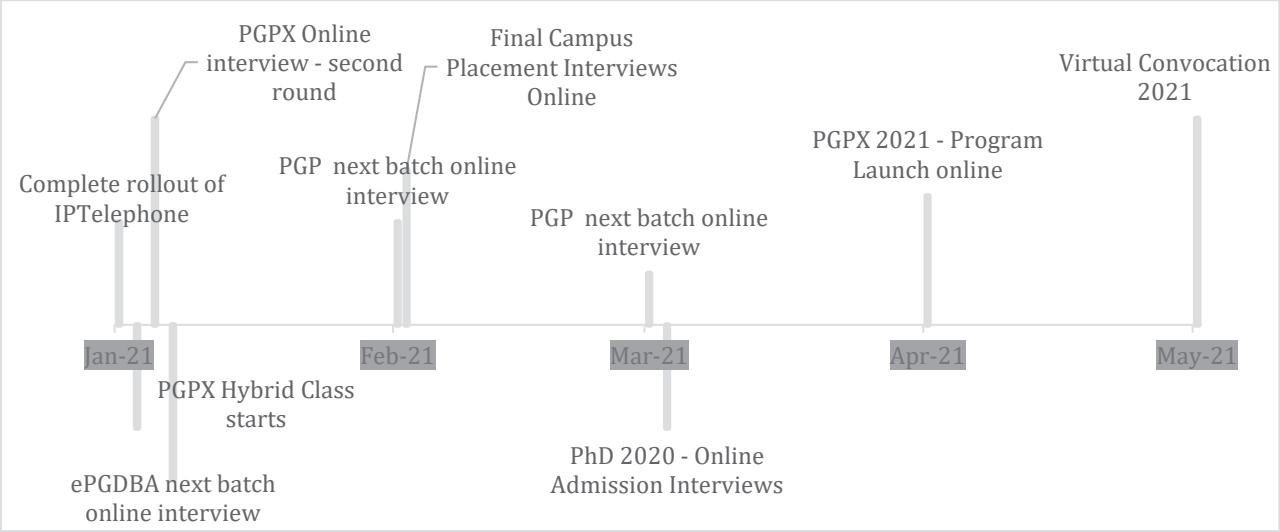

प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रम और गतिविधियाँ – ऑनलाइन

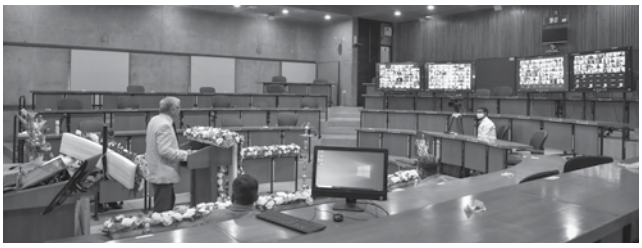

ऑनलाइन कक्षाएँ

वर्चुअल दीक्षांत समारोह 2021

ध

कार्मिक

ध1 नई नियुक्तियाँ

संकाय

• प्रोफेसर पंकज सेतिया	सूचना प्रणालियाँ
• प्रोफेसर नम्रता चिंदरकर	जेएसडब्ल्यू-सार्वजनिक नीति स्कूल
• प्रोफेसर ह्योकजिन क्वाक	विपणन
• प्रोफेसर श्रीराम शंकरनारायणन	उत्पादन और मात्रात्मक तरीके
• प्रोफेसर मयंक वार्ष्णेय	रणनीति
• प्रोफेसर प्रशांत दास	वित्त एवं लेखा
• प्रोफेसर अनिर्बन बनर्जी	वित्त एवं लेखा

कर्मचारी

• श्री हरीश चोपड़ा	वरिष्ठ नीति सलाहकार
• सुश्री किन्नरी भरत जोशी	कार्यकारी शिक्षा
• सुश्री ह्रिदम अग्रवाल	कार्यकारी शिक्षा
• श्री पवन रूईकर	सहायक महाप्रबंधक-स्थानन
• श्री रोनककुमार अजयभाई नायक	सहायक प्रबंधक-बागवानी
• श्री सजू जॉन	सहायक महाप्रबंधक-आतिथ्य
• श्री राम सी कार्ड	सह-उपाध्यक्ष-कॉर्पोरेट संबंध-पीजीपीएक्स
• सुश्री ऋचा निगम	अनुसंधान फेलो / व्यवहार विज्ञान प्रयोगशाला-प्रभारी
• श्री मल्लिकार्जुन डोरा	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
• सुश्री आशा देसाई	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
• श्री विकास चतुर्वेदी	मुख्य परिचालन अधिकारी
• सुश्री कविता सुधीरन	कार्यकारी-सचिवालय
• सुश्री अंजलि नायर	कार्यकारी-सचिवालय

ध2 त्यागपत्र/ कार्यकाल पूर्ण/ तकनीकी त्यागपत्र/ सेवा समापन

संकाय

• प्रोफेसर अप्रतीम गुहा	15 फरवरी, 2019 से प्रभाव के साथ पूर्वप्रभाव से त्यागपत्र
• प्रोफेसर रीतिका खेड़ा	19 मई, 2020 को त्यागपत्र दिया
• प्रोफेसर अरुणा दिव्या टी.	15 जून, 2020 को कार्यकाल समाप्त

कर्मचारी

• सुश्री हेतल सिंधव	01 मई, 2020 को कार्यकाल समाप्त
• श्री श्वेतांगकुमार पंचाल	05 जून, 2020 को त्यागपत्र दे दिया
• सुश्री कृष्णांशिका नायर	02 जुलाई, 2020 को त्यागपत्र दे दिया
• सुश्री शुभम के. राजावत	03 जुलाई, 2020 को त्यागपत्र दे दिया

• श्री दीपक भट्ट	31 जुलाई, 2020 को त्यागपत्र दिया
• श्री राजपाल सिंह	31 जुलाई, 2020 को कार्यकाल समाप्त
• सुश्री अंजना सुरेश	29 जुलाई, 2020 को त्यागपत्र दिया
• श्री अरुण कुमार गुप्ता	31 अगस्त, 2020 को त्यागपत्र दिया
• सुश्री हेतल राव	24 सितंबर, 2020 को त्यागपत्र दिया
• श्री संजय कुमार त्रिपाठी	30 सितंबर, 2020 को त्यागपत्र दिया
• सुश्री देविना सिंह शेखावत	30 सितंबर, 2020 को त्यागपत्र दिया
• सुश्री पूजा सेली	31 दिसंबर, 2020 को कार्यकाल समाप्त
• श्री एम.एस. सच्चिदानंदन	04 जनवरी 2021 को त्यागपत्र दिया
• श्री एडा डेविड दिनाकरन	06 जनवरी 2021 को त्यागपत्र दिया
• सुश्री मिताली नायडू	11 जनवरी 2021 को त्यागपत्र दिया
• सुश्री रिद्धिका ठाकरे	20 जनवरी 2021 को त्यागपत्र दिया
• श्री जयप्रकाश शिवसामी	21 जनवरी 2021 को त्यागपत्र दिया
• सुश्री जिशा गोपीनाथन	16 फरवरी, 2021 को त्यागपत्र दिया
• सुश्री मोनिका दत्ता	31 मार्च, 2021 को कार्यकाल समाप्त

संस्थान उपरोक्त सभी सदस्यों को शुभकामनाएँ देता है।

ध3 सेवानिवृत्ति

वर्ष के दौरान निम्नलिखित संकाय सदस्य सेवानिवृत्त हुए :

• प्रोफेसर सेबेस्टियन मॉरिस	31 अगस्त, 2020
• प्रोफेसर अजीत माथुर	30 सितंबर, 2020
• प्रोफेसर टी.टी. राम मोहन	31 जनवरी 2021

निम्नलिखित स्टाफ सदस्य वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए :

• श्री अशोक एस. वाघेला	31 मई, 2020
• श्री हीराभाई बी. सोलंकी	31 मई, 2020
• श्री कानजी एस. रबारी	31 मई, 2020
• श्री मंगलदास बी. कोली	31 मई, 2020
• डॉ. श्रुति दवे	30 जून, 2020
• श्री भास्करन आर.	30 जून, 2020
• श्री सोमनाथ भट्टाचार्य	31 जुलाई 2020
• श्री उपेंद्र बी. भावसार	31 अक्टूबर, 2020
• श्री राजेशकुमार सी. भावसार	30 नवंबर, 2020
• श्री रामशरण एल. सरोज	31 दिसंबर, 2020
• श्री पासी राजकुमार पी.	28 फरवरी, 2021

संस्थान इन्हें इनकी दीर्घकालीन, समर्पित और विशिष्ट सेवा के लिए धन्यवाद देता है।

परिशिष्ट जारी

ध

ध4 निधन

संकाय

डॉ. अनिल कुमार एच.	17 जुलाई, 2020

कर्मचारी

श्री जयंतीलाल ठाकुर	05 मई, 2020

संस्थान उनके असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है।

ध5 अनुपस्थिति की छुट्टी / बिना वेतन के छुट्टी

संकाय

- प्रोफेसर विजय पॉल शर्मा 01 जून, 2016 से 31 मई, 2021 तक।
- प्रोफेसर देबजीत रॉय 12 मार्च, 2020 से 21 अप्रैल, 2020 और 06 मार्च, 2021 से 22 अप्रैल, 2021 तक।
- प्रोफेसर नमन देसाई 01 जनवरी, 2020 से 01 जून, 2020 तक।
- प्रोफेसर विनीत विरमानी 01 दिसंबर, 2020 से 30 नवंबर, 2021 तक।
- प्रोफेसर निहारिका वोहरा 08 अक्टूबर, 2021 से 07 अक्टूबर, 2021 तक।

कर्मचारी

- श्री अनिल चौबल 02 मार्च, 2020 से 01 फरवरी, 2021 तक।

ध6 बिना वेतन की छुट्टी के बाद पुनः संस्थान से जुड़े

संकाय

- प्रोफेसर देबजीत रॉय और प्रोफेसर नमन देसाई बिना वेतन छुट्टी का लाभ लेकर फिर से संस्थान से जुड़े।

कर्मचारी

- श्री अनिल चौबल बिना वेतन छुट्टी का लाभ लेकर फिर से संस्थान से जुड़े।

ध7 पदोन्नति एवं वित्तीय उन्नयन

संकाय

- प्रोफेसर आनंद जायसवाल को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर चेतन सोमन को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर राजेश चंदवानी को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर रंजन घोष को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर अमित कर्ण को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर अनिंद्य चक्रवर्ती को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर प्रोमिला अग्रवाल को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर शोभेश अग्रवाल को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।

परिशिष्ट जारी

ध

कर्मचारी (पदोन्नति)

- श्री प्रभु चौहान
- श्री अवधेश बहादुर सिंह
- श्री अजितसिंह टी. जाडेजा
- श्री सहदेवसिंह एम. जाडेजा
- श्री केतन जोशी
- सुश्री जागृति डी. सिंधव
- श्री मुस्तफा इकबाल बुरहानी
- श्री राहुल कुमार गुप्ता
- सुश्री रीना मनहरलाल पटेल
- श्री विरल चंद्रकांत नविक
- श्री जिग्नेश ईश्वरलाल अमीन
- श्री उल्हासकुमार एस. चौहान
- सुश्री मोनाज़ वकील
- श्री जतिन नागोरी
- श्री किशोर तपोधन
- सुश्री निष्ठा एन. ठाकर
- सुश्री मिनी नायर

कर्मचारी (वित्तीय उन्नयन)

- श्री भगवानभाई जेड. परमार
- श्री शिवशरण पासी
- श्री पलटुराम राममिलन कोरी
- श्री कांतिभाई वाघेला
- श्री प्रवीणकुमार वालोदरा
- श्री नितिनकुमार एन. जानी
- श्री प्रवीण क्रिश्चियन
- श्री यू.बी. भावसार
- श्री हरेंद्र जे. वाढेर

ध8 कार्मिक संख्या

वर्ष	संकाय	अकादमिक सहयोगी	प्रशासनिक कर्मचारी	कुल
2011-12	88	66	316	470
2012-13	85	70	291	446
2013-14	90	65	269	424
2014-15	95	72	286	453
2015-16	98	68	289	391
2016-17	94	64	293	451
2017-18	98	75	289	462
2018-19	96	80	303	479
2019-20	103	88	308	499
2020-21	**103**	**86**	**286**	**475**

परिशिष्ट जारी

ध9 संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में उच्चतम पारिश्रमिक और उनके योगदान वाले संकाय

	सुनील माहेश्वरी	संजय वर्मा	अरविंद सहाय	शैलेश गांधी	अमित गर्ग
1. निम्नलिखित लंबी अवधि के कार्यक्रमों में पढ़ाया (पाठ्यक्रमों की संख्या):					
क. पीजीपी	02	05	05	02	02
ख. पीजीपीएक्स	02		06	03	
ग. पीएच.डी.	01	02	03		01
घ. ईपीजीपी	01	05	02		
2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में पढ़ाया :					
ओईपी	11		03	09	
सीईपी	09	08	05	07	01
बीएलपी	01	02	04		
3. पीएच.डी. में योगदान					
टीएसी चेयर	02	03	05		01
टीएसी सदस्य	01	01			
4. अनुसंधान एवं प्रकाशन:					
पंजीकृत केस	01		04		01
सहकर्मी लेखों की समीक्षा	03		02		06
जारी अन्य शोध					04
प्रकाशित पुस्तक	01				
संपादित पुस्तक में अध्याय		01			
बाहरी वक्ता / कार्यशालाएँ			15		
5. सलाहकार/परामर्श सेवाएं	**01**		**05**		**07**
6. अन्य (नीति समितियां - आंतरिक)		**04**	**02**	**06**	**03**
(नीति समितियां/बोर्ड आदि - बाहरी)	02		04	07	05

शासक मंडल

अध्यक्ष
कुमार मंगलन बिड़ला
अध्यक्ष, आदित्य बिड़ला समूह, मुंबई

सदस्य	
संजय कुमार सिन्हा, आईएफएस संयुक्त सचिव, (प्रबंधन एवं भाषा) मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	**विजया शेरी चंद** प्रोफ़ेसर भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (20 दिसंबर, 2021 तक) **विशाल गुप्ता** प्रोफ़ेसर भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (21 दिसंबर, 2021 से)
अंजू शर्मा प्रमुख सचिव (उच्च एवं तकनीकी शिक्षा) शिक्षा विभाग गुजरात सरकार, गाँधीनगर	**अशांक देसाई** संस्थापक एवं पूर्व-अध्यक्ष मास्टेक लिमिटेड, मुंबई
सुनील कांत मुंजाल अध्यक्ष हीरो एंटरप्राइज नई दिल्ली	**डॉ. हसित जोशीपुरा** सदस्य-कार्यकारी प्रबंधन समिति एवं प्रमुख - कॉर्पोरेट केंद्र लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड मुंबई
अलका भरुचा सहभागी भरूचा एंड पार्टनर्स, मुंबई	**रूपा कुडवा** सहभागी एवं प्रबंध निदेशक ओमिड्यार नेटवर्क इंडिया एडवाइजर्स प्रा. लिमिटेड, मुंबई
काकु नखाटे अध्यक्ष एवं देश प्रमुख (भारत) बैंक ऑफ अमेरिका, एन.ए. मुंबई	**प्रदीप के. चिंतागुंटा** जोसेफ टी. एवं बर्निस एस. लुईस विशिष्ट सेवा विपणन के प्रोफेसर शिकागो विश्वविद्यालय बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस, अमेरीका
संजीव डांगी उत्तर भारत अध्यक्ष दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई), नई दिल्ली	**पंकज आर. पटेल** अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड अहमदाबाद
तथागत बंद्योपाध्याय प्रोफ़ेसर भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (20 दिसंबर, 2021 तक) **अजय पांडेयय** प्रोफ़ेसर भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (21 दिसंबर, 2021 से)	**एरोल डिसूज़ा** निदेशक भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
सचिव **कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद	

प

प्रशासन, संकाय, अधिकारी एवं अनुसंधान कर्मचारी

प्रशासन

निदेशक

एरोल डिसूज़ा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

डीन (कार्यक्रम)

प्रद्युम्न खोकले
फेलो (आईआईएमए)

डीन (संकाय)

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कलकत्ता विश्वविद्यालय)

डीन (पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध)

सरल मुखर्जी
फेलो (आईआईएमसी)

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
एम.ई. (पुणे), वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (मुंबई विश्वविद्यालय),
व्यवसाय प्रशासन में कार्यक्रम (आईआईएमए), पीएमआई का व्यवसायिक परियोजना प्रबंधन (पीएमपी),
संकाय सदस्य

पुस्तकालयाध्यक्ष

अनिल कुमार एच.
पीएच.डी. (म.स.विश्वविद्यालय)
संकाय सदस्य

मुख्य वित्तीय अधिकारी

श्री उमेश दलाल
सीए / सीएस / लागत लेखा

संकाय

कृषि प्रबंधन केंद्र

हरि नागराजन
पीएच.डी. (ओक्लोहोमा विश्वविद्यालय)

पूर्णिमा वर्मा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

रंजन कुमार घोष
पीएच.डी. (हम्बोल्ट विश्वविद्यालय, बर्लिन)

सुखपाल सिंह
पीएच.डी. (आईएसईसी, बैंगलोर)

विद्या वेमिरेड्डी
पीएच.डी. (कॉर्नेल विश्वविद्यालय)

विजय पॉल शर्मा
पीएच.डी. (एनडीआरआई, करनाल)

संचार

आशा कौल
पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर)

मीनाक्षी शर्मा
पीएच.डी. (क्वींसलैंड विश्वविद्यालय)

वैभवी कुलकर्णी
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

अर्थशास्त्र

अभिमान दास
पोस्ट-डॉक्टोरल रिसर्च फेलो (एमआईटी, यूएसए)
पीएच.डी. (आईआईपीएस, मुंबई)

अनिंद्य चक्रवर्ती
पीएच.डी. (बोस्टन विश्वविद्यालय)

चिन्मय तुम्बे
फेलो (आईआईएमबी)

चिरंतन चटर्जी
पीएच.डी. (कारनेगी मेलोन विश्वविद्यालय)

एरोल डिसूजा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय), नई दिल्ली

जीवंत रामपाल
पीएच.डी. (ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय)

पृथा देव
पीएच.डी. (न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय)

राकेश बसंत
पीएच.डी. (गुजरात विश्वविद्यालय)

रीतिका खेड़ा
पीएच.डी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

संकेत मोहापात्र
पीएच.डी. (कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क)

सतीश देवधर
पीएच.डी. (ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय)

सेबस्टियन मॉरिस
फेलो (आईआईएमसी)

तरुण जैन
पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)

विश्वनाथ पिंगली
पीएच.डी. (नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय)

वित्त एवं लेखा

अजय पांडेय
फेलो (आईआईएमए)

अनिर्बन बनर्जी
फेलो (आईआईएमसी)

जयंत आर. वर्मा
फेलो (आईआईएमए)

जोशी जैकब
फेलो (आईआईएमएल)

नमन देसाई
पीएच.डी. (फ्लोरिडा विश्वविद्यालय)

नीरव नागर
फेलो (आईआईएमसी)

प्रणव सिंह
पीएच.डी. (इलिनोइस विश्वविद्यालय)

प्रशांत दास
पीएच.डी. (जॉर्जिया स्टेट विश्वविद्यालय)

शैलेश गांधी
फेलो (आईआईएमए)

सिद्धार्थ सिन्हा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

शोभेश कुमार अग्रवाल
फेलो (आईआईएमए)

टी.टी. राम मोहन
पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय)

विनीत विरमानी
फेलो (आईआईएमए)

मानव संसाधन प्रबंधन

आदित्य मूसा
फेलो (आईआईएमबी)

बीजू वर्की
फेलो (एनआईबीएम, पुणे)

मंजरी सिंह
फेलो (आईआईएमसी)

प्रोमिला अग्रवाल
पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)

राजेश चंदवानी
फेलो (आईआईएमबी)

सुनील कुमार माहेश्वरी
फेलो (आईआईएमए)

सूचना प्रणालियाँ

अद्रिजा मजूमदार
पीएच.डी. (आईआईएमसी)

परिशिष्ट जारी

प

कविता रंगनाथन
पीएच.डी. (शिकागो विश्वविद्यालय)

पंकज सेतिया
पीएच.डी. (मिशिगन स्टेट विश्वविद्यालय)

सम्राट गुप्ता
पीएच.डी. (फेलो, आईआईएमएल)

संजय वर्मा
फेलो (आईआईएमसी)

श्रीकुमार कृष्णमूर्ति
फेलो (आईआईएमएल)

स्वानंद देवधर
पीएच.डी. (मिनेसोटा विश्वविद्यालय)

जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल

नम्रता चिंदरकर
पीएच.डी. (मैरीलैंड विश्वविद्यालय)

विपणन

अक्षय विजयालक्ष्मी
पीएच.डी. (आईओडब्ल्यूए विश्वविद्यालय)

आनंद कुमार जायसवाल
फेलो (एक्सएलआरआई)

अनुज कपूर
पीएच.डी. (उटा विश्वविद्यालय)

अरिंदम बनर्जी
पीएच.डी. (न्यू यॉर्क स्टेट विश्वविद्यालय)

अरुणा दिव्या टी.
फेलो (आईआईएमबी)

अरविंद सहाय
पीएच.डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन)

ह्योकजिन क्वाक
पीएच.डी. (जॉर्जिया विश्वविद्यालय)

नवीन अंबली
पीएच.डी. (हवाई विश्वविद्यालय)

रजत शर्मा
फेलो (आईआईएमबी)

रामनाथन सुब्रमण्यम
पीएच.डी. (पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय)

सौम्या मुखोपाध्याय
पीएच.डी. (नानयांग टेक्नोलोशियल विश्वविद्यालय, सिंगापुर)

सौरव बोराह
फेलो (आईआईएमबी)

सुभदीप रॉय
पीएच.डी. आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, देहरादून

संगठनात्मक व्यवहार

अमित नंदकेओलयारी
पीएच.डी. (आईओडब्ल्यूए विश्वविद्यालय)

अर्नेस्टो नोरोन्हा
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)

जॉर्ज कंडाठिल
पीएच.डी. (कॉर्नेल विश्वविद्यालय)

के.वी. गोपकुमार
फेलो (आईआईएमबी)

कीर्ति शारदा
फेलो (आईआईएमसी)

निहारिका वोहरा
पीएच.डी. (मैनिटोबा विश्वविद्यालय)

परविंदर गुप्ता
पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर)

प्रद्युम्न खोकले
फेलो (आईआईएमए)

प्रेमिला डी'क्रूज़
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)

विशाल गुप्ता
फेलो (आईआईएमएल)

उत्पादन और मात्रात्मक तरीके

ए.के. लाहा
पीएच.डी. (आईएसआई, कलकत्ता)

अंकुर सिन्हा
पीएच.डी. (आल्टो विश्वविद्यालय, फिनलैंड)

चेतन सोमन
पीएच.डी. (ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय)

देबजीत रॉय
पीएच.डी. (विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय)

धीमन भद्र
पीएच.डी. (फ्लोरिडा विश्वविद्यालय)

दिप्तेश घोष
फेलो (आईआईएमसी)

गौतम दत्ता
पीएच.डी. (नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय)

कार्तिक श्रीराम
फेलो (आईआईएमबी)

प्रहलाद वेंकटेशन
पीएच.डी. (केस वेस्टर्न रिजर्व विश्वविद्यालय)

सचिन जायसवाल
पीएच.डी. (वाटरलू विश्वविद्यालय)

सरल मुखर्जी
फेलो (आईआईएमसी)

श्रीराम शंकरनारायणन
पीएच.डी. (जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय)

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कलकत्ता विश्वविद्यालय)

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग
फेलो (आईआईएमए)

अंकुर सरीन
पीएच.डी. (शिकागो विश्वविद्यालय)

रीतिका खेड़ा
पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)

नवदीप माथुर
पीएच.डी. (रटगर्स विश्वविद्यालय)

रजनीश राय
फेलो (आईआईएमए)

राम मोहन तुरगा
पीएच.डी. (जॉर्जिया तकनीकी संस्थान, अटलांटा)

संदीप चक्रवर्ती
पीएच.डी. (दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

सुंदरवल्ली नारायणस्वामी
पीएच.डी. (आईआईटी, बॉम्बे)

रवि मथाई शैक्षिक नवप्रर्तन केंद्र

अंबरीश डोंगरे
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

देवस्मिता चक्रवर्ती
पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)

कथन शुक्ला
पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)

पी.जी. विजया शेरी चंद
पीएच.डी. (गुजरात विश्वविद्यालय)

रणनीति

अजीत नारायण माथुर
पीएच.डी. (आईआईएस, बैंगलोर)

अखिलेश्वर पाठक
पीएच.डी. (एडिनबर्ग विश्वविद्यालय)

अमित कर्ण
फेलो (आईआईएमए)

अनीश सुगथन
फेलो (आईआईएमबी)

अनुराग के. अग्रवाल
एलएलएम (हार्वर्ड),
विधि वाचस्पति (लखनऊ विश्वविद्यालय)

चिरंतन चटर्जी
पीएच.डी. (करनेगी मेलोन विश्वविद्याल)

चित्रा सिंगला
फेलो (आईआईएमबी)

एम.पी. राम मोहन
पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर)

मोहम्मद फुवाद
फेलो (आईआईएमएल)

मुकेश सुद
फेलो (आईआईएमबी)

सुनील शर्मा
फेलो (आईआईएमए)

मयंक वार्ष्णेय
पीएच.डी. (सिंगापुर का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय)

परिशिष्ट जारी

प

सहायक संकाय

बृज कोठारी

स्मिता प्रेमचंदर

अधिकारी

श्री एम.एस. राजेश कन्ना
बीएससी (भौतिकी), (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय)
एमबीए (सूचना प्रणाली) (भरथियार विश्वविद्यालय)
महाप्रबंधक - आईटी

अभिजीत जगम
बी.टेक., मार्केटिंग और एचआरएम में परास्नातक
सहायक महाप्रबंधक - ईआरपी

अजीत मोटवानी
बी.टेक. (आईआईटी कानपुर), एमबीए
सह-उपाध्यक्ष - विकास

अल्बर्ट सेवियर
बीएससी/एमएलएम/ आईआरपीएम में पीजीडी /एमबीए
सहायक महाप्रबंधक - विकास - ईईपी

श्री अंकित पी. शाह
बीई, सिविल (गुजरात विश्वविद्यालय)
प्रबंधक - सिविल

अंशुल मेहता
बीई, एमबीए, एलएलबी
मानव संसाधन प्रबंधक

अनुराग चौधरी
बीए, स्नातकोत्तर, प्रबंधन में डिप्लोमा, पीजीपीएक्स (आईआईएमए)
सह-उपाध्यक्ष - पूर्वछात्र और बाहरी भागीदारी

श्री अरुण गुप्ता
विनिर्माण विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. (एच) (आईआईटी, खड़गपुर)
विपणन और वित्त में पीजीडीएम, (आईआईएम लखनऊ), यूजीसी नेट
सह-उपाध्यक्ष - ईईपी

अविनाश जी. लाड
एमबीए (गुजरात विश्वविद्यालय)
बीई (इलेक्ट्रिकल) (सौराष्ट्र विश्वविद्यालय)
सहायक महाप्रबंधक – इलेक्ट्रिकल

भास्करन आर.
एम.ए.
प्रबंधक - छात्र गतिविधि कार्यालय

चंद्रशेखर डी. सोलंकी
बीकॉम, एचडीएसई
प्रबंधक - सामग्री प्रतिकृति

दीपक भट्ट
पीजीडीएम, एचआरएम में डिप्लोमा, विदेश व्यापार में डिप्लोमा,
ईपीएचआरएम, पीजीडीटी और डी
सहायक महाप्रबंधक - संचार

सुश्री डायना जोसेफ
बी.एससी. (जैव रसायन), (गुजरात विश्वविद्यालय)
एमएससी (पर्यावरण विज्ञान), (गुजरात विश्वविद्यालय)
प्रबंधक - संपादकीय

दिनेशकुमार डी. जोशी
मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
व्यवसाय प्रबंधन में डिप्लोमा
बी. ए.
प्रबंधक - गृह प्रबंधन

हरीश चोपड़ा
बी, कॉम (दिल्ली विश्वविद्यालय)
चार्टर्ड एकाउंटेंट (आईसीएआई)
वरिष्ठ नीति सलाहकार

हरीश के. राठौड़
बी.कॉम., एम.कॉम., डीटीपी (कराधान)
प्रबंधक - लेखा

श्री हिमांशु भट्ट
बी.एससी.; ईडीपी और सीएम में डिप्लोमा
प्रबंधक - अभिलेखागार

इशिता नीलेश सोलंकी
सामाजिक संप्रेषण एवं जनसंचार में डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामीण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (आईआरएमए)
एचआरएम में विशेषज्ञता डिप्लोमा (इग्नू)
महाप्रबंधक - प्रत्यायन एवं रैंकिंग

सुश्री जे.एस. विजयपिरिया
बी.कॉम., पीजीडीएम (एचआर)
प्रबंधक - पीएच.डी.

जतिन एम. नागोरी
एम.कॉम., एलएलबी (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा (आईआईई, बड़ौदा)
महाप्रबंधक - पीजीपीएक्स

जयंत भट्ट
एमएससी (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा (एस.पी.यू.)
सहायक महाप्रबंधक - आईटी वेब सेवाएं

कलापी चेतनभाई शाह
चार्टर्ड एकाउंटेंट
प्रबंधक - वित्त

कौशिक डी. भट्ट
एम.कॉम., सेकेंड एलएलबी
प्रबंधक - लेखा

सुश्री मानसी परीख
बीकॉम (गुजरात विश्वविद्यालय)
सीए, (आईसीएआई)
आईसीएआई से सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा में प्रमाणपत्र प्राप्त
वित्त प्रबंधक

सुश्री मिनी नायर
बीए, एमए, पीजीडी एचआरएम
प्रबंधक – भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र

मोहन पालीवाल
एम.कॉम. (गुजरात विश्वविद्यालय)
कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (गुजरात विद्यापीठ)
सहायक महाप्रबंधक - आईटी (अनुप्रयोग सेवाएं)

लेफ्टिनेंट कमांडर मोनिका दत्ता
एम.एससी. (भौतिक विज्ञान)
सहायक महाप्रबंधक - निदेशक कार्यालय

डॉ. मुकेश शर्मा
एमए (लोक प्रशासन) (राजस्थान विश्वविद्यालय)
एमए (हिंदी) (उस्मानिया विश्वविद्यालय)
एम.फिल. (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय)
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)
सहायक महाप्रबंधक - हिंदी

नीरज जैन
बीई (आईआईटी रुड़की)
महाप्रबंधक - सीआईआईई

पंकजकुमार के. भट्ट
एम.कॉम.
सहायक महाप्रबंधक लेखा

श्री पवन रूईकर
बीकॉम (अमरावती विश्वविद्यालय)
लोक प्रशासन में एमए (अन्नामलाई विश्वविद्यालय)
एमबीए (इग्नू)
सहायक महाप्रबंधक-स्थानन

प्रदोष वी थिया
बी.ए.
प्रबंधक - एचआर

प्रणय श्रीवास्तव
बीटेक. (सिविल) (अवध विश्वविद्यालय)
एमबीए (निरमा विश्वविद्यालय)
महाप्रबंधक - परियोजना, संपदा और रखरखाव

प्रवीण जी. क्रिश्चियन
एम.कॉम., एलएलबी (दूसरा)
प्रबंधक - एसएओ

प्रवीणचंद्र वी. राज
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पॉलिटेक्निक डिप्लोमा, बीए, पीजीडी - एचआरएम, एमबीए
प्रबंधक - दृश्य श्रव्य

पूजा सेली
बीए, पीजीडीबीए
प्रबंधक - ईईपी

श्री राम सी. कर्ता
अर्थशास्त्र और सांख्यिकी में बीए, एमए (एमएस विश्वविद्यालय)
एमएस-अर्थशास्त्र, (केंटकी विश्वविद्यालय)
पीजीपीएक्स (आईआईएमए)
सह-उपाध्यक्ष-कॉर्पोरेट संबंध-पीजीपीएक्स

रवींद्रनाथ एन. पंड्या
बीएससी (भौतिक विज्ञान),
ईडीपी और कंप्यूटर प्रबंधन में डिप्लोमा
व्यवसाय उद्यमिता में डिप्लोमा
सहायक महाप्रबंधक - भंडार एवं क्रय

परिशिष्ट जारी

प

सुश्री ऋचा निगम
मनोविज्ञान स्नातक, संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान परास्नातक (इलाहाबाद विश्वविद्यालय)
पीएच.डी. संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान
अनुसंधान फेलो / व्यवहार विज्ञान
प्रयोगशाला-प्रभारी

एस. भट्टाचार्य
बीएससी (कलकत्ता विश्वविद्यालय)
सहायक महाप्रबंधक - संबंध

श्री सजू जॉन
बीएचएम (मैंगलोर विश्वविद्यालय)
सहायक महाप्रबंधक-आतिथ्य

समीर सेठ
चार्टर्ड एकाउंटेंट
सहायक महाप्रबंधक - पीजीपी

संजय कुमार त्रिपाठी
एमए, पीजीडीएमएम
सहायक महाप्रबंधक - पीजीपीएक्स संबंध

सौरभ सोनी
बी.ई.
प्रबंधक - इलेक्ट्रिकल

श्रीनिवास संधिकर
बीटेक.
सहायक महाप्रबंधक - संपदा

सुधीश नांबियाथ
बीए, पीजीडीबीए
सह-उपाध्यक्ष – आईजीपीसी

सुगथा ए. नायर
बी.ए.
प्रबंधक - केस सेंटर

टी. प्रसाद
बीए, एमबीए
प्रबंधक - प्रवेश

यू.बी. भावसार
एम.कॉम., इंटर सीए ग्रुप-I
प्रबंधक - ईई

उमा भास्करन
एमए, एचआरएम में डिप्लोमा
प्रबंधक - सीएमए

वाढेर हरेंद्र जे.
बीई (सिविल) (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)
एमबीए (गुजरात विश्वविद्यालय)
महाप्रबंधक - इंजीनियरिंग
सेवाएं और संपदा

वेंकटेश्वर राव अलपार्थी
बी, कॉम (नागार्जुन विश्वविद्यालय)
एमए (औद्योगिक संबंध और कार्मिक प्रबंधन), आंध्र विश्वविद्यालय
सह-उपाध्यक्ष - एचआर

विक्टर परेरा
एमए
सहायक महाप्रबंधक - पूर्वछात्र संबंध

विकास चतुर्वेदी
एमएससी व्यवहार विज्ञान -लंदन
अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान स्कूल, एमबीए (पिट्सबर्ग स्टेट विश्वविद्यालय), बीए (ऑनर्स)
मुख्य परिचालन अधिकारी - ईईपी

विनय चौहान
बीई, एमबीए
सहायक महाप्रबंधक - संविदा

पुस्तकालय

सुश्री आशा देसाई
बी.कॉम, एम.कॉम, बी.एलआईबी, एम. एलआईबी, यूजीसी नेट
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

हीरल टी. पटेल
एम.एल.आई.एससी. (गुजरात विश्वविद्यालय)
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री मल्लिकार्जुन डोरा
बीएससी, एम.एलआईबी, यूजीसी नेट
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

मुरलीधरन के.एन.
एम.लिब.एससी. (इग्नू)
बी.कॉम. (गुजरात विश्वविद्यालय)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

स्थायी अनुसंधान कर्मचारी

श्रुति दवे
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)

सोनल कुरैशी
एमबीए, एलएलबी (गुजरात विश्वविद्यालय)
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380 009

सत्यमेव जयते

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit (Central)
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009

सेवा में,
भारत सरकार के सचिव,
शिक्षा विभाग मंत्रालय,
माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग,
कमरा नंबर 529 शास्त्री भवन, 'सी' विंग,
नई दिल्ली- 110001

संख्याःसीएई/एसएआर/आईआईएम/2021-22/ओ.डबल्यू-571
दिनांकः27/9/2021

विषयः भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2020-21 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदय,
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2020-21 के लिए वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा 12.07.2021 से 23.07.2021 के दौरान भारत के लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (डीपीसी) के अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अधीन की गई। निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा है :

1) वर्ष 2020-21 के लिए पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं अनुलग्नक-क।

2) भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2020-21 के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणित प्रतिलिपि।

इसके अलावा, यह आपके ध्यान में लाया जाता है कि संलग्न प्रतिवेदन में उल्लिखित मूल्यह्रास से संबंधित अवलोकन पर लगातार टिप्पणी की गई है लेकिन सुधार नहीं किया गया है। अनुरोध है कि कृपया इसे वर्ष 2021-22 के खाते में संबोधित किया जाए।

कृपया लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाए एवं जिस दिनांक को यह प्रतिवेदन लोकसभा एवं राज्यसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए, तथा उसकी एक प्रति, भारत के लेखानियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

कृपया इस प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किए जाने से पहले तक 'गोपनीय' समझा जाए।

हस्ता/-
उप निदेशक/आ.रा.ले.प.एवं के.ले.प.(व्यय)

संलग्नः उपर्युक्त

प्रतिलिपिः निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद-380 015

वार्षिक लेखाओं एवं पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए।
जिस दिन, लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की मुद्रित प्रति के साथ, यह पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस दिनांक की सूचना, लेखापरीक्षा कार्यालय को दी जाए। मुद्रित प्रतिवेदन में प्रधान निदेशक, लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का नाम उनके पदनाम के साथ अंकित किया जाए।

हस्ता/-
उप निदेशक/आ.रा.ले.प.एवं के.ले.प.(व्यय)

चतुर्थ तल, लेखापरीक्षा भवन, ईश्वर भवन के समीप, कॉमर्स छः रास्ता, नवरंगपुरा, अहमदाबाद
फोन : 079-26561282, 26561382, 26473888 फैक्स : 079-26560134, ई-मेल : pdacahmedabad@cag.gov.in

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) के लेखाओं पर भारतीय लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

हमने भारतीय प्रबंध संस्थानों के अधिनियम 2017 के अनुच्छेद 23(3) के साथ पठित लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अधीन 31 मार्च 2021 के अनुसार, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के संलग्न तुलन पत्र और 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखापरीक्षा की है। इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है। हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मानदंडों तथा प्रकटीकरण मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (एसएआर) में, लेखाकरण समाधान पर महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन, आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण प्रतिवेदनों / लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

3. हमने यह लेखापरीक्षा, भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और लेखापरीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं। किसी भी लेखापरीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन शामिल होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखापरीक्षा में शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. हमारे लेखापरीक्षण के आधार पर, हम प्रतिवेदित करते हैं कि:

   i. हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

   ii. इस प्रतिवेदन में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

   lii. हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक अभिलेख अनुरक्षित किए गए हैं, जो हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है।

   iv. हम आगे बताते हैं कि -

टिप्पणियाँ :

क. तुलन पत्र: शून्य

ख. आय एवं व्यय खाते

ख.1 व्यय

मूल्यह्रास / ऋण परिशोधन (अनुसूची 19) - 15.70 करोड़ रुपए

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा परिभाषित वार्षिक खातों की अनुसूची 23 "महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ" के अनुसार, अचल संपत्तियों का मूल्यांकन संचित मूल्यह्रास घटाए लागत पर किया जाता है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति से प्रदान किया जाता है। हालांकि, संस्थान ने एमएचआरडी के दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया और मुख्य परिसर के भवन को छोड़कर आयकर (आईटी) अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट दर पर लिखित मूल्य पद्धति पर मूल्यह्रास लगाया है। मूल्यह्रास की गणना दर्शाते हुए तालिका इस प्रकार है :

(राशि लाख में)

क्रमांक	संपत्ति मद	31 मार्च 2021 को समापन शेष	एमएचआरडी के अनुसार मूल्यह्रास की दर (%)	एमएचआरडी के दिशानिर्देश के अनुसार सीधी रेखा पद्धति द्वारा मूल्यह्रास की राशि	वर्ष के लिए प्रभारित मूल्यह्रास	अंतर
1	पूर्ण स्वामित्व की भूमि	107.00	0	0	0	0
2	भवन, इमारतें	13673.59	2	273.47	574.19	-300.72
3	विद्युत प्रतिष्ठापन और उपकरण	1171.78	5	58.59	50.12	8.47
4	संयंत्र और मशीनरी	176.79	5	8.84	24.53	-15.69
5	कार्यालय उपकरण	2596.71	7.5	194.75	158.52	36.23
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	721.75	7.5	54.13	83.41	-29.28
7	कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	3411.84	20	682.36	488.05	194.31
8	फ़र्नीचर, फ़िक्सचर एवं फ़िटिंग्स	2623.93	7.5	196.79	100.09	96.70
9	वाहन	44.28	10	4.43	3.00	1.43
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	1624.26	10	162.43	41.93	120.50
	कुल			**1635.79**	**1523.85**	**111.94**

इसलिए, कम मूल्यह्रास शुल्क लगाने से अधिशेष तथा कॉरपस / पूंजी निधि दोनों में प्रत्येक पर 1.12 करोड़ तक की अधिकबयानी हुई और इसी तरह अचल संपत्तियों पर अधिकबयानी हुई है।

ग. प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता : शून्य

घ. सामान्य : शून्य

ङ. सहायता अनुदान

वर्ष 2020-21 के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान की राशि 3.40 करोड़ रुपए थी। संस्थान ने 2.54 करोड़ रुपए की धनराशि का उपयोग किया। इस वर्ष सहायता अनुदान का समापन शेष 0.86 करोड़ रुपए था।

च. लेखापरीक्षा का कुल प्रभाव

इस लेखापरीक्षा का कुल प्रभाव यह है कि देनदारियों को 111.94 करोड़ रुपये की अधिकबयानी की गई है और वर्ष के दौरान अधिशेष को 111.94 करोड़ रुपये की अधिकबयानी से दर्शाया गया है।

i. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम सूचना देते हैं कि इस प्रतिवेदन में दर्शाए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते लेखाबहियों के अनुरूप हैं।

ii. हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्त्वपूर्ण मामलों के संदर्भ से और इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के अनुलग्नक में दर्शाए गए अन्य मामलों के अधीन सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

क. जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च 2021 के तुलन पत्र से संबंधित हैं और

ख. जहाँ तक यह इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के अधिशेष से संबंधित हैं।

कृते एवं की ओर से
भारतीय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

स्थान : अहमदाबाद
दिनांक : 27.09.2021

हस्ताक्षरित/-
प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केंद्रीय)

अनुलग्नक-क (लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के लिए)

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा (आईए) प्रणाली की उपयुक्तता:** आईआईएम में कोई आंतरिक लेखापरीक्षा अनुभाग नहीं है और वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान ने आंतरिक लेखापरीक्षा के रूप में सनदी लेखाकारों को नियुक्त किया है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता :** आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्नलिखित के संदर्भ में पर्याप्त है :

   (क) आज तक संस्थान में कोई भी आंतरिक लेखापरीक्षा अनुभाग गठित नहीं किया गया है।

3. **अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली :** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जाता है।

4. **वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली :** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जाता है।

5. **वैधानिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता :** संस्थान वैधानिक देय राशियों को जमा कराने में नियमित रहा है।

हस्ताक्षरित/-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी/सीए (ई)

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

31 मार्च 2021 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि लाख में)

निधियों का स्रोत	अनुसूची	31-03-2021 को शेष राशि	31-03-2020 को शेष राशि
कॉर्पस / पूंजीगत राशि	1	37,297.98	21,597.58
निर्दिष्ट / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	2	82,810.61	84,300.44
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	49,345.07	44,269.52
TOTAL		**1,69,453.66**	**1,50,167.54**
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल संपत्तियाँ			
वास्तविक संपत्तियाँ	4	5,091.39	5,540.20
अमूर्त संपत्तियाँ	4	56.60	71.03
पूंजीगत कार्य प्रगति पर	4	16,399.08	6,495.42
निवेश			
दीर्घकालिक	5	1,34,459.97	1,20,840.18
वर्तमान संपत्तियाँ	6	5,498.06	10,476.37
ऋण, अग्रिम एवं जमा	7	7,948.56	6,744.34
कुल		**1,69,453.66**	**1,50,167.54**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों के नोट्स	24		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-
कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन500028
सनदी लेखाकार

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

Date: 26/6/2021
स्थान : अहमदाबाद

हस्ताक्षरित/-
एरोल डी'सूजा
निदेशक

हस्ताक्षरित/-
उमेश दलाल
मुख्य वित्तीय अधिकारी

हस्ताक्षरित/-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी
कार्यालय प्रधान लेखा परीक्षा
निदेशक (केंद्रीय), गुजरात
लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा
अहमदाबाद 380009

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते

(राशि लाख में)

विवरण	अनुसूची	2020-21	2019-20
आय			
अकादमिक प्राप्तियाँ	8	20,201.49	25,657.73
अनुदान / सब्सिडी	9	254.64	348.07
निवेश से आय	10	708.72	546.57
अर्जित ब्याज	11	134.10	200.52
अन्य आय	12	2,039.26	2,749.49
पूर्व अवधि की आय	13	-	34.07
कुल (क)		**23,338.21**	**29,536.46**
व्यय			
कार्मिक भुगतान एवं लाभ (प्रतिष्ठान व्यय)	14	9,080.17	11,871.40
अकादमिक व्यय	15	4,980.27	6,019.56
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	16	1,378.26	1,683.29
यातायात खर्चे	17	3.03	4.66
मरम्मत एवं रखरखाव	18	1,168.65	1,282.11
अवमूल्यन / परिशोधन	19	1,569.71	1,131.00
अन्य खर्चे	20	20.62	-
पूर्व अवधि के व्यय	21	-	33.25
कुल (ख)		**18,200.71**	**22,025.27**
शेषराशि (कम) / व्यय से अधिक आय (क-ख)		5,137.50	7,511.19
निर्दिष्ट निधि में हस्तांतरण	22	5,000.00	7,500.00
शेष के नाते अधिशेष / (कमी) पूंजीगत निधि में लाया गया		**137.50**	**11.19**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों के नोट्स	24		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-
कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन500028
सनदी लेखाकार

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

Date: 26/6/2021
स्थान : अहमदाबाद

हस्ताक्षरित/-
एरोल डी'सूजा
निदेशक

हस्ताक्षरित/-
उमेश दलाल
मुख्य वित्तीय अधिकारी

हस्ताक्षरित/-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी
कार्यालय प्रधान लेखा परीक्षा
निदेशक (केंद्रीय), गुजरात
लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा
अहमदाबाद 380009

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 1 - कॉर्पस / पूंजीगत निधि

(राशि लाख में)

क्रम संख्या	विवरण			खरीदी गई संपत्तियाँ / प्राप्त दान							
		01-04-2020 को शेष राशि	अनुदान में से (भारत सरकार / राज्य सरकार)	निर्धारित निधि में से	प्रायोजित परियोजनाओं में से	दान / उपहार	ब्याज	अन्य	वर्ष के दौरान (चूकाए गए) / जमा किए		31-03-2021 को शेष राशि
1	कॉर्पस निधि	15,351.04	-	-	-	-	1,268.00	-	-		16,619.04
2	पूंजीगत निधि	5,729.73	-	14,004.86	314.03	1,092.94	-	1,119.43	-	(क)	20,019.80
								2.33		(ख)	
3	आय और व्यय खाता	458.34	-	-	-	-	-	-	137.50	(ग)	595.84
4	आईआईएमए सोसाइटी सदस्यता निधि	58.46	-	-	-	-	4.83	-	-		63.29
	कुल	**21,597.58**	**-**	**14,004.86**	**314.03**	**1,092.94**	**1,272.82**	**1,121.76**	**137.50**		**37,297.98**
	पिछले वर्ष	18,988.43	-	887.73	81.76	1,196.36	1,065.95	1,133.85	511.19		21,597.58

(क) मूल्यह्रास (चालू वर्ष) की सीमा तक आय और व्यय खाते में हस्तांतरित

(ख) संपत्ति की बिक्री से पूँजीगत निधि में हस्तांतरित

(ग) आय और व्यय खाते से स्थानांतरित चालू वर्ष के लिए शेष अधिशेष

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 2 – निर्धारित कोष

(राशि लाख में)

क्रम संख्या	विवरण	01-04-2020 को शेष राशि	प्राप्त योगदान	अन्य अर्जित आय	निवेश पर ब्याज/ लाभांश	निधि खातों के भीतर आंतरिक अंतरण	आय एवं व्यय खाते से स्वीकृत	अन्य समायोजन		पूंजीगत व्यय	राजस्व व्यय / मंजूर की गई परियोजनाएँ	31-03-2021 को शेष राशि
1	सीएमए कार्यक्रम के लिए निधि	745.92	-	-	67.20	-	-	67.70	(क)	-	0.06	880.77
2	पूर्व छात्र गतिविधियों के लिए निधि	843.61	30.02	-	71.02	-	-	-		-	1.95	942.70
3	कंप्यूटर पर खर्च के लिए निधि	4,493.17	-	-	368.72	-	1,000.00	-		114.52	78.01	5,669.35
4	छात्र कल्याण कोष	570.40	119.87	29.06	46.97	-	-	-		-	51.21	715.08
5	परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	46,016.06	-	-	3,255.62	0.54	4,000.00	-		13,890.33	-	39,381.89
6	नवप्रवर्तन एवं ऊष्मायन केंद्र	75.36	-	0.74	6.22	-	-	-		-	-	82.33
7	अनुसंधान, प्रकाशन और प्रमुख क्षेत्र निधि	5,547.52	-	99.15	404.96	-	-	-		-	431.00	5,620.64
8	परिवहन अग्रिम निधि	95.25	7.15	0.05	10.55	-	-	-		-	6.80	106.20
9	मकान निर्माण अग्रिम निधि	834.69	-	-	58.83	-	-	-		-	-	893.52
10	संकाय, अधिकारी एवं कर्मचारी विकास एवं कल्याण निधि	3,829.26	133.90	1.39	276.23	-	-	-		-	263.69	3,977.09
11	अध्यक्ष निधि	552.65	4.84	-	107.08	-24.59	-	11.72	(ख)	-	104.28	547.42
12	बंदोबस्ती निधि (अनुसूची 2क)	5,928.61	-	-	423.97	-	-	-		-	63.21	6,289.37
13	दान निधि											
	-परिसर एवं अवसंरचना विकास	7,757.05	1,254.34	-	670.63	147.59	-	-		1,090.15	62.62	8,676.84
	-अनुसंधान एवं प्रकाशन	2,468.44	480.41	-	1,235.17	-	-	-		-	209.03	3,974.99
	-छात्र सहायता	2,043.28	69.70	-	174.42	76.04	-	-		-	117.29	2,246.15
	-कर्मचारी कल्याण	142.44	-	-	9.24	-	-	-		0.02	3.93	147.73
	-संकाय पुरस्कार, अध्येतावृत्ति	59.37	-	-	4.71	-	-	-		2.77	2.25	59.07
	-आईआईएमए बंदोबस्ती निधि	-	295.51	-	2.39	-5.00	-	-		-	-	292.90
	-अन्य	2,297.36	50.94	-	175.23	-194.58	-	-		-	22.37	2,306.57
	कुल	**84,300.44**	**2,446.68**	**130.40**	**7,369.17**	**-**	**5,000.00**	**79.42**		**15,097.80**	**1,417.69**	**82,810.61**
	पिछले वर्ष	71,668.94	3,463.45	199.17	5,442.47	-	7,000.00	-99.50		2,084.09	12,89,99,721.25	84,300.44

द्वारा प्रस्तुत	01-04-2020 को शेष राशि	31-03-2021 को शेष राशि
नकद एवं बैंक शेष	-	-
निवेश	84,300	82,8111
ब्याज अर्जित किया परंतु देय नहीं है	-	-

अन्य समायोजनों के लिए नोट

(क) सीएमए केंद्र में पिछले वर्ष के घाटे को वर्तमान वर्ष में प्राप्त अनुदान में से सीएमए निधि में वापस जमा कर दिया गया

(ख) नाबार्ड अध्यक्ष खाते में शेष आय एवं व्यय खाते से प्रभारित

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 2क – बंदोबस्ती निधि

अध्यक्ष निधि

(राशि लाख में)

क्रमांक	बंदोबस्ती का नाम	01-04-2020 को शेष राशि		वर्ष के दौरान प्राप्त		कुल		वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	31-03-2021 को शेष राशि		
		बंदोबस्त	संचित ब्याज	बंदोबस्त	ब्याज	बंदोबस्त	संचित ब्याज		बंदोबस्त	संचित ब्याज	कुल
1	अध्यक्ष निधि	2,330.62	1,178.96	-	194.79	2,330.62	1,373.75	-	2,330.62	1,373.75	3,704.37
	कुल	**2,330.62**	**1,178.96**	**-**	**194.79**	**2,330.62**	**1,373.75**	**-**	**2,330.62**	**1,373.75**	**3,704.37**

दान निधि

क्रमांक	नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान प्राप्त		वर्ष के दौरान व्यय		हस्तांतरण		समापन		कुल
		दान	ब्याज	दान	ब्याज	दान	ब्याज से	दान	ब्याज	दान	ब्याज	
1	दान - रघुनंदन एवं अप्रमेय का वर्गखंड-2 आईएमडीसी	500.00	174.95	-	55.75	-	0.05	-	-	500.00	230.65	731.00
2	बंदोबस्ती पीजीपी1992 बैच-क्लासरूम -मुख्य परिसर सीआर-4	250.00	76.80	-	27.18	-	0.05	-	-	250.00	103.94	354.00
3	डॉर्म-1 के लिए प्रोफ़ेसर कमला चौधरी डॉर्म दान	349.90	142.72	-	40.69	-	0.05	-	-	349.90	183.37	533.00
4	आईआईएमेवरिक्स निधि - उद्यमशीलता को समर्थन करने के लिए आईआईएमए को दान	441.15	122.91	-	45.75	-	27.13	-	-	441.15	141.52	583.00
5	आईआईएम-ए और एसआरके व्याख्यान श्रृंखला के लिए दान	143.87	49.76	-	15.99	-	0.05	-	-	143.87	65.71	210.00
6	एसआरके विशिष्ट पीजीपीएक्स संकाय पुरस्कार के लिए दान	28.00	5.47	-	2.76	-	-	-	-	28.00	8.23	36.00
7	बंदोबस्ती निधि पीजीपी 1991 चिकित्सा समर्थन सेवानिवृत्ति समूह सी एवं डी - सीपीएफ़	39.16	4.11	-	33.66	-	34.06	-	-	39.16	3.72	43.00
8	बंदोबस्ती - मदन मोहनका अनुसंधान एवं प्रकाशन पुरस्कार - संकाय एवं एफ़पीएम	17.00	2.94	-	1.65	-	-0.05	-	-	17.00	4.63	22.00
9	सीतादेवी जाजो चिकित्सा निधि	25.00	4.87	-	2.40	-	1.88	-	-	25.00	5.39	30.00
10	कर्मचारी आपातकालीन कल्याण निधि	35.25	5.18	-	3.34	-	-	-	-	35.25	8.52	44.00
	कुल	**1,829.32**	**589.70**	**-**	**229.18**	**-**	**63.21**	**-**	**-**	**1,829.32**	**755.68**	**2,585.00**
	कुल योग	**4,159.94**	**1,768.66**	**-**	**423.97**	**-**	**63.21**	**-**	**-**	**4,159.94**	**2,129.43**	**6,289.37**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 3 वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(राशि लाख में)

विवरण			31-03-2021 को शेष राशि	31-03-2020 को शेष राशि
क	**वर्तमान देनदारियाँ**			
	1	कर्मचारी से जमा राशि	8.54	5.40
	2	छात्रों से जमा राशि	227.37	218.45
	3	जमा - अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा, प्रतिधारण जमा सहित)	954.51	574.49
	4	विविध लेनदार		
		सामान एवं सेवाओं के लिए	988.09	773.74
		अन्य (पूंजीगत कार्यों के लिए)	3,477.06	1,460.88
	5	अग्रिम में प्राप्त शुल्क	5,545.24	3,923.13
	6	वैधानिक देयताएँ		
		अतिदेय	0.28	-
		अन्य	336.62	421.64
	7	अन्य वर्तमान देयताएँ		
		वेतन	370.81	416.29
		पेंशन	133.64	134.68
		प्रायोजित परियोजनाओं / कार्यक्रमों (अनुसूची 3क) के लिए प्राप्तियाँ	3,511.88	2,977.07
		प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति (अनुसूची 3ख) के लिए प्राप्तियाँ	564.26	197.76
		अनुपयुक्त अनुदान (अनुसूची 9)	261.71	225.43
		छात्रों को वापसी योग्य सेवा कर / जीएसटी (पीजीपीएक्स)	224.63	224.63
		छात्र समारोह	304.70	324.08
		अन्य देनदारियाँ	340.67	433.68
		कुल क	**17,250.00**	**12,311.34**
ख.	**प्रावधान**			
	1	सेवानिवृत्ति पेंशन	26,388.90	25,871.31
	2	संचित छुट्टी नकदीकरण	2,442.13	2,410.63
	3	ग्रेचुइटी	1,805.95	1,864.81
	4	व्यय के लिए प्रावधान	1,458.08	1,811.42
		कुल ख	**32,095.07**	**31,958.18**
		कुल (क+ख)	**49,345.07**	**44,269.52**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 3क - प्रायोजित परियोजनाएँ / कार्यक्रम

(राशि लाख में)

क्रमांक	विवरण	01-04-2020 को शेष राशि		वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान नामे	31-03-2021 को शेष राशि	
		जमा	नामे			जमा	नामे
1	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	624.82	18.83	2,017.71	1,288.38	1,335.32	0.00
2	अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	572.40	3.23	1,094.34	720.86	942.65	0.00
3	परामर्शी परियोजनाएँ	1,367.87	102.17	703.68	1,127.36	842.01	0.00
4	अनुसंधान परियोजनाएँ	339.35	55.25	663.12	642.38	314.49	9.65
5	कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन	62.98	-	10.80	40.29	33.55	0.06
6	अन्य परियोजनाएँ / कार्यक्रम	25.01	0.30	78.22	59.05	43.87	-
	कुल	**2,992.41**	**179.79**	**4,567.87**	**3,878.32**	**3,511.88**	**9.71**
	घटाया : अग्रिम रसीदों पर एकत्रित जीएसटी जिसके लिए चालान अभी तक नहीं लिया गया हैं	15.34	-	-	-	-	-
	शुद्ध योग	**2,977.07**	**179.79**	**4,567.87**	**3,878.32**	**3,511.88**	**9.71**

अनुसूची 3ख - प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियाँ

(राशि लाख में)

क्रमांक	प्रायोजक का नाम	01-04-2020 को शेष राशि		वर्ष के दौरान लेनदेन		31-03-2021 को शेष राशि	
		जमा	नामे	जमा	नामे	जमा	नामे
1	आईआईएम छात्रवृत्ति	175.31	-	267.95	150.06	293.20	-
2	केंद्र सरकार	20.05	-	528.31	281.70	266.66	-
3	बंदोबस्ती / दान निधि	2.40	-	110.85	108.85	4.40	-
	Total	**197.76**	**-**	**907.11**	**540.61**	**564.26**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 4 - अचल संपत्तियाँ

(राशि लाख में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2020 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2021 को शेष राशि	01-04-2020 को शेष राशि	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2021 को शेष राशि	31-03-2021 को शेष राशि	31-03-2020 को शेष राशि
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	107.00	-	-	107.00	-	-	-	-	107.00	107.00
2	इमारतें	13,672.10	1.49	-	13,673.59	11,876.22	574.19	-	12,450.41	1,223.18	1,795.88
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	1,161.20	10.58	-	1,171.78	720.86	50.12	-	770.99	400.80	440.34
4	संयंत्र और मशीनरी	14.98	161.81	-	176.79	8.07	24.53	-	32.60	144.19	6.91
5	कार्यालय उपकरण	2,165.35	505.07	74.25	2,596.17	1,575.20	158.52	58.88	1,674.84	921.33	590.15
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	565.55	156.20	-	721.75	95.13	83.41	-	178.55	543.20	470.42
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	3,315.06	168.65	71.87	3,411.84	2,226.19	488.05	70.06	2,644.17	767.67	1,088.87
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	2,587.93	38.73	2.73	2,623.93	1,640.13	100.09	2.70	1,737.52	886.41	947.79
9	वाहन	44.23	0.09	0.04	44.28	24.83	3.00	0.04	27.79	16.49	19.40
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	1,574.70	49.62	0.06	1,624.26	1,501.26	41.93	0.06	1,543.13	81.13	73.44
	कुल (क)	**25,208.10**	**1,092.24**	**148.94**	**26,151.40**	**19,667.90**	**1,523.85**	**131.74**	**21,060.01**	**5,091.39**	**5,540.20**
	पिछले वर्ष	23,440.09	1,970.51	202.50	25,208.10	18,381.30	1,433.44	146.84	19,667.90	5,540.20	5,058.80
11	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)	**6,495.42**	**10,271.29**	**367.63**	**16,399.08**	**-**	**-**	**-**	**-**	**16,399.08**	**6,495.42**
	पिछले वर्ष	1,483.32	6,475.08	1,462.99	6,495.42	-	-	-	-	6,495.42	1,483.32

क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	कुल संपत्ति				ऋण परिशोधन				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2020 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2021 को शेष राशि	01-04-2020 को शेष राशि	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2021 को शेष राशि	31-03-2021 को शेष राशि	31-03-2020 को शेष राशि
12	कम्प्यूटर सॉफ़्टवेयर	199.85	24.33	-	224.18	128.82	38.76	-	167.58	56.60	71.03
13	पुस्तकालय डेटाबेस एवं सामयिक	799.57	1,127.09	-	1,926.66	799.57	1,127.09	-	1,926.66	-	-
	कुल (ग)	**999.42**	**1,151.42**	**-**	**2,150.84**	**928.39**	**1,165.85**	**-**	**2,094.24**	**56.60**	**71.03**
	पिछले वर्ष	135.21	864.21	-	999.42	94.92	833.47	-	928.39	71.03	40.29
	कुल योग (क+ख+ग)	**32,702.94**	**12,514.95**	**516.58**	**44,701.32**	**20,596.29**	**2,689.70**	**131.74**	**23,154.25**	**21,547.07**	**12,106.65**
	पिछले वर्ष	25,058.63	9,309.80	1,665.49	32,702.94	18,476.22	2,266.92	146.84	20,596.29	12,106.65	6,582.41

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 4क - अचल संपत्तियाँ - योजना

(राशि लाख में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2020 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2021 के अनुसार	01-04-2020 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2021 के अनुसार	31-03-2021 के अनुसार	31-03-2020 के अनुसार
1	इमारतें	2,789.61	-	-	2,789.61	2,491.67	244.12	-	2,735.80	53.81	297.94
2	विद्युत स्थापना और उपकरण	275.44	-	-	275.44	172.90	10.25	-	183.15	92.29	102.55
3	कार्यालय उपकरण	360.57	-	3.76	356.82	327.36	4.98	3.72	328.62	28.19	33.21
4	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	153.56	-	7.87	145.69	153.36	0.08	7.87	145.57	0.12	0.21
5	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	545.91	-	0.35	545.56	374.43	17.15	0.33	391.25	154.31	171.48
6	पुस्तकालय की पुस्तकें	582.83	-	-	582.83	582.83	-	-	582.83	-0.00	-0.00
	कुल	**4,707.93**	**-**	**11.98**	**4,695.95**	**4,102.55**	**276.58**	**11.92**	**4,367.22**	**328.74**	**605.38**
	पिछले वर्ष	4,710.22	-	2.29	4,707.93	3,810.54	294.29	2.27	4,102.55	605.38	899.68

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 4ख - अचल संपत्तियाँ - अन्य

(राशि लाख में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01.04.2020 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2021 के अनुसार	01.04.2020 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	107.00	-	-	107.00	-	-	-	-	107.00	107.00
2	इमारतें	10,882.49	1.49	-	10,883.98	9,384.55	330.07	-	9,714.61	1,169.37	1,497.95
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	885.76	10.58	-	896.34	547.97	39.87	-	587.84	308.50	337.79
4	संयंत्र और मशीनरी	14.98	161.81	-	176.79	8.07	24.53	-	32.60	144.19	6.91
5	कार्यालय उपकरण	1,804.78	505.07	70.50	2,239.35	1,247.83	153.55	55.16	1,346.22	893.13	556.94
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	565.55	156.20	-	721.75	95.13	83.41	-	178.55	543.20	470.42
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	3,161.50	168.65	64.00	3,266.15	2,072.83	487.96	62.19	2,498.61	767.55	1,088.67
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	2,042.01	38.73	2.38	2,078.37	1,265.70	82.94	2.38	1,346.27	732.10	776.31
9	वाहन	44.23	0.09	0.04	44.28	24.83	3.00	0.04	27.79	16.49	19.40
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	991.86	49.62	0.06	1,041.43	918.43	41.93	0.06	960.30	81.13	73.44
	कुल (क)	**20,500.17**	**1,092.24**	**136.96**	**21,455.44**	**15,565.34**	**1,247.27**	**119.82**	**16,692.79**	**4,762.66**	**4,934.82**
	पिछले वर्ष	18,729.87	1,970.51	200.21	20,500.17	14,570.76	1,139.16	144.57	15,565.34	4,934.82	4,159.12
11	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)	**6,495.42**	**10,271.29**	**367.63**	**16,399.08**					**16,399.08**	**6,495.42**
	पिछले वर्ष	1,483.32	6,475.08	1,462.99	6,495.42					6,495.42	1,483.32

क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	कुल संपत्ति				ऋण परिशोधन				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01.04.2020 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2021 के अनुसार	01.04.2020 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
12	कम्प्यूटर सॉफ़्टवेयर	199.85	24.33	-	224.18	128.82	38.76	-	167.58	56.60	71.03
13	पुस्तकालय डेटाबेस एवं सामयिक	799.57	1,127.09	-	1,926.66	799.57	1,127.09	-	1,926.66	-	-
	कुल (ग)	**999.42**	**1,151.42**	**-**	**2,150.84**	**928.39**	**1,165.85**	**-**	**2,094.24**	**56.60**	**71.03**
	पिछले वर्ष	135.21	864.21	-	999.42	94.92	833.47	-	928.39	71.03	40.29
	कुल योग (क+ख+ग)	**27,995.01**	**12,514.95**	**504.60**	**40,005.36**	**16,493.74**	**2,413.11**	**119.82**	**18,787.03**	**21,218.33**	**11,501.27**
	पिछले वर्ष	20,348.41	9,309.80	1,663.20	27,995.01	14,665.68	1,972.63	144.57	16,493.74	11,501.27	5,682.73

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 5 - निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से निवेश

(राशि लाख में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2021 को शेष राशि	31-03-2020 को शेष राशि
	दीर्घकालिक		
1	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	79,905.33	61,905.33
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	16,708.56	15,708.56
3	बाँड्स	20,012.86	25,106.29
4	बैंकों तथा अन्य के साथ सावधि जमा	15,131.65	18,035.15
		1,31,758.40	**1,20,755.32**
	निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किया गया प्रीमियम (परिपक्वता अवधि पूरी होने पर खारिज किया गया)	2,701.57	84.85
	कुल	**1,34,459.97**	**1,20,840.18**

अनुसूची 6 - मौजूदा संपत्तियाँ

(राशि लाख में)

क्रमांक		विवरण	31-03-2021 को शेष राशि	31-03-2020 को शेष राशि
1		**स्टॉक**		
	क)	विद्युत सामग्री	7.46	6.57
	ख)	साहित्य सामग्री	21.70	18.82
	ग)	अन्य	21.41	23.28
			50.58	**48.67**
2		**विविध देनदार**		
	क)	छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	314.37	439.06
	ख)	अन्य	912.48	2,089.35
			1,226.86	**2,528.41**
3		**नकद और बैंक शेष**		
	क)	अनुसूचित बैंकों के साथ :		
		चालू खातों में		
		रुपया खाता	612.44	942.78
		एफसी खाते	100.39	48.69
		सावधि जमा खातों में	738.86	4,692.72
		बचत खातों में	2,734.88	2,214.49
			4,186.58	**7,898.68**
	ख)	हस्तगत नकद	0.10	0.10
	ग)	हस्तगत स्टेम्प	0.97	0.51
4		**वर्तमान निवेश - निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में से**		
	क)	इक्विटी शेयर (दान के रूप में प्राप्त)	32.98	-
		कुल	**5,498.06**	**10,476.37**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 7 - ऋण, अग्रिम एवं जमा

(राशि लाख में)

क्रमांक	विवरण		31-03-2021 को शेष राशि		31-03-2020 को शेष राशि	
1	**कर्मचारियों को अग्रिम : (ब्याज रहित व्यवहार)**					
	क)	त्यौहार	4.04		-	
	ख)	अन्य	7.19	11.23	14.38	14.38
2	**अग्रिम और अन्य राशियाँ नकद में या किफ़ायती या प्राप्त होने के लिए पुनर्प्राप्त करने योग्य हैं**					
	क)	अन्य को अग्रिम	227.92		316.52	
	ख)	छात्र	1.38		8.48	
	ग)	जीएसटी / सेवा कर निविष्ट जमा प्राप्य	0.27		16.01	
	घ)	विरोध के तहत भुगतान किया सेवा कर (पीजीपीएक्स)	224.63		224.63	
	ङ)	आयकर और जीएसटी नियम के तहत टीडीएस प्राप्य	1,925.87		1,739.93	
	च)	मांग आदेशों के लिए सेवा कर भुगतान (पिछले वर्षों के लिए)	14.81	2,394.87	14.49	2,320.06
3	**पूर्वदत्त व्यय**					
	क)	बीमा	28.98		14.23	
	ख)	अन्य खर्च	272.16	301.14	187.21	201.45
4	**जमा**					
	क)	टेलीफोन	0.20		0.20	
	ख)	बिजली	82.96		82.96	
	ग)	गैस जमा	23.38		23.38	
	घ)	अन्य सुरक्षा जमा	18.44	124.98	8.52	115.06
5	**उपार्जित आय**					
	क)	निवेश पर		5,106.62	-	3,913.60
6	**अनुदान / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त अन्य मौजूदा परिसंपत्तियाँ**					
	क)	प्रायोजित परियोजनाओं में नामे शेष		9.71		179.79
		कुल		**7,948.56**		**6,744.34**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 8 - अकादमिक प्राप्तियाँ

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
छात्रों से फीस		
अकादमिक		
1. शिक्षण शुल्क	10,527.66	10,498.85
2. प्रवेश शुल्क	183.94	176.33
3. नामांकन फीस	-	2.87
4. शैक्षणिक सहायता	2,925.98	2,821.66
5. अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम	69.69	293.19
6. एएफ़पी कार्यक्रम शुल्क	-	108.14
कुल (क)	**13,707.28**	**13,901.04**
परीक्षाएँ		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क - कैट (शुद्ध)	219.48	260.32
2. मार्क शीट, सर्टिफिकेट फीस	22.62	24.48
कुल (ख)	**242.10**	**284.80**
अन्य शुल्क		
1. जुर्माना / विविध फीस	59.22	52.96
2. चिकित्सा शुल्क	24.64	25.38
3. छात्रावास शुल्क	616.74	952.97
4. भोजनालय प्रभार	86.15	116.64
कुल (ग)	**786.76**	**1,147.95**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियाँ		
(क) कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम		
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	4,050.78	5,219.14
2. स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क	1,391.95	5,038.57
	5,442.73	**10,257.71**
(ख) पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक कर्मचारी)	22.62	66.23
कुल (घ)	**5,465.35**	**10,323.95**
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**20,201.49**	**25,657.73**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 9 - अनुदान / सबसिडियाँ (प्राप्त स्थिर अनुदान)

(राशि लाख में)

विवरण	भारत सरकार		कुल 2020-2021	भारत सरकार		कुल 2019-2020
	एफ़पीएम	सीएमए		एफ़पीएम	सीएमए	
शेष अग्रेनित	225.43	-	225.43	209.31	-	209.31
जुड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त / प्राप्य अनुदान	-	340.00	340.00	-	320.00	320.00
जुड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	18.62	-	18.62	16.12	-	16.12
कुल	**244.05**	**340.00**	**584.05**	**225.43**	**320.00**	**545.43**
घटाया : धनवापसी	-	-	-	-	-	-
शेष	**244.05**	**340.00**	**584.05**	**225.43**	**320.00**	**545.43**
घटाया : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग में लिया	-	-	-	-	-	-
शेष	**244.05**	**340.00**	**584.05**	**225.43**	**320.00**	**545.43**
घटाया : राजस्व व्यय के लिए उपयोग (क)	-	254.64	254.64	-	348.07	348.07
घटाया : पिछले वर्षों के लिए राजस्व व्यय में कमी के लिए उपयोग किया गया	-	67.70	67.70	-	39.63	39.63
जोड़े : वर्तमान वर्ष की कमी को सीएमए निधि से पूरा किया गया (ख)	-	-	-	-	67.70	67.70
अग्रेनित शेष (ग)	**244.05**	**17.66**	**261.71**	**225.43**	**-**	**225.43**

क - आय और व्यय खाते में अनुदान आय के रूप में दिखाया गया।
ख - अनुसूची 2 में तुलन पत्र में निर्धारित निधि के तहत दिखाया गया।
ग - अनुसूची 3 में तुलन पत्र में वर्तमान देयताओं के तहत दिखाया गया।

अनुसूची 10 - निवेश से आय

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
1. ब्याज		
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	6,591.33	6,051.17
ख. अन्य बाँड	2,102.88	2,424.00
2. सावधि जमा पर ब्याज	2,128.96	1,011.72
3. शेयरों पर लाभांश	974.00	-
कुल	**11,797.17**	**9486.89**
घटाया :		
1. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि पर हस्तांतरित किया गया	7,369.17	5,442.47
2. परियोजना खाते में हस्तांतरित	8.40	6.16
3. अनुदान खाते में हस्तांतरित	18.62	16.12
4. कॉर्पस निधि में हस्तांतरित	1,272.82	1,065.95
5. सेवानिवृत्ति लाभ खाते के लिए प्रावधान में हस्तांतरित	2,419.44	2,409.63
कुल	**11,088.45**	**8,940.32**
कुल	**708.72**	**546.57**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 11 : अर्जित ब्याज

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर	134.10	200.52
कुल	**134.10**	**200.52**

अनुसूची 12 - अन्य आय

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
क. भूमि एवं भवनों से आय		
1. छात्रावास कक्ष किराया	15.12	64.98
2. लाइसेंस शुल्क	26.14	23.76
3. सभागार / खेल मैदान / कन्वेंशन सेंटर, आदि का किराया शुल्क	83.76	137.97
4. सुविधाएँ (एमडीसी / आईएमडीसी / नव परिसर आदि)	39.66	233.29
कुल क	**164.68**	**459.99**
ख. अन्य		
1. परामर्शन से आय	809.56	912.47
2. अनुसंधान परियोजनाओं से आय	215.37	217.55
3. स्थानन शुल्क	625.47	626.32
4. निवेश पर ब्रोकरेज	-	28.80
5. संपत्ति की बिक्री / निपटान पर लाभ - खुद की परिसंपत्तियाँ	15.88	-
6. फोटोकॉपी वसूली शुल्क	6.91	50.70
7. टीडीएस वापसी पर ब्याज	-	171.71
8. सेवा कर वापसी पर ब्याज	-	40.97
9. विविध प्राप्तियाँ (निविदा फ़ॉर्म की बिक्री, जुर्माना वसूली, उपरि आय आदि)	201.40	240.98
कुल ख	**1,874.58**	**2,289.50**
कुल (क+ख)	**2,039.26**	**2,749.49**

अनुसूची 13- पूर्व अवधि आय

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
1. स्थानन से आय	-	34.07
कुल	**-**	**34.07**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 14 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)

(राशि लाख में)

विवरण	शैक्षिक	अशैक्षिक	अविभाज्य	2020-21	2019-20
योजनेतर					
क) वेतन एवं मजदूरी	3,518.76	2,593.77	-	6,112.53	5,607.82
ख) भत्ते एवं बोनस	-	4.63	-	4.63	9.50
ग) भविष्य निधि में योगदान	51.60	18.42	-	70.02	74.54
घ) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-	17.81	17.81	50.47
ङ) सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ (देखें अनुसूची 14क)	306.24	225.74	-	531.98	1,431.47
च) एलटीसी सुविधा	41.04	34.92	-	75.96	51.71
छ) चिकित्सा सुविधा	25.46	84.72	-	110.18	106.62
ज) बाल शिक्षा भत्ता	10.98	35.92	-	46.90	8.19
कुल क	**3,954.08**	**2,998.12**	**17.81**	**6,970.01**	**7,340.31**
अन्य स्थापना खर्च					
क) सीएमए प्रोजेक्ट	151.87	76.42	-	228.29	307.27
ख) परामर्श परियोजनाएँ	408.06	121.67	-	529.73	603.83
ग) अनुसंधान परियोजनाएँ	23.42	136.37	-	159.79	140.73
घ) केंद्र गतिविधियाँ	8.30	-	-	8.30	8.80
ङ) स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	460.66	96.28	-	556.94	2,011.51
च) मुक्त नामांकन कार्यक्रम	502.46	124.65	-	627.11	1,458.96
कुल ख	**1,554.78**	**555.39**	**-**	**2,110.16**	**4,531.09**
कुल	**5,508.86**	**3,553.50**	**17.81**	**9,080.17**	**11,871.40**

अनुसूची 14क - कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(राशि लाख में)

विवरण	पेंशन	ग्रेचुइटी	छुट्टी नकदीकरण	2020-21	2019-20
1.4.2020 को अथशेष	25,871.31	1,864.81	2,410.63	30,146.76	28,891.57
जोड़े : निधि में जमा ब्याज	2,076.31	149.66	193.47	2,419.44	2,409.63
जोड़े : अन्य संगठन से प्राप्त राशि	15.33	-	9.45	24.78	-
कुल (क)	**27,962.95**	**2,014.48**	**2,613.55**	**32,590.97**	**31,301.20**
घटाया : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	1,678.05	241.04	216.66	2,135.75	2,270.56
31.03.2021 को उपलब्ध शेष राशि (ग=क-ख)	26,284.90	1,773.43	2,396.89	30,455.23	29,030.64
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2021 को आवश्यक प्रावधान (घ)	**26,388.90**	**1,805.95**	**2,442.13**	**30,636.98**	**30,146.76**
क. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग)	104.00	32.52	45.24	181.76	1,116.12
ख. नई पेंशन योजना के लिए योगदान				347.34	309.30
ग. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर यात्रा				2.87	6.04
कुल (क+ख+ग)				**531.98**	**1,431.47**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद

अनुसूची 15 - अकादमी खर्च

(राशि लाख में)

विवरण		2020-21	2019-20
	योजनेतर		
	क - शैक्षणिक व्यय		
क)	सम्मेलनों में क्षेत्र कार्य / भागीदारी	4.68	36.03
ख)	अभ्यागत संकायों को भुगतान	164.87	282.96
ग)	प्रवेश व्यय	121.93	155.18
घ)	दीक्षांत व्यय	24.45	9.35
ङ)	स्टाइपेंड / मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति	1,307.38	1,362.23
च)	पुस्तकें और केस सामग्री	450.62	451.48
छ)	बिजली - छात्र	71.54	140.75
ज)	चिकित्सा खर्च	35.57	24.34
झ)	विविध व्यय	144.69	194.01
ञ)	स्थानन व्यय	90.02	202.97
ट)	छात्र विनिमय कार्यक्रम	1.32	1.26
ठ)	अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन	70.69	117.13
ड)	पुस्तकालय खर्च	9.61	2.08
ढ)	विपणन, संवर्धन एवं विकास व्यय	36.72	8.69
ण)	ई-पीजीपी पाठ्यक्रम के लिए प्रौद्योगिकी भागीदार	360.84	223.62
त)	एएफ़पी कार्यक्रम खर्च	-	37.61
	कुल क	**2,894.93**	**3,249.68**
	ख - परियोजनाएँ/कार्यक्रम व्यय		
क)	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	1,394.57	862.04
ख)	कार्यशालाएँ, सम्मेलन आदि	17.86	28.43
ग)	स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	61.39	459.93
घ)	परामर्श परियोजनाएँ	103.46	165.06
ङ)	संकाय विकास कार्यक्रम	0.52	27.67
च)	अनुसंधान परियोजनाएँ	22.48	46.82
छ)	सीएमए अन्य व्यय	26.35	40.80
ज)	केंद्र गतिविधियाँ	7.30	4.51
झ)	संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय	80.76	107.63
	कुल ख	**1,714.69**	**1,742.88**
	ग - सामान्य व्यय - उपयोग में ली गई सुविधाएँ		
क)	गृह व्यवस्थापन शुल्क	142.24	399.52
ख)	भोजनालय शुल्क	149.89	477.36
ग)	बिजली शुल्क	58.71	112.05
घ)	मरम्मत एवं रखरखाव (भवन, फर्नीचर एवं उपकरणों से संबंधित)	18.39	22.02
ङ)	विविध व्यय	1.42	16.06
	कुल ग	**370.65**	**1,027.01**
	कुल (क+ख+ग)	**4,980.27**	**6,019.56**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 16 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
योजनेतर		
क बुनियादी ढाँचा		
क) बिजली और पावर	183.85	219.95
ख) जल प्रभार	41.43	48.89
ग) बीमा	32.89	15.86
घ) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	49.93	59.42
कुल क	**308.10**	**344.11**
ख संचार		
क) डाक और स्टेशनरी	2.25	3.07
ख) टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट शुल्क	39.02	59.32
कुल ख	**41.27**	**62.39**
ग अन्य		
क) मुद्रण और स्टेशनरी	32.97	43.61
ख) यात्रा और परिवहन व्यय	17.58	248.33
ग) आतिथ्य	24.04	63.14
घ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		
- वैधानिक लेखा परीक्षा	8.40	7.70
- अन्य	14.10	14.67
ङ) व्यावसायिक / कानूनी शुल्क	86.82	54.65
च) विज्ञापन और प्रचार	17.54	34.80
छ) सुरक्षा प्रभार	264.64	272.57
ज) जी.एस. टी. संस्थान द्वारा वहन किया गया	358.00	379.74
झ) कार्मिक भोजनालय व्यय	19.31	18.19
ञ) विविध व्यय	101.90	75.17
ट) संपत्तियों की बिक्री पर नुकसान	-	5.48
ठ) बैंक कमीशन	5.54	7.15
ड) पूर्वछात्र खर्चे	22.14	20.03
ढ) पुर्जों की खपत	55.91	31.56
कुल ग	**1,028.89**	**1,276.79**
कुल (क+ख+ग)	**1,378.26**	**1,683.29**

अनुसूची 17 - परिवहन व्यय

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
योजनेतर		
1 वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)		
क) चालू खर्च	1.68	2.57
ख) मरम्मत और रखरखाव	0.99	1.31
ग) बीमा खर्च	0.36	0.77
कुल	**3.03**	**4.66**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 18 - मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
योजनेतर		
क) इमारतें	284.05	284.47
ख) फर्नीचर एवं फिक्स्चर	59.66	27.92
ग) कार्यालय उपकरण	64.67	121.77
घ) कंप्यूटर	155.01	146.97
ङ) संपत्ति रखरखाव	605.26	700.98
कुल	**1,168.65**	**1,282.11**

अनुसूची 19 - मूल्यह्रास / परिशोधन

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास	1,523.29	1,433.44
अमूर्त संपत्तियों का परिशोधन	1,165.85	833.47
	2,689.14	2,266.92
घटाया : पूंजी निधि से हस्तांतरित	1,119.43	1,135.92
कुल	**1,569.71**	**1,131.00**

अनुसूची 20 - अन्य खर्चे

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
योजनेतर		
क) अपरिवर्तनीय शेष खारिज किया गया (शुद्ध)	20.62	-
कुल	**20.62**	**-**

अनुसूची 21 - पूर्व अवधि के खर्च

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
योजनेतर		
क) मरम्मत और रखरखाव	-	33.25
कुल	**-**	**33.25**

अनुसूची 22 - नामित निधि में हस्तांतरण

(राशि लाख में)

विवरण	2020-21	2019-20
क) आईआईएमए कॉर्पस निधि	-	500.00
ख) परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	4,000.00	5,000.00
ग) कंप्यूटर व्ययों के लिए निधि	1,000.00	2,000.00
कुल	**5,000.00**	**7,500.00**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत प्रथा, तथा लेखांकन प्रोद्भवन विधि के तहत सामान्यतः भारतीय स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (आई-जीएएपी) के अनुसार और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अधिसूचित लेखांकन मानकों के अनुसार (बच्चों के शिक्षा भत्ते को छोड़कर, जो नकद आधार पर गिना गया है) तैयार किए गए हैं।

वित्तीय विवरण, शिक्षा मंत्रालय द्वारा केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर व्यापक रूप से तैयार किए गए हैं।

2. अनुमानों का उपयोग

प्रतिवेदन अवधि के दौरान वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आय और व्यय की तारीख के अनुरूप भारतीय जीएएपी के अनुसार प्रबंधकों को समीक्षाधीन अवधि के दौरान संपत्ति और देनदारियों (आकस्मिक देयताओं सहित) की प्रतिवेदित मात्रा में अनुमानों और मान्यताओं के लिए प्रबंधन की आवश्यकता होती है।

प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरणों की तैयारी में प्रयुक्त अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। लेखा के अनुमान प्रत्येक अवधि में परिवर्तनशील हो सकते हैं। वास्तविक परिणाम उन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। अनुमानों के आस-पास की परिस्थितियों में बदलाव के बारे में संचालनकर्ता जागरूक बन जाते हैं इसलिए अनुमानों में उचित परिवर्तन किए जाते हैं। अनुमान में परिवर्तन वित्तीय विवरणों में उस अवधि के दौरान प्रतिबिंबित होता है, जिसमें परिवर्तन किए जाते हैं और यदि सामग्री है, तो उनके प्रभाव वित्तीय विवरणों के नोट्स में प्रकट होते हैं।

3. वस्तुसूची मूल्यांकन

वस्तुसूची में भंडार, लेखन-सामग्री और उपभोग्य वस्तुएँ शामिल हैं और लागत के निचले स्तर या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मूल्यांकित हैं। लागत में खरीद की लागत और संबंधित प्रत्यक्ष लागत शामिल हैं। भारित औसत विधि का उपयोग करने पर वस्तुसूची की लागत लाई गई है।

4. अचल संपत्तियाँ

मूर्त संपत्तियाँ

मूर्त अचल संपत्ति कम लागत संचित मूल्यह्रास पर दर्शायी गई हैं और क्षतियाँ, यदि कोई हैं तो, उन पर दर्शायी गई हैं। अचल संपत्तियों के अधिग्रहण की लागत में भाड़ा, शुल्क और कर तथा परिसंपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित अन्य आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्यय और अपेक्षित उपयोग के लिए अपनी कार्यशील स्थिति में लाने के लिए व्यय शामिल हैं।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालन व्यय, पूंजीगत परिसंपत्तियों के मूल्य का हिस्सा हैं।

उपहार / दान के माध्यम से प्राप्त मूर्त परिसंपत्तियों का मूल्यांकन इसी रूप में पूंजीगत निधि में किया जाता है।

निर्धारित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से बनी परिसंपत्तियाँ, जहाँ संस्थान में निहित ऐसी संपत्तियों का स्वामित्व, पूंजीगत निधि के लिए केडिट द्वारा स्थापित किया गया है और उन्हें संस्थान की मूर्त संपत्ति के साथ विलय कर दिया गया है।

अमूर्त संपत्तियाँ

अमूर्त संपत्तियाँ अधिग्रहण की उनकी लागत, कम संचित ऋण मुक्ति और हानि नुकसान को घटाकर बताई गई हैं। अमूर्त संपत्ति वहाँ समझना है, जहाँ यह संभव है कि भविष्य में आर्थिक लाभ संपत्ति के कारण उद्यम बनेंगे और जहाँ इसका मूल्य / लागत विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

संस्थान सॉफ्टवेयर निधि बनाता है और संबंधित कार्यान्वयन लागत को बढ़ाता है जहाँ इसके यथोचित अनुमान हैं कि सॉफ्टवेयर में एक स्थायी उपयोगी अवधि का फायदा मिल सके।

5. मूल्यह्रास

मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास

भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है, जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों के अलावा, आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट के अनुसार हैं। इस मामले में, जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलग-अलग आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवन का बड़ा हिस्सा आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ मूल्यह्रास की दर 5 % लागू की गई है, जबकि गैर आवासीय भवनों के लिए आयकर अधिनियम द्वारा नियत दर 10% है।

परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास जहाँ मदवार वास्तविक लागत 5,000/ रु. के बराबर या उससे कम हैं, वहाँ उसे कम मूल्य की संपत्ति माना गया है और यह 100% की दर से प्रदान की गई है।

अचल परिसंपत्तियों से संबंधित पूंजी अनुदानों / निधियों (सरकारी और गैर-सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में मान्यता दी गई है और एक व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर संपत्ति के उपयोगी जीवनकाल पर इसे आय एवं व्यय खाते में लिया गया है। अर्थात् दीर्घ अवधियों में पूंजीगत अनुदानों / निधियों को उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है। अन्य खातों के नोट्स के लिए नोट 7 भी देखें।

अमूर्त आस्तियों की ऋणमुक्ति

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को 40% (पिछले वर्ष 40%) की दर से परिशोधित ऋणमुक्त किया गया है। पुस्तकालय डेटाबेस और पत्रिकाओं को 100% (पिछले वर्ष 100%) की दर से परिशोधित किया गया है। एमओई द्वारा अपने निदर्शी उदाहरण में 40% परिशोधन दर निर्धारित की गई है। चूँकि सदस्यता अवधि एक वर्ष है, संस्थान पुस्तकालय डेटाबेस और पत्रिकाओं के उपयोग-जीवन को एक वर्ष का मानता है, और तदनुसार, खरीद के वर्ष में लागत का 100% परिशोधन किया गया है।

6. निवेश

"दीर्घकालिक निवेश" के रूप में वर्गीकृत निवेशों को लागत पर लगाया गया है (इस पर भुगतानकृत बिना परिशोधित प्रीमियम सहित)। निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किए गए प्रीमियम को परिपक्वता तारीख तक यथानुपात परिशोधित कर दिया गया है।

दान के रूप में प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज-सूचीबद्ध निवेशों का मूल्यांकन स्टॉक एक्सचेंज पर समापन दर के अनुसार किया गया है। दान के रूप में प्राप्त निवेशों की बिक्री पर लाभ / हानि को निर्धारित उद्देश्यों के लिए निधि में जोड़ा / घटाया गया है।

अस्थायी के अलावा, ह्रास का प्रावधान ऐसे निवेशों की लागत / मूल्य में किया गया है।

7. निर्धारित / बंदोबस्ती निधियाँ

निर्धारित

दीर्घ अवधि की निधियों को विशिष्ट उद्देश्य के लिए निर्धारित किया गया है और इन्हीं को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बांड और सावधि जमा में निवेश किया गया है। निवेशों से आय निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेशों का एक बड़ा समूह है। व्यय और अग्रिम को इन निधि में नामे किया जाता है। परिसंपत्तियाँ निर्धारित निधियों से बनाई गई हैं जहाँ संस्थान का स्वामित्व निहित है, और इन्हें पूंजीगत निधि के बराबर राशि जमा करके संस्थान की संपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। संबंधित निधियों में शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है और निवेशों तथा उपार्जित ब्याज द्वारा परिसंपत्तियों का प्रतिनिधित्व किया गया है।

बंदोबस्ती निधि

विभिन्न व्यक्तिगत दाताओं, ट्रस्टों एवं अन्य संगठनों से प्राप्त वित्तपोषण ही बंदोबस्ती निधि है, जो अध्यक्षनिधि और पदकों एवं पुरस्कार के लिए स्थापित किया गया है। इसी को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बॉन्ड और सावधि जमाओं में निवेश किया गया है।

निवेश से प्राप्त आय औसत मासिक निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेश का एक समूह है और प्रत्येक कोष में औसत मासिक अंतः शेष के अनुपात में इन्हें आवंटित किया गया है। संबंधित बंदोबस्ती निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से पदकों और पुरस्कारों पर व्यय किया गया है और शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है।

अध्यक्षनिधि के संबंध में, ब्याज आय की कमी के मामले में बंदोबस्ती निधि का कार्पस इस्तेमाल किया जा सकता है। शेष राशियों को निवेश और उपार्जित ब्याज के रूप में दर्शाया जाता है।

8. राजस्व मान्यता

नामांकन फीस को छोड़कर "कार्यकारी पाठ्यक्रम के लिए पीजीपी" छात्रों की फीस जो रसीद के आधार पर प्राप्त होती है उसे प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता प्राप्त है और "आस्थगित शुल्क" को छात्रों द्वारा उनके प्रवेश नहीं लेने की पुष्टी के आधार पर गिना जाता है।

आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजीगत प्राप्ति के रूप में माने गए हैं और कॉर्पस / पूंजीगत निधि के तहत दर्शाए गए हैं।

भूमि और भवन, स्थानन शुल्क, अन्य विविध प्राप्तियाँ और निवेश पर ब्याज से प्राप्त आय को प्रोद्भवन आधार पर गिना गया है।

वर्ष के अंत में जारी अनुसंधान, परामर्शन, पूर्व परियोजनाओं / कार्यक्रमों से आय को संबंधित परियोजना के तहत वर्ष के दौरान किए गए खर्च की सीमा तक आय एवं व्यय तथा संस्थान के हिस्से को आनुपातिक रूप से विभाजित करके खाते में मान्यता दी गई है, क्योंकि संस्थान के शेयर और परियोजना से आय के संकायों के शेयर परियोजना रूप से बंद होने तक निर्धारित नहीं होते हैं।

दान, बीमा दावे से प्राप्तियाँ और कैट फीस से अंशदान, प्राप्ति के आधार पर गिना गया है।

9. निवेश पर ब्याज

निधि के प्रशासन के लिए वर्ष के दौरान अर्जित कुल ब्याज का 1% समायोजित करने के बाद वर्ष के दौरान औसत मासिक निवेश पर अर्जित औसत ब्याज की औसत दर के आधार पर निर्धारित, बंदोबस्ती तथा अन्य निधियों एवं अनुदान (सीएमए अनुदान को छोड़कर) में निवेश पर ब्याज को संबंधित निधि खाते में आवंटित किया जाता है। ऐसी राशि को आय एवं व्यय खाते में ब्याज से आय के रूप में दर्शाया गया है।

संबंधित निर्धारित, बंदोबस्ती, कॉरपस, अन्य निधियों तथा अनुदान खाते में आवंटन के बाद किसी भी अधिशेष ब्याज को आय एवं व्यय खाते में "ब्याज से आय" के रूप में दर्शाया गया है।

निर्धारित, बंदोबस्ती और अन्य निधियों से किए गए निवेश पर लाभांश संबंधित निधि खाते में आवंटित किया गया है।

10. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तिथि पर प्रचलित विनिमय दर पर की गई है। इस अवधि के दौरान अदा की गई विदेशी मुद्रा के लेन-देन के संबंध में होने वाले कुल विनिमय लाभ या हानि को आय एवं व्यय खाते में दर्शाया गया है।

11. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

विशिष्ट नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को पूंजी अनुदान के रूप में माना गया है। विशिष्ट नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय एवं व्यय खाते में परिसंपत्तियों को उपयोगी अवधि पर एक व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है अर्थात् पूंजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

राजस्व व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदानों को अधिकतम उपयोग किया गया है, जैसे उन्हें वर्ष की आय के रूप में माना गया है।

अप्रयुक्त अनुदानों को आगे बढ़ाया गया है और तुलन पत्र में देयता के रूप में दर्शाया गया है।

12. प्रायोजित परियोजनाएँ

जारी प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को अन्य देयताएँ - वर्तमान देयताएँ शीर्षक के तहत जारी प्रायोजित परियोजनाओं के सामने प्राप्तियाँ शीर्षक में दर्शाया गया है। ऐसी परियोजनाओं के लिए जब भी व्यय किया जाता है / ऐसी परियोजनाओं के लिए अग्रिम भुगतान किया जाता है, तब ये व्यय/अग्रिम भुगतान संबंधित परियोजना खाते के खर्चे में लिखा जाता है।

13. सेवानिवृत्ति लाभ

परिभाषित लाभ योजना के तहत सभी पात्र कर्मचारियों को भविष्य निधि (प्रोविडेंट फंड), एक परिभाषित योगदान योजना और ग्रेच्युटी एवं सेवानिवृत्ति पेंशन से लाभ प्राप्त हुआ। कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण के रूप में अनुपस्थिति की भरपाई करने का भी अधिकार है।

नियत दरों पर नियमित योगदान भविष्य निधि में किया जाता है। ग्रेचुइटी, सेवानिवृत्ति पेंशन और कर्मचारियों के लिए संचित छुट्टी का प्रावधान अनुमानित लाभ दायित्व विधि (पीबीओ विधि) का उपयोग करके किया गया है।

आय एवं व्यय खाते में दर्शाए गए अनुसार सेवानिवृत्ति तथा समापन लाभों पर व्यय सेवानिवृत्ति लाभों के लिए निवेश पर अर्जित ब्याज का शुद्ध है।

14. आय कर

आयकर अधिनियम की धारा 10(23सी)(vi) के तहत इस संस्थान की आय आयकर से मुक्त है, इसीलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

आयकर पुनर्प्राप्ति योग्य निवेश, व्यावसायिक शुल्क और प्लेसमेंट आय पर ब्याज से कटौती करने से संबंधित है।

15. प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक संपत्तियाँ

माप में पर्याप्त अनुमानित आकलन से संबंधित प्रावधानों को मान्यता प्राप्त है, जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होते हैं और यह संभावित है कि संसाधनों का उत्प्रवाह होगा। जिन प्रावधानों के भुगतान करना जरूरी थे उन्हें नियमित रूप से समीक्षित किया गया है और दायित्व के मौजूदा सर्वोत्तम अनुमानों को प्रतिबिंबित करने के लिए जहाँ आवश्यक रहा वहाँ उन्हें समायोजित किया गया है।

जहाँ कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं बनाया जा सकता है, वहाँ आकस्मिक दायित्व के रूप में प्रकटीकरण किया गया है। जहाँ एक संभावित दायित्व या वर्तमान दायित्व है जिसके संबंध में संसाधनों के उत्प्रवाह की संभावना बहुत कम है, वहाँ कोई प्रावधान या प्रकटीकरण नहीं किया गया है। आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी गई है लेकिन एक नोट के माध्यम से खातों में उनका खुलासा किया गया है। वित्तीय विवरणों में आकस्मिक संपत्तियों को न तो मान्यता प्राप्त है और ना ही स्पष्ट किया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
अनुसूची 24 : खातों के लिए अन्य नोट

1. आकस्मिक देयताएँ

(क) सेवा कर की माँग विवाद में है
539.46 लाख रुपए (पिछले वर्ष 474.82 लाख रुपए)

(ख) संस्थान के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है
शून्य (पिछले वर्ष शून्य रुपए)

(ग) विद्युत ड्यूटी
34.69 लाख रुपए (पिछले वर्ष 34.69 लाख रुपए)

(घ) श्रम न्यायालय और उच्च न्यायालय में कर्मचारियों से संबंधित लंबित केस

न्यायालय का नाम	केसों की संख्या	केसों का संक्षिप्त विवरण	राशि
श्रम न्यायालय	3	आवेदक पूर्ण पिछले वेतन के साथ सेवा की निरंतरता के साथ बहाली की मांग कर रहे हैं।	निश्चित नहीं कहा जा सकता।
सिविल न्यायालय	1	स्वर्गस्थ श्री जयंतीलाल ठाकोर के आश्रितों को मृत्यु देय राशि का भुगतान।	निश्चित नहीं कहा जा सकता।
उच्च न्यायालय	10	याचिकाकर्ता ने बहाली आदि की मांग करने वाली सेवाओं की समाप्ति को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता ने संस्थान के प्रोफेसर की नियुक्ति के खिलाफ अपील की है। ईपीजीपी के प्रतिभागियों ने एमबीए डिग्री के बदले एमएमएस डिग्री देने के बोर्ड के फैसले को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता ने पेंशन के लिए केस किया है।	निश्चित नहीं कहा जा सकता।

2. अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध (अग्रिम का कुल) **25,791.30** लाख रुपए (पिछले वर्ष 35,246.09 लाख रुपए) हैं, जिसका उपयोग निर्धारित निधियाँ एवं अनुदान से किया जाएगा।

3. वर्तमान परसंपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम से कम तुलन पत्र में दर्शायी गई कुल राशि के बराबर है। मौजूदा परिसंपत्तियों, वर्तमान देनदारियों, ऋणों और अग्रिमों में शेष राशि पुष्टि के अधीन हैं।

4. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23सी) (vi) के अधीन, आयकर मुख्य आयु कार्यालय, अहमदाबाद कार्यालय से पत्र संख्या CC-IV/ABD/10 (23C) cell/10 (23C) (vi) IIM/2010-11/1305 दिनांक 31.01.2011 के अनुसार आयकर में छूट प्राप्त कर ली है। यह तब तक प्रभावी रहेगी जब तक किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वापिस नहीं ली जाती है।

संस्थान को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12ए(ए) के तहत पंजीकरण भी प्रदान किया गया है।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय

(राशि लाखों में)

विवरण	2020 - 2021 रुपए	2019 – 2020 रुपए
क) विदेशी यात्रा	शून्य	61.02
ख) पुस्तकें और केस सामग्री	812.50	857.41
ग) अन्य	250.59	400.00

6. विदेशी मुद्रा में आय

(राशि लाख में)

विवरण	2020 - 2021 रुपए	2019 – 2020 रुपए
क) परियोजना, कार्यक्रम, दान और फीस से आय	398.80	650.13
ख) स्थानन आय	66.53	57.25

7. भवनों का मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है, जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास आयकर अधिनियम,1961 में निर्दिष्ट के अनुसार किया गया है। यह मूल्यह्रास उदाहरणार्थ दर्शाई गई शिक्षा मंत्रालय की दरों के अनुरूप नहीं है। उक्त तरीके के प्रभाव को निर्धारित नहीं किया जा सकता है क्योंकि संपत्तियाँ बहुत पुरानी हैं और उनकी पूंजीकरण की तारीख आदि के बारे में विवरण उपलब्ध नहीं हैं। संस्थान नीचे सूचीबद्ध दरों पर संपत्ति पर मूल्यह्रास प्रदान करता है:

क्रमांक	संपत्ति की प्रकृति	मूल्यह्रास गणना की विधि	मूल्यह्रास की दर
1.	भवन-परिसर	सीधी रेखा पद्धति	5/10%
2.	विद्युत प्रतिष्ठापन	लिखित मूल्य	10%
3.	संयत्र एवं मशीनरी	लिखित मूल्य	15%
4.	कार्यालय उपकरण	लिखित मूल्य	15%
5.	श्रव्य दृश्य उपकरण	लिखित मूल्य	15%
6.	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	लिखित मूल्य	40%
7.	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	लिखित मूल्य	10%
8.	वाहन	लिखित मूल्य	15%
9.	पुस्तकालय की पुस्तकें	लिखित मूल्य	40%
10.	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	लिखित मूल्य	40%
11.	पुस्तकालय डेटाबेस एवं पत्रिकाएँ	लिखित मूल्य	100%

8. संस्थान ने पीजीपीएक्स पाठ्यक्रम की आपत्ति पर सेवाकर / जीएसटी जमा किया है। 31 मार्च 2021 तक **224.62 लाख रु**. (पिछले वर्ष 224.62 लाख रुपए) के भुगतान को अनुसूची-7 में विरोध के तहत सेवाकर/जीएसटी भुगतान (पीजीपीएक्स) के रूप में दर्शाया गया है और तदनुसार इसे अनुसूची-3 में छात्रों को सेवाकर/जीएसटी प्रतिदेय (पीजीपीएक्स) के रूप में प्रकट किया गया है। इसी राशि को जब भी, जैसे ही इस विवाद का समाधान कर लिया जाता है तभी एवं वैसे ही समायोजित / वापिस कर दिया जाएगा।

9. संस्थान ने दुबई इंटरनेशनल फाइनेंस सेंटर, दुबई में एक शाखा पंजीकृत की है। इस तरह की शाखा के वित्त संस्थान के वित्त के साथ समेकित है। संस्थान के निर्णय के अनुसार, दुबई शाखा के लिए व्यय की गई राशि **153.67 लाख रुपए** (पिछले वर्ष 94.71 लाख रुपए) रिसर्च पब्लिकेशन एंवं थ्रस्ट एरिया फंड से ली गई है।

रिपोर्टिंग तिथि पर प्रचलित दरों पर विदेशी शाखा की संपत्ति और देयताओं का भारतीय रुपये में रूपांतरण किया जाता है। जिस वर्ष लेन-देन हुआ उस वर्ष की औसत विनिमय दर के आधार पर वर्ष के लिए आय और व्यय का भारतीय रुपये में रूपांतरण किया जाता है। इस रूपांतरण के परिणामस्वरूप होने वाले विदेशी मुद्रा लाभ और हानि को आय और व्यय के विवरण में मान्यता दी गई है।

10. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को देय और पुष्टियाँ :

विवरण	2020 - 2021 रुपए	2019 – 2020 रुपए
प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में किसी भी आपूर्तिकर्ता को मूल राशि और उस पर देय ब्याज का भुगतान नहीं किया जाता है।	-	-
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार खरीदार द्वारा भुगतान की गई ब्याज की राशि के साथ-साथ प्रत्येक लेखा वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि।	-	-
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना भुगतान करने में विलंब की अवधि के लिए देय और भुगतान योग्य ब्याज की राशि (जिसका भुगतान किया गया है लेकिन वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद)	-	-
प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में अर्जित और बकाया ब्याज की राशि; और	-	-
एमएसएमईडी अधिनियम 2006 की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय के रूप में, जबकि ऊपरोक्त अनुसार वास्तव में अस्वीकृति के उद्देश्य के लिए छोटे उद्यम को ब्याज बकाया भुगतान किया गया है, आगे के वर्षों में भी बकाया और देय ब्याज की राशि, ऐसी तारीख तक देय और बकाया है।	-	-

संस्थान ने उन आपूर्तिकर्ताओं से पुष्टि प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है जिन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (एमएसएमईडी अधिनियम, 2006) के तहत खुद को पंजीकृत किया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 (एमएसएमईडी अधिनियम, 2006) के तहत अपने आपूर्तिकर्ताओं से उनके पंजीकरण के संबंध में कंपनी द्वारा प्राप्त प्रतिक्रियाओं की सीमा तक उपरोक्त जानकारी संकलित की गई है।

11. शिक्षा मंत्रालय द्वारा दिए गए लेखांकन और प्रस्तुतीकरण मानदंडों के आधार पर वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति की पुष्टि के लिए पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनःगठित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-
कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन500028
सनदी लेखाकार

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

Date: 26/6/2021
स्थान : अहमदाबाद

हस्ताक्षरित/-
एरोल डी'सूजा
निदेशक

हस्ताक्षरित/-
उमेश दलाल
मुख्य वित्तीय अधिकारी

हस्ताक्षरित/-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी
कार्यालय प्रधान लेखा परीक्षा
निदेशक (केंद्रीय), गुजरात
लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा
अहमदाबाद 380009

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदबाद
31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
I. अथ शेष			I. व्यय		
क) नकद शेष	0.10	0.10	क) स्थापना व्यय	8,871.98	8,435.93
ख) बैंक में शेष			ख) अकादमिक व्यय	2,642.01	2,954.06
i. रुपये खातों में	942.78	659.04	ग) प्रशासनिक व्यय	1,367.20	1,753.45
ii. जमा खातों में	4,692.72	6,012.82	घ) परिवहन व्यय	3.03	4.66
iii. बचत खाते में	2,214.49	3,166.97	ङ) मरम्मत एवं रखरखाव	1,190.54	1,289.98
iv. एफ़सी खातों में	48.69	22.82	च) पूर्व अवधि व्यय	-	33.25
ग) हस्तगत स्टेम्प	0.51	2.51			
II. प्राप्त अनुदान			**II. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के लिए भुगतान**	1,403.54	1,290.00
क) भारत सरकार से	340.00	320.00			
ख) राज्य सरकार से	-	-			
ग) अन्य स्रोतों से	-	-			
III. अकादमिक प्राप्तियाँ	16,356.92	15,312.21	**III. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के लिए भुगतान**	4,308.57	6,806.06
IV. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से प्राप्तियाँ	2,544.10	3,662.61	**IV. प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति के लिए भुगतान**	431.76	183.06
V. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं से प्राप्तियाँ	7,186.77	10,852.40	**V. निवेश एवं सावधि जमा किए गए**		
			क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधियों में से	21,711.48	7,836.73
			ख) स्वयं की निधियों में से (निवेश अन्य)	-	-
VI. प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति से प्राप्तियाँ	419.46	39.62	**VI. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा**	6,450.22	30,150.61
VII. निवेशों से आय			**VII. अचल परिसंपत्तियों एवं जारी पूंजीगत कार्यों पर व्यय**		
क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधियाँ	9,416.91	6,855.02	क) अचल संपत्तियाँ	1,876.01	1,371.73
ख) अन्य निवेश	-	-	ख) पूंजीकार्य प्रगति में (पूंजीगत अग्रिम सहित)	10,271.29	6,475.08
VIII. ब्याज प्राप्त हुआ			**VIII. वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतानs**		
क) बैंक जमा	1,187.23	2,368.82	क) दी गई जमाराशियाँ	9.92	22.15
ख) बचत बैंक खाते	134.10	200.52	ख) जमा राशि का पुनर्भुगतान	-	-
		-	ग) वैधानिक देयताओं में वृद्धि	-	-
IX. निवेश का नकदीकरण	14,541.90	24,380.24	**IX. अनुदान की धनवापसी**	-	-
X. अन्य आय			**X. अन्य भुगतान**		
क) भूमि एवं इमारतों से आय	164.68	459.99	क) व्यापक ऋणदाता और ऋण एवं अग्रिम	-	600.10
ख) अन्य	824.98	1,103.29	ख) कर्मचारियों को अग्रिम	-	-
			ग) स्टॉक में परिवर्तन	1.91	-9.03

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
			घ) टीडीएस प्राप्य में वृद्धि/कमी	185.94	-747.03
XI. जमा एवं अग्रिम			**XI. समापन शेष**		
क) प्राप्त जमानती धन राशि	388.95	174.94	क) नकद शेष	0.10	0.10
ख) जमा राशि (देयता)	3.14	4.52	ख) बैंक शेष	-	7.70
ग) जमा का नकदीकरण (संपत्ति)	0.32	398.82	i. रुपये खातों में	612.44	942.78
घ) वैधानिक दायित्व में कमी	68.99	199.67	ii. जमा खातों में	738.86	4,692.72
ङ) अग्रिम वापस मिला (कर्मचारी)	3.14	23.09	iii. बचत खाते में	2,734.88	2,214.49
			iv. एफ़सी खातों में	100.39	48.69
			ग) हस्तगत स्टेम्प	0.97	0.51
XII. विविध प्राप्तियाँ (वैधानिक प्राप्तियाँ)	-	-			
XIII. अन्य प्राप्तियाँ					
क) संपत्ति की बिक्री	33.08	50.17			
ख) छुटपुट लेनदारों में वृद्धि और अन्य देयताएँ	2,097.51	79.88			
ग) विविध देनदार	1,301.55	-			
कुल	**64,913.05**	**76,350.09**	**कुल**	**64,913.05**	**76,350.09**

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-
कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन500028
सनदी लेखाकार

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

Date: 26/6/2021
स्थान : अहमदाबाद

हस्ताक्षरित/-
एर्रोल डी'सूजा
निदेशक

हस्ताक्षरित/-
उमेश दलाल
मुख्य वित्तीय अधिकारी

हस्ताक्षरित/-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी
कार्यालय प्रधान लेखा परीक्षा
निदेशक (केंद्रीय), गुजरात
लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा
अहमदाबाद 380009

स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2021 तक

1966
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

1968
- जोह्न सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. क्रृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

1973
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

1979
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

1983
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

1984
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

1991
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

1994
- हृषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

1995
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

1999
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

2001
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

2003
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

2004
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुद ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

2005
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

2006
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीएक्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीएक्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

2011
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

2012
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीएक्स)

2013
- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी
- शशांक राठी (पीजीपी-एबीएम)
- आदित्य बंसल (पीजीपीएक्स)

2014
- हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा
- संचित बंसल
- प्रशांत सरकार
- आदित्य किरण परांजपे (पीजीपीएक्स)

2015
- अग्रवाल राहुल सतीश
- रक्षित यू. अग्रवाल
- अभिनव गुप्ता
- सिद्धार्थ अग्रवाल (पीजीपी-एबीएम)
- अंशुल श्रीवास्तव (पीजीपीएक्स)

2016
- आयुष अग्रवाल
- शाह आशय सुभाष
- अनुराग अग्रवाल
- प्रसन्ना वेंकटेशन श्रीनिवासन अय्यंगर (पीजीपीएक्स)

2017
- आशीष खुल्लर
- आकाश गुप्ता
- सम्यक डागा
- मिहिर पारेख (पीजीपीएक्स)

2018
- प्रखर बालासुब्रमण्यन
- अनुराग पोद्दार
- सौम्यो माधब मित्रा
- श्रीहरि सुमाइथंगी जानकीराम (पीजीपीएक्स)

2019
- शुभम गोयल
- अडवाणी मनीष सुरेश
- क्षितिज जैन
- मोक्षा (पीजीपी-एफ़एबीएम)
- रोनित भट्टाचार्य (पीजीपीएक्स)

2020
- आदित्य अग्रवाल
- जोबलिया जिनेश राजेंद्र
- कार्तिकेय गुप्ता
- अनंत कृष्णन (पीजीपीएक्स)

2021
- अखिल मंगला
- अरुणाभ सक्सेना
- विकास कुमार
- दीप कुमार बोथरा (पीजीपीएक्स)

दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथिगण

1966 श्री एम. सी. चागला
1967 डॉ. विक्रम साराभाई
1968 श्रीमती इन्दिरा गाँधी
1969 डॉ. करन सिंह
1970 श्री एल. के. झा
1971 श्री धर्म वीर
1972 श्री सी. सुब्रामणियम
1973 श्री डी.पी. धर
1974 प्रोफेसर नुरुल हसन
1975 श्री टी.ए. पाई
1976 डॉ. वी. एम. दंडेकर
1977 श्री एम.एस. स्वामीनाथन
1978 श्री एच. एम. पटेल
1979 श्री वी. जी. राजाध्यक्ष
1980 जस्टिस श्री एम. हिदायतुल्लाह
1981 श्री केशुब महिन्द्रा
1982 श्रीमती शारदा मुखर्जी
1983 श्री नानी पालखीवाला
1984 श्री पी.एल. टंडन
1985 श्री के. सी. पंत
1986 श्री हितेन भाया
1987 डॉ. राजा रमन्ना
1988 श्री वी. कुरियन
1989 श्री ए.एस. गांगुली
1990 श्री रुसी मोदी
1991 श्री सरुप सिंह
1992 श्री राजमोहन गाँधी
1993 श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
1994 डॉ. मनमोहन सिंह
1995 श्री सेम पित्रोडा
1996 श्री ए. एम. एहमदी
1997 श्री अदी गोदरेज
1998 श्री विक्रम लाल
1999 श्री के. बी. दादीशेठ
2000 श्री आर. के. लक्ष्मण
2001 डॉ. देश देशपांडे
2002 श्री अज़ीम प्रेमजी
2003 डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
2004 डॉ. बिमल जालान
2005 श्री रघुराम राजन
2006 श्री एम. एस. बंगा
2007 श्री पी. चिदम्बरम्
2008 श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया
2009 श्री दीपक पारेख
2010 डॉ. सी. रंगराजन
2011 डॉ. मनमोहन सिंह
2012 श्री के. वी. कामथ
2013 श्री एल. एन. मित्तल
2014 श्री आनंद महिन्द्रा
2015 श्री अजय बंगा
2016 श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य
2017 सुश्री शिखा शर्मा
2018 डॉ. जन्मेजय सिन्हा
2019 प्रोफ़ेसर कौशिक बसु

दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथिगण

1966 श्री एम. सी. चागला
1967 डॉ. विक्रम साराभाई
1968 श्रीमती इन्दिरा गाँधी
1969 डॉ. करन सिंह
1970 श्री एल. के. झा
1971 श्री धर्म वीर
1972 श्री सी. सुब्रामणियम
1973 श्री डी.पी. धर
1974 प्रोफेसर नुरुल हसन
1975 श्री टी.ए. पाई
1976 डॉ. वी. एम. दंडेकर
1977 श्री एम.एस. स्वामीनाथन
1978 श्री एच. एम. पटेल
1979 श्री वी. जी. राजाध्यक्ष
1980 जस्टिस श्री एम. हिदायतुल्लाह
1981 श्री केशुब महिन्द्रा
1982 श्रीमती शारदा मुखर्जी
1983 श्री नानी पालखीवाला
1984 श्री पी.एल. टंडन
1985 श्री के. सी. पंत
1986 श्री हितेन भाया
1987 डॉ. राजा रमन्ना
1988 श्री वी. कुरियन
1989 श्री ए.एस. गांगुली
1990 श्री रुसी मोदी
1991 श्री सरुप सिंह
1992 श्री राजमोहन गाँधी
1993 श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
1994 डॉ. मनमोहन सिंह
1995 श्री सेम पित्रोडा
1996 श्री ए. एम. एहमदी
1997 श्री अदी गोदरेज
1998 श्री विक्रम लाल
1999 श्री के. बी. दादीशेठ
2000 श्री आर. के. लक्ष्मण
2001 डॉ. देश देशपांडे
2002 श्री अज़ीम प्रेमजी
2003 डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
2004 डॉ. बिमल जालान
2005 श्री रघुराम राजन
2006 श्री एम. एस. बंगा
2007 श्री पी. चिदम्बरम्
2008 श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया
2009 श्री दीपक पारेख
2010 डॉ. सी. रंगराजन
2011 डॉ. मनमोहन सिंह
2012 श्री के. वी. कामथ
2013 श्री एल. एन. मित्तल
2014 श्री आनंद महिन्द्रा
2015 श्री अजय बंगा
2016 श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य
2017 सुश्री शिखा शर्मा
2018 डॉ. जन्मेजय सिन्हा
2019 प्रोफ़ेसर कौशिक बसु

विद्याविनियोगाद्विकासः

IIM AHMEDABAD

59 वाँ

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2020-21

संस्थापक प्रणेता

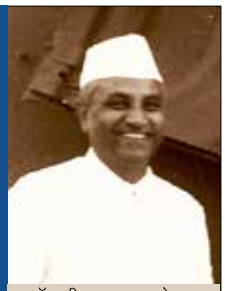
डॉ. जीवराज एन. मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

डॉ.विजयपत सिंघानिया

श्री ए. एम. नायक

श्री पंकज पटेल

वर्तमान अध्यक्ष

श्री कुमार मंगलम बिड़ला

वर्तमान निदेशक

एर्रोल डिसूज़ा

पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

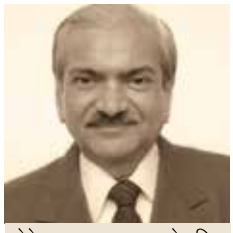
प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

प्रोफेसर आशीष नन्दा

स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2021 तक

1966
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

1968
- जोह्न सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

1973
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

1979
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

1983
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

1984
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

1991
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

1994
- हृषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

1995
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

1999
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

2001
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

2003
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

2004
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुद ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

2005
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

2006
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीएक्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीएक्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

2011
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

2012
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीएक्स)

2013
- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी
- शशांक राठी (पीजीपी-एबीएम)
- आदित्य बंसल (पीजीपीएक्स)

2014
- हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा
- संचित बंसल
- प्रशांत सरकार
- आदित्य किरण परांजपे (पीजीपीएक्स)

2015
- अग्रवाल राहुल सतीश
- रक्षित यू. अग्रवाल
- अभिनव गुप्ता
- सिद्धार्थ अग्रवाल (पीजीपी-एबीएम)
- अंशुल श्रीवास्तव (पीजीपीएक्स)

2016
- आयुष अग्रवाल
- शाह आशय सुभाष
- अनुराग अग्रवाल
- प्रसन्ना वेंकटेशन श्रीनिवासन अय्यंगर (पीजीपीएक्स)

2017
- आशीष खुल्लर
- आकाश गुप्ता
- सम्यक डागा
- मिहिर पारेख (पीजीपीएक्स)

2018
- प्रखर बालासुब्रमण्यन
- अनुराग पोद्दार
- सौम्यो माधब मित्रा
- श्रीहरि सुमाइथंगी जानकीराम (पीजीपीएक्स)

2019
- शुभम गोयल
- अडवाणी मनीष सुरेश
- क्षितिज जैन
- मोक्षा (पीजीपी-एफ़एबीएम)
- रोनित भट्टाचार्य (पीजीपीएक्स)

2020
- आदित्य अग्रवाल
- जोबलिया जिनेश राजेंद्र
- कार्तिकेय गुप्ता
- अनंत कृष्णन (पीजीपीएक्स)

2021
- अखिल मंगला
- अरुणाभ सक्सेना
- विकास कुमार
- दीप कुमार बोथरा (पीजीपीएक्स)